

(1600/SPS/RK)

(माननीय अध्यक्ष पीठासीन हुए)

### निधन संबंधी उल्लेख

1601 बजे

**माननीय अध्यक्ष :** माननीय सदस्यगण, अत्यंत दुःख के साथ मैं सदन को राज्य सभा की पूर्व माननीय सांसद एवं 'भारत रत्न' लता मंगेशकर जी के निधन के बारे में सूचित कर रहा हूँ। देश और दुनिया भर में सुरों की मलिका के रूप में प्रसिद्ध लता मंगेशकर जी का देहावसान दिनांक 6 फरवरी, 2022 को मुंबई में 92 (बानवे) वर्ष की अवस्था में हुआ। स्वर-कोकिला के नाम से विश्वविख्यात लता मंगेशकर जी ने लगभग सभी भारतीय भाषाओं में 25 हजार से अधिक गीत गाए।

उनकी विलक्षण प्रतिभा को उनके जीवन पर्यन्त विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

लता जी द्वारा राष्ट्र के प्रति किए गए उनके योगदान को देखते हुए वर्ष 2001 में उन्हें भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' प्रदान किया गया। फिल्म जगत से जुड़े अनेक पुरस्कारों के अतिरिक्त वर्ष 1969 में उन्हें पद्म भूषण, वर्ष 1989 में दादा साहेब फाल्के सम्मान और वर्ष 1999 में पद्म विभूषण से भी सम्मानित किया गया। साथ ही, फ्रांस ने वर्ष 2009 में उन्हें अपने देश के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया। नवम्बर, 1999 से नवम्बर, 2005 तक उन्होंने राज्य सभा के मनोनीत सदस्य के रूप में राष्ट्र को अपनी सेवाएं प्रदान कीं। "भारत की स्वतंत्रता के स्वर्ण जयंती" के अवसर पर संसद भवन के ऐतिहासिक केन्द्रीय कक्ष में आयोजित समारोह में गाया उनका गीत 'सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा' हम सभी के स्मृति पटल पर सदा के लिए अंकित है।

सेवाभावी लता जी ने 'लता मंगेशकर मेडिकल फाउंडेशन' की स्थापना की। इस पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से समाज के सभी वर्ग के रोगियों को निःशुल्क मेडिकल सेवाएं प्रदान की जाती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों की सहायता एवं वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए अपने पिता की स्मृति में 'मास्टर दीनानाथ मंगेशकर स्मृति प्रतिष्ठान' की भी स्थापना की। उनके निधन से संगीत, कला और संस्कृति जगत को अपूरणीय क्षति हुई है। राष्ट्रीय शोक की इस घड़ी में मैं अपनी ओर से तथा सभा की ओर से दिवंगत पुण्यात्मा को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ तथा शोक संतप्त परिजनों एवं उनके प्रशंसकों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूँ।

माननीय सदस्यगण, मुझे सभा को हमारे दो पूर्व साथियों के दुःखद निधन के बारे में भी सूचित करना है।

(1605/RAJ/PS)

**श्री गजानन डी. बाबर** महाराष्ट्र के मावल संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से 15वीं लोक सभा के सदस्य थे। वे शहरी विकास संबंधी समिति के सदस्य थे। इससे पहले, श्री बाबर दो कार्यकाल के लिए महाराष्ट्र विधान सभा के सदस्य भी रहे। श्री गजानन डी. बाबर जी का निधन 78 वर्ष की आयु में 2 फरवरी, 2022 को पुणे में हुआ।

**श्री सी. जंगा रेड्डी** जी अविभाजित आंध्र प्रदेश के हनमकोन्डा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से 8वीं लोक सभा के सदस्य थे।

वे सभा पटल पर रखे गए पत्रों संबंधी समिति के सदस्य रहे। श्री जंगा रेड्डी जी तीन कार्यकाल के लिए आंध्र प्रदेश विधान सभा के सदस्य भी रहे। श्री सी. जंगा रेड्डी का निधन 86 वर्ष की आयु में 5 फरवरी, 2022 को हैदराबाद में हुआ।

हम आदरणीय लता मंगेशकर जी एवं अपने दो पूर्व साथियों श्री गजानन डी. बाबर जी और श्री सी. जंगा रेड्डी जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं। यह सभा शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करती है।

अब यह सभा दिवंगत आत्माओं के सम्मान में मौन खड़ी रहेगी।

(तत्पश्चात् सदस्यगण थोड़ी देर मौन खड़े रहे।)

**माननीय अध्यक्ष :** ओम शांति: शांति: शांति: ।

सभा की कार्यवाही आज पांच बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

1606 बजे

(तत्पश्चात् लोक सभा सत्रह बजे तक के लिए स्थगित हुई)

(1700/VB/SMN)

1700 बजे

लोक सभा सत्रह बजे पुनः समवेत हुई

(माननीय अध्यक्ष पीठासीन हुए)

**स्थगन प्रस्ताव की सूचनाओं के बारे में विनिर्णय**

**माननीय अध्यक्ष :** माननीय सदस्यगण, मुझे विभिन्न मुद्दों पर श्री ई.टी. मोहम्मद बशीर, एडवोकेट एम. आरिफ और श्री के. सुरेश, श्री अधीर रंजन चौधरी से स्थगन प्रस्ताव की सूचनाएं प्राप्त हुई हैं।

मैंने स्थगन प्रस्ताव की किसी भी सूचना को अनुमति प्रदान नहीं की है।

... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** Every day आपका स्थगन प्रस्ताव रहता है। आपको पर्याप्त मौका दूंगा।

-----

**सभा पटल पर रखे गए पत्र**

1702 बजे

**माननीय अध्यक्ष :** अब पत्र सभा पर रखे जाएंगे।

आइटम नम्बर 2 से 16 श्री अर्जुन राम मेघवाल।

**संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल):** माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री अर्जुन मुंडा जी की ओर से, मैं निम्नलिखित पत्र सभा पटल पर रखता हूँ:

(1) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 394 की उप-धारा 1(ख) के अंतर्गत निम्नलिखित पत्रों की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण):-

(एक) राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त और विकास निगम, नई दिल्ली के वर्ष 2020-2021 के कार्यकरण की सरकार द्वारा समीक्षा।

(दो) राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त और विकास निगम, नई दिल्ली का वर्ष 2020-2021 का वार्षिक प्रतिवेदन, लेखा-परीक्षित लेखे तथा उन पर नियंत्रक-महालेखापरीक्षक की टिप्पणियां।

(2) निम्नलिखित पत्रों की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण):-

(एक) जनजातीय कार्य मंत्रालय की वर्ष 2022-2023 की अनुदानों की विस्तृत मांगें।

(दो) जनजातीय कार्य मंत्रालय की वर्ष 2022-2023 की निर्गत-परिणामी अनुश्रवण रूपरेखा।

.....

**संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल):** माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी की ओर से, मैं निम्नलिखित पत्रों की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) सभा पटल पर रखता हूँ:-

- (1) शिक्षा मंत्रालय की वर्ष 2022-2023 की अनुदानों की विस्तृत मांगों
- (2) शिक्षा मंत्रालय की वर्ष 2022-2023 की निर्गत-परिणामी अनुश्रवण रूपरेखा।

.....

**संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल):** माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री राव इंद्रजीत सिंह जी की ओर से, मैं निम्नलिखित पत्र सभा पटल पर रखता हूँ:

- (1) निम्नलिखित पत्रों की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण):-  
(एक) कारपोरेट कार्य मंत्रालय की वर्ष 2022-2023 की अनुदानों की विस्तृत मांगों  
(दो) कारपोरेट कार्य मंत्रालय की वर्ष 2022-2023 की निर्गत-परिणामी अनुश्रवण रूपरेखा।
- (2) भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग, नई दिल्ली के वर्ष 2020-21 के वार्षिक लेखाओं की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण), तथा उन पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

.....

**संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल):** माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री फगनसिंह कुलस्ते जी की ओर से, मैं निम्नलिखित पत्रों की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) सभा पटल पर रखता हूँ:

- (1) इस्पात मंत्रालय की वर्ष 2022-2023 की अनुदानों की विस्तृत मांगों
- (2) इस्पात मंत्रालय की वर्ष 2022-2023 की निर्गत-परिणामी अनुश्रवण रूपरेखा।

.....

**संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल):** माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री प्रहलाद सिंह पटेल जी की ओर से, मैं पेयजल और स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय की वर्ष 2022-2023 की अनुदानों की विस्तृत मांगों की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) सभा पटल पर रखता हूँ।

.....

**संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल):** माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री अश्विनी कुमार चौबे जी की ओर से, मैं निम्नलिखित पत्र सभा पटल पर रखता हूँ:

- (1) पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 3 और 25 के अंतर्गत जारी निम्नलिखित अधिसूचनाओं की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण):-
  - (एक) सा.का.नि. 3(अ) जो 4 जनवरी, 2022 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था तथा जो चूना भट्टियों में पेटकोक की बिक्री और उपयोग के बारे में है।
  - (दो) का. आ. 846(अ) जो 3 दिसंबर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था तथा जो ताप विद्युत संयंत्रों के लिए पर्यावरणीय मानकों पर शुद्धिपत्र के बारे में है।
- (2) निम्नलिखित पत्रों की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण):-
  - (एक) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की वर्ष 2022-2023 की अनुदानों की विस्तृत मांगें।
  - (दो) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की वर्ष 2022-2023 की निर्गत-परिणामी अनुश्रवण रूपरेखा।

.....

**संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल):** माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं निम्नलिखित पत्र सभा पटल पर रखता हूँ:

- (1) (एक) सलारजंग संग्रहालय, हैदराबाद के वर्ष 2018-2019 और 2019-2020 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा लेखापरीक्षित लेखे।
  - (दो) सलारजंग संग्रहालय, हैदराबाद के वर्ष 2018-2019 और 2019-2020 के कार्यकरण की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (2) उपर्युक्त (1) में उल्लिखित पत्रों को सभा पटल पर रखने में हुए विलंब के कारण दर्शाने वाले दो विवरण (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (3) (एक) मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज, कोलकाता के वर्ष 2019-2020 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा लेखापरीक्षित लेखे।

- (दो) मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज, कोलकाता के वर्ष 2019-2020 के कार्यक्रम की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (4) उपर्युक्त (3) में उल्लिखित पत्रों को सभा पटल पर रखने में हुए विलंब के कारण दर्शाने वाला विवरण (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (5) (एक) नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली के वर्ष 2020-2021 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा लेखापरीक्षित लेखे।
- (दो) नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली के वर्ष 2020-2021 के कार्यक्रम की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (6) (एक) नेशनल काउंसिल ऑफ साइंस म्यूजियम्स, कोलकाता के वर्ष 2020-2021 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा लेखापरीक्षित लेखे।
- (दो) नेशनल काउंसिल ऑफ साइंस म्यूजियम्स, कोलकाता के वर्ष 2020-2021 के कार्यक्रम की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (7) (एक) खुदा बख्श ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी, पटना के वर्ष 2020-2021 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा लेखापरीक्षित लेखे।
- (दो) खुदा बख्श ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी, पटना के वर्ष 2020-2021 के कार्यक्रम की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (8) (एक) राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान कला, इतिहास, संरक्षण एवं संग्रहालय विज्ञान, नई दिल्ली के वर्ष 2019-2020 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा लेखापरीक्षित लेखे।
- (दो) राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान कला, इतिहास, संरक्षण एवं संग्रहालय विज्ञान, नई दिल्ली के वर्ष 2019-2020 के कार्यक्रम की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (9) उपर्युक्त (8) में उल्लिखित पत्रों को सभा पटल पर रखने में हुए विलंब के कारण दर्शाने वाला विवरण (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।

- (10) (एक) इलाहाबाद संग्रहालय, प्रयागराज के वर्ष 2020-2021 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा लेखापरीक्षित लेखे।
- (दो) इलाहाबाद संग्रहालय, प्रयागराज के वर्ष 2020-2021 के कार्यकरण की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।

.....

**संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल):** माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री पंकज चौधरी जी की ओर से, मैं निम्नलिखित पत्र सभा पटल पर रखता हूँ:

(1) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड, मुंबई के वर्ष 2020-2021 के वार्षिक लेखाओं की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण), तथा उन पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

(2) (एक) राष्ट्रीय लोक वित्त और नीति संस्थान, नई दिल्ली के वर्ष 2020-2021 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा लेखापरीक्षित लेखे।

(दो) राष्ट्रीय लोक वित्त और नीति संस्थान, नई दिल्ली के वर्ष 2020-2021 के कार्यकरण की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।

(3) अधिकरण (सेवा की शर्तें) नियम, 2021 की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) जो अधिकरण सुधार अधिनियम, 2021 की धारा 32 के अंतर्गत दिनांक 16 सितम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 635(अ) में प्रकाशित हुए थे।

(4) वर्ष 2021-2022 के लिए भारत प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड और वित्त मंत्रालय के बीच हुए समझौता ज्ञापन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।

(5) सिक्का निर्माण अधिनियम, 2011 की धारा 25 के अंतर्गत सिक्का निर्माण (कवि मुदन्ना की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर स्मारक सिक्का जारी किया जाना) नियम, 2022 जो दिनांक 19 जनवरी, 2022 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 28 (अ) में प्रकाशित हुए थे।

(6) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 की धारा 31 के अंतर्गत भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक) (संशोधन) विनियम, 2022 की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) जो दिनांक 14 जनवरी, 2022 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या एसईबीआई/एलएडी-एनआरओ/जीएनओ/2022/64 में प्रकाशित हुए थे।

(7) केन्द्रीय माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 166 के अंतर्गत निम्नलिखित अधिसूचनाओं की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण):-

- (एक) सा.का.नि. 875(अ) जो 21 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय केन्द्रीय माल और सेवा कर (आठवां संशोधन) नियम, 2021 के नियम 2 के उप-नियम (2) और उप-नियम (3), उप-नियम (6) के खंड (1) और उप-नियम (7) के उपबंध प्रवृत्त होने की तिथि के रूप में 01.01.2022 को अधिसूचित करना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (दो) का.आ. 5328(अ) जो 21 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था तथा जिसका आशय वित्त अधिनियम, 2021 की धारा 108, 109 और 113 से 122 के उपबंधों के प्रवृत्त होने की तिथि के रूप में 01.01.2022 को अधिसूचित करना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (तीन) केन्द्रीय माल और सेवाकर (दसवां संशोधन) नियम, 2021 जो दिनांक 29 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 902(अ) में प्रकाशित हुए थे तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (चार) सा.का.नि. 892(अ) जो 28 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय अधिसूचना सं. 1/2017-केन्द्रीय कर (दर) दिनांक 28.6.2017 में संशोधन करके भार संबंधी प्रतिस्थापन को नवीनतम एचएस 2022 कोड में शामिल करके जीएसटी दर अधिसूचना के समतुल्य किया जाना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (पांच) सा.का.नि. 895(अ) जो 28 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय अधिसूचना सं. 2/2017-केन्द्रीय कर (दर) दिनांक 28.6.2017 में संशोधन करके भार संबंधी प्रतिस्थापन को नवीनतम एचएस 2022 कोड में शामिल करके जीएसटी दर अधिसूचना के समतुल्य किया जाना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (छह) सा.का.नि. 898(अ) जो 28 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय अधिसूचना सं. 21/2018-केन्द्रीय कर (दर) दिनांक 28.7.2018 में संशोधन करके भार संबंधी प्रतिस्थापन को नवीनतम एचएस 2022 कोड में शामिल करके जीएसटी दर अधिसूचना के समतुल्य किया जाना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (सात) सा.का.नि. 920(अ) जो 31 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय अधिसूचना 14/2021-सीटी(आर) दिनांक 18.11.2021 का अधिक्रमण करना है ताकि 01 जनवरी, 2022 से आगे वस्त्र क्षेत्र में विद्यमान जीएसटी दरों को जारी रखा जाना और 31.12.2021 को हुई माल और सेवा कर परिषद की 46वीं बैठक द्वारा यथासंस्तुत फुटवियर में व्युत्क्रम शुल्क ढांचा सही किया जाना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।



- (आठ) सा.का.नि. 921(अ) जो 31 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय अधिसूचना 15/2021-सीटी(आर) दिनांक 18.11.2021 का अधिक्रमण करना है ताकि 31.12.2021 को हुई माल और सेवा कर परिषद की 46वीं बैठक द्वारा यथासंस्तुत 01 जनवरी, 2022 से आगे वस्त्र क्षेत्र में विद्यमान जीएसटी दरों को जारी रखा जाना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन ।
- (8) एकीकृत माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 24 के अंतर्गत निम्नलिखित अधिसूचनाओं की एक-एक प्रति (हिंदी तथा अंग्रेजी संस्करण):-
- (एक) सा.का.नि. 893(अ) जो 28 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय अधिसूचना सं. 1/2017-एकीकृत कर (दर) दिनांक 28.6.2017 में संशोधन करके भार संबंधी प्रतिस्थापन को नवीनतम एचएस 2022 कोड में शामिल करके जीएसटी दर अधिसूचना के समतुल्य किया जाना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन ।
- (दो) सा.का.नि. 896(अ) जो 28 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय अधिसूचना सं. 2/2017-एकीकृत कर (दर) दिनांक 28.6.2017 में संशोधन करके भार संबंधी प्रतिस्थापन को नवीनतम एचएस 2022 कोड में शामिल करके जीएसटी दर अधिसूचना के समतुल्य किया जाना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन ।
- (तीन) सा.का.नि. 899(अ) जो 28 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय अधिसूचना सं. 22/2018-एकीकृत कर (दर) दिनांक 26.7.2018 में संशोधन करके भार संबंधी प्रतिस्थापन को नवीनतम एचएस 2022 कोड में शामिल करके जीएसटी दर अधिसूचना के समतुल्य किया जाना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन ।
- (चार) सा.का.नि. 922(अ) जो 31 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय अधिसूचना 14/2021-आईटी(आर) दिनांक 18.11.2021 का अधिक्रमण करना है ताकि 01 जनवरी, 2022 से आगे वस्त्र क्षेत्र में विद्यमान जीएसटी दरों को जारी रखा जाना और 31.12.2021 को हुई माल और सेवा कर परिषद की 46वीं बैठक द्वारा यथासंस्तुत फुटवियर में व्युत्क्रम शुल्क ढांचा सही किया जाना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन ।
- (पांच) सा.का.नि. 923(अ) जो 31 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय अधिसूचना 15/2021-आईटी(आर) दिनांक 18.11.2021 का अधिक्रमण करना है ताकि 31.12.2021 को हुई माल और सेवा कर परिषद की 46वीं बैठक द्वारा यथासंस्तुत 01 जनवरी, 2022 से

आगे वस्त्र क्षेत्र में विद्यमान जीएसटी दरों को जारी रखा जाना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।

- (9) संघ राज्यक्षेत्र माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 24 के अंतर्गत निम्नलिखित अधिसूचनाओं की एक-एक प्रति (हिंदी तथा अंग्रेजी संस्करण):-
- (एक) सा.का.नि. 894(अ) जो 28 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय अधिसूचना सं. 1/2017-संघ राज्यक्षेत्र कर (दर) दिनांक 28.6.2017 में संशोधन करके भार संबंधी प्रतिस्थापन को नवीनतम एचएस 2022 कोड में शामिल करके जीएसटी दर अधिसूचना के समतुल्य किया जाना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (दो) सा.का.नि. 897(अ) जो 28 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय अधिसूचना सं. 2/2017-संघ राज्यक्षेत्र कर (दर) दिनांक 28.6.2017 में संशोधन करके भार संबंधी प्रतिस्थापन को नवीनतम एचएस 2022 कोड में शामिल करके जीएसटी दर अधिसूचना के समतुल्य किया जाना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (तीन) सा.का.नि. 900(अ) जो 28 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय अधिसूचना सं. 21/2018-संघ राज्यक्षेत्र कर (दर) दिनांक 26.7.2018 में संशोधन करके भार संबंधी प्रतिस्थापन को नवीनतम एचएस 2022 कोड में शामिल करके जीएसटी दर अधिसूचना के समतुल्य किया जाना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (चार) सा.का.नि. 924(अ) जो 31 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय अधिसूचना 14/2021-यूटीटी(आर) दिनांक 18.11.2021 का अधिक्रमण करना है ताकि 01 जनवरी, 2022 से आगे वस्त्र क्षेत्र में विद्यमान जीएसटी दरों को जारी रखा जाना और 31.12.2021 को हुई माल और सेवा कर परिषद की 46वीं बैठक द्वारा यथासंस्तुत फुटवियर में व्युत्क्रम शुल्क ढांचा सही किया जाना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (पांच) सा.का.नि. 925(अ) जो 31 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय अधिसूचना 15/2021-यूटीटी(आर) दिनांक 18.11.2021 का अधिक्रमण करना है ताकि 31.12.2021 को हुई माल और सेवा कर परिषद की 46वीं बैठक द्वारा यथासंस्तुत 01 जनवरी, 2022 से आगे वस्त्र क्षेत्र में विद्यमान जीएसटी दरों को जारी रखा जाना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (10) प्रतिकर उपकर माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 13 के अंतर्गत सा.का.नि. 901(अ) जो 28 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे, की एक प्रति

(हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा जिनका आशय अधिसूचना सं. 1/2017-प्रतिकर उपकर (दर) दिनांक 28.6.2017 में संशोधन करके भार संबंधी प्रतिस्थापन को नवीनतम एचएस 2022 कोड में शामिल करके जीएसटी दर अधिसूचना के समतुल्य किया जाना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।

(11) सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 159 के अंतर्गत निम्नलिखित अधिसूचनाओं की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण):-

(एक) सा.का.नि. 881(अ) जो 24 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय अधिसूचना सं. 46/2011-सीमा शुल्क दिनांक 01.6.2011 में संशोधन करके भारत-आसियान मुक्त व्यापार समझौता, जोकि दिनांक 01.01.2022 से प्रभावी हुआ है, के अनुसार आसियान से आयात होने वाली कुछ विशिष्ट वस्तुओं पर मिलने वाली टेरिफ छूट को बढ़ाया जाना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।

(दो) सा.का.नि. 904(अ) जो 29 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय अधिसूचना सं. 50/2017-सीमा शुल्क दिनांक 28.7.2017 में सामान्य सीमा शुल्क छूट से सम्बंधित में संशोधन करके सीमा शुल्क टेरिफ अधिनियम, 1975 की पहली अनुसूची से टेरिफ कोड को समतुल्य करना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन। यह अधिसूचना 01 जनवरी, 2022 से लागू होगी।

(तीन) सा.का.नि. 905(अ) जो 29 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय अधिसूचना सं. 82/2017-सीमा शुल्क दिनांक 27.10.2017 में विभिन्न वस्त्र मदों को छूट से सम्बंधित में संशोधन करके सीमा शुल्क टेरिफ अधिनियम, 1975 की पहली अनुसूची से टेरिफ कोड को समतुल्य करना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन। यह अधिसूचना 01 जनवरी, 2022 से लागू होगी।

(चार) सा.का.नि. 906(अ) जो 29 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय इलेक्ट्रॉनिक्स और कतिपय रक्षा उपकरण को दी गई छूट से सम्बंधित नीचे तालिकाबद्ध अधिसूचना में संशोधन करके सीमा शुल्क टेरिफ अधिनियम, 1975 की पहली अनुसूची से टेरिफ कोड को समतुल्य करना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन। यह अधिसूचना 01 जनवरी, 2022 से लागू होगी।

(पांच) सा.का.नि. 907(अ) जो 29 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय अधिसूचना सं. 11/2018-सीमा शुल्क दिनांक 02.02.2018 में सामाजिक कल्याण अतिरिक्त प्रभार के उदग्रहण से सम्बंधित में संशोधन करके सीमा शुल्क टेरिफ अधिनियम, 1975 की पहली

अनुसूची से टेरिफ कोड को समतुल्य करना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापना यह अधिसूचना 01 जनवरी, 2022 से लागू होगी।

- (छह) सा.का.नि. 908(अ) जो 29 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय अधिसूचना सं. 53/2017-सीमा शुल्क दिनांक 30.06.2017 में सीमा शुल्क के अतिरिक्त कर उदग्रहण से सम्बंधित में संशोधन करके सीमा शुल्क टेरिफ अधिनियम, 1975 की पहली अनुसूची से टेरिफ कोड को समतुल्य करना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापना यह अधिसूचना 01 जनवरी, 2022 से लागू होगी।
- (सात) सा.का.नि. 917(अ) जो 30 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय विभिन्न मुक्त व्यापार समझौतों/अधिमानी व्यापार अनुबंधों के अंतर्गत विहित टेरिफ दरों/अधिमान्यता के मार्जिन से सम्बंधित नीचे तालिकाबद्ध अधिसूचना में संशोधन करके सीमा शुल्क टेरिफ अधिनियम, 1975 की पहली अनुसूची से टेरिफ कोड को समतुल्य करना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापना यह अधिसूचना 01 जनवरी, 2022 से लागू होगी।
- (आठ) सा.का.नि. 926(अ) जो 31 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय भारत में कोविड-19 वैक्सीन के आयात पर उदग्रहणीय संपूर्ण सीमा शुल्क पर छूट को 30 जून, 2022 तक बढ़ाना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापना
- (नौ) सा.का.नि. 26(अ) जो 18 जनवरी, 2022 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय एएफसी वूमन'स एशियन कप इंडिया, 2022 के संबंध में ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन द्वारा कतिपय विनिर्दिष्ट वस्तुओं पर मूलभूत सीमा शुल्क (बीसीडी) और आईजीएसटी से छूट प्रदान करना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापना

(12) सीमा शुल्क टेरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9क की उप-धारा (7) के अंतर्गत निम्नलिखित अधिसूचनाओं की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण):-

- (एक) सा.का.नि. 854(अ) जो 13 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय चीन जनवादी गणराज्य उद्भूत या निर्यातित "ट्रेलर्स के लिए एक्सेल" के आयात पर 29.11.2016 की अधिसूचना सं. 54/2016 द्वारा आरोपित प्रतिपाटन शुल्क के परिवर्धन-रोधन के बारे में व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) की सिफारिशों के आधार पर चीन जनवादी गणराज्य से उद्भूत या निर्यातित "सीकेडी/एसकेडी फॉर्म में ट्रेलर्स के लिए

एक्सेल" के आयात पर प्रतिपाटन शुल्क लगाना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापना

- (दो) सा.का.नि. 863(अ) जो 17 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय व्यापार उपचार महानिदेशालय की सिफारिश के आधार पर आयातक के नाम में संशोधन करके "नानयांग लिंगबाओ पर्ल पिगमेंट कंपनी लिमिटेड मेटेरियल्स" के स्थान पर "हेनान लिंगबाओ न्यू मेटेरियल्स टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड" करने के लिए "प्राकृतिक अभ्रक आधारित पर्ल इंडस्ट्रीयल पिगमेंट्स, कॉस्मेटिक ग्रेड को छोड़कर" पर प्रतिपाटन शुल्क के उद्ग्रहण के बारे में 26.08.2021 की अधिसूचना सं. 47/2021-सीमा शुल्क (एडीडी) में संशोधन करना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापना
- (तीन) सा.का.नि. 865 (अ) जो 17 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय चीन जनवादी गणराज्य और कोरिया गणराज्य से उद्भूत या निर्यातित "सोडियम हाइड्रोसल्फाइड" के आयात पर प्रतिपाटन शुल्क लगाना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापना
- (चार) सा.का.नि. 866(अ) जो 17 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय प्रतिपाटन संबद्ध शुल्क महानिदेशालय द्वारा आरंभ की गई न्यू शिपर रिव्यू का परिणाम लंबित रहने तक, भारत में मैसर्स अल-रजी केमिकल काम्पलैक्स लिमिटेड द्वारा बांग्लादेश से उद्भूत या निर्यातित "हाइड्रोजन पर-आक्साइड" के सभी आयात के अनंतिम मूल्यांकन को निर्धारित करना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापना
- (पांच) सा.का.नि. 867(अ) जो 17 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय ईरान, ओमान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से उद्भूत या निर्यातित "कैल्साइंड जिप्सम पाउडर" के आयात पर प्रतिपाटन शुल्क लगाना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापना
- (छह) सा.का.नि. 873(अ) जो 21 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय व्यापार उपचार महानिदेशालय की सिफारिश के आधार पर चीन जनवादी गणराज्य से उद्भूत या निर्यातित "सिलिकॉन सीलेंट" के आयात पर 20 दिसम्बर, 2026 तक पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रतिपाटन शुल्क का उद्ग्रहण करना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापना

- (सात) सा.का.नि. 874(अ) जो 21 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय चीन जनवादी गणराज्य से उद्भूत या निर्यातित "हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (एचएफसी) घटक आर-32" के आयात प्रतिपाटन शुल्क लगाना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (आठ) सा.का.नि. 876(अ) जो 22 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय व्यापार उपचार महानिदेशालय की सिफारिश के आधार पर चीन जनवादी गणराज्य से उद्भूत या निर्यातित "हाइड्रोफ्लोरोकार्बन ब्लेंड्स (407 और 410 से भिन्न सभी ब्लेंड्स को छोड़कर)" के आयात पर 21 दिसम्बर, 2026 तक पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रतिपाटन शुल्क का उद्ग्रहण करना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (नौ) सा.का.नि. 882(अ) जो 27 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय चीन जनवादी गणराज्य से उद्भूत या निर्यातित "डेकोर पेपर" के आयात पर डीएसटीआर की सिफारिश के आधार पर पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रतिपाटन शुल्क लगाना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (दस) सा.का.नि. 904(अ) जो 29 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय प्रतिपाटन शुल्क के अधिग्रहण के संबंध में नीचे दी गई तालिका में दी गई अधिसूचनाओं में संशोधन करके टैरिफ कोड्स को सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की पहली अनुसूची के समतुल्य करना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन। यह अधिसूचना 1 जनवरी, 2022 से प्रभावी होगी।
- (ग्यारह) सा.का.नि. 8(अ) जो 6 जनवरी, 2022 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय चीन जनवादी गणराज्य से "1,1,1,2-टेट्राफ्लोरोईथेन या आर-134ए" के आयात पर प्रतिपाटन शुल्क के उद्ग्रहण का प्रतिसंहरण करने के लिए 11.07.2016 की अधिसूचना सं. 30/2016-सीमा शुल्क (एडीडी) का निरसन करना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (बारह) सा.का.नि. 13(अ) जो 13 जनवरी, 2022 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनका आशय 17 अक्तूबर, 2017 की अधिसूचना सं. 49/2017-सीमा शुल्क (एडीडी) द्वारा अंतिम निष्कर्ष अधिसूचना सं. 49/2017-डीजीटीआर दिनांक 8 अक्तूबर, 2021 के अंतिम निष्कर्ष सं. 7/16/2021-डीजीटीआर के स्वीकार न किए जाने के पश्चात् जिसमें सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रतिपाटन शुल्क को जारी रखने की अनुसंशा की है, चीन

जनवादी गणराज्य और यूरोपीय संघ से निर्यातित 'एलॉय और गैर-एलॉय स्टील के कलर कोटेड/प्री-प्रींटेड फ्लैट के आयात पर अधिरोपित प्रतिपाटन शुल्क को निरस्त करना है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।

(13) सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 की धरा 159 और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 38 के अंतर्गत अधिसूचना संख्या सा.का.नि.910(अ) जो 29 दिसम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुई थी तथा जिसके द्वारा 6 जुलाई, 2019 की अधिसूचना सं.03/2019-सीई में कतिपय संशोधन किए गए हैं, की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।

(14) अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण, 2019 की धारा 29 के अंतर्गत निम्नलिखित अधिसूचनाओं की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण):-

- (एक) अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (बीमा कारबार का रजिस्ट्रीकरण) (संशोधन) विनियम, 2021 जो 5 जनवरी, 2022 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. आईएफएससीए/2021-22/जीएन/आरईजी019 में प्रकाशित हुए थे।
- (दो) अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (बीमा मध्यवर्ती) (संशोधन) विनियम, 2021 जो 5 जनवरी, 2022 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. आईएफएससीए/2021-22/जीएन/आरईजी020 में प्रकाशित हुए थे।
- (तीन) का.आ.5199 जो 14 दिसंबर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था तथा जिसके द्वारा ऐसे उत्पाद अथवा उपकरण, जिन्हें अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण द्वारा वित्तीय उत्पाद के रूप में निर्दिष्ट किया गया है, के प्रचालन और वित्तीय पट्टे के किसी सम्मिश्रण सहित प्रचालन पट्टा अधिसूचित किया गया है।
- (चार) अधिसूचना सं. 329/आईएफएससीए/बुलियन एमआईआईएस/2021-22 जो 15 दिसंबर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुई थी तथा जो बुलियन एक्सचेंज विनियम, 2020 के बारे में है।
- (पांच) अधिसूचना सं. आईएफएससीए/2020-21/इंडिया आईएनएक्स/120 जो 24 दिसंबर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुई थी तथा जो बाजार अवसंरचना संस्था विनियम, 2021 के बारे में है।
- (छह) अधिसूचना सं. आईएफएससीए/2020-21/इंडिया आईसीसी/126 जो 24 दिसंबर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुई थी तथा जो बाजार अवसंरचना संस्था विनियम, 2021 के बारे में है।
- (सात) अधिसूचना सं. आईएफएससीए/2020-21/जीएन/021 जो 10 जनवरी, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुई थी तथा जो बीमा कारबार रजिस्ट्रीकरण विनियम, 2021 के बारे में है।

.....

**संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल):**  
माननीय अध्यक्ष महोदय, श्रीमती मीनाक्षी लेखी जी की ओर से, मैं निम्नलिखित पत्र सभा पटल पर रखता हूँ:

- (1) (एक) रामकृष्ण मिशन इंस्टिट्यूट ऑफ़ कल्चर, कोलकाता के वर्ष 2019-2020 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा लेखापरीक्षित लेखे।
- (दो) रामकृष्ण मिशन इंस्टिट्यूट ऑफ़ कल्चर, कोलकाता के वर्ष 2019-2020 के कार्यकरण की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (2) केंद्र द्वारा संरक्षित संस्मारक विष्णु वराह मंदिर, बिल्हारी, कटनी के राष्ट्रीय संस्मारक प्राधिकरण विरासत उप-नियम 2020 की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (3) उपर्युक्त (2) में उल्लिखित पत्रों को सभा पटल पर रखने में हुए विलंब के कारण दर्शाने वाला विवरण (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (4) केंद्र द्वारा संरक्षित संस्मारक चौसठ जोगिनी मंदिर, जबलपुर के राष्ट्रीय संस्मारक प्राधिकरण विरासत उप-नियम 2020 की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (5) उपर्युक्त (4) में उल्लिखित पत्रों को सभा पटल पर रखने में हुए विलंब के कारण दर्शाने वाला विवरण (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।

.....

**संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल):**  
माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री रामेश्वर तेली की ओर से, मैं निम्नलिखित पत्र सभा पटल पर रखता हूँ:

- (1) कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, नई दिल्ली के वर्ष 2020-2021 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (2) (एक) वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नोएडा के वर्ष 2020-2021 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा लेखापरीक्षित लेखे।
- (दो) वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नोएडा के वर्ष 2020-2021 के कार्यकरण की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (3) कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 की धारा 97 की उपधारा (4) के अंतर्गत अधिसूचना सं. एफ.सं. एन-12/13/01/2019-पीएंडडी जो 16 नवम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुई थी तथा जिसके द्वारा अटल बीमित व्यक्ति कल्याण योजना में संशोधन किया गया है, की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (4) श्रम और रोजगार मंत्रालय की वर्ष 2022-2023 की अनुदानों की विस्तृत मांगों की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।

.....



**संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल):** माननीय अध्यक्ष महोदय, श्रीमती अन्नपूर्णा देवी की ओर से, मैं निम्नलिखित पत्र सभा पटल पर रखता हूँ:

- (1) (एक) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली के वर्ष 2020-2021 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (दो) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली के वर्ष 2020-2021 के वार्षिक लेखाओं की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा उन पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।
- (तीन) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली के वर्ष 2020-2021 के कार्यक्रम की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (2) (एक) केंद्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली के वर्ष 2020-2021 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (दो) केंद्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली के वर्ष 2020-2021 के वार्षिक लेखाओं की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा उन पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।
- (तीन) केंद्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली के वर्ष 2020-2021 के कार्यक्रम की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (3) (एक) समग्र शिक्षा, पुदुचेरी के वर्ष 2020-2021 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा लेखापरीक्षित लेखे।
- (दो) समग्र शिक्षा, पुदुचेरी के वर्ष 2020-2021 के कार्यक्रम की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (4) (एक) हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद्, पंचकुला के वर्ष 2020-2021 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा लेखापरीक्षित लेखे।
- (दो) हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद्, पंचकुला के वर्ष 2020-2021 के कार्यक्रम की सरकार द्वारा समीक्षा के बारे में विवरण (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (5) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् अधिनियम, 1993 की धारा 33 के अंतर्गत निम्नलिखित अधिसूचनाओं की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) :-
- (एक) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (पूर्व-प्राथमिक, प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक, वरिष्ठ माध्यमिक अथवा इंटरमीडिएट विद्यालयों अथवा महाविद्यालयों में शिक्षा अध्यापकों और शारीरिक शिक्षा अध्यापकों के रूप में नियुक्त किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए न्यूनतम अर्हताओं का निर्धारण) संशोधन विनियम, 2021 जो दिनांक 14

- अक्तूबर, 2021 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. फा.सं.एनसीटीई-आरईजीएल012/8/2020-यूएस(विनियम)-एचक्यू.(ई) में प्रकाशित हुए थे।
- (दो) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (मान्यता मानदण्ड और प्रक्रियाएं) संशोधन विनियम, 2021 जो दिनांक 14 अक्तूबर, 2021 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. फा.सं.एनसीटीई-आरईजीएल022/8/2020-यूएस(विनियम)-एचक्यू में प्रकाशित हुए थे।
- (तीन) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (मान्यता मानदण्ड और प्रक्रियाएं) संशोधन विनियम, 2021 जो दिनांक 26 अक्तूबर, 2021 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. फा.सं.एनसीटीई-आरईजीएल011/80/2018-एमएस(विनियम)-एचक्यू में प्रकाशित हुए थे।
- (चार) अधिसूचना सं. फा.सं.एनसीटीई-आरईजीएल0122/8/2020-यूएस(विनियम)-एचक्यू(ई) जो दिनांक 14 अक्तूबर, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुई थी तथा जिसके द्वारा 23 अगस्त, 2010 की अधिसूचना सं. 61-03/20/2010/एनसीटीई/(एनएंडएस) में कतिपय संशोधन किए गए हैं।

.....

**संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल):** माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री अजय भट्ट जी की ओर से, मैं निम्नलिखित पत्र सभा पटल पर रखता हूँ:

- (1) निम्नलिखित संस्थानों के संबंध में वर्ष 2020-2021 के वार्षिक प्रतिवेदनों की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा लेखापरीक्षित लेखे:-
- (एक) डॉ. अम्बेडकर होटल प्रबन्ध, खान-पान एवं पोषाहार संस्थान, चंडीगढ़।
- (दो) होटल प्रबन्ध और खान-पान प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुवनंतपुरम।
- (तीन) होटल प्रबन्ध, खान-पान एवं पोषाहार संस्थान, नई दिल्ली।
- (चार) होटल प्रबन्ध, खान-पान एवं पोषाहार संस्थान, लखनऊ।
- (पांच) होटल प्रबन्ध, खान-पान एवं पोषाहार संस्थान, शिमला।
- (छह) इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड न्यूट्रिशन, मुंबई।
- (सात) इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड न्यूट्रिशन, भोपाल।
- (आठ) इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड न्यूट्रिशन, ग्वालियर।
- (नौ) होटल प्रबन्ध, खान-पान एवं पोषाहार संस्थान(सोसाएटी), गुरदासपुर।
- (दस) इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड न्यूट्रिशन (कलकत्ता) सोसाइटी, कोलकाता।
- (ग्यारह) इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड न्यूट्रिशन, शिलांगा।
- (बारह) इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड न्यूट्रिशन, चेन्नई।

(तेरह) इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड न्यूट्रिशन, हाजीपुरा  
 (चौदह) इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड न्यूट्रिशन, जयपुरा  
 (पंद्रह) इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड न्यूट्रिशन, गुवाहाटी।  
 (सोलह) इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड न्यूट्रिशन, भुवनेश्वर।  
 (सत्रह) इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड न्यूट्रिशन, हैदराबाद।  
 (अठारह) इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड न्यूट्रिशन, श्रीनगर।  
 (उन्नीस) इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, बंगलोर।  
 (बीस) इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड न्यूट्रिशन, गोवा।  
 (इक्कीस) इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड न्यूट्रिशन, अहमदाबाद।

(बाईस) राष्ट्रीय होटल प्रबंध एवं खान-पान तकनीक परिषद, नोएडा।

- (2) उपर्युक्त मद सं. (1) में उल्लिखित संस्थानों के वर्ष 2020-2021 के कार्यकरण की सरकार द्वारा समेकित समीक्षा की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (3) (एक) भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान, ग्वालियर के वर्ष 2020-2021 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिंदी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा लेखापरीक्षित लेखे।  
 (दो) भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान, ग्वालियर के वर्ष 2020-2021 के कार्यकरण की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिंदी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (4) (एक) इंडियन कलिनरी इंस्टीट्यूट (तिरुपति और नोएडा), नोएडा के वर्ष 2020-2021 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिंदी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा लेखापरीक्षित लेखे।  
 (दो) इंडियन कलिनरी इंस्टीट्यूट (तिरुपति और नोएडा), नोएडा के वर्ष 2020-2021 के कार्यकरण की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिंदी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (5) निम्नलिखित पत्रों की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण):-  
 (1) वर्ष 2022-2023 के लिए पर्यटन मंत्रालय की अनुदानों की विस्तृत मांगे।  
 (2) वर्ष 2022-2023 के लिए पर्यटन मंत्रालय की निर्गत परिणामी अनुश्रवण रूपरेखा।

.....

**संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल):**  
माननीय अध्यक्ष महोदय, डॉ. सुभाष सरकार जी की ओर से, मैं निम्नलिखित पत्र सभा पटल पर रखता हूँ:

- (1) (एक) विश्व भारती, शांतिनिकेतन के वर्ष 2020-2021 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिंदी तथा अंग्रेजी संस्करण)।  
(दो) विश्व भारती, शांतिनिकेतन के वर्ष 2020-2021 के वार्षिक लेखाओं की एक प्रति (हिंदी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
  - (2) (एक) भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, डिजाइन और विनिर्माण संस्थान, कांचीपुरम के वर्ष 2020-2021 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।  
(दो) भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, डिजाइन और विनिर्माण संस्थान, कांचीपुरम के वर्ष 2020-2021 के वार्षिक लेखाओं की एक प्रति (हिंदी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा उन पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।  
(तीन) भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, डिजाइन और विनिर्माण संस्थान, कांचीपुरम के वर्ष 2020-2021 के कार्यकरण की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिंदी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
  - (3) (एक) नागालैंड विश्वविद्यालय, लुमामी के वर्ष 2020-2021 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिंदी तथा अंग्रेजी संस्करण)।  
(दो) नागालैंड विश्वविद्यालय, लुमामी के वर्ष 2020-2021 के कार्यकरण की सरकार द्वारा समीक्षा के बारे में विवरण (हिंदी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
  - (4) (एक) एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज, नई दिल्ली के वर्ष 2020-2021 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।  
(दो) एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज, नई दिल्ली के वर्ष 2020-2021 के वार्षिक लेखाओं की एक प्रति (हिंदी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा उन पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।  
(तीन) एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज, नई दिल्ली के वर्ष 2020-2021 के कार्यकरण की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिंदी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
  - (5) (एक) इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी, शिमला के वर्ष 2018-2019 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा लेखापरीक्षित लेखे।  
(दो) इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी, शिमला के वर्ष 2018-2019के कार्यकरण की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (6) उपर्युक्त (5) में उल्लिखित पत्रों को सभा पटल पर रखने में हुए विलंब के कारण दर्शाने वाला विवरण (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (7) (एक) महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के वर्ष 2019-2020 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा लेखापरीक्षित लेखे ।

- (दो) महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के वर्ष 2019-2020 के वार्षिक लेखाओं की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा उन पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।
- (तीन) महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के वर्ष 2019-2020 के कार्यक्रम की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (8) उपर्युक्त (7) में उल्लिखित पत्रों को सभा पटल पर रखने में हुए विलंब के कारण दर्शाने वाला विवरण (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (9) (एक) गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के वर्ष 2020-2021 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (दो) गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के वर्ष 2020-2021 के वार्षिक लेखाओं की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा उन पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।
- (तीन) गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के वर्ष 2020-2021 के कार्यक्रम की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (10) हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, महेन्द्रगढ़ के वर्ष 2019-2020 के वार्षिक लेखाओं की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा उन पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।
- (11) उपर्युक्त (10) में उल्लिखित पत्रों को सभा पटल पर रखने में हुए विलंब के कारण दर्शाने वाला विवरण (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (12) (एक) भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, भागलपुर के वर्ष 2017-2018 और 2018-2019 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (दो) भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, भागलपुर के वर्ष 2017-2018 और 2018-2019 के वार्षिक लेखाओं की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा उन पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।
- (तीन) भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, भागलपुर के वर्ष 2017-2018 और 2018-2019 के कार्यक्रम की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (13) उपर्युक्त (12) में उल्लिखित पत्रों को सभा पटल पर रखने में हुए विलंब के कारण दर्शाने वाले दो विवरण (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (14) (एक) मौलाना आजाद उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद के वर्ष 2019-2020 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (दो) मौलाना आजाद उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद के वर्ष 2019-2020 के वार्षिक लेखाओं की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा उन पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

- (तीन) मौलाना आजाद उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद के वर्ष 2019-2020 के कार्यकरण की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (15) उपर्युक्त (14) में उल्लिखित पत्रों को सभा पटल पर रखने में हुए विलंब के कारण दर्शाने वाला विवरण (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (16) केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 की धारा 43 की उप-धारा(2) के अंतर्गत निम्नलिखित अधिसूचनाओं की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण):-
- (एक) केन्द्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) परिनियम (पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय के लिए), 2020 जो 4 सितम्बर, 2020 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या एफ.सं. सीयूपीबी/सीसी/19-20/ओआरडी./2361 में प्रकाशित हुए थे।
- (दो) केन्द्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) परिनियम (डॉक्टर हरिसिंह गौड़ विश्वविद्यालय के लिए), 2019 जो 17 मार्च, 2020 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या एफ.सं. डीएचएसजीयू/20/स्टेट्यूट/7/414 में प्रकाशित हुए थे।

.....

**संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल):**  
माननीय अध्यक्ष महोदय, डॉ. भागवत किशनराव कराड़ जी की ओर से, मैं निम्नलिखित पत्र सभा पटल पर रखता हूँ:

- (1) (एक) भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक, मुम्बई के वर्ष 2020-2021 के वार्षिक प्रतिवेदन (भाग-एक और दो) की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा लेखापरीक्षित लेखे।
- (दो) भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक, मुम्बई के वर्ष 2020-2021 के कार्यकरण की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (2) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 394 की उप-धारा 1(ख) के अंतर्गत निम्नलिखित पत्रों की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण):-
- (एक) आईएफसीआई लिमिटेड, नई दिल्ली के वर्ष 2020-2021 के कार्यकरण की सरकार द्वारा समीक्षा।
- (दो) आईएफसीआई लिमिटेड, नई दिल्ली के वर्ष 2020-2021 का वार्षिक प्रतिवेदन, लेखापरीक्षित लेखे तथा उन पर नियंत्रक-महालेखापरीक्षक की टिप्पणियां।
- (3) उपर्युक्त (2) में उल्लिखित पत्रों को सभा पटल पर रखने में हुए विलंब के कारण दर्शाने वाला विवरण (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (4) राष्ट्रीय अवसंरचना वित्त-पोषण और विकास बैंक अधिनियम, 2021 की धारा 33 के अंतर्गत राष्ट्रीय अवसंरचना वित्तपोषण और विकास बैंक सामान्य नियम 2022 (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) जो 29 जनवरी, 2022 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. सा.का.नि. 51(अ) में प्रकाशित हुए थे, की एक प्रति।
- (5) पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण अधिनियम, 2013 की धारा 53 के अंतर्गत पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (राष्ट्रीय पेंशन योजना के अंतर्गत निकासी और आहरण) (दूसरा संशोधन) विनियमन, 2021 (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) जो 28 दिसम्बर, 2021 के

भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. पीएफआरडीए/12/आरजीएल/139/8 में प्रकाशित हुए थे, की एक प्रति।

- (6) निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम अधिनियम, 1961 की धारा 50 की उपधारा (4) के अंतर्गत निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम सामान्य (संशोधन) विनियमन, 2021 (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) जो 01 अक्टूबर, 2021 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. सीओ.डीआईसीजी.एसईसीडी.एनओ.एस 278/01-01-013/2021-2022 में प्रकाशित हुए थे, की एक प्रति।
- (7) प्रत्यय सूचना कंपनी (विनियमन) अधिनियम, 2005 की धारा 37 की उपधारा (3) के अंतर्गत प्रत्यय सूचना कंपनी (संशोधन) विनियमन, 2021 (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) जो दिनांक 21 नवम्बर, 2021 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. डीओआर.एसआईजी.एफआईएन.एनओ. 52140/20.16.050/2021-2022 प्रकाशित हुए थे, की एक प्रति।
- (8) फेक्टर अधिनियम, 2011 की धारा 33 के अंतर्गत निम्नलिखित अधिसूचनाओं की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण):-
- (एक) प्राप्य समुद्देशनों का रजिस्ट्रीकरण (रिजर्व बैंक) विनियमन, 2022 जो 17 जनवरी, 2022 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. डीओआर.एफआईएन. 081/सीजीएम(जेपीएस)-2022 प्रकाशित हुए थे।
- (दो) फेक्टरों का रजिस्ट्रीकरण (रिजर्व बैंक) विनियमन, 2022 जो 17 जनवरी, 2022 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. डीओआर.एफआईएन. 080/सीजीएम(जेपीएस)-2022 में प्रकाशित हुए थे।

.....

SHRI N. K. PREMACHANDRAN (KOLLAM): When the Ministers are present in the House, why is the Parliamentary Affairs Minister laying papers on the Table of the House?

**माननीय अध्यक्ष :** मैं शुरू में व्यवस्था दे चुका हूँ आपको खड़ा होकर बोलने का मौका मिल गया, यह अच्छी बात है।

-----

### पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संबंधी स्थायी समिति 9वाँ प्रतिवेदन

**श्री रमेश बिधूड़ी (दक्षिण दिल्ली):** माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संबंधी स्थायी समिति का नौवाँ प्रतिवेदन (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) प्रस्तुत करता हूँ।

.....

## संविधान (अनुसूचित जनजातियाँ) आदेश (संशोधन) विधेयक

1704 बजे

**माननीय अध्यक्ष :** आइटम नम्बर 20 श्री अर्जुन मुंडा जी।

**जनजातीय कार्य मंत्री (श्री अर्जुन मुंडा) :** माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि त्रिपुरा राज्य के संबंध में अनुसूचित जनजातियों की सूची में कतिपय समुदाय को शामिल किए जाने के लिए संविधान (अनुसूचित जनजातियाँ) आदेश, 1950 का और संशोधन करने वाले विधेयक को पुरःस्थापित करने की अनुमति दी जाए।

**माननीय अध्यक्ष :** प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ:

“कि त्रिपुरा राज्य के संबंध में अनुसूचित जनजातियों की सूची में कतिपय समुदाय को शामिल किए जाने के लिए संविधान (अनुसूचित जनजातियाँ) आदेश, 1950 का और संशोधन करने वाले विधेयक को पुरःस्थापित करने की अनुमति दी जाए।”

माननीय श्री अधीर रंजन चौधरी जी।

**श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर) :** सर, मैं इस बिल के विरोध के लिए नहीं, बल्कि मैं मंत्री जी को एक सलाह के रूप में बोलते हुए उनका ध्यानाकर्षण करना चाहता हूँ।

जब भी एसटी की लिस्ट में किसी सर्टेन जाति को ट्राइब्स में इनक्लूजन की बात होती है, तो इसे एक piecemeal manner की जगह एक कंप्रिहेंसिव वे में होना चाहिए। आप किसी एक को बाहर से लाए हैं, लेकिन हिन्दुस्तान के बहुत-से सूबे से ट्राइब्स के लिए मांग है। एक कंप्रिहेंसिव लिस्ट बनानी चाहिए। जैसे मैं बराबर यह मांग करता आ रहा हूँ कि मेरे स्टेट के कुर्मी समाज के लोगों को एसटी में शामिल किया जाए। इसके पीछे यह तर्क है कि Kurmi is one of the most primitive tribes of old Chhota Nagpur region of India as well as the State of West Bengal particularly in the Jungle Mahals region.

(1705/SNB/PC)

In the British Census of 1872, the *Kurmis* were analysed as *Kurmis* of the Woods, that means, *Jhari Kurmi*, produced in support of the Report on the Census of Bengal in 1872 by H. Beverley, Inspector-General of Registration, Bengal who described that Colonel Dalton mentioned about some *Jhari Kurmis* or '*Kurmis* of the Woods' in Chotanagpur who are said to worship strange Gods. बात यह है कि आप बंगाल में जाइए, झारखंड में जाइए, ओडिशा में जाइए, लाखों की तादाद में कुर्मी समाज के लोग सालों से यह मांग करते आ रहे हैं कि हमें शेड्यूल ट्राइब, अनुसूचित जनजाति में शामिल किया जाना चाहिए। ... (व्यवधान)



मैंने इस मुद्दे को लेकर आपके सामने सारे तर्क पेश किए हैं, लेकिन पता नहीं आप क्यों अलग-अलग ढंग से, थोड़ा इधर से और थोड़ा उधर से, इस विषय पर काम कर रहे हैं। आपको इस तरीके के काम करने के बजाए हिन्दुस्तान में कई जगहों से शेड्यूल ट्राइब्स की सूची में शामिल होने के लिए जो मांगें आई हैं, उन सबको साथ में लेकर आपको एक बिल लाना चाहिए। यही मेरा सुझाव है।

**माननीय अध्यक्ष :** क्या कोई और माननीय सदस्य बोलना चाहता है? देखिए, ऐसे भी सदन चलता है, मैं सबको बोलने का मौका दे रहा हूँ।

श्री अर्जुन मुंडा जी – आप बोलिए।

... (व्यवधान)

**श्री अर्जुन मुंडा :** माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री अधीर रंजन चौधरी जी को इस बात की जानकारी है, लेकिन वे इसके बाद भी इसे दोहरा रहे हैं। जनजातीय सूची में प्रविष्ट करने के लिए जो प्रावधान है, उस प्रावधान के अनुसार मापदंड तय किए गए हैं। इन मापदंडों में सभी राज्यों के बारे में रिसर्च बेस्ड, तुलनात्मक अध्ययन करने के उपरांत राज्य सरकार की अनुशंसा के आलोक में विभिन्न स्तरों पर उसकी समीक्षा की जाती है और उसको उसी कड़ी में, सारी समीक्षाओं के बाद, पार्लियामेंट में लाया जाता है।

एक-एक समुदाय के बारे में रिसर्च होता है। ट्राइबल रिसर्च इंस्टीट्यूट की अनुशंसा प्राप्त होती है, राज्य सरकार की अनुशंसा प्राप्त होती है। उसके बाद, ट्राइबल अफेयर्स मिनिस्ट्री में आने के बाद, उसे रजिस्ट्रार जनरल के पास समीक्षा के लिए भेजा जाता है। उनकी समीक्षा उपरांत कमीशन के पास भेजा जाता है। तदोपरांत, वह मंत्री परिषद में आता है और उसके बाद पार्लियामेंट में उसे लाया जाता है। सभी समुदायों के बारे में इस तरह के प्रावधान हैं। सभी अलग-अलग जातियों के संबंध में रिसर्च पेपर्स बनते हैं। उसी कड़ी में त्रिपुरा का यह जो मामला लाया गया है, डारलॉग कम्युनिटी की उप-जाति के रूप में कुकी संप्रदाय है, जो डारलॉग कम्युनिटी का ही है। उनको सूचीबद्ध करने के लिए यह प्रस्ताव लाया गया है। सभी राज्यों की जैसे-जैसे रिसर्च बेस्ड रिपोर्ट्स आती हैं, तदनुसार उसको क्रमवार तरीके से आगे बढ़ाया जाता है।

**श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर) :** मुंडा जी, वर्ष 1931 में ये प्राचीन जनजाति में शामिल हो चुके हैं। मैं आपको बताता हूँ। Government of India Order SRO 510 dated 5<sup>th</sup> September, 1950 and 2/38/50 Public dated 5<sup>th</sup> October, 1950 declared that only those who were in the list of primitive tribes in the Census Report of 1931 were to be inducted in the list of Scheduled Tribes. ये तो वर्ष 1931 में थे, मैं इन्हीं के लिए मांग कर रहा हूँ। आप अनुशंसा वगैरह की घुमा फिराकर बात कर सकते हैं, लेकिन आप इतिहास पर थोड़ा अनुसंधान कीजिए। आप इतिहास पर थोड़ा गौर कीजिए और वर्ष 1931 की सेंसेस रिपोर्ट देखिए, उसमें आपको यह मिलेगा।

मैं जो आपको तर्क दे रहा हूँ, वह मैं आपसे सीधे तौर पर पूछ रहा हूँ। आप अगर इसमें जरा सी भी कोशिश करेंगे तो लाखों की तादाद में कुर्मी समाज के जो ये लोग हैं, वे इसमें शामिल हो सकते हैं। हमारे बंगाल के भी साथी यहां हैं, सुदीप बाबू यहां हैं, बंगाल की सरकार भी इसके पक्ष में है। इसलिए हम चाहते हैं कि आप इन्हें इसमें शामिल कीजिए। लाखों की तादाद में कुर्मियों की यह मांग सालों से चलती आ रही है। ... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** प्रश्न यह है:

“कि त्रिपुरा राज्य के संबंध में अनुसूचित जनजातियों की सूची में कतिपय समुदाय को शामिल किए जाने के लिए संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश, 1950 का और संशोधन करने वाले विधेयक को पुरःस्थापित करने की अनुमति दी जाए।”

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

**श्री अर्जुन मुंडा :** माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं विधेयक को पुरःस्थापित करता हूँ।

-----

### नियम 377 के अधीन मामले – सभा पटल पर रखे गए

1709 बजे

**माननीय अध्यक्ष :** माननीय सदस्यगण, मैं नियम 377 के अधीन मामले सभा पटल पर रखने की अनुमति प्रदान करता हूँ। मैं सभी माननीय सदस्यों से आग्रह करता हूँ कि वे नियम 377 के अधीन मामले सभा पटल पर रखें।

... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** अब शून्य काल।

... (व्यवधान)

### Re: Need to run railway service between Masrakh Junction and Patna in Bihar

**श्री जनार्दन सिंह सिंग्रीवाल (महाराजगंज):** मेरा संसदीय क्षेत्र महाराजगंज, लोकसभा बिहार राज्य के बहुत ही ऐतिहासिक और प्रमुख धरती सारण प्रमंडल अंतर्गत है। सारण प्रमंडल की कुल आबादी लगभग साढ़े अन्ठावे लाख है। उत्तर बिहार की इतनी बड़ी आबादी वाले प्रमंडल से बिहार की राजधानी पटना के लिए रेल यातायात की सुविधा नहीं होने से इस प्रमंडल के व्यापारियों, छात्र-छात्राओं, सरकारी कर्मियों-अधिकारियों तथा अन्य प्रकार के कार्यों हेतु पटना जाने वाले लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए कार्यालयीय समयानुसार बिहार की राजधानी पटना जाने और आने हेतु सारण प्रमंडल सहित मेरे संसदीय क्षेत्र की जनता को रेल-यातायात की सुविधा प्रदान करने हेतु मेरे संसदीय क्षेत्र के मशरक जं. से महाराजगंज, दुरौंदा, एकमा, छपरा, पाटलिपुत्रा होते हुए पटना तक एक जोड़ी नई ट्रेन का संचालन कराया जाना अति आवश्यक है।

विदित हो कि इसी प्रमंडल की धरती के सिवान जिला के जिरादेई में देश के प्रथम राष्ट्रपति देशरत्न डॉ.राजेन्द्र प्रसाद जी की जन्म स्थली है। लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की भी जन्म स्थली इसी प्रमंडल के सिताब दियरा में है तथा मौलाना मजहरुल हक की भी जन्मस्थली इसी प्रमंडल में है। अतएव ऐसे ऐतिहासिक स्थल की जनता को जनहित में रेल यातायात की सुविधा देना आवश्यक है।

अतः अध्यक्ष महोदय के माध्यम से मेरा सरकार से आग्रह है कि मेरे संसदीय क्षेत्र के मशरक जं.से पटना तक एक जोड़ी ट्रेन का संचालन कराया जाये।

(इति)

**Re: Need to connect Sri Ganganagar district in Rajasthan with flight services**

**श्री निहाल चन्द चौहान (गंगानगर):** मेरा संसदीय क्षेत्र जिला श्रीगंगानगर एक सीमावर्ती जिला है, जोकि सामरिक और व्यापारिक दृष्टि से अत्यंत ही महत्वपूर्ण है, जिसको हवाई मार्ग से जोड़ा जाना अत्यंत ही आवश्यक है। देश व प्रदेश की राजधानी से यहाँ की दूरी लगभग 500 किलोमीटर है और यातायात का प्रमुख साधन सड़क मार्ग या रेल मार्ग ही है। इन मार्गों के द्वारा सफ़र करने में लोगों को जयपुर व दिल्ली आने-जाने के लिए 10 घंटों का समय लगता है। अतः आपके माध्यम से मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि उड़ान योजना के अंतर्गत मेरे संसदीय क्षेत्र श्रीगंगानगर को हवाई मार्ग से जोड़ने, एयरपोर्ट पर तकनीकी सुविधाओं और मानक मापदंडों समेत एयर ट्रैफिक कंट्रोल प्रणाली को स्थापित करने का कष्ट करें।

(इति)

**Re: Implementation of Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana in Wardha parliamentary constituency, Maharashtra**

**श्री रामदास तडस (वर्धा):** सदन के माध्यम से माननीय केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट करते हुये निवेदन है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-3 के अंतर्गत मेरे संसदीय क्षेत्र वर्धा लोकसभा के अंतर्गत प्राप्त लक्ष्य के अनुसार कार्य स्वीकृत हुये हैं लेकिन अनेक गावों /कस्बों का सड़क के माध्यम से पूर्ण रूप से जोड़ना आवश्यक है।

मेरा आग्रह है कि जो गांव सड़क के माध्यम से नहीं जुड़ पाये हैं ऐसे गांवों के सड़क एवं पुलिया के कार्य विशेष रूप से अतिरिक्त तौर पर स्वीकृत करने का कष्ट करे, तथा पूर्व मे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत पूर्ण किये गये कार्यों की जरूरी मरम्मत/सुधार के लिए जिला प्रशासन के माध्यम से अथवा राज्य सरकार के माध्यम से जरूरी देखरेख नहीं हो पाती है। अतः इस मरम्मत/सुधार कार्य के लिए केन्द्र के माध्यम से आवश्यक निधि उपलब्ध कराने के लिए दिशा निर्देश जारी करे अथवा इन संबधित कार्यों को मरम्मत के लिए राज्य सरकार को सूचित करने का कष्ट करे।

(इति)

### Re: Alleged irregularities in REET Examination in Rajasthan

**श्री अर्जुन लाल मीणा (उदयपुर):** हम सब मानते हैं कि अच्छी शिक्षा जीवन में बहुत से उद्देश्यों को प्रदान करती है जैसे व्यक्तिगत उन्नति को बढ़ावा, सामाजिक स्तर में बढ़ावा, सामाजिक स्वस्थ में सुधार, आर्थिक प्रगति, राष्ट्र की सफलता, और जीवन में लक्ष्यों को निर्धारित करना।

एक तरफ हमारे देश के यशस्वी प्रधान मंत्री जी के नेतृत्व में देश नयी शिक्षा नीति के तहत आगे बढ़ रहा है वहीं दूसरी तरफ राजस्थान प्रदेश में एक के बाद एक कथित रूप से अनियमितताएँ प्रकाश में आ रही हैं। इसबार तो REET परीक्षा में भी ऐसी अनियमितताएँ देखी गयी।

• प्रदेश में REET 2021 परीक्षा 26 सितम्बर 2021 को होनी थी परन्तु परीक्षा से ठीक 2 दिन पहले कथित रूप से पेपर आउट हो गया। फिर उसके बाद पेपर बाजार में एक के बाद एक के पास पहुँचता है। सरकार की अभी तक इस मामले में कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

- भर्ती परीक्षाओं को पारदर्शी तरीके से करना क्यों राज्य सरकार की प्राथमिकता नहीं रही।
  - अब तक ऐसे घटनाओं और अनियमितताओं को रोकने के लिए कानून नहीं बनाया गया।
  - रीट भर्ती परीक्षा में कथित धांधली करने वाले मुख्य आरोपी पर सख्त से सख्त करवाई की जाये।
- (इति)

### Re: Need to permit retrofitting of CNG kit in BS6 vehicles

**श्रीमती शारदा अनिल पटेल (महेसाणा):** महोदय, पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स के वैश्विक इस्तेमाल की वजह से सारी दुनिया में प्रदूषण बढ़ रहा है। इससे बचने के लिए CNG का इस्तेमाल बढ़ रहा है। साल २०२० से भारत सरकार द्वारा BS6 वाहनों में CNG किट की RETROFITMENT CENTRE को परमिट नहीं दी गई है। सिर्फ ओटो मोबाइल कंपनियों को ही CNG फिटिंग के साथ गाड़ी बेचने की मंजूरी है। लेकिन इस की वजह से हर एक कंपनी के वहाँ CNG गाड़ी की वेटिंग की लम्बी लिस्ट हो गयी है और कीमत भी महँगी हो गयी है। अगर कोई RETROFITMENT CENTRE से CNG किट लगवाता है तो उसका पंजीकरण RTO में नहीं हो सकता और उसकी वजह से उस वाहन को बीमा भी नहीं मिल सकता। पूरे देश में लाखों छोटे और बड़े RETROFITMENT CENTRE हैं, इनमें लाखों कारीगर काम कर रहे हैं। जिसकी वजह से लोगों को रोजगार का अवसर मिला हुआ है। किन्तु स्वीकृति नहीं मिलने से इन सभी को आर्थिक एवं मानसिक मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इन सभी बातों के दृष्टिगत BS6 वाहनों को CNG किट RETROFITMENT CENTRE लगाने की अनुमति दी जाए और उसे RTO पंजीकरण की भी मंजूरी दी जाए ऐसा सरकार से अनुरोध है।

(इति)

### Re: Union Budget (2022-23)

**श्री विवेक नारायण शेजवलकर (गवालियर):** अमृत काल में विकास की गति बढ़ाते हुये समृद्ध भारत की नींव रखने वाले इस 2022-23 के बजट का स्वागत है। वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को इस हेतु हार्दिक बधाई। इस बजट से यह स्पष्ट परिलक्षित हो रहा है कि देश की बागडोर एक लोकप्रिय संवेदनशील राजनेता व दृष्टा (विजनरी) के हाथों में है। और आजादी के इस अमृत काल में हम तेजी से लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं। पूंजीगत व्यय में बढ़ोत्तरी इस बजट की विशेषता है। गत वर्ष से बढ़ाकर 7.5 लाख करोड़ रुपये किया गया है। अधोसंरचना परियोजनाओं में सरकारी निवेश में वृद्धि के साथ बड़े पैमाने पर निजी निवेश आने की अपेक्षा है। इन योजनाओं में तेजी से सीमेंट व लोहे जैसी अनेकों वस्तुओं की मांग में वृद्धि होगी। लाखों नये रोजगार का सृजन होगा। आवश्यकता इस बात की है इन योजनाओं का क्रियान्वयन तेजी से हो जिससे इसके परिणाम शीघ्र दिखाई देंगे।

कोरोना महामारी का दंश कम करने के लिये सरकार ने आम आदमी के लिये अनेकों जनकल्याणकारी योजनायें चलाई हैं। विशेषकर नौकरी पेशा, मध्यम वर्ग के लोगों को भी कुछ राहत देने हेतु आयकर में रियायत दिये जाने की अपेक्षा है। आशा है सरकार इस ओर गंभीरता से विचार करेगी।

(इति)

### Re: Need to develop Flamingo Bird watching Park and Tourist spot in creek area near Bhandup Pumping Station in Mumbai North East parliamentary constituency, Maharashtra

**श्री मनोज कोटक (मुम्बई उत्तर-पूर्व):** भारत सरकार ईको-टूरिज्म को काफी बढ़ावा दे रही है। प्रवासी पक्षियों का भारत के विभिन्न स्थानों में आगमन एक अद्भुत नजारा होता है। इसे हमें संजोकर रखने की आवश्यकता है। साथ ही इस तरह की व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि जो इको-टूरिज्म में रुचि रखते हैं वे वहाँ तक पहुँच सकें और इसका आनंद ले सकें। मेरे संसदीय क्षेत्र मुम्बई नॉर्थ ईस्ट के भाण्डुप पंपिंग स्टेशन के करीब प्रवासी पक्षियों का हॉट स्पॉट है यहाँ प्रत्येक वर्ष हजारों की संख्या में फ्लेमिंगो पक्षी लगभग 6 महीने मुम्बई के भाण्डुप पंपिंग स्टेशन के करीब आकर रहते हैं। नवंबर के महीने में फ्लेमिंगो यहाँ आ जाते हैं और मई महीने तक रहते हैं। यह बहुत ही आकर्षक होता है और मुम्बई की जनता फ्लेमिंगो के आने का प्रत्येक वर्ष इंतजार करती है।

मैंने माननीय शिपिंग मंत्री महोदय से निवेदन किया था कि मेरे संसदीय क्षेत्र में आने वाले भाण्डुप पंपिंग स्टेशन के पास जहाँ फ्लेमिंगो का सबसे ज्यादा आना होता है वहाँ पर एक फ्लेमिंगो पक्षी वाचिंग पार्क बनाया जाए और इसे एक टूरिस्ट एरिया के रूप में विकसित किया जाए। इस स्थान पर फ्लेमिंगो के अलावा भी कई प्रकार के प्रवासी पक्षी आते हैं जैसे पर्पल हार्न, नॉर्थन पीनटेल, ब्लैकटेल गडविट, रूडी शेलडेक, ये कूछेक पक्षियों के नाम हैं जो टूरिस्ट के लिए बहुत ही आकर्षक होते हैं और यहाँ प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में आते हैं।

इस लिए मेरी सरकार से मांग है कि भाण्डुप पंपिंग स्टेशन के पास की क्रीक एरिया जहाँ हजारों प्रवासी पक्षियों का निवास होता है, उसके पास फ्लेमिंगो बर्ड वॉच पार्क और आकर्षक टूरिस्ट स्पॉट विकसित किया जाए और शिपिंग मंत्रालय की ओर से जरूरी सहायता संबंधित विभाग को उपलब्ध कराया जाए।

(इति)

**Re: Release of water from Madam Silli Dam in Kanker parliamentary constituency, Chhattisgarh**

**श्री मोहन मंडावी (कांकेर):** अध्यक्ष महोदय जी, बाँध सिंचित क्षेत्रों के कृषकों को सिंचाई के लिए बाँध से पानी कृषि के समय पर प्राप्त हो इस विषय को लेकर मेरे द्वारा निरंतर प्रयास किया जाता रहा है, लेकिन कुछ एक ऐसे माफिया हैं जो अपने कुचक्र में सफल भी होते रहे हैं। महोदय मेरे संसदीय क्षेत्र कांकेर (छत्तीसगढ़) में स्थित माड़मसिल्ली बाँध अंग्रेज शासन काल का एक ऐतिहासिक बाँध है। इसी प्रकार दुधावा अन्य बांधों का सिंचित क्षेत्र अर्थात् कैच मेन्ट एरिया बहुत ही विस्तारित है, जिसके सिंचित पानी से कृषक लाभान्वित होते हैं। महोदय जी इस बाँध को मछली माफियाओं द्वारा कथित रूप से सरकारी संरक्षण में बाँध मरम्मत का हवाला देकर पानी को बिना जरूरत के बाँध से छोड़ा जाता है इस प्रकार ये माफिया गिरोह अपने गलत मंसूबे में कामयाब भी होते रहे हैं, इस तरह से साजिश पूर्ण कार्य अनेक बाँधों में मरम्मत के नाम पर किया जाता है।

मैं सदन के माध्यम से अवगत कराना चाहूँगा कि बाँध मरम्मत तो एक माध्यम होता है, इनका मुख्य उद्देश्य "मछली तस्करी कर मुनाफा कमाना है। मान्यवर गर्मी के दिनों में जब भीषण जल संकट होता है उस समय न केवल मानव समाज को बल्कि पशु-पक्षियों को भी पानी उपलब्ध नहीं हो पाता है यह बड़ी विडम्बना है। महोदय निवेदन करता हूँ कि बाँधों का पानी गर्मी में छोड़ा जाए जिससे कृषकों, मवेशियों को, एवं मछुआरों को भी इसका लाभ प्राप्त हो सके।

मैं सदन के माध्यम से अनुरोध करता हूँ कि माड़मसिल्ली सहित अन्य बांधों का पानी शीत-काल में बाँध मरम्मत के नाम पर न छोड़कर ग्रीष्म काल में ही पानी बाँध से छोड़ने को निर्देशित करेंगे।  
(इति)

**Re: Need to establish a University in Sidhi district headquarters in Madhya Pradesh**

**श्रीमती रीती पाठक (सीधी):** मैं आपके माध्यम से माननीय शिक्षा मंत्री महोदय से आग्रह करना चाहती हूँ कि मेरा संसदीय क्षेत्र सीधी शिक्षा, स्वास्थ्य व संचार जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से आज भी वंचित है, मेरे संसदीय क्षेत्र सीधी में आज दिनांक तक विश्वविद्यालय स्थापित नहीं है जिस कारण बहुतायत बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। लंबे समय से क्षेत्र के विद्यार्थियों द्वारा विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु विभिन्न माध्यमों से मांग की जा रही है ! माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से हमारी सरकार व माननीय शिक्षा मंत्री महोदय से आग्रह है कि सीधी संसदीय क्षेत्र के सीधी जिला मुख्यालय में विश्वविद्यालय की स्थापना की जाए जिससे निकट भविष्य में मेरे संसदीय क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को शिक्षा ग्रहण करने में किसी भी प्रकार की समस्या न हो। धन्यवाद

(इति)

**Re: Establishment of a Sainik School in Godda/Deoghar, Jharkhand**

DR. NISHIKANT DUBEY (GODDA): I wish to draw your kind attention to the backwardness of Santhal Pargana region in general and the area(s) of Godda and Deoghar, in particular which happens to be my Lok Sabha constituency. The overall condition of Education in this region is a subject-matter of utter neglect inspite of the fact that since time immemorial, the entire region was considered to be a harbinger of ancient education practices and dissemination of social norms and mores. There has been a vociferous demand for establishing a Sainik School in Godda/Deoghar so that this area could also share the pride of having quality education to their children.

In February 2016, the then Honourable Defence Minister, visited my constituency and after acknowledging the backwardness of the region, he was kind to announce setting up of a Sainik School in Godda/Deoghar. Further, as a consequence to the said announcement, the Project for establishing a Sainik School was immediately sanctioned by the Ministry of Defence. However, it is a matter of concern that since then, more than five years have elapsed, but the entire Project has not witnessed any visible progress due to sheer apathy of the State Government of Jharkhand.

(ends)

**Re: Need to grant Mangarh Dham in Banswara (Rajsthan) and its traditional Adivasi cultural heritage the status of national importance**

**श्री कनकमल कटारा (बांसवाड़ा):** मा0 अध्यक्ष महोदय, मैं अपने संसदीय क्षेत्र में स्थित मानगढ़ धाम (बांसवाड़ा, राजस्थान) की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। 17 नवम्बर, 1913 को जलियावाला बाग हत्याकांड से भी बड़ी घटना हमारे राजस्थान के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र बांसवाड़ा-डूंगरपुर के मानगढ़ धाम पर हुई जहाँ अंग्रेजों के खिलाफ हुए संघर्ष में बलिदान देने वाले 1500 आदिवासी भाईयों एवं आदिवासी समाज में भक्ति-भाव को जगाने वाले महापुरुष गोविन्दगुरु महाराज सहित हजारों आदिवासियों भाईयों को अंग्रेजों ने गोली, तोप, बंदुके चलाकर भून दिया था और वे सभी देश के स्वतंत्रता आन्दोलन में मारे गये। मानगढ़ धाम आदिवासी भाईयों के लिए पवित्र स्थान है। राजस्थान एवं गुजरात प्रांत की सीमा पर आंनदपुरी पंचायत समिति जिला बांसवाड़ा के पहाड़ पर स्थित है।

पिछले समय में पूर्व राज्य के मुख्यमंत्री एवं गुजरात राज्य के मुख्यमंत्री द्वारा अपनी सीमा पर बहुत विकास किया गया है, यह पर्यटन का एक ऐतिहासिक स्थान है, प्रति वर्ष यहाँ पर हजारों लोग इस पवित्र भूमि के व धुणी के दर्शन करने आते हैं। अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से मानगढ़ धाम की पवित्र भूमि व आदिवासी परम्परागत सांस्कृतिक धरोहर को राष्ट्रीय दर्जा देने की माँग माननीय जनजाति कार्य मंत्री भारत सरकार से करता हूँ।

(इति)



### **Re: Alleged cow smuggling in Assam**

SHRI ABDUL KHALEQUE (BARPETA): The Hon'ble Chief Minister of Assam said that smuggling of cows from Assam to Bangladesh is valued at INR 1000 crore per month. He also mentioned that cows from other states are brought into Assam and sent across the border which indicates that cow smuggling syndicates from other states are also active in Assam. In other words, the state serves as a safe transit route for illegal activities. With a view to stop this illegal cross border cow smuggling, the state government has passed the "Cow Protection Bill" in Assam assembly. If the statement by Assam Chief Minister holds water, this illegal trade has definitely not developed overnight and has been going on unchecked since the last few years. Such illegal trade has not only cost the national exchequer for years but is also a threat to the sovereignty of the nation.

Such activities involving two sovereign nations should not be tolerated and there is a need to go deeper into the cause and eradicate the menace. Since syndicates from different states are involved, I demand that a detailed investigation be done by CBI or any other central agency as may be deemed fit for the case.

(ends)

### **Re: Need to provide 27% reservation to OBC in local body elections and also enhance the limit of creamy layer for OBCs**

श्री बालूभाऊ उर्फ सुरेश नारायण धानोरकर (चन्द्रपुर): मैं सदन का ध्यान अन्य पिछड़े वर्ग से सम्बन्धित एक महत्वपूर्ण मुद्दे की और आकर्षित करना चाहता हूँ। मंडल आयोग की रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया था कि अन्य पिछड़ी जातियों (अन्य पिछड़ा वर्ग) जिसकी आबादी 50 प्रतिशत से अधिक है, को शैक्षिक प्रवेश और सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों में 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। महोदय, मेरी मांग है, कि केन्द्र सरकार देश भर में होने वाले सभी स्थानीय निकाय चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए सीटों के 27 प्रतिशत आरक्षण को लागू करने के लिए एक कानून लाए।

ओबीसी के लिए मौजूदा क्रीमी लेयर परिभाषा 8 लाख रुपये सालाना पारिवारिक आय तय है, लेकिन यह बहुत कम है। मैं मांग करता हूँ कि समुदाय के पिछड़ेपन को ध्यान में रखते हुए उचित प्रतिनिधित्व के लिए क्रीमी लेयर आय स्तर को बढ़ाकर कम से कम 12 लाख रुपये सालाना किया जाना चाहिए। महोदय, मेरी तीसरी मांग यह है कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय के कल्याण के लिए उचित न्याय किया जाए और उनकी शिकायतों और चिंताओं का समुचित समाधान किया जाए, केन्द्र सरकार के अधीन अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण के लिए एक अलग मंत्रालय स्थापित किया जाना चाहिए। ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर पड़े ओबीसी समुदायों के लिए उचित कल्याण और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए मैं सरकार से इन अनुरोधों को लागू करने की अपील करता हूँ।

(इति)

**Re: Repealing of the Rubber Act, 1947**

SHRI ANTO ANTONY (PATHANAMTHITTA): This is to express my apprehensions regarding the Government's moves to repeal the Rubber Act, 1947, and to introduce the Rubber (Promotion and Development) Bill 2022. The repealing of the Rubber Act and the introduction of a new bill in its place is a deliberate attempt to cripple the Rubber Board by stripping off its powers and also to wipe out the rubber cultivation from the country.

At present, fixing the standard, prices, and testing the quality of natural rubber are the responsibilities vested within the Rubber Board. Moreover, the import of natural rubber should also be in accordance with the recommendations of the Board. However, the new Bill seeks to strip off all the powers of the Rubber Board in this regard. This raises concerns among 11.5 lakh rubber growers in the country. Hence, on behalf of the rubber growers in the country, I request the Government to kindly withdraw the moves to repeal the Rubber Act, 1947, and to introduce the Rubber (Promotion and Development) Bill 2022. Instead of repealing the Rubber Act, enhancing its scope is the need of the hour.

(ends)

**Re: Promotion of tourism in Kuttralam in Tenkasi, Tamil Nadu**

SHRI M. DHANUSH KUMAR (TENKASI): Tourism is seen as an engine of development and a catalyst for economic prosperity of a country. Tamil Nadu has many popular tourist spots and Kuttralam water falls in Tenkasi is one of them. This tourist spot is visited by a huge number of domestic and International tourists throughout the year. Though Kuttralam has emerged as one of the popular destinations for tourist poor connectivity, inadequate transport facility and also lack of infrastructure development has hampered tourists visiting Kuttralam. This has affected tourism sector in Tenkasi. Since Kuttralam falls under my constituency, it is requested that necessary funds may be released for the betterment and infrastructure development of Kuttralam, so that more and more tourists could visit Kuttralam.

(ends)

**Re: Review of Child Adoption Guidelines**

SHRIMATI APARUPA PODDAR (ARAMBAGH): Central Adoption Resource Authority (CARA) functions as the nodal body for adoption of Indian children and is mandated to monitor and regulate in-country and inter-country adoptions. Under the current system, the Indian prospective adoptive parents (PAP) shall apply for the same to Specialised Adoption Agencies through Child Adoption Resource Information and Guidance System by filling up the online application form and uploading the relevant documents thereby registering themselves as prospective adoptive parents. The prospective adoptive parents shall opt for desired State or States by giving option for those particular States at the time of registration. Post this process, the guidelines provide for referral system to adopt a child on the basis of choice & subsequently PAP' have to reserve the child within 48 hours. This process is extremely discriminatory for PAP' who have rescued a child and become emotionally attached to it & have expressed their desire to adopt that child. However, the existing guidelines prohibit such kind of adoption & one can only adopt through referral which is against Right to Equality of PAP'. I request the Government to kindly amend these existing guidelines and make an exception for allowing PAP' to adopt children who have been rescued by them with proper scrutiny and verification.

(ends)

**Re: Release of Performance Grants for Urban Local Bodies in Maharashtra**

SHRI VINAYAK BHAURAO RAUT (RATNAGIRI-SINDHUDURG): The proposal of Maharashtra Government for release of Performance Grants for Urban Local Bodies (ULBs) for 2018-19 and 2019-20 under 14th Finance Commission is pending with the Ministry of Finance, Govt. of India.

The State Govt. had submitted all utilization certificates and requested Central Government for release of Performance Grants for 2018-19 and 2019-20 under the 14th Finance Commission. The Ministry of Urban Affairs, Govt. of India has already recommended release of Performance Grants for Maharashtra ULBs for the year 2018-29 (Rs. 625.63 Cr.) and for the year 2019-20 (Rs. 829.21 Cr.).

However, this issue is still pending with the Ministry of Finance, Govt. of India.

I, therefore, earnestly request the Hon'ble Minister of Finance, Govt. of India that Performance Grants of Rs. 625.63 Cr. against 2018-19 and Rs, 819.21 Cr. against 2019-20 for ULBs in Maharashtra may kindly be released to the State Government at the earliest.

(ends)

**Re: Need to include certain backward castes of Bihar in the list of Scheduled Tribes**

**श्री दिलेश्वर कामैत (सुपौल):** बिहार राज्य में कतिपय जनजातियां अभी भी ऐसी हैं, अर्थात् अमात, बीन्द, बेलदार, धानुक, कहार, गंगौत, गोरही, केवट, क्योट, कैवर्त, मल्लाह, नूनिया तथा तुरहा, जिन्हें राज्य की अनुसूचित जनजातियों की सूची में अभी तक शामिल नहीं किया गया है। इन जनजातियों के लोग अभी भी सामाजिक, शैक्षणिक तथा आर्थिक दृष्टि से पिछड़े हैं तथा दशकों के नियोजित विकास के पश्चात् भी दयनीय स्थिति में जीवनयापन कर रहे हैं। ये समुदाय संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश, 1950 में जनजाति के रूप में शामिल किए जाने के सभी मानदण्डों को पूरा करते हैं। इसके अलावा, वे काफी समय से ऐसे दर्जे की मांग भी कर रहे हैं। बिहार सरकार द्वारा इथनोग्रफिक अध्ययन रिपोर्ट के साथ केंद्र सरकार को अनुशंसा भी प्रेषित की जा चुकी है।

अतः सदन के माध्यम से मेरा अनुरोध है कि उपरोक्त समुदायों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा प्रदान करने का कष्ट करें।

(इति)

**Re: Enhancement of Rate of Royalty for minerals mined in Odisha**

**SHRI BHARTRUHARI MAHTAB (CUTTACK):** Odisha is producing about half of the country's iron ore besides substantial quantities of Chromite, Bauxite, Limestone and Manganese ore. However, the State is being deprived of its reasonable expectation of revenue from such mining. The royalty on these minerals was last revised on 01.09.2014 even though there is a provision for permitting revision of royalty every three years. For non-revision of royalty, the State is being deprived of legitimate share of revenues from such mining. I would urge upon the Government to consider enhancement of rate of royalty urgently.

(ends)

## Re:Stray cattle causing damage to agriculture in Amroha parliamentary constituency, Uttar Pradesh

**कुंवर दानिश अली (अमरोहा):** पूरे उत्तर प्रदेश में खासकर मेरे संसदीय क्षेत्र अमरोहा के किसानों के लिए आवारा पशु सबसे बड़ी समस्या बन गयी है। किसान रात-रात भर अपने खेतों की रखवाली कर रहे हैं इस के बावजूद किसान अपने फसलों की सुरक्षा नहीं कर पा रहे हैं। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अचानक गाय बछड़ों की संख्या बढ़ गई है। सैकड़ों की संख्या में गाय बछड़ों के झुंड के झुंड खड़ी फसलों को बर्बाद किये जा रहे हैं। इन आवारा पशुओं के कारण सड़कों एवं बाजारों में बड़ी संख्या में दुर्घटनायें हो रही हैं। इस से आवागमन में बाधा के साथ जान माल के नुकसान का खतरा बढ़ गया है। गौशालाओं में भी गायों का रख रखाव नहीं हो पा रहा है। परिणामस्वरूप चारे के आभाव और समुचित देख भाल न होने के कारण सैकड़ों की संख्या में गायें मर जाती हैं इस संकट को लेकर किसानों में कई जगह आक्रोश व्याप्त है। अतः भारत सरकार से अनुरोध है कि इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए शीघ्र समुचित उपाय किये जाएं, जिस से किसानों के संकट का निवारण हो सके।

**کنور دانش علی (امروہہ):** محترم اسپیکر صاحب، پورے اترپردیش میں اور خاص کر میرے پارلیمانی حلقہ امروہہ کے کسانوں کے لئے آوارہ جانور سب سے بڑا مسئلہ بن گئے ہیں۔ کسان رات رات بھر اپنے کھیتوں کی رکھوالی کر رہے ہیں اس کے باوجود کسان اپنی فصلوں کی حفاظت نہیں کر پا رہے ہیں۔ شہروں اور گاؤں میں اچانک گائے بچھڑوں کی تعداد میں اضافہ ہو گیا ہے۔ سیکڑوں کی تعداد میں گائے اور بچھڑے جھنڈ کے جھنڈ کھڑی فصلوں کو برباد کئے جا رہے ہیں۔ ان آوارہ جانوروں کی وجہ سے سڑکوں اور بازاروں میں حادثات پیش آ رہے ہیں۔ اس سے آنے جانے میں پریشانی کے علاوہ جان و مال کے نقصان کا خطرہ بھی بڑھ گیا ہے۔ گوشالوں میں بھی گایوں کا رکھ رکھاؤ نہیں ہو پا رہا ہے۔ جس کے نتیجے میں چارے کی کمی اور مناسب دیکھ بھال نہ ہونے کی وجہ سے سیکڑوں کی تعداد میں گائے مر جاتی ہیں اس سنکٹ کو لیکر کسانوں میں کئی جگہ غصہ پھیل رہا ہے۔ اس لئے میری بھارت سرکار سے گزارش ہے کہ اس سنگین مسئلے سے نپٹنے کے لئے جلد سے جلد مناسب اقدام اٹھائے جائیں، جس سے کسانوں کی اس مصیبت کو دور کیا جاسکے۔ شکریہ

(इति)

**Re: Approval of cyclone shelters proposals**

SHRI SUNIL DATTATRAY TATKARE (RAIGAD): Proposals for strengthening of existing structures were shared with NDMA and the proposal was reviewed and discussed during the 20th PSC meeting dated 20th August 2020, wherein the Member Secretary advised that a total of 22 Government structures such as schools are to be identified, along the costal districts in the state of Maharashtra to be strengthened to act as cyclone shelters, in line with the proposed new MPCs infrastructure under NCRMP II. Hence, respected Speaker Sir, through you, I request the Hon'ble Minister to kindly approve the 4 proposals at the earliest.

Sr. No.	Village	Taluka	District
1	Mothi Jui	Uran	Raigad
2	Borli	Srivardhan	Raigad
3	Rajpuri	Murud	Raigad
4	Awas	Alibaug	Raigad

(ends)

**Re: Financial issues pertaining to the State Government of Andhra Pradesh**

SHRI KINJARAPU RAM MOHAN NAIDU (SRIKAKULAM): The state of Andhra Pradesh is in a deep financial crisis. Shady accounting practices are being undertaken, the legislature is being misled and people's hard-earned money is being squandered.

The fiscal deficit of the state stands at Rs. 45,907 crores in December 2021 which is 918% higher than the budget estimates. CAG reported that the government had wrongly classified revenue items as capital items in 2019-20. Liabilities amounting to Rs 26,096.98 crores have not been disclosed correctly to the legislature. When lies and mismanagement were not enough, the state government started diverting funds from various welfare schemes to remain afloat. Rs1100 crores of funds from the State Disaster Relief Fund have been diverted to the Personal Deposit Account. The 15th Finance Commission Grants to Panchayats have also been diverted. Several new taxes have been introduced and others exponentially raised. But where is this money going? The government is unable to pay salaries and pensions to its employees and retirees. Asset creation has gone for a toss, infrastructure and development projects are absent.

It's high time for the Union Government to act immediately and intervene in order to save AP from bankruptcy and financial crisis.

(ends)

**Re: Section 41 (C) of SC/ST (Prevention of Atrocities ) Act**

SHRI MARGANI BHARAT (RAJAHMUNDRY): Dalits and Tribals are marginalized and deprived sections of the society in the country. In order and to protect them from every kind of atrocity GOI has enacted SC/ST (Prevention of Atrocities) Act in 1989. In spite of this, atrocities against SC/ST are going up during the last few years. In 2019, there was 11.6% increase and in 2020 there was 9% increase in number of cases of atrocities on SC/ST. In AP, this number has come down from 2204 in 2019 to 2069 cases in 2020. But, in other States, the cases are going up.

The second problem is that offenders committing crime on SCs/STs are coming out freely with station bail U/s 41(c) of the Act thereby defeating the core objective of the Act. The AP SC/ST Commission has recommended to the National SC/ST Commission to repeal 41(c). Hence, I request Social Justice Minister and NCSC&ST to repeal Section 41(c) of the SC/ST Atrocities Act.

(ends)

(1710/RU/IND)

**\*MATTERS OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE**

1710 hours

SHRI T. N. PRATHAPAN (THRISSUR): Sir, many colleges in Karnataka are banning girl students with hijabs from entering classrooms and colleges. Now, these girls with hijabs are sitting outside the colleges and demanding their fundamental rights.

Sir, hijab is a part of cultural and religious identity of Muslim women. It is like *Mangal Sutra* for Hindus, crucifix for Christians and turbans for Sikhs.

In our country, there are some people who terrorise everything they want. ... (*Interruptions*) If they see a Sikh man with turban protesting against their Government, they will call him a Khalistani terrorist. If they see a Christian nun in her holy dress travelling in a train, they will attack her. ... (*Interruptions*) If they see a Muslim girl with a hijab, they will stop her education.... (*Interruptions*)

**माननीय अध्यक्ष :** डॉ. शशि थरूर।

... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** प्रथापन जी, आप अपनी बात पूरी कीजिए।

... (व्यवधान)

SHRI T. N. PRATHAPAN (THRISSUR): Where are we taking India to? We cannot lose our diversity.... (*Interruptions*)

Sir, I request the Minister for Education to kindly interfere in this issue to ensure the constitutional rights of these girls. That is the real Sab ka Sath and Sab ka Vikas. As my leader Shri Rahul Gandhi said, Saraswati Devi gives education to all and that there is no difference in education as regards religion, caste, dress or languages. ... (*Interruptions*)

**माननीय अध्यक्ष :** आप लोग बैठ जाएं। आपका यह तरीका ठीक नहीं है। मैं आपको भी बोलने का मौका दूंगा।

... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** डॉ. शशि थरूर जी, आप बोलिए।

... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** अधीर रंजन जी, आप यह योजना मत बनाएं। आप शशि थरूर जी को नहीं बोलने दे रहे हैं।



DR. SHASHI THAROOR (THIRUVANANTHAPURAM): Sir, I wish to draw the attention of the hon. Minister of Earth Sciences to the lack of Indian Meteorological Department's preparedness for weather forecast and its recent failure to issue red alerts for heavy rain in a timely manner in Kerala.

Having witnessed two successive floods in 2018 and 2019, Kerala again experienced excessive rainfall last year leading to great loss of life and property. The IMD, however, failed to issue a red alert despite extreme weather conditions between 12<sup>th</sup> October and 16<sup>th</sup> October last year. This prevented the State Government from taking appropriate action and severely impacted the support and resources available to the people Thiruvananthapuram, my constituency, and those residing in surrounding districts. It also posed a serious risk to the lives of traditional fishers who routinely venture out into the sea.

Further, though Kerala requires 256 weather stations as per the BIS standards, there are only 21 Automatic Weather Stations (AWS) of which only 15 are functional in the State.

During such natural disasters, efficient institutional mechanisms must be in place to prevent and mitigate damage. I, therefore, urge the Minister to expedite the setting up of 100 Automatic Weather Stations in Kerala as promised by IMD in the aftermath of the 2018 floods, and implement a protocol to ensure that weather alerts of such sensitive nature are issued promptly so that critical action may be taken without undue delay.

(1715/SM/KDS)

SHRIMATI SUPRIYA SADANAND SULE (BARAMATI): Thank you, Sir. There is an urgent need for the Centre to clarify the stand on Economic and Caste Census 2020 and the political reservation of OBCs. सरकार ने जो जवाब सुप्रीम कोर्ट को दिया था, वह ऑफिशियल जवाब यह है कि ओबीसी आरक्षण का इम्पीरिकल डेटा था, उसमें पूरी तरह से एक्यूरेसी नहीं है और जो जवाब स्टैंडिंग कमेटी को दिया गया था I would just like to quote it. It says:

“...that the Parliamentary Committee on Rural Development presented to the Lok Sabha Speaker on 31<sup>st</sup> August, 2016 on Socio Economic and Caste Census. The Ministry of Home Affairs claimed that this data was 98.87 per cent accurate and Registrar General of the Census Commissioner of India, Ministry of Home Affairs said the Standing Committee that the data has been examined and

98.87 per cent of this data on individual's caste and religion is error free."

This is what they have said. What is the truth? Fifty-six thousand people in Maharashtra and इस देश के 9 लाख से ज्यादा ओबीसीज, जो इलेक्शन लड़ना चाहते हैं, वे इस आरक्षण से वंचित हैं। तो फिर सच क्या है? सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने जो कहा है, वह सच है, या सरकार ने जो स्टैंडिंग कमेटी को कहा है, वह सच है? इस बात को सरकार स्पष्ट करे। धन्यवाद।

**माननीय अध्यक्ष :** श्री पीआर नटराजन जी – उपस्थित नहीं

श्री ओम पवन राजेनिंबालकर – उपस्थित नहीं

श्री सौगत राय जी।

... (व्यवधान)

**प्रो. सौगत राय (दमदम):** जी सर।

**माननीय अध्यक्ष :** सौगत राय जी, आपका मौका खत्म।

... (व्यवधान)

**प्रो. सौगत राय (दमदम):** सर, आप ऐसा कर ही नहीं सकते। Sir, I am raising a point regarding the maintenance of federalism in the country. The Central Government is interfering in the administration of the States through its nominated Governors. Such interference is absurd.... (Interruptions)

**माननीय अध्यक्ष :** माननीय सदस्य, आप वरिष्ठ नेता हैं।

**प्रो. सौगत राय (दमदम):** सर, मैं एक भी शब्द रूलर्स के बाहर नहीं बोलूंगा।

**माननीय अध्यक्ष :** लेकिन आप बोल रहे हैं।

**PROF. SOUGATA RAY (DUM DUM):** The States of West Bengal, Tamil Nadu, Kerala, Telangana, Andhra Pradesh, Punjab, Rajasthan, Maharashtra and Jharkhand are experiencing such types of problems. The nominated ... (Not recorded) are interfering in day-to-day administration. They are calling for the police officers and also for the Chief Secretaries.

In Tamil Nadu, the Governor has returned one Bill passed by the Tamil Nadu Assembly. In West Bengal, the ... (Not recorded) to sign a Bill unanimously passed in the Assembly... (Interruptions)

**माननीय अध्यक्ष :** माननीय सदस्य, यह विषय शून्य काल में उठाने वाला नहीं है।

... (व्यवधान)

**प्रो. सौगत राय (दमदम) :** सर, मैं एक भी शब्द रूलर्स के बाहर नहीं बोलूंगा।

**माननीय अध्यक्ष :** फिर भी आप बोल रहे हैं।

PROF. SOUGATA RAY (DUM DUM): You see whether I am saying one word outside the rules of the Constitution. Sir, I am mentioning that this Centre-State relation is the basis of federalism. The Centre appoints the Governor supposedly in consultation with the State Government, but not with the concurrence of the State Government.

The Home Minister is here. He is the controlling authority of the Governors. All of them come to Delhi and meet him. Can he not tell the Governors to stop tweeting, interfering in the day-to-day affairs of the State, and refraining from signing files and legislations passed by the Legislative Assembly? अगर यह चलेगा, तो देश में युक्त राष्ट्रीय ढांचा नहीं चलेगा। इसीलिए मैं चाहता हूँ कि ..... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** श्री बैन्नी बेहनन जी।

SHRI BENNY BEHANAN (CHALAKUDY): Thank you, Speaker, Sir. The Directorate of Printing under the Ministry of Housing and Urban Affairs, Government of India has been operating 17 printing presses all over India since decades.

As a sudden move, the Central Cabinet has decided to close down 12 of them in the name of rationalisation or merger and retain only 5 presses.

(1720/KKD/CS)

The presses located at South India have been totally neglected.

Sir, all the three units of South India are well-established and are having immense infrastructure capabilities, and they used to give almost cent per cent production ever since the presses were established, and got Best Press Award for highest production on several occasions.

I would like to inform this august House that one of the units from South India is situated in my Lok Sabha Constituency, which is the Government of India Press, Koratty. This press has bagged the 'Best Press Award' on four occasions, and a number of employees have been selected in different trades for 'Best Operative Awards' in various years. Even in 2016, the Press was awarded the 'Best Runner-up' for overall performance among the 17 Government of India presses.

The Government of India Press, Koratty has got 75 acres of land which is situated close to NH-66 in between Angamaly and Chalakuddy Municipality. Besides the land, the press has got three-storeyed administrative building,

factory buildings, godown building, electric sub-stations, a dispensary, and a water treatment plant on the banks of Chalakuddy River.

Considering the importance of the Koratty Press, I would, therefore, request the Government to start this press immediately.

Also, if this matter, in any circumstances, cannot be controlled, I would suggest the Central Government to convert this land of 75 acres of GIP, Koratty for establishment of sports and culture university.

Thank you.

SHRIMATI APARUPA PODDAR (ARAMBAGH): Hon. Speaker, Sir, objections were raised about the proposed amendments in the IAS, IPS and IFS Cadre Rules, 1954. The Centre has asserted that the proposed amendments are aimed at removing the non-availability of sufficient number of officers in the Government of India, which is affecting the functioning of the Centre.

These proposed rules are against cooperative federalism and will damage the federal structure ... (*Interruptions*)

**माननीय अध्यक्ष :** हो गया, आपने अपना विषय उठा दिया है।

श्रीमती चिंता अनुराधा।

... (*Interruptions*)

SHRIMATI APARUPA PODDAR (ARAMBAGH): The Central Government has used their power to harass our former Chief Secretary and Commissioner of Kolkata also.

I demand that these rules should not be enforced. Our Chief Minister, Mamata Banerjee has been protesting against this draconian move which is violating our Constitution ... (*Interruptions*) BJP is standing with it ... (*Interruptions*)

**माननीय अध्यक्ष :** श्रीमती चिंता अनुराधा – उपस्थित नहीं।

श्री भर्तृहरि महताब।

SHRI BHARTRUHARI MAHTAB (CUTTACK): Sir...

**माननीय अध्यक्ष :** लोक सभा कितनी निष्पक्षता से चलती है, आप इसका उदाहरण देख लें। अधीर रंजन जी, आज 20 शून्य काल के विषयों में से 17 विपक्षी पार्टियों के हैं और मैं सबको मौका दे रहा हूँ।

**श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर):** महोदय, इस नाते विपक्ष काफी धन्य हैं कि आप हम लोगों के साथ हैं, नहीं तो क्या हमें इतना बोलने का मौका मिलेगा।

**माननीय अध्यक्ष :** मौका पूरा है।

**श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर):** मैं उन लोगों के लिए कह रहा हूँ... (व्यवधान)

**SHRI BHARTRUHARI MAHTAB (CUTTACK):** Hon. Speaker, Sir, lightning is a major natural disaster in India. This was demonstrated by a recent Report compiled by the Climate Research and Services of Indian Meteorological Department that Odisha lost 213 human lives due to lightning strikes, the highest in the country in 2021. Thunderstorm and lightning claimed 780 lives across the country. Among these, the significant reported deaths were from Odisha.

Considering that most of these deaths are in the rural areas, with low levels of literacy and few buildings with lightning protection, there is a need to make people aware about precautions to be taken during lightning by keeping away from electrical equipment including wired phones and TVs, not opening any water taps, not going to open areas, etc.

The Odisha Government has initiated several steps to protect vulnerable pockets of the State from lightning fatalities. We need the Centre's help, which is required on this issue.

I would just like to mention, Sir, that in 2015, the Odisha Government also entered into an MoU with Earth Network and has installed lightning detection sensors in eight districts like Keonjhar, Balangir, Brahmapur, Jeypore, Rourkela, Bhubaneswar and Panikoili. But this needs to be expanded, and accordingly lightning is a State-specific disaster even today.

I would, therefore, urge upon the Government to make it a National Disaster so that funds can be provided to the affected families.

Thank you.

**माननीय अध्यक्ष :** बालू जी, आपके टोकने पर मैंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के बीच में आपको बोलने दिया था। आप विराजें। संसद में हम सब गरिमा बनाकर चलें। संसद में अच्छा संवाद हो, अच्छी चर्चा हो तो उचित रहता है।

इसलिए शून्य काल में अपनी बात को एक मिनट में समाप्त कर दें, तो उचित रहेगा।  
श्री एम. वी. वी. सत्यनारायण।

(1725/KN/RP)

**SHRI M.V.V. SATYANARAYANA (VISAKHAPATNAM):** Thank you very much, Sir. The Vizag Steel Plant, which is a pride for Telugu people, was established in the year 1982 for which more than 22,000 acres of land was acquired, 64 villages were vacated, and 32 persons sacrificed their lives. Due to their sacrifice, the Union Government came forward to establish the Vizag Steel

Plant. Being the only steel plant manufacturing PSU without captive mines, the Vizag Steel Plant spends higher amount of money on raw material than any other steel plant in the country. The Vizag Steel Plant is a Navratna Company and one of India's largest steel making plants.

I would, therefore, request the Government to withdraw their decision for privatisation of Vizag Steel Plant in the interest of the workers, the State of Andhra Pradesh, and the nation at large.

**माननीय अध्यक्ष :** अब जिन माननीय सदस्यों के शून्य काल में मैटर्स शेष रह गए हैं, उनको मैं माननीय प्रधान मंत्री जी के भाषण के बाद मौका दूंगा। राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर अपनी बात रखने के लिए मैं माननीय प्रधान मंत्री जी से आग्रह करता हूँ।

-----

**LIST OF MEMBERS WHO ASSOCIATED THEMSELVES WITH THE  
ISSUES RAISED UNDER MATTERS OF URGENT PUBLIC  
IMPORTANCE**

सदस्य, जिनके द्वारा अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय उठाये गये।	सदस्य, जिन्होंने उठाए गए विषयों के साथ स्वयं को सम्बद्ध किया।
Shri T. N. Prathapan	Shri Gautham Sigamani Pon Shri Syed Imtiaz Jaleel Shri D.K. Suresh Adv. Adoor Prakash Shri Rajmohan Unnithan
Prof. Sougata Ray	Shri Shrirang Appa Barne Shri Vinayak Bhaurao Raut Shrimati Bhavana Gawali (Patil) <u>Smt. Kalaben Mohanbhai Delkar</u> Shri Gautham Sigamani Pon
Shri Bhartruhari Mahtab Shri Hanuman Beniwal Dr. Shashi Tharoor Shrimati Supriya Sadanand Sule	Shri Malook Nagar

## राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव – जारी

**\*श्री रामचरण बोहरा (जयपुर):** माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय महामहिम राष्ट्रपति द्वारा दिये गये अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूँ।

भारत सरकार महामारी के बीच करीब 2 से साल 80 करोड़ गरीब लोगों को मुफ्त राशन प्रदान कर रही है। अनेक देशों की इतनी आबादी भी नहीं है जितने के हमारी सरकार मुफ्त राशन प्रदान कर रही है। इसकी चर्चा अन्तर्राष्ट्रीय जगत में बहुत हो रही है इससे भारत सरकार की छवि अच्छी हुई है। दूसरी ओर मुफ्त टीकाकरण के अभियान के अन्तर्गत 75 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण कर दिया है और अब बुर्जगों को भी बुस्टर डोज देनी शुरू कर दी है साथ ही साथ 15 से 18 वर्ष के बच्चों का भी टीकाकरण किया जा रहा है। ऊपर के दोनों अभियानों पर अरबों रूपया खर्च किया जा चुका है बावजूद इसके भारत सरकार ने लोगों पर टैक्स का बोझ नहीं डाला है। सरकार ने अपने बजट के अन्दर ही यह सब कुछ कर दिया है। इसके लिए हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी बधाई के पात्र हैं। उनकी सुझबूझ से ही इतना बड़ा प्रोग्राम सफलतापूर्वक चल रहा है। इसके साथ ही हमने अनेक गरीब देशों को मुफ्त टीके उपलब्ध कराये हैं। हम विश्व के 95 देशों को भारतीय टीके भेज रहे हैं।

भारत सरकार ने इस कोरोना महामारी के अनेक रूपों का बड़े ही संयम और धैर्य से मुकाबला किया है और इसमें हमें सफलता मिली है। इस दौरान हमने जो मूलभूत ढांचा तैयार किया है वह इतना विशाल है कि कोरोना की दूसरी लहर में हमारे पास मेडिकल सुविधाओं की कोई कमी नहीं रही है आज हमारे पास अस्पतालों में बिस्तर है, आक्सीजन है, वेंटीलेटर है जो मांग से ज्यादा है। यह सब हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी की दूरदृष्टि का परिणाम है। इसके लिए मैं माननीय प्रधानमंत्री जी को हार्दिक बधाई देता हूँ। हमें अपने प्रधानमंत्री जी पर गर्व है। आज हमारे देशवासी गर्व से कहते हैं कि भारत का भविष्य एक ऐसे व्यक्ति के हाथों में सुरक्षित है जो कि बहुत दूर की सोचते हैं और उनका सारा फोकस इसी पर है कि देश की उन्नति कैसे हो, देश आगे कैसे बढ़े, चाहे वह रक्षा क्षेत्र हो, चाहे अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र हो और चाहे कोई भी अंदरूनी क्षेत्र हो।

अध्यक्ष महोदय, देश का संविधान हमें सिखाता है कि गांव, गरीब और किसान की सेवा में सरार कोई कमी नहीं छोड़े। सही मायने में संविधान निर्माताओं का सपना 8 वर्षों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में नया भारत दिखाइ दे रहा है। अध्यक्ष जी एक समय जब देश में कोई महामारी आती थी तो हम दूसरे देशों की ओर ताकते थे, देखते थे। दवा के लिये मोहताज होते थे लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन और सोच ने देश को नई दिशा देने का काम किया। कोरोना काल खण्ड की ही बात करें तो देश का आम नागरिक भारत सरकार के कार्यों की प्रशंसा कर रहा है। विकसित देश भी हैरान थे कि कैसे भारत ने सबसे पहले कोरोना का टीका तैयार कर लिया।

माननीय अध्यक्ष जी, आज हमारी अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में पहचान बनी है आज कोई भी विकसित देश भारत को हल्के में लेने का दुस्साहस नहीं कर सकता है। देश हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, निरन्तर बढ़ रहा है। यह सब हमारे कर्मठ प्रधानमंत्री जी के कारण ही है।

माननीय अध्यक्ष जी, क्या कोई सोच सकता था कि इंग्लैंड जिसने हम पर 200 वर्ष राज किया उसके उम्मीदवार को अन्तर्राष्ट्रीय कोर्ट में बुरी तरह से मात दे सकता है। लेकिन यह हमने किया और अपने प्रत्याशी को अन्तर्राष्ट्रीय कोर्ट ऑफ जस्टिस के चुनाव में भारी मतों से जिताने में सफल हुये। यह सब हमारे प्रधानमंत्री जी की मेहनत और दूरदृष्टिता का परिणाम है।

माननीय अध्यक्ष जी, किसी भी देश के विकास में बुनियादी ढांचे का अहम रोल होता है। जितना हमारा बुनियादी ढांचा विकसित होगा, उतना ही देश भी हर क्षेत्र में विकसित होगा या यह कहिये कि बुनियादी ढांचा किसी भी देश कि रीढ़ की हड्डी होती है। इसी को ध्यान में रखते हुये भारत सरकार ने पिछले करीब 8 वर्षों में बुनियादी ढांचे के विकास पर पूरा बल दिया है। आज देश में उच्च कोटि की सड़को का निर्माण बहुत तेजी से हो रहा है पहाड़ी क्षेत्रों में और दूरगामी स्थानों में सड़क निर्माण को प्राथमिकता दी गई है साथ ही साथ हमने अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर उच्च कोटि की सड़कों का जाल बिछा दिया है। हमारी फौज का अपना साजोसामान लाने ले जाने में सुविधा हो गई है। सरकार ने दुर्गम स्थानों पर भी सुरंगों का निर्माण किया है इसमें न केवल यातायात में सुविधा हुई बल्कि सामान को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने में भी सुविधा हो गई है। मिशाल के तौर पर, चार धाम सड़क योजना भी इसी कड़ी का एक हिस्सा है। इसके पूरा होने से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि हमारी सेनाओं को भी बहुत लाभ मिलेगा। मैं अपनी सरकार को इसके लिए धन्यवाद और बधाई देता है कि जितना काम बुनियादी ढांचे को विकसित करने में 60 वर्ष में हुआ, उससे कहीं ज्यादा काम पिछले 8 साल में भारत सरकार ने कर दिखाया है।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं अपनी सरकार को हर क्षेत्र में विकास के लिए बधाई देते हुए और महामहिम राष्ट्रपति जी द्वारा दिये गये अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करते हुए, अपनी बात समाप्त करता हूँ।

(इति)



**\*श्री मनसुखभाई धनजीभाई वसावा (भरुच):** माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं महामहिम राष्ट्रपति महोदय के अभिभाषण का हृदय से समर्थन करता हूँ तथा संसद की संयुक्त बैठक को संबोधित करने के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। महामहिम राष्ट्रपति जी ने अपने अभिभाषण में उपस्थित सांसदों की सराहना करते हुए उन्हें करोड़ों देशवासियों की आशाओं-आकांक्षाओं का सारथी तथा प्रतीक बताया तथा अपने महान भारत वर्ष को गौरव के शिखर पर ले जाने के लिए निरंतर तत्पर रहने तथा परिश्रम करने की प्रेरणा दी। उन्होंने अपने अभिभाषण में देश की वर्तमान उपलब्धियों के लिए करोड़ों देशवासियों द्वारा निरंतर किए जा रहे कठिन परिश्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि आज देश की उपलब्धियाँ और सफलताएं देश के सामर्थ्य और संभावनाओं के समान ही असीम हैं तथा ये किसी एक संस्था या प्रतिष्ठान की नहीं हैं बल्कि देश के कोटि-कोटि नागरिकों की हैं।

महामहिम राष्ट्रपति महोदय ने अपने अभिभाषण के प्रारंभ में उल्लेख किया कि कोरोना वायरस से उत्पन्न महामारी का यह तीसरा वर्ष है तथा इस दौरान हमने देशवासियों के अनुशासन और कर्तव्यपरायणता को मजबूत होते देखा है। इसके लिए उन्होंने सभी भारतीयों का संसद भवन के ऐतिहासिक सेंट्रल हॉल से अभिनंदन किया।

आज जब देश अपनी आजादी के 75 वर्ष पर अमृत महोत्सव मना रहा है, ऐसे में महामहिम राष्ट्रपति महोदय ने देश के उन लाखों स्वाधीनता सेनानियों को याद किया तथा महान देशभक्त श्री अरविंदों की 150वीं जयंती तथा नेता श्री सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जन्म-जयंती कृतज्ञ राष्ट्र द्वारा मनाए जाने का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अतीत को याद रखना तथा उससे सीख लेना देश के सुरक्षित भविष्य के लिए बहुत जरूरी है। हमारे देश के परम यशस्वी तथा ऋषितुल्य प्रधान मंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी जी के कुशल नेतृत्व की वजह से भारत आज विश्व की राजनीति में एक चमकते सितारे की तरह हैं। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मोदी सरकार के मंत्र ने देश को सर्वहितकारी, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने का मार्ग प्रशस्त किया है। सरकार के प्रयासों से आज देश की स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ सभी भारतीयों को आसानी से उपलब्ध हो रहा है। इस दिशा में प्रधान मंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन एक सराहनीय उदाहरण है। सरकार ने 8000 से अधिक जन-औषधि केंद्रों के माध्यम से कम कीमत पर दवाईयाँ उपलब्ध कराकर इलाज पर होने वाले खर्च को काफी कम किया है।

अपने अभिभाषण में महामहिम राष्ट्रपति जी ने संविधान शिल्पी बाबा साहब भीम राव अंबेडकर का स्मरण करते हुए कहा कि मोदी सरकार बाबा साहेब के आदर्शों को अपना ध्येय वाक्य मानती है तथा सरकार की आस्था अंत्योदय के मूल मंत्र में है। महामहिम राष्ट्रपति महोदय द्वारा आदिवासी वीर नायक बिरसा मुंडा के जन्म-दिवस 15 नवंबर को "जनजातीय गौरव दिवस" के रूप में मनाए जाने का भी उल्लेख करने के लिए देश के सभी आदिवासी समुदाय की तरफ से महामहिम राष्ट्रपति तथा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी जी के प्रति विशेष आभार व्यक्त करता हूँ।

महामहिम राष्ट्रपति महोदय ने अपने अभिभाषण में कोरोना से उत्पन्न महासंकट का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार ने इस बात का पूरा प्रयास किया कि कोई गरीब भूखा न रहे। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना इसी दिशा में उठाया गया एक सार्थक कदम है। इस योजनाओं के माध्यम से देश के 80 करोड़ लाभार्थियों को 19 महीनों से खाद्यान्न वितरित करने हेतु 2 लाख 60 हजार करोड़ रुपए के खर्च के साथ भारत दुनिया का सबसे बड़ा फुड डिस्ट्रीब्यूशन प्रोग्राम चला रहा है। कोरोना संकट के समय गरीब के स्वाभिमान और उनके रोजगार की रक्षा के लिए सरकार ने प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना चलाकर देश के 28 लाख रेहड़ी-पटरी वालों को 29 सौ करोड़ रुपए से ज्यादा की धनराशि जारी करके अभूतपूर्व कार्य किया है।

महामहिम राष्ट्रपति महोदय के अभिभाषण में यह उल्लेख है कि देश के ग्रामीण क्षेत्रों में, लोगों को उनकी संपत्ति के दस्तावेज देने के लिए शुरू की गई स्वामित्व योजना भी सरकार का एक असाधारण प्रयास है। इस योजना के तहत अब तक 27 हजार गांवों में 40 लाख से अधिक प्रापर्टी कार्ड दिए जा चुके हैं। ये प्रापर्टी कार्ड न केवल विवादों को रोकने में सहायक हैं बल्कि गांव के लोगों को बैंक से मदद मिलने में भी काफी उपयोगी साबित हो रहा है।

महामहिम राष्ट्रपति महोदय द्वारा अपने भाषण में सरकार द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था और देश के किसानों को सशक्त बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया जो कि स्वागत-योग्य है। वर्तमान में हार्टिकल्चर और शहद उत्पादन किसानों की आमदनी के नए स्रोत हैं।

महामहिम राष्ट्रपति महोदय ने अपने अभिभाषण में दिव्यांगजनों के लिए सुगमता, समानता और सम्मानपूर्ण जीवन के अवसर प्रदान करने हेतु शुरू किए गए सुगम्य भारत अभियान का भी उल्लेख किया जो कि सरकार का एक अत्यंत संवेदनशील कदम है।

संसद के समवेत सत्र में अपने अभिभाषण में कहा कि भारत सर्वाधिक तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है। देश में जीएसटी कलेक्शन पिछले कई महीनों से निरंतर एक लाख करोड़ रुपए से ऊपर बना हुआ है तथा इस वित्त वर्ष के पहले सात महीनों में 48 बिलियन डॉलर का विदेशी निवेश आना इस बात का प्रमाण है कि अंतर्राष्ट्रीय निवेशक भारत के विकास को लेकर बहुत आश्वस्त है।

महामहिम राष्ट्रपति महोदय का यह कथन कि किसी भी देश के विकास का आधार वहां का इंफ्रास्ट्रक्चर होता है तथा सरकार की दृष्टि में, इंफ्रास्ट्रक्चर सामाजिक असमानता को पाटने वाला सेतु भी है। देश में अवसंरचनात्मक कार्यों को और अधिक गति प्रदान करने के लिए अलग-अलग मंत्रालयों के कामकाज को प्रधान मंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के रूप में एक साथ जोड़ा गया है।

महामहिम राष्ट्रपति महोदय ने अपने अभिभाषण में जलवायु परिवर्तन को विश्व के लिए एक बड़ी चुनौती बताया तथा भारत सरकार द्वारा "ग्रीन ग्रिड इनीशिएटिव: वन सन-वन वर्ल्ड-वन ग्रिड" की पहल की सराहना की।

महामहिम राष्ट्रपति महोदय का अपने अभिभाषण में यह कहना कि विरासत और पर्यटन का एक दूसरे से गहरा नाता है इसलिए आज भारत की आध्यात्मिक विरासत को फिर से जीवंत किया जा रहा है। महामहिम राष्ट्रपति जी का अपने अभिभाषण में यह कहना कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी जी के नेतृत्व में आज देश आजादी के अमृतकाल में "एक भारत-श्रेष्ठ भारत के संकल्प के आधार पर विकास के नए अध्याय लिख रहा है, जो प्रणाम करने योग्य है।

मैं पुनः महामहिम राष्ट्रपति महोदय के अभिभाषण का हृदय से समर्थन और आभार व्यक्त करते हुए उन्हें कोटि-कोटि नमन करता हूँ कि उन्होंने देश के अभी तक के सर्वाधिक लोकप्रिय प्रधानमंत्री परम आदरणीय श्री नरेंद्रभाई मोदी जी की सरकार की उपलब्धियों को परिलक्षित किया है।

बहुत-बहुत धन्यवाद।

(इति)

**\*श्री जनार्दन सिंह सिग्ग्रीवाल (महाराजगंज):** माननीय अध्यक्ष महोदय, महामहिम राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर चर्चा में भाग लेने की अनुमति देने के लिए मैं आपके प्रति आभार व्यक्त करते हुए आपको धन्यवाद देता हूँ। महोदय मैं महामहिम जी के अभिभाषण का समर्थन करते हुए कहना चाहूँगा कि आज हमारा देश कोविड-19 जैसे वैश्विक महा आपदा कल की चुनौतियों का सामना करते हुए आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। इस अवसर पर महामहिम जी ने प्रत्येक भारतीय की इच्छा शक्ति से भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक आत्मनिर्भर भारत बनाने की बात कही है वह हम सभी भारतीयों के बीच आत्मविश्वास पैदा करती है।

- \* उन्होंने आगे कहा कि सरकार "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, और सबका प्रयास" के मन्त्र पर चलते अगले 25 वर्षों के लिए एक भारत का निर्माण कर रही है जो मजबूत और आत्मनिर्भर है जिसमें सभी शामिल हैं, सभी को लाभ है।
- \* राष्ट्रपति जी ने कहा कि राष्ट्र कोविड-19 के खिलाफ मजबूती से खड़ा है। कोविड के खिलाफ लड़ाई में भारत की क्षमता उसके टीकाकरण कार्यक्रम के माध्यम से स्पष्ट हुई। एक साल से भी कम समय में रिकार्ड 150 करोड़ वैक्सीन की डोज दी गई। उन्होंने कहा कि भारत सबसे अधिक खुराक देने के मामले में दुनिया के अग्रणी देशों में से एक बन गया है। देश में 90% से अधिक वयस्क आबादी को कोविड वैक्सीन की पहली खुराक मिली है, जबकि 70% अधिक से अधिक ने दोनों खुराक प्राप्त की है।
- \* उन्होंने कहा कि मेड इन इंडिया टीके पूरी तरह दुनिया को कोविड-19 से मुक्त बनाने और करोड़ों लोगों की जान बचाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।
- \* राष्ट्रपति जी ने कहा कि कोविड-19 के कारण कई लोगो की जान चली गई है। एसी परिस्थितियों में भी केंद्र सरकार, राज्य सरकारें, स्थानीय सरकारें और प्रशासन, डॉक्टर, नर्स और स्वास्थ्य कार्यकर्ता, वैज्ञानिक और उद्यमी एक टीम के रूप में काम करते थे। उन्होंने हर स्वास्थ्य और अंतिम पंक्ति के कार्यकर्ता और हर नागरिक को धन्यवाद दिया।
- \* उन्होंने कहा कि फार्मा क्षेत्र ने 180 देशों को दवाओं की आपूर्ति की है, और इस प्रकार इस क्षेत्र ने अपार संभावनाएं दिखाई है। पीएलआई योजना ने फार्मा क्षेत्र को बढ़ावा दिया है।
- \* उन्होंने ने कहा सरकार द्वारा 64,000 करोड़ रुपये की लागत से शुरू किया गया "प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य मिशन" न केवल वर्तमान स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा। बल्कि देश को आने वाले संकटों के लिए भी तैयार करेगा।
- \* सरकार द्वारा किये गए प्रयासों के परिणामस्वरूप, योग, आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा को लोकप्रियता बढ़ रही है, उन्होंने बताया।

- \* आयुष्मान भारत कार्ड से गरीबों को फायदा हुआ ।, उन्होंने कहा कि सरकार ने 8,000 से अधिक जन औषधि केन्द्रों के माध्यम से सस्ती कीमत पर दवाएं उपलब्ध कराकर इलाज की लागत को कम किया है ।
  - \* \*सरकार रेहड़ी-पटरी वालों को ऑनलाइन खाद्य वितरण कम्पनियों से जोड़ रही है, उन्होंने कहा रेहड़ी-पटरी वालों को फायदा पहुँचाने सरकार "पीएम स्वानिधि" योजना चला रही है। अब तक 28 लाख रेहड़ी-पटरी वालों को 2,900 करोड़ रुपये से अधिक की आर्थिक सहायता मिल चुकी है।
  - \* "स्वामित्व योजना" के तहत लगभग 27,000 हजार गाँवों में 40 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड वितरित किये गए हैं।
  - \* 'यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई भी भूखा घर न लौटे, सरकार हर महीने "पीएम गरीब कल्याण योजना" के तहत गरीबों को मुफ्त राशन वितरित करती है । आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य वितरण कार्यक्रम चला रही है । इसे (पीएम गरीब कल्याण योजना) को मार्च 2022 तक बढ़ा दिया गया है ।
  - \* भारत में सबसे बड़ी खाद्य वितरण योजनाओं में से एक है। 23 करोड़ कर्मचारी ई-श्रम पोर्टल के माध्यम से जुड़े हुए है।
  - \* राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था और देश के किसानों को सशक्त बनाने के लिए अथक प्रयास कर रही है।
  - \* रिकार्ड उत्पादन को ध्यान में रखते हुए सरकार ने रिकार्ड खरीद भी की है।
  - \* उन्होंने कहा कि "सम्मान निधि योजना, फसल बिमा योजना, कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड" जैसी योजनाओं से सरकार एक "आत्मनिर्भर कृषि" पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रही है।
  - \* उन्होंने अपने संबोधन के दौरान कहा कि कृषि के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए भारत में कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए 1,000 योजनाओं के लिए लगभग 1 लाख करोड़ रुपये मंजूर किये गये हैं।
  - \* सरकार ने 433 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ की खरीद की है, जिससे 50 लाख से अधिक किसानों को लाभ हुआ है।
  - \* 11 करोड़ से अधिक किसान परिवारों को "PM-KISAN" के माध्यम से 1.80 लाख करोड़ रुपये मिलें हैं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं।
- अंत में मैं पुनः महोदय, को धन्यवाद देता हूँ कि मुझे महामहिम जी के अभिभाषण पर चर्चा का समय दिया ।

(इति)

**\*श्री विनोद लखमशी चावड़ा (कच्छ):** मैं महामहिम राष्ट्रपति जी के अभिभाषण का समर्थन करता हूँ। जिस प्रकार महामहिम राष्ट्रपति जी ने अपने अभिभाषण में कर्म की प्रधानता का जिक्र किया है, वह आज सरकार के काम-काज और कार्य करने की शैली से चरितार्थ हो रहा है, आज हमारे देश का जनमानस पुनः कर्म प्रधान होकर आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रहा है। यह सब माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से ही सम्भव हो रहा है। मान्यवर पिछले एक वर्ष से सम्पूर्ण विश्व सहित हमारा देश भी कोरोना महामारी से जूझ रहा था। जहाँ इस अकल्पनीय भय से मानव जीवन में भयावह स्थिति पैदा हो गई थी, वहीं हमारी सरकार के निर्णयों एवं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सकारात्मक उद्बोधनों से देश की जनता को घोर निराशा एवं डर के वातावरण से उबारने का कार्य किया है। जिसका परिणाम है कि आज हम विश्व के अन्य देशों के मुकाबले नए सामर्थ्य के साथ उभर कर आये हैं। बीते एक वर्ष में हमारे सामने बहुत बड़ी चुनौती थी, एक ओर देश के नागरिकों के जीवन की रक्षा करनी थी, तो वहीं दूसरी तरफ हमें देश की अर्थव्यवस्था को भी संभाले रखना था। यह सरकार के सामने बड़ी चुनौती थी, लेकिन माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा लिए गए सटीक फैसलों एवं रिकार्ड आर्थिक पैकेजों की जो घोषणा हुई, उसका परिणाम था कि किसी भी असहाय एवं गरीब व्यक्ति को सम्पूर्ण देश के अन्दर भूखा नहीं सोना पड़ा। इस संकट की घड़ी में हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 8 महीनों तक 80 करोड़ गरीब लोगों को 5 किलो अतिरिक्त अनाज प्रतिमाह निशुल्क देने का कार्य किया है। सरकार ने प्रवासी श्रमिकों, कामगारों, अपने घर से दूर कार्य कर रहे लोगों की चिन्ता करने के साथ-साथ एक देश एक राशन कार्ड की व्यवस्था देकर अनाज मुहैया करवाया। आज हमारे पास आत्मनिर्भर भारत के कई सार्थक उदाहरण हैं। कोरोना महामारी के दौरान देश में पीपीई किटों, टैस्ट किटों सहित प्राथमिक रोकथाम की दवाइयों का अपने पड़ोसी देशों सहित विश्व के कई बड़े मुल्कों को निर्यात किया है, आज हम याचक की नहीं दाता की भूमिका में विश्व पटल पर खड़े हैं। हमारे शास्त्रों में कहा गया है, 'यं यं चिन्तयते कामं तं तं प्राप्नोति निश्चितम्'। हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जहाँ एक ओर देशवासियों को निराशा के भंवर से बाहर निकालने का काम किया है, वहीं निरंतर इस महामारी के स्थाई रोकथाम के लिए प्रयत्नशील चिंतन करते हुए, देशवासियों को दो वैक्सीन देकर आशा की नई किरण जगाई है। यही नहीं आज हम अपने पड़ोसी देशों सहित सम्पूर्ण विश्व में कोरोना वैक्सीन की खुराक को संजीवनी रूप में भेजकर मानव जीवन को बचाने का कार्य कर रहे हैं, जो कि हमारी संस्कृति का भी परिचायक है और यही आत्मनिर्भर भारत का भी ज्वलन्त उदाहरण है। बीते एक वर्ष में कोरोना महामारी ने वैश्विक परिस्थितियों को बदलकर रख दिया, जिसमें प्रत्येक देश की प्राथमिकता उसके अपने देश के नागरिकों की जरूरतों को पूरा करना था, उससे भी यह समझ आया कि आत्मनिर्भर होना कितना आवश्यक है। हमने इस ओर प्रयास किया। अपनी प्रयोगशालाओं का नेटवर्क खड़ा किया। पीपीई किट, टैस्ट किट, वेंटिलेटर्स का निर्माण कर अपनी शोध क्षमता, वैज्ञानिक दक्षता और तकनीकी दक्षता को मजबूत कर विश्व पटल पर आत्मनिर्भरता का परिचय दिया, जिसके लिए विश्वभर

में हमारी प्रशंसा हो रही है, जो हमें गौरान्वित करता है। 21वीं सदी की आवश्यकता को देखते हुए हमारी सरकार ने इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देकर सम्पूर्ण देश में गांव-गांव सड़क पहुंचाकर लोगों को सुगमता देने का काम किया है। आज हम लाखों गांवों को ऑप्टिकर फाइबर से जोड़कर डिजिटल इण्डिया की ओर अग्रसर हैं, सरकार ने आर्टिकल 370 के प्रावधानों को हटाकर जम्मू-कश्मीर के लोगों को नए अधिकार प्रदान किए, नागरिकता संशोधन बिल पास कराया, सशस्त्र सेनाओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की, उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाद राम मंदिर निर्माण के लिए कार्य किया, डीबीटी के माध्यम से करोड़ों रुपये सीधे लाभार्थियों के खाते में ट्रांसफर करना, बन्दे भारत मिशन के तहत 50 लाख भारतीयों को दुनिया के सभी हिस्सों से स्वदेश वापस लाने का कार्य किया। हमने ऐतिहासिक वैश्विक समर्थन प्राप्त कर आठवीं बार सुरक्षा परिषद में स्थान प्राप्त किया है और सौभाग्य से 2021 में हमारा देश ब्रिक्स में अध्यक्ष पद पर सुशोभित है। हमारी सरकार ने ऐसे अनेक अभूतपूर्व कार्य किए हैं, जिसके लिए मैं महामहिम राष्ट्रपति जी के अभिभाषण का पूर्ण समर्थन करता हूँ।

(इति)

**\*श्री रवि किशन (गोरखपुर):** आदरणीय अध्यक्ष महोदय,

1. मैं सदन के समक्ष प्रस्तुत महामहिम राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ। महामहिम ने 31 जनवरी- को संसद भवन के ऐतिहासिक सेंट्रल हॉल से इस सरकार के कार्यक्रमों की रूपरेखा रखी थी। महामहिम राष्ट्रपति के अभिभाषण से प्रतीत होता है की हमारी सरकार लोकतांत्रिक मूल्यों में अगाध आस्था, अनुशासन और कर्तव्य-परायणता और राष्ट्र निर्माण की अपनी शपथ को पूरा करने की दिशा में पक्के इरादे और ठोस नीति के साथ आगे बढ़ रही है।

2. विगत 8 वर्षों में आदरणीय नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने देशवासियों में यह विश्वास और उम्मीद जगाया है कि सरकार हमेशा उनके साथ है और उनका जीवन बेहतर बनाने के लिए काम कर रही है। हमारी सरकार राष्ट्र निर्माण की उस सोच के प्रति कल्पित है, जिसकी नींव वर्ष 2014 में रखी गई थी। यह सरकार नागरिकों की मूलभूत जरूरतें पूरी करते हुए एक सशक्त, सुरक्षित, समृद्ध और सर्वसमावेशी भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रही है।

अध्यक्ष जी,

3. आज जब भारत, अपनी आजादी के 75 वर्ष पर अमृत महोत्सव मना रहा है, हमारी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र पर चलते हुए अगले 25 वर्षों के लिए मजबूत बुनियाद पर तेजी से काम कर रही है। इस बुनियाद का सबसे महत्वपूर्ण संकल्प एक सर्व-समावेशी, सर्व-हितकारी, सशक्त भारत का निर्माण और देश की आत्म-निर्भरता है।

4. हमारी सरकार समाज के हर तबके, चाहे वो किसान हो, जवान हो, छात्र हो, व्यापारी हो, उद्योगपति हो, मध्यम और लघु उद्योगों को चलाने वाले लोग हो सबके विकास और समृद्धि के लिए कार्य कर रही है, परन्तु हमारा सबसे बड़ा संकल्प समाज के उस आखिरी व्यक्ति को सशक्त करने का है, जो आज तक वंचित रहा है। हमें निर्धन से निर्धन, वंचित से वंचित व्यक्ति को यह एहसास दिलाना है कि यह देश उनका है और इस देश का विकास तभी हो सकता है जब वे भी समृद्ध हों। हाल के वर्षों में पद्म पुरस्कारों के चयन में भारत की यह भावना भलीभाँति झलकती है। विविधता से भरे भारत में, देश के कोने-कोने में समर्पित जीवन जीने वाले लोग राष्ट्र-सेवा में जुटे हुए हैं। उनमें भारत की शक्ति के दर्शन होते हैं।

5. हमारी सरकार मानती है कि अतीत को याद रखना तथा उससे सीख लेना, देश के सुरक्षित भविष्य के लिए बहुत ही जरूरी है। इसलिए आदरणीय नरेंद्र मोदी जी कि सरकार ने साहिबजादों के बलिदान की स्मृति में 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' की घोषणा एवं 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' और भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि स्वरूप उनके जन्म-दिवस 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने का भी निर्णय लिया।

6. कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को प्रभावित किया है, कोविड-19 के खिलाफ इस लड़ाई में भारत के सामर्थ्य का प्रमाण कोविड वैक्सीनेशन प्रोग्राम में नजर आया है। हमने एक साल से भी कम समय



में 150 करोड़ से भी ज्यादा वैक्सीन डोज लगाने का रिकॉर्ड पार किया। आज हम पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा वैक्सीन डोज देने वाले अग्रणी देशों में से एक हैं। इस अभियान की सफलता ने देश को एक ऐसा रक्षा-कवच दिया है जिससे हमारे नागरिकों की सुरक्षा भी बढ़ी है और उनका मनोबल भी बढ़ा है। आज देश में 90 प्रतिशत से अधिक वयस्क नागरिकों को टीके की एक डोज मिल चुकी है, जबकि 70 प्रतिशत से अधिक लोग दोनों डोज ले चुके हैं। 'हर घर दस्तक अभियान' के माध्यम से सरकार बाकी लोगों तक भी पहुंच रही है। इसी माह, वैक्सीनेशन प्रोग्राम में 15 से 18 वर्ष तक के किशोर-किशोरियों को भी शामिल किया गया है। साथ ही, फ्रंटलाइन वर्कर्स और बीमारियों से ग्रस्त वरिष्ठ नागरिकों के लिए precautionary डोज की शुरुआत भी की गई है।

7. किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत दी जाने वाली राशि को, देश के प्रत्येक किसान के लिए उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। साथ ही, अपने खेत में दिन-रात काम करने वाले किसान भाई-बहन 60 वर्ष की आयु के बाद भी सम्मानजनक जीवन बिता सकें, इसे ध्यान में रखते हुए किसानों से जुड़ी पेंशन योजना भी लागू की गई है।

8. कोरोना के इस महासंकट में हमने बड़े-बड़े देशों में खाद्यान्न की कमी और भूख की परेशानी देखी है। लेकिन आदरणीय नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारी संवेदनशील सरकार ने इस बात का पूरा प्रयास किया कि 100 साल के इस सबसे बड़े संकट में कोई गरीब भूखा न रहे। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत मेरी सरकार सभी गरीबों को हर महीने मुफ्त राशन दे रही है। 80 करोड़ लाभार्थियों को 19 महीनों से खाद्यान्न वितरित करने हेतु लाख 60 हजार करोड़ रुपए के खर्च के साथ भारत में आज दुनिया का सबसे बड़ा फूड डिस्ट्रिब्यूशन प्रोग्राम चलाया जा रहा है। इस योजना को मार्च 2022 तक बढ़ा दिया है। कोरोना काल में गरीब के स्वाभिमान और उसके रोजगार की रक्षा करने के लिए सरकार प्रधानमंत्री-स्वनिधि योजना भी चला रही है। यह योजना हमारे रेहड़ी-पटरी वाले भाइयों-यों बहनों के लिए बहुत सहायक सिद्ध हो रही है। श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए सरकार ने ई-श्रम पोर्टल भी शुरू किया है जिससे अब तक 23 करोड़ से अधिक श्रमिक जुड़ चुके हैं।

9. सरकार देश के सुरक्षा बलों को और आधुनिक एवं सशक्त बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। यूँ तो भारत हमेशा से एक शांतिप्रिय देश रहा है पर हमारे अस्थिर पड़ोस को देखते हुए हम राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे और देश सभी प्रकार से खतरों से निपटने के लिए तैयार है। हमारे जवान जो अपनी हर खुशी, हर सुख, हर त्योहार को त्याग करके, देशवासियों की सुरक्षा के लिए स्वयं को समर्पित कर देते हैं, उनके लिए नेशनल डिफेंस फंड 'से वीर जवानों के बच्चों को मिलने वाली स्कॉलरशिप की राशि बढ़ा दी गई है। सरकार देश की सुरक्षा के लिए दृढ़ संकल्पित होकर काम कर रही है। सरकार की नीतियों की वजह से डिफेंस सेक्टर में, विशेषकर रक्षा उत्पादन में, देश की आत्म-निर्भरता लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2020-21 में सैन्य बलों के आधुनिकीकरण के लिए जो भी स्वीकृतियां प्रदान की गईं, उनमें 87 प्रतिशत उत्पादों में मेक इन इंडिया को प्राथमिकता दी गई। इसी प्रकार 2020-21 में 98 प्रतिशत उपकरणों से जुड़े अनुबंधों में मेक इन इंडिया को प्राथमिकता दी गयी है। हमारी सेनाओं ने 209 ऐसे साजो-सामान की सूची भी जारी की है जिन्हें अब विदेश से नहीं खरीदा जाएगा। रक्षा उपकरणों द्वारा 2800 से ज्यादा ऐसे उपकरणों की सूची जारी की जा चुकी है।

जिनका देश में ही निर्माण किया जायेगा। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ 83 एलसीए तेजस फाइटर एयरक्राफ्ट के निर्माण हेतु अनुबंध किए गए हैं। सरकार ने ऑर्डिनेन्स फैक्ट्रियों को 7 Defence PSUs का रूप देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसके अलावा रक्षा क्षेत्र में प्राइवेट सेक्टर और स्टार्ट-अप्स को तेजी से बढ़ावा देने के लिए भी सरकार प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य है कि हमारी सेनाओं की जरूरत का सामान भारत में ही विकसित हो तथा भारत में ही निर्मित है।

10. हमारी संवेदनशील सरकार मूलभूत सुविधाओं को गरीब के सशक्तीकरण और गरीब की गरिमा बढ़ाने का माध्यम मानती है। पिछले वर्षों के अनवरत प्रयासों से प्रधानमंत्री आवास योजना में अब तक दो करोड़ से अधिक पक्के घर गरीबों को मिल चुके हैं। 'प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण' के तहत गत तीन वर्षों में करीब डेढ़ लाख करोड़ रुपए की लागत से एक करोड़ सत्रह लाख घर स्वीकृत किए गए हैं। 'हर घर जल' पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू किए गए जल जीवन मिशन ने लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव लाना शुरू कर दिया है। महामारी की बाधाओं के बावजूद करीब 6 करोड़ ग्रामीण घरों को पेयजल के कनेक्शन से जोड़ा गया है। इसका बहुत बड़ा लाभ हमारे गांव की महिलाओं बहनों-बेटियों को हुआ है।

11. इस सरकार का मानना है कि मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आधार पर ही सशक्त राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का निर्माण संभव है। ग्रामीण भारत को मजबूत बनाने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश किया गया है। वर्ष 2022 तक देश के किसान की आय दोगुनी हो सके, इसके लिए पिछले 5 वर्षों में अनेक कदम उठाया गया है। MSP में बढ़ोतरी का फैसला हो, या अधूरी सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने का काम हो या फिर फसल बीमा योजना का विस्तार; 'सॉयल हेल्थ कार्ड' हो सरकार ने किसानों की छोटी-बड़ी आवश्यकताओं को समझते हुए, अनेक ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। सरकार ने कृषि नीति को उत्पादन केंद्रित रखने के साथ-साथ आय-केंद्रित भी बनाया है। इन्हीं प्रयासों की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' आरम्भ किया गया है। इसके माध्यम से 11 करोड़ से अधिक किसान परिवारों को एक लाख अस्सी हजार करोड़ रुपए दिए गए हैं। कृषि उपज के भंडारण की सुविधा से किसानों की आर्थिक सुरक्षा को बल मिलता है। अब ग्रामीण भंडारण योजना के माध्यम से किसानों के अपने गांव के पास ही भंडारण की सुविधा प्रदान की जाएगी। कृषि क्षेत्र में सहकारिता का लाभ, डेयरी व्यवसाय से जुड़े किसानों को मिल रहा है। किसानों को उनकी फसल के अधिक दाम मिलें, इसके लिए उनके उत्पादों का सही बाजार तक पहुंचना जरूरी होता है। इस दिशा में सरकार ने किसान रेल सेवा शुरू करते हुए किसानों के लिए खुशहाली के नए रास्ते खोलने का काम किया है।

12. इस सरकार की मान्यता है कि देश के निर्धन परिवारों को गरीबी से मुक्ति दिलाकर ही, संवैधानिक लक्ष्यों की प्राप्ति की जा सकती है। पिछले पांच वर्षों के दौरान देश में किसानों, मजदूरों, दिव्यांगजनों, आदिवासियों और महिलाओं के हित में लागू की गई योजनाओं में व्यापक स्तर पर सफलता मिली है। सरकार ने दी दयाल उपाध्याय के विजन का अनुसरण करते हुए गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को आवास, स्वास्थ्य जीवन की आवश्यक सुविधाओं, आर्थिक समावेश, शिक्षा, कौशल तथा स्वरोजगार के जरिए उन्हें सशक्त करने का मार्ग अपनाया है।

13. महिला सशक्तीकरण हमारी सरकार की उच्च प्राथमिकताओं में से एक है। उज्ज्वला योजना की सफलता के हम सभी साक्षी हैं। "मुद्रा" योजना के माध्यम से हमारे देश की माताओं-ओं बहनों की उद्यमिता और कौशल को बढ़ावा मिला है। "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" पहल के अनेक सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं, और स्कूलों में प्रवेश लेने वाली बेटियों की संख्या में उत्साहजनक वृद्धि हुई है। बेटे-बेटी को समानता का दर्जा देते हुए मेरी सरकार ने महिलाओं के विवाह के लिए न्यूनतम आयु को 18 वर्ष से बढ़ाकर पुरुषों के समान 21 वर्ष करने का विधेयक भी संसद में प्रस्तुत किया है।

14. सरकार ने जनधन योजना के रूप में विश्व के सबसे बड़े आर्थिक समावेशन के • अभियान की सफलता के बाद सरकार बैंकिंग सेवाओं को देशवासियों के द्वार तक पहुंचाने का काम भी कर रही है। देश के गांव-गांव में और नॉर्थ-ईस्ट के दुर्गम क्षेत्रों में भी, बैंकिंग सेवाएं आसानी से उपलब्ध हों, इसके लिए तेज़ी से काम हो रहा है। इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के माध्यम से देश के लगभग डेढ़ लाख डाकघरों को बैंकिंग सेवाओं के लिए तैयार किया जा रहा है।

अध्यक्ष जी

15. स्वास्थ्य के क्षेत्र में इस सरकार का संकल्प है निर्धन से निर्धन व्यक्ति को इस प्रकार से सशक्त करना कि वह अपने और अपने परिवार के चिकित्सा के लिए आर्थिक लाचारी से मुक्त हो जाये। गरीबों को स्वास्थ्य सुरक्षा कवच प्रदान करने वाली विश्व की सबसे बड़ी हेल्थ केयर स्कीम आयुष्मान भारत योजना के तहत, अब तक लगभग 26 लाख गरीब मरीजों को अस्पताल में इलाज की सुविधा दी जा चुकी है। सस्ती दरों पर दवा उपलब्ध कराने के लिए 8000 जन औषधि केंद्र भी खोले जा चुके हैं। सरकार का प्रयास है कि दूर-सुदूर इलाकों में भी लोगों को जन औषधि केंद्रों से सस्ती दरों पर दवाइयां मिल सकें। सरकार द्वारा 64 हजार करोड़ रुपये की लागत से शुरू किया गया प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इनफ्रास्ट्रक्चर मिशन भी एक सराहनीय उदाहरण है। सुलभ और सुगम स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उठाया गया 'आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन' भी एक बड़ा कदम है।

16. सरकार ने जनधन योजना के रूप में विश्व के सबसे बड़े आर्थिक समावेशन के • अभियान की सफलता के बाद सरकार बैंकिंग सेवाओं को देशवासियों के द्वार तक पहुंचाने का काम भी कर रही है। देश के गांव-गांव में और नॉर्थ-ईस्ट के दुर्गम क्षेत्रों में भी, बैंकिंग सेवाएं आसानी से उपलब्ध हों, इसके लिए तेज़ी से काम हो रहा है। इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के माध्यम से देश के लगभग डेढ़ लाख डाकघरों को बैंकिंग सेवाओं के लिए तैयार किया जा रहा है।

अध्यक्ष जी

17. दिव्यांग-जनों के लिए सुगमता, समानता और सम्मानपूर्ण जीवन के अवसर प्रदान करना एक समाज के रूप में हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दिशा में आज सुगम्य भारत अभियान हमारी राष्ट्रीय संवेदना का परिचय दे रहा है। इन्हीं प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए सरकार ने मध्य प्रदेश में National Institute of Mental Health Rehabilitation की स्थापना भी की है। दिव्यांग युवाओं के भविष्य के लिए 10 हजार शब्दों की इंडियन साइन लैंग्वेज डिक्शनरी भी बनाई गई है।

18. रोजगार के और अधिक अवसरों का सृजन करने हेतु एक और जहां सरकार स्वरोजगार को बढ़ावा दे रही है वहीं दूसरी तरफ भारत को ग्लोबल मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाने के लिए तेज़ी से काम

हो रहा है। मेरी सरकार के निरंतर प्रयासों से, भारत एक बार फिर, विश्व की, सर्वाधिक तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है। देश में GST कलेक्शन पिछले कई महीनों से निरंतर, एक लाख करोड़ रुपए से ऊपर बना हुआ है।

19. किसी भी देश के विकास का आधार वहाँ का इनफ्रास्ट्रक्चर होता है। मेरी सरकार की दृष्टि में, इनफ्रास्ट्रक्चर, सामाजिक असमानता को पाटने वाला सेतु भी है। इनफ्रास्ट्रक्चर पर होने वाले निवेश से, न केवल लाखों नए रोजगार पैदा होते हैं बल्कि इसका एक गुणात्मक प्रभाव भी होता है। इससे व्यापार करना सुगम होता है, परिवहन की गति बढ़ती है और हर सेक्टर में आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होती है। प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान भारत में मल्टी-मोडल-ट्रान्सपोर्ट के एक नए युग का प्रारम्भ करने जा रहा है।

20. अध्यक्ष जी, इस सरकार के कार्यों के सबसे अधिक प्रभाव भ्रष्टाचार निवारण और सुशासन के क्षेत्र में दिखा है। हमारा मानना है की सुशासन सुनिश्चित करने से भ्रष्टाचार कम होता है, नागरिकों का आत्म-सम्मान बढ़ता है और वे अपनी प्रतिभा एवं क्षमता का पूरा उपयोग कर पाते हैं। यह सरकार, भ्रष्टाचार के विरुद्ध Zero Tolerance की कड़ी नीति को व्यापक तथा प्रभावी बनाने के लिए कृतसंकल्प है। भविष्य में सार्वजनिक जीवन और सरकारी सेवाओं से भ्रष्टाचार को समाप्त करने का अभियान और तेज किया जाएगा, Minimum Government Maximum Governance पर और अधिक बल दिया जाएगा और टेक्नॉलॉजी का अधिक से अधिक उपयोग किया जाएगा। काले धन और आर्थिक अपराध का समूल नाश अब निश्चित है।

21. गंगा की धारा को अविरल और निर्मल बनाने के लिए हमारी सरकार ने जितने कार्य किये हैं, उतना पहले कभी नहीं हुआ है। इसके परिणाम मिलने आरम्भ हो गए हैं और हाल ही में, जगह-जगह से गंगा में जलीय जीवन के लौटने के जो प्रमाण मिले हैं, वे काफी उत्साहवर्धक हैं। इस वर्ष प्रयागराज में अर्धकुंभ के दौरान गंगा की स्वच्छता और श्रद्धालुओं को मिली सुविधा की चर्चा पूरे विश्व में हो रही है। सरकार 'नमामि गंगे योजना के तहत गंगा नदी में गिरने वाले गंदे नालों को बंद करने के अभियान में और तेजी लाने जा रही है और सरकार का प्रयास रहेगा कि गंगा की तरह ही कावेरी, पेरियार, नर्मदा, यमुना, महानदी और गोदावरी जैसी अन्य नदियों को भी प्रदूषण से मुक्त किया जाए।

22. अंततः अपनी बात को समाप्त करते हुए मैं महामहिम राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करता हूँ।

आपने मुझे विस्तृत रूप से बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपका कोटिशः धन्यवाद, जय हिन्द!

(इति)

**\*श्री सुखबीर सिंह जौनापुरिया (टोंक-सवाई माधोपुर):** अध्यक्ष जी मैं राष्ट्रपति अभिषेक के समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ आज जब भारत अपनी आजादी के 75 वर्ष पर अमृत महोत्सव मना रहा है तब प्रत्येक भारतवासी भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए असीम विश्वास पैदा करता है। इसी विश्वास के साथ मोदी सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ देश के हर क्षेत्र और हर वर्ग के विकास को प्राथमिकता दे रही है। मोदी सरकार ने अनेक ऐसे काम कर दिखाए हैं जिनको पहले कभी बहुत कठिन माना जाता था मोदी सरकार पूरी निष्ठा और ईमानदार नीयत के साथ पिछले 7 साल से इस दिशा में निरंतर काम कर रही है। इसका परिणाम हमें कोविड 19 के समय में देखने को मिला विश्व स्वास्थ्य सगठन की तरफ से आपात स्थिति में 8 वेक्सीन्स को उपयोग करने की मजूरी मिली जिसमें से 3 वेक्सीनेशन भारत द्वारा बनाई गई है ये वेक्सीन्स पूरी दुनिया को महामारी से मुक्त कराने और करोड़ों लोगों का जीवन बचाने में अहम भूमिका निभा रही है कोरोना वायरस से उत्पन्न वैश्विक महामारी का यह तीसरा वर्ष है। इस दौरान हमने भारत के लोगों को लगभग 150 करोड़ से भी ज्यादा डोज लगाने का रिकार्ड हासिल किया आज हम पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा वैक्सीन डोज लगाने वाले अग्रणी देशों में से एक हैं इस अभियान की सफलता ने देश को एक ऐसा रक्षा कवच दिया है जिससे हमारे देश के नागरिकों की सुरक्षा भी बढ़ी है और उनका मनोबल भी बढ़ा है। और 2021 में वैक्सीनेशन के प्रोग्राम में 15 से 18 वर्ष तक के किशोर किशोरियों को भी शामिल किया गया है देश में 90 प्रतिशत से अधिक लोगों को एक डोज और 70 प्रतिशत से ज्यादा लोगों को दूसरी डोज लग चुकी है। देश में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इनफ्रास्ट्रक्चर मिशन के अर्न्तगत देश में 80 हजार से अधिक हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स और करोड़ों की संख्या में जारी आयुष्मान भारत कार्ड से गरीबों को 5 लाख तक मुफ्त इलाज में बहुत मदद मिली है। और 8000 से अधिक जन औषधि केन्द्रों के माध्यम से कम किमत पर दवाईया उपलब्ध करवाकर इलाज में होने वाले खर्च को कम किया गया है। देश विदेश में आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धतियों की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है कोग्रस के समय में देश में 6600 करोड़ रुपये के आयुष उत्पादों का निर्यात होता था जो आज बढ़कर 11000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है और दुनिया में सबसे पहले विश्व स्वास्थ्य सगठन का ग्लोबल सेन्टर टेरडिसलनल मेडिसिन की स्थापना भी भारत में होने जा रही है जो की अपने आप में ऐतिहासिक कार्य है। पहली बार मेरे संसदीय क्षेत्र के दोनों जिलों में 2 मेडिकल कालेज की स्वीकृती मिली है और दोनों जिलों 650 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं जो कि अब तक की मेडिकल के क्षेत्र में सबसे बड़ी उपलब्धी है।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अर्न्तगत मोदी सरकार द्वारा सभी गरीब परिवारों को हर महीने मुफ्त राशन दिया जा रहा है। जिससे की 80 करोड़ लाभार्थियों को पिछले 19 महीनों से खाद्यान्न वितरित करने हेतु 2 लाख 600 हजार करोड़ रुपये खर्च किये गए हैं जो यह आज विश्व में सबसे बड़ा फुड डिस्ट्रिब्युशन प्रोग्राम मोदी सरकार द्वारा चलाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री आवस योजना के अर्न्तगत देश में अब तक 2 करोड़ से अधिक पक्के घर गरीबों को मिल चुके हैं और अकेले मेरे संसदीय क्षेत्र के जिले टोक में 29111 एवं जिले सवाई माधोपुर में 19753 परिवारों प्रधानमंत्री आवस योजना के अर्न्तगत आवास मिल चुका है

किसान सम्मान निधि के माध्यम से 11 करोड़ से अधिक किसान परिवारों को एक लाख 80 हजार करोड़ रुपये दिए गए हैं। अकेले मेरे संसदीय क्षेत्र के जिला टोक में 2 लाख 51 हजार और जिला सवाई माधोपुर में 1 लाख 60 हजार किसानों को इसका लाभ मिला है सरकार द्वारा देश में एम एस पी पर रिकॉर्ड तोड़ खरीद की गई जिसमें की रबी की फसल 433 लाख मीटिक टन गेहू की खरीद की गई जिससे की लगभग 50 लाख किसानों को सीधा फायदा पहुंचा। इसी प्रकार खरीफ की फसल के दौरान लगभग 900 लाख मीटिक टन धान की खरीद की गई जिससे की एक करोड़ 30 लाख किसान लाभान्वित हुए। जो कि अब तक सबसे अधिक है। पिछले वर्ष किसान रेल सेवा देश में पहली बार शुरू की गई देश में 150 से अधिक मार्गों पर 1900 से ज्यादा किसान रेल चलाई गई और करीब 6 लाख मेटिक टन कृषि उत्पादों की ढुलाई गई है। यह इस बात का उदाहरण है कि अगर सोच नहीं हो तो पुराने संसाधनों से भी नए रास्ते बनाए जा सकते हैं वैशिक महामारी के बावजूद साल 2021 में किसानों ने 30 करोड़ टन से अधिक खाद्यान्न और 33 करोड़ टन से अधिक बागवानी उत्पादों की पैदावार की। जो कि अपने आप में एक कीर्तीमान है।

महिलाओं की भूमिका मोदी सरकार में महिलाओं की भूमिका और अधिक विस्तृत होती जा रही 2021-22 में 28 लाख सेल्फ हैल्प ग्रुप्स को बैंकों की तरफ से 65 हजार करोड़ रुपये की मदद दी गई जो कि वर्ष 2014 से 4 गुना अधिक है। और विभिन्न पुलिस बलों में महिला पुलिस कर्मियों की संख्या में 2014 के मुकाबले 3 गुना ज्यादा हुई है। पिछली सरकार में वर्ष 2014 से पहले अल्पसंख्यक वर्ग के लगभग 3 करोड़ विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां दी गई थी। और मोदी सरकार में अब तक ऐसे साढ़े चार करोड़ से अधिक विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां प्रदान की हैं जिससे की इसमें सबसे ज्यादा मुस्लिम बालिकाओं के प्रवेश की दर में बढ़ोतरी देखी गई है। मोदी सरकार द्वारा लड़कियों के पक्ष में एक महत्वपूर्ण बिल संसद में पास किया गया जिसमें लड़कियों के विवाह की आयु 18 वर्ष से बढ़ा 21 वर्ष कर दिया। जिससे की बालिकाओं का इसका सबसे ज्यादा लाभ मिला इसी प्रकार देश में पहली बार महिला कैडेट्स का पहला बैच एनडीए में जून 2022 में प्रवेश करेगा और सरकार द्वारा राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में भी महिला कैडेट्स के प्रवेश को मजूरी दी है और सरकार द्वारा देश में मौजूदा सभी 33 सेनिक स्कूलों ने बालिकाओं को प्रवेश की भी मजूरी मिली है जो कि पहले केवल लड़कों को ही इनमें पढ़ने की योजना थी। इसी क्रम में प्रधानमंत्री उज्ज्वल योजना के अर्न्तगत महिलाओं को निशुल्क गैस कनेक्शन दिये गये जिसमें टोक में एक लाख 75 हजार और सवाई माधोपुर में एक लाख 60 हजार कनेक्शन अब तक दिये जा चुके हैं।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के वर्ष 2020-21 में ग्रामीणों इलाकों में 100 किलोमीटर प्रति दिन से अधिक की रफ्तार से 36 हजार 500 किलोमीटर सड़कें बनाई गई हैं जो कि पहले 5 से 10 किलोमीटर प्रति दिन के हिसाब से बनती थी। आज पूरे देश के नेशनल हाइवेज पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण को आपस में जोड़ा जा रहा है मार्च 2014 से पहले हमारे देश में नेशनल हाईवे

की लंबाई 90 हजार किलोमीटर थी जबकि आज इनकी लंबाई बढ़कर एक लाख चालीस हजार किलोमीटर से अधिक हो गई है भारतमाला परियोजना के अंतर्गत लगभग 6 लाख करोड़ रुपये की लागत से 20000 किलोमीटर से अधिक लंबाई राजमार्ग पर काम किया जा रहा है दिल्ली – मुंबई एक्सप्रेस वे भी पुरा होने के करीब है जो कि भारत का सबसे लंबा और सबसे तेज एक्सप्रेसवे होगा और यह मेरे संसदीय क्षेत्र से होकर गुजर रहा है इसकी लम्बाई मेरे संसदीय क्षेत्र में लगभग 63 किलोमीटर है इसका लाभ मेरे संसदीय क्षेत्र के लोगो को भी मिलेगा क्योंकि यह संसदीय क्षेत्र के सवाईमाधोपुर जिले से होकर गुजर रहा है जिससे कि मे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं माननीय परिवहन मंत्री श्री नितिन गंडकरी जी का आभारी हूँ मोदी सरकार में मेरे संसदीय क्षेत्र में 250 किलोमीटर लम्बी सडक बनी है जिस पर लगभग 160 करोड़ रुपये खर्च हुए है। और सी आर आई फण्ड के माध्यम से 5 रोड और एक हाईलेबल ब्रीज स्वीकृत हुआ जिसमें की 235 करोड़ रुपये केन्द्र सरकार द्वारा जारी किया गया।

रेलवे लाईन का विधुतिकरण आज देश में रेलवे का काम जोरो पर है पिछले 7 सालों में 24 हजार किलोमीटर रेलवे रूट का विधुतीकरण हुआ है जिसमें मेरे संसदीय क्षेत्र के जिला सवाईमाधोपुर से जयपुर तक रेल लाईन का विधुतीकरण का कार्य पुरा हुआ है जिस पर 154 करोड़ रुपये की लागत आई है। और नई रेलवे लाइन्स बिछाने और दोहरीकरण का काम भी तेज गति से जारी है। मेरी मांग है कि टोक रेलवे लाईन को जल्द से जल्द पूरा किया जाए।

मेक इन इंडिया देश में रक्षा मामलो में पिछले वर्ष सैन्य बलों के आधुनिकरण के लिए जो भी स्वीकृतियां प्रदान की गई उनमें 87 प्रतिशत उत्पादो में मेक इन इंडिया को प्राथमिकता दी गई हमारी सेनाओं ने 209 ऐसे साजो समान की भी सुची जारी की है जिन्हे अब विदेशों से नही खरीदा जाएगा और रक्षा उपक्रमों द्वारा 2800 से ज्यादा ऐसे उपकरणों की सुची जारी की जा चुकी है जिनका देश में ही निर्माण किया जाएगा ।

हर घर जल योजना के अन्तर्गत देश के करीब 6 करोड़ ग्रामीणों घरों को पेयजल के कनेक्शन से जोडा गया । इसका बहुत बड़ा लाभ हमारे गांव की महिलाओं- बहनो बेटियो को हुआ है मेरे संसदीय क्षेत्र के जिला टोंक में 800 करोड़ एवं जिला सवाईमाधोपुर में 600 करोड़ रुपये अब तक जल जीवन मिशन के तहत खर्च किये जा चुके है।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अन्तर्गत रेहडी पटरी वाले भाइयों -बहनो को अब तक 2900 करोड़ रुपये से ज्यादा की धनराशि जारी की गई है सरकार ने श्रमिको के हितो की रक्षा के लिए सरकार ने ई श्रम पोर्टल भी शुरू किया गया है जिससे की अब तक 23 करोड़ से अधिक श्रमिक जुड चुके है और इनके खाते में करीना के समय में 5 हजार रुपये इन श्रमिको के खाते मे सीधे डाले गये थे ।

खेलो इंडिया खेलो के माध्यम से आज देश मे मोदी सरकार अनेक खेलो इंडिया केंन्द्र स्थापित कर रही है । भारत ने ओलम्पिक में सात मेडल जीतकर एक नया किर्तीमान स्थापित किया है और पैरा एथलीटों ने 19 पदक जीतकर एक नया रिकॉर्ड कायम किया है जो कि अभी तक पहले कभी नही हुआ

(इति)

**\*श्री राहुल कस्वां (चुरु):** माननीय अध्यक्ष महोदय जी आपने मुझे राष्ट्रपति अभिभाषण बोलने का मौका प्रदान किया जिसके लिए धन्यवाद।

भारत के लोगों की लोकतांत्रिक मूल्यों में अगाध आस्था, अनुशासन और कर्तव्य-परायणता को मजबूत होने की चर्चा की है तथा कोरोना काल में भारत के नागरिकों ने अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ नियमों की पालना करते हुए राष्ट्र के नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखा है, हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ चलकर कार्य किया है। मैं धन्यवाद करता हूँ हमारे डॉक्टर्स, नर्सों और हेल्थ वर्कर्स, जिन्होंने पानी जान की परवाह न करते हुए भी इस संकट की घड़ी में पूरी म्हणत और लगन के साथ आमजन की सेवा की और उनका उपचार उपलब्ध करवाया। ये समस्त देशवासियों के बहुत ही गर्व की बात हैं की हमने एक वर्ष में 150 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन डोज लगाने का रेकार्ड पार किया है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में आज हम पूरी दुनिया में देश के नागरिकों को सबसे ज्यादा वैक्सीन डोज देने वाले अग्रणी देशों में से एक हैं। भारत सरकार द्वारा देश के आम नागरिक की स्वास्थ्य सुविधा के लिए आयुष्मान भारत जैसी एक बहुत ही बेहतरीन योजना शुरू की हैं जिसकी वजह से आज देश की आधी से अधिक आबादी इस योजना के सुरक्षा कवच की वजह से किसी भी अस्पताल में अपना मुफ्त इलाज करवा सकते हैं। ये हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी की दूरदृष्टि का ही परिणाम हैं जो आज देश का हर नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस कर रहा है। भारत सरकार द्वारा कोविड संकट के समय प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के माध्यम से देश के 80 करोड़ से अधिक नागरिकों मुफ्त खाद्यान व दाल उपलब्ध करवाया गया जिसकी वजह से संकट के इस समय आम नागरिक को बहुत ही सहारा मिला हैं।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत कोरोना के इस संकट के समय भारत सरकार द्वारा देश के गरीब रेहड़ी पटरी वाले भाई बहनों को संबल प्रदान किये जाने हेतु धनराशी उपलब्ध करवाई गई है जिससे उन्हें अपने कार्य को सुचारु रखने में अत्यंत सहायता मिली हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी के यह संवेदनशीलता ही हैं जो हर वंचित, पीड़ित एवं शोषित वर्ग के कल्याण हेतु हमें प्रेरित करती हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने ये संकल्प लिया हैं की 2024 तक देश के हर नागरिक के घर जल पहुंचाने के उद्देश्य जल जीवन मिशन की शुरुवात की गई हैं जिसकी वजह से लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव आना शुरूकिया है। इस महामारी की बाधाओं के बावजूद करीब 6 करोड़ ग्रामीण घरों को पेयजल के कनेक्शन से जोड़ा गया है। इसके बहुत बड़ा लाभ हमारे गांव की महिलाओं, बहनों एवं बेटियों को हुआ है।

आज भारत में कृषि क्षेत्र ही एकमात्र ऐसा क्षेत्र रहा था जिसमे कोरोना के संकट के समय भी रोजगार में वृद्धि देखि गई थी जिसका मुख्य कारण देश के छोटे और मंझोले किसान रहे हैं जो की बधाई के पात्र हैं। देश में 80 प्रतिशत से अधिक किसान छोटे और मंझोले किसान है जिसके हितों को भारत सरकार द्वारा हमेशा केन्द्र में रखा गया है। इनके लाभ हेतु माननीय प्रधानमंत्री जी के निर्देशन



में भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से 11 करोड़ से अधिक किसान परिवारों को एक लाख अस्सी हजार करोड़ रुपये दिये गये हैं एवं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 8 करोड़ से अधिक किसानों को मुआवजे के तौर पर एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि दी जा चुकी है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत विभिन्न परियोजनाओं और अटल भू जल योजना की मदद से देश में 64 लाख हेक्टेयर सिंचाई क्षमता विकसित की गई है। भारत सरकार के निर्देशन नदियों को आपस में जोड़ने की योजना पर भी सरकार में काम आगे बढ़ा है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि राजस्थान के सम्बन्ध में लंबित योजनाओं पर पुनर्विचार कर, सभी योजनाओं को शुरू किया जावे ताकि क्षेत्र के किसानों को इसका लाभ मिल सके।

भारत सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार करते हुए नई शिक्षा निति का अनुमोदन किया गया है। देश को आज पढ़े लिखे और रोजगारपरक क्षमता से परिपूर्ण युवाओं की आवश्यकता है जो देश को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ा सके। भारत सरकार द्वारा पढाई के साथ साथ छात्र छात्राओं को हुनर सिखाने का जो कदम उतहया है भविष्य में यह एक कारगर संसाधन देश के लिए बनेगा और देश में पढ़े लिखे हुनरवान युवाओं की पीढ़ी होगी जो औद्योगिक स्तर पर कार्य करने हेतु तयार होगी। स्कूली शिक्षा के साथ साथ नई शिक्षा निति के तहत किये गए बदलाव से निकट भविष्य में देश के युवाओं को बहुत ही लाभ होगा। स्किल डेवलपमेंट हेतु भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना का सञ्चालन किया जा रहा है जिस से आज देश के अनेक युवक युवती अपने स्किल को बढ़ा कर अनेक कंपनियों में सीधे नौकरी कर रहे हैं। इससे देश के हर नागरिकों को लाभ मिल रहा है।

प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत आज देश के अनेकों ग्रामीण क्षेत्रों को भारत सरकार द्वारा जोड़ा जा रहा है, सड़क यात्रा को और अधिक सुगम बनाये जाने हेतु ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों को भी अब और अधिक चौड़ी और सुदृढ़ बनाया जा रहा है ताकि इन सड़कों पर माल का भी आवागमन हो सके, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बहुत ही लाभ होगा। इसी प्रकार राष्ट्रीय राजमार्ग के क्षेत्र में भी भारत सरकार द्वारा अत्यंत तेजी से कार्य किया जा रहे हैं। भारतमालायोजना के साथ देश के मुख्य मार्गों को जोड़ने का कार्य भारत सरकार द्वारा किया जा रहा है जिसकी वजह से आने वाले समय में माल ढूलाई के कार्य को और आसान किया जा सकेगा।

मैं माननीय महामहिम राष्ट्रपति जी का आभार व्यक्त करता हूँ, और मैं राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

मेरा सरकार से आग्रह है कि किसानों को आत्मनिर्भर बनाकर एवं देश के प्रत्येक नागरिक को रोजगार प्रदान करने जैसी प्रभावी योजना बनाकर उन्हें राहत प्रदान करें।

(इति)

**\*श्री सी.पी. जोशी (चित्तौड़गढ़):** माननीय अध्यक्ष सबसे पहले मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद प्रकट करता हूँ कि आपने मुझे आज बोलने का मौका दिया। मैं राष्ट्रपति के अभिभाषण पर साथी सदस्य श्री हरीश द्विवेदी द्वारा लाये गए धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करता हूँ।

अध्यक्ष महोदय, भारत आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर अमृत महोत्सव मना रहा है। यह समय हम सभी भारतीयों के लिए एक बहुत महत्वपूर्ण समय है। यह अगले 25 वर्षों के संकल्पों को आकार देने का एक सुनहरा अवसर है और यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में इस ओर हम तेजी से अग्रसर भी हैं। मोदी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र पर चलते हुए एक समावेशी, हितकारी और सशक्त भारत के निर्माण के लिए दृढ़ संकल्पित होकर कार्य कर रही है।

हमारा उद्देश्य एक ऐसा समावेशी समाज का निर्माण करना है जिसमें सभी जाति और धर्म के लोग शामिल हो और सभी का जीवन स्तर सुधरे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस सदन में अपनी बातें रखते हुए दो भारत की बात कही थी। शायद वो अभी तक कांग्रेस शासन के दौर से बाहर नहीं निकले हैं। दो भारत, कांग्रेस के शासन में थी जहां शहरों और गावों के बीच बड़ी खाई थी। हमारी सरकार गावों तक विकास लेकर जा रही है। 2014 में जब जनता ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाया तो आजादी के 65 वर्ष से अधिक हो चुके थे लेकिन फिर भी हजारों गाव ऐसे थे जहां बिजली भी उपलब्ध नहीं थी। नरेन्द्र मोदी जी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद सौभाग्य योजना के तहत इन सभी गावों तक बिजली पहुंचाई और सिर्फ बिजली ही नहीं बल्कि अब भारतनेट परियोजना के तहत गावों को इंटरनेट से भी जोड़ा जा रहा है। कांग्रेस ने जो खाई बनाई थी शहरी और ग्रामीण भारत के बीच उसे अब हमारी सरकार पाट रही है।

मोदी सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए निरंतर काम कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत के विगत तीन वर्षों में एक करोड़ सत्रह लाख घर स्वीकृत किए गए हैं। इस पर लगभग डेढ़ लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। गावों में लोगों को मनरेगा के तहत रोजगार देने के लिए 70 हजार करोड़ से अधिक रुपये अब आवंटित किए जा रहे हैं कांग्रेस शासन में यह राशि सिर्फ 33 हजार करोड़ रुपये थी।

कांग्रेस के शासन काल में सिर्फ भ्रष्टाचार होते थे। हम सब जानते हैं कैसे कांग्रेस के राज में जीप घोटाला, बोफोर्स घोटाला, कामनवेल्थ खेल घोटाला, 2जी घोटाला, कोल घोटाला हुआ और करोड़ों रुपये की चोरी हुई। नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सिस्टम को पारदर्शी बनाया गया है। तो एक वो भारत था जब जनता के पैसे गबन हो जाते थे और अब यह नया भारत है जब हम आत्मनिर्भर बनने की दिशा में बढ़ रहे हैं। अब अगर केंद्र सरकार 100 रुपये भेजती है तो जनता के पास 100 रुपये ही पहुंचती है। राजीव गांधी जी के समय में कितने पैसे पहुंचते थे वो जगजाहिर है। जनधन-आधार-मोबाइल यानी JAM ट्रिनिटी के माध्यम से 44 करोड़ से अधिक देशवासियों को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ा गया और महामारी के दौरान करोड़ों लाभार्थियों को सीधे कैश ट्रान्सफर का इसका

लाभ मिला। जनधन बैंक खाते खोलकर हमने करोड़ों गरीबों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा। पहले कोई गरीब बैंक नहीं जाता था लेकिन अब जाता है। एक वो भारत था जब गरीबों को निश्चिंत कर दिया गया था। नरेन्द्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद गरीबों को सम्मान मिल रहा है। रेहड़ी-ठेला चलाने वालों को भी बैंक लोन मिल रहा है।

अनुच्छेद 370 को खत्म कर भारत को एकीकृत किया गया। ऐसी ताकतें हैं जो देश के बाहर और कुछ अंदर रह कर हमारे देश को नुकसान पहुँचाने की कोशिश करते रहते हैं लेकिन उन्हें यह जान लेना चाहिए कि यह नया भारत है और वो अपनी नापाक इरादों में कभी कामयाब नहीं हो पायेंगे।

कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी

सदियों रहा है दुश्मन दौरे जहां हमारा

जम्मू कश्मीर और लद्दाख में विकास के नए युग का आरंभ हो रहा है। मोदी सरकार जम्मू-कश्मीर के औद्योगिक विकास के लिए लगभग 28 हजार करोड़ रुपए की लागत से नई सेंट्रल सेक्टर स्कीम शुरू की है। पिछले वर्ष काजीगुंड-बनिहाल सुरंग को भी यातायात के लिए खोल दिया गया है। श्रीनगर से शारजाह तक की अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी शुरू हो गई हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। आई.आई.टी. जम्मू और आई.आई.एम. जम्मू का निर्माण कार्य भी तेजी से चल रहा है। लद्दाख संघ राज्यक्षेत्र में इनफ्रास्ट्रक्चर और आर्थिक विकास को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए सिंधु इनफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की स्थापना की गई है। लद्दाख की इस विकास-यात्रा में एक और उपलब्धि सिंधु सेंट्रल यूनिवर्सिटी के रूप में जुड़ रही है। लद्दाख में अंतरराष्ट्रीय स्तर का फुटबॉल स्टेडियम और सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण किया गया है। अब वहां के युवाओं को खेलने और प्रशिक्षण के लिए कहीं और नहीं जाना पड़ेगा।

मोदी सरकार पूर्वोत्तर के सभी राज्यों के सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इन राज्यों में हर स्तर पर बुनियादी और आर्थिक अवसरों का विकास किया जा रहा है। रेल और हवाई कनेक्टिविटी जैसी सुविधाओं का सपना पूर्वोत्तर के लोगों के लिए अब साकार हो रहा है। यह देश के लिए गर्व का विषय है कि पूर्वोत्तर राज्यों की सभी राजधानियाँ मोदी सरकार के प्रयास से अब रेलवे के नक्शे पर आ रही हैं।

कांग्रेस अपने पतन की ओर है और इसलिए अब देश को बांटने वाले बयान दिए जा रहे हैं। देश में सभी जाति और धर्म के लोग पूरी तरह से सुरक्षित हैं और सरकार सभी के विकास के लिए कार्यरत है। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह ने अपनी कालजयी रचना कृष्ण की चेतावनी में लिखा है

“जब नाश मनुज पर छाता है पहले विवेक मर जाता है” कांग्रेस को मंथन की जरूरत है।

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस ने भारत सहित पूरी दुनिया को प्रभावित किया। इस विपरीत परिस्थिति में केंद्र सरकार जनता के साथ हर मोर्चे पर खड़ी रही। महामारी के विरुद्ध लड़ाई में सभी भारतीयों ने अपना संयम और साहस बनाए रखा। भारत में जब पहली बार कोरोना के मामले दर्ज किए गए तो हमारे पास मास्क, पीपीई किट और जांच मशीनें नहीं थीं। सरकार ने तत्परता से कार्य करते हुए सभी स्वास्थ्यकर्मियों को पीपीई किट पहुंचाया और कोरोना की जांच का व्यवस्था पूरे देश में की। हमारे वैज्ञानिकों ने देश में वैक्सीन बनाया है। यह हम सभी भारतीयों के लिए गर्व की बात है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी समय-समय पर आगे बढ़कर हमारे वैज्ञानिकों का उत्साहवर्धन किया और पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए। भारत में बन रही तीन टीकों को विश्व स्वास्थ्य संगठन की तरफ से आपात स्थिति में उपयोग की मंजूरी मिली है।

एक साल से भी कम समय में 150 करोड़ से अधिक वैक्सीन डोज़ लगाकर भारत, दुनिया में सबसे ज्यादा वैक्सीन डोज़ देने वाले अग्रणी देशों में से एक हैं। टीकाकरण कार्यक्रम में 15 से 18 वर्ष तक के किशोर-किशोरियों को भी अब शामिल किया गया। साथ ही अब बूस्टर डोज़ भी दिए जा रहे हैं। भारत में बन रही वैक्सीन्स पूरी दुनिया को महामारी से मुक्त कराने और जीवन बचाने में अहम भूमिका निभा रही है।

हम "वसुधैव कुटुम्बकम्" में विश्वास रखते हैं। हमारी संस्कृति हमें सिखाती है कि पूरी दुनिया एक परिवार है इसलिए हमारी सरकार ने न सिर्फ देश के लोगों तक टीके पहुंचाए बल्कि दूसरे देशों को टीके और जरूरी दवाएं देकर मानवता के लिए एक मिसाल पेश की है। बहुजन हिताय बहुजन सुखाय, मोदी सरकार सभी के हितों की रक्षा करती है सिर्फ एक परिवार पर ध्यान नहीं होता है। आदरणीय महामहिम राष्ट्रपति जी ने भी अपने अभिभाषण में कहा कि मोदी सरकार बाबा साहब के आदर्शों को अपने लिए ध्येय वाक्य मानती है। मोदी सरकार की आस्था, अंत्योदय के मूल मंत्र में है, जिसमें सामाजिक न्याय, समानता, सम्मान और समान अवसर हो। इसलिए आज सरकार की नीतियों में गाँव, गरीब, पिछड़े, अनुसूचित जाति एवं जनजातियों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करने के लिए सरकार द्वारा 64 हजार करोड़ रुपए की लागत से प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इनफ्रास्ट्रक्चर मिशन की शुरुआत की गई। इससे न केवल वर्तमान की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल रही है बल्कि आने वाले समय की संकटों के लिए भी देश को तैयार किया जा रहा है। मोदी सरकार की संवेदनशील नीतियों के कारण देश में अब स्वास्थ्य सेवाएँ जन साधारण तक आसानी से पहुंच रही हैं। 80 हजार से अधिक हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स और करोड़ों की संख्या में जारी आयुष्मान भारत कार्ड से गरीबों को इलाज में बहुत मदद मिली है। सरकार ने 8000 से अधिक जन-औषधि केंद्रों के माध्यम से कम कीमत पर दवाइयाँ उपलब्ध कराकर, इलाज पर होने वाले खर्च को कम किया है। सुलभ और सुगम स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उठाया गया आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन भी एक बड़ा कदम है।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत मोदी सरकार ने गरीबों को हर महीने मुफ्त राशन दिया। 80 करोड़ लाभार्थियों को इसका फायदा मिला। कोरोना काल में गरीब के स्वाभिमान और उसके रोजगार की रक्षा करने के लिए सरकार प्रधानमंत्री-स्वनिधि योजना भी चला रही है। श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए सरकार ने ई-श्रम पोर्टल भी शुरू किया है जिससे अब तक 23 करोड़ से अधिक श्रमिक जुड़ चुके हैं। सरकार मूलभूत सुविधाओं को गरीब के सशक्तीकरण और गरीब की गरिमा बढ़ाने का माध्यम मानती है। पिछले वर्षों के अनवरत प्रयासों से 'प्रधानमंत्री आवास योजना', 'हर घर नल जल योजना', 'स्वामित्व योजना' से करोड़ों लोगों को लाभ मिला है।

वैश्विक महामारी के बावजूद साल 2020-21 में हमारे किसानों ने 30 करोड़ टन से अधिक खाद्यान्न और 33 करोड़ टन से अधिक बागवानी उत्पादों की पैदावार की। सरकार ने रेकॉर्ड उत्पादन को ध्यान में रखते हुए रेकॉर्ड सरकारी खरीद की है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से देश के छोटे किसानों की आर्थिक स्थिति सुधर रही है। प्रतिवर्ष छोटे किसानों के बैंक खाते में 6 हजार रुपये भेजे जा रहे हैं।

तेजी से उभरते वैश्विक परिवेश में भारत ने अपने राजनयिक संबंधों को बेहतर बनाते हुए अपनी स्थिति को और मजबूत किया है। पिछले वर्ष संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता भारत ने की। इसकी अध्यक्षता करते हुए सदस्य देशों को संबोधित करने वाले नरेन्द्र मोदी भारत के पहले प्रधानमंत्री हैं। प्रधानमंत्री जी ने समुद्री सुरक्षा पर अपनी बातें रखीं और यह पहला मौका था जब सुरक्षा परिषद ने इस मुद्दे पर कोई अध्यक्षीय भाषण को अंगीकार किया नरेन्द्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत सैन्य उपकरणों, तकनीकों और शस्त्रों से जुड़े तीन महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय समूहों- ऑस्ट्रेलिया ग्रुप (Australia Group), मिसाइल टेक्नोलॉजी कंट्रोल रेजिम (Missile Technology Control Regime) और वासेनार अरेंजमेंट (Wassenaar Arrangement) का सदस्य बना। पड़ोसी देश अफगानिस्तान में अस्थिरता और नाजुक हालात में मानवता को सर्वोपरि रखते हुए 'ऑपरेशन देवी शक्ति' के तहत हमारे कई नागरिकों और अफगान हिन्दू-सिख-अल्पसंख्यकों को काबुल से सफलतापूर्वक एयरलिफ्ट किया।

वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन पूरे विश्व के सामने बड़ी चुनौती है। नरेन्द्र मोदी जैसे दूरदर्शी नेता के नेतृत्व में भारत इस ओर भी कार्य कर रहा है। पिछले साल CoP-26 शिखर सम्मेलन में नरेन्द्र मोदी जी ने घोषणा की कि वर्ष 2030 तक भारत अपने कार्बन उत्सर्जन को एक बिलियन टन से कम करेगा। भारत ने साल 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन वाली अर्थव्यवस्था का लक्ष्य भी रखा है। हम ने विश्व-समुदाय को साथ लेकर "ग्रीन ग्रिड इनीशिएटिव: वन सन - वन वर्ल्ड - वन ग्रिड" की पहल भी की है। यह ग्लोबल इंटरकनेक्टेड सोलर पावर ग्रिड का पहला अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क बन रहा है।

2015 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (International Solar Alliance) को लांच किया। यह गठबंधन दुनिया भर में सौर ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध देशों का प्रतिनिधित्व कर रही है। पर्यावरण के लिए नरेन्द्र मोदी जी उत्कृष्ट कार्यों को संयुक्त राष्ट्र ने भी सराहा और 2015 में चैंपियंस ऑफ़ द अर्थ अवार्ड से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने 23 सितंबर, 2019 को अमेरीका के न्यूयॉर्क शहर में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु कार्य योजना शिखर सम्मेलन 2019 में आपदा प्रबंधन अवसंरचना पर अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन (Coalition for Disaster Resilient Infrastructure) की घोषणा की। यह गठबंधन आपदा संबंधी जोखिमों से निपटने के लिए नई और मौजूदा अवसंरचना प्रणालियों को मजबूत करने और सतत विकास के लिए कार्य करती है। हमारा देश सतत विकास लक्ष्यों को भी हासिल करने के लिए तेजी से अग्रसर है।

स्किल इंडिया मिशन के तहत आई.टी.आई., जन शिक्षण संस्थान और प्रधानमंत्री कौशल केंद्रों के जरिए पूरे देश में करोड़ों युवाओं का कौशल विकास हुआ है। स्किल को उच्च शिक्षा के साथ जोड़ने के लिए यू.जी.सी. के नियमों में कई बदलाव भी किए गये हैं। सरकार द्वारा जनजातीय युवाओं की शिक्षा के लिए हर आदिवासी बहुल ब्लॉक तक एकलव्य आवासीय मॉडल स्कूल के विस्तार का काम किया जा रहा है। खेलो इंडिया कार्यक्रम के तहत युवाओं की प्रतिभा को निखारा जा रहा है। टोक्यो ओलम्पिक और पैरा-ओलम्पिक में भी भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन इसका परिचायक है।

हमारा स्टार्ट-अप ईको-सिस्टम हमारे युवाओं के नेतृत्व में तेजी से आकार ले रही है। वर्ष 2016 से हमारे देश में 56 अलग-अलग सेक्टर्स में 60 हजार नए स्टार्ट-अप्स बने हैं। इन स्टार्ट-अप्स के जरिए छह लाख से अधिक रोजगारों का सृजन हुआ है। वर्ष 2021 में कोरोना काल में भारत में 40 से अधिक यूनिवर्सिटी-स्टार्ट-अप अस्तित्व में आए।

किसी भी देश के विकास का आधार वहाँ का इनफ्रास्ट्रक्चर होता है। मोदी सरकार की दृष्टि में, इनफ्रास्ट्रक्चर, सामाजिक असमानता को पाटने वाला सेतु भी है। सरकार ने इनफ्रास्ट्रक्चर-विकास के कार्यों को और अधिक गति प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान की शुरुआत की है। यह प्लान भारत में मल्टी-मोडल-ट्रान्सपोर्ट के एक नए युग का प्रारम्भ करने जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों, संसाधनों और इनफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण से देश की उन संभावनाओं को उड़ान मिल रही है। उड़ान योजना के तहत अब चप्पल पहनने वाले लोग भी हवाई यात्रा कर रहे हैं। राजधानी से हटकर दूसरे शहरों में भी हवाई पट्टियों का निर्माण हो रहा है। कांग्रेस के शासन में कोई इसकी कल्पना भी नहीं कर सकता था। देश अब बदल रहा है।

मोदी सरकार, भारतीय रेलवे का भी तेज गति से आधुनिकीकरण कर रही है। बीते सात वर्षों में 24 हजार किलोमीटर रेलवे रूट का विद्युतीकरण हुआ है। नई रेलवे लाइन्स बिछाने और दोहरीकरण का काम भी तेज गति से जारी है। कश्मीर में चिनाब नदी पर निर्मित हो रहा रेलवे आर्च ब्रिज, आकर्षण का केंद्र बन रहा है। देश के महत्वपूर्ण कारोबारी क्षेत्रों को बन्दरगाहों से जोड़ने के लिए सागरमाला कार्यक्रम के अन्तर्गत 80 से अधिक कनेक्टिविटी परियोजनाओं पर भी काम हो रहा है। मोदी सरकार देश की सुरक्षा के लिए दृढ़ संकल्पित होकर काम कर रही है। सरकार की नीतियों से डिफेंस सेक्टर विशेषकर रक्षा उत्पादन में देश की आत्मनिर्भरता लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2020-21 में सैन्य बलों के आधुनिकीकरण के लिए जो भी स्वीकृतियां प्रदान की गईं, उनमें 87 प्रतिशत उत्पादों में मेक इन इंडिया को प्राथमिकता दी गई। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ 83 एलसीए तेजस फाइटर एयरक्राफ्ट के निर्माण हेतु अनुबंध किए गए हैं।

सरकार की यह भी प्राथमिकता रही है कि भारत की अमूल्य धरोहरों को देश में वापस लाया जाए। सौ वर्ष पूर्व भारत से चोरी हुई मां अन्नपूर्णा देवी की मूर्ति को वापस लाकर काशी विश्वनाथ मंदिर में स्थापित किया गया है। हम सब जानते हैं कि विरासत और पर्यटन का एक-दूसरे से गहरा नाता है। इसीलिए, आज एक ओर भारत की आध्यात्मिक विरासत को फिर से जीवंत किया जा रहा है, साथ ही तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के लिए आधुनिक सुविधाएं और इनफ्रास्ट्रक्चर का विकास भी हो रहा है। मोदी सरकार की स्वदेश दर्शन एवं प्रसाद योजनाएं इसमें बड़ी भूमिका निभा रही हैं। आज़ादी के अमृतकाल में एक भारत, श्रेष्ठ भारत के संकल्प के आधार पर आज लोकतान्त्रिक मूल्यों के साथ विकास के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। जो राज्य और क्षेत्र उपेक्षित छूट गए थे, आज देश उनके लिए विशेष प्रयास कर रहा है।

(इति)

\*SHRIMATI POONAMBEN MAADAM (JAMNAGAR): I extend my sincere thanks to the hon. President for addressing both Houses of Parliament. This government has a vision and roadmap for the development of the nation and I am glad that Government's resolve has been underlined and emphasized through his address.

Hon. PM Narendra Modi ji led the government's fight against COVID, especially the vaccination drive is a discussion point all over the globe. We have administered more than 150 crore vaccine doses in less than a year and this vaccination drive not only enhanced protection but also boosted the overall morale of the country. We witnessed discipline, a profound sense of responsibility among our frontline warrior and the hon. President taking note of will encourage them further in the fight against COVID.

Pradhan Mantri Garib Kalyan Anna Yojana- the largest food distribution drive ensured that no one in the country remained hungry during the pandemic. The sensitivity with which this mammoth task was handled shows our unwavering commitment to serve each and every citizen.

The pledge to -Development while taking everyone with you is reflected in people's centric policies. It is now -during this time, poor families are feeling hopeful for a dignified life. Under the Pradhan Mantri Awas Yojana - Gramin, 1 crore 17 lakh houses have been approved, and nearly, six crore rural households have been provided tap water connection despite the pandemic situation. It is not a small feat and I feel proud to be part of this government.

Empowering the farmers and the rural economy of the country has always been and will remain the main agenda. The government's sensitive and progressive approach to the wellbeing of farmers is getting recognized in every sphere. In recent times, the government procured a record quantity of wheat and rice to support them. Different schemes are being rolled out to help small farmers. Under the PM-Kisan Samman Nidhi, Rupees 1 lakh 80 thousand crores have been provided to more than 11 crore farmer families. Kisan Rail Seva on more than 150 routes is transport perishable food items like vegetables, fruits, and milk. The right market brings the right price and our government is committed to uplifting the farmers from age-old traps.

---

\* Laid on the Table

Every Indian feels secure as we are aware that our government is doing what is required to protect borders. In defence sector, the country is becoming increasingly self-reliant. 87% of approvals accorded for modernization of armed forces in the year 2020-21 were 'Make in India' category. is no more a dream but, it is a reality now. The government is working with utmost determination to ensure a safe and secure India. The dream of digital India is getting unfolded in front of our eyes. Ours is one of the fastest-growing digital economies with a record number of UPI transactions. The hon'ble President rightly pointed out that with Jan Dhan-Aadhaar-Mobile or JAM trinity we are taking a giant leap in a very short time.

There has been unprecedented thrust on infrastructure development and improved transport facilities bring real changes in the lives of lakhs of people. The futuristic vision of our government is reflected in 21 new greenfield airports and 11 new metro lines in the country.

I represent a constituency with considerable MSME presence and I understand that the sector is the backbone of the economy. The Government's scheme to ensure adequate availability of credit 'guaranteed Collateral Free Loans' has given a fresh lease of life to thousands of MSME units. The decisive steps taken so far are proving to be a turnaround for our economy. While the Government is taking rapid strides on the economic front to actualize the dream of entering the development trajectory, the encouragement from all sections of society is heart-warming. This era of governance is marked by transparency, fairness and a holistic approach.

Marcus Garvey had said - A people without the knowledge of their history, origin and culture is like a tree without roots. Our government, under the visionary leadership of Hon'ble PM Narendra Modi ji, is reviving history for the younger generation. In AZADI KA AMRIT MAHOTSAV, celebrations like the 400th Prakash Parv of Guru Tegh Bahadur Ji, the 150th birth anniversary of Sri Aurobindo, the 150th birth anniversary of V.O. Chidambaram Pillai, and the 125th birth anniversary of Netaji Subhas Chandra Bose will inspire the younger generation. Different languages, states, religions, communities, and ideologies make our country diverse. National level observance like 'Veer Bal Diwas' on 26th December in the memory of the sacrifice of Sahibzadas and birth anniversary of Bhagwan Birsa Munda on 15th November as 'Jan-jatiya Gaurav



Diwas' is crucial as these heroes deserved respect from the entire nation. We can say with conviction that our Hon'ble Prime Minister has imbibed the ideals of all those great leaders and has also translated them into reality. We as Indians have never been so confident about our roots as well as our wings. The New Education Policy which promotes local languages is also a step in the right direction. 19 engineering colleges across 10 states will teach in 6 Indian languages.

I want to take this opportunity to congratulate Hon'ble Prime Minister, Narendra Modiji for taking our country to greater heights in every field of development. While we are marching towards the new dawn which is filled with hope and dignity for every Indian, I would like to make a humble request to support the government on crucial and constructive issues.

I support the Motion of Thanks on the President's Address in its entirety.

(ends)

\*SHRI P.C. MOHAN (BANGALORE CENTRAL): Hon. Speaker, Sir, I thank you for giving me an opportunity to speak on the Motion of Thanks to hon. President's Address.

In his address to the joint sitting of both Houses, hon. Rashtrapati Ji listed our government's achievements amid the Covid-19 crisis, especially the steps to fight the pandemic and to aid farmers and women.

Speaker Sir, I stand here to speak in favor of the motion of thanks on hon. President's speech, which highlighted the NDA government's achievements over the past year and outlined the targets and plans for the future.

As hon. Rashtrapati Ji mentioned in his speech, this year is indeed a very rare culmination of many historic specials. Nation is celebrating Amrit Mahotsav, 400<sup>th</sup> Prakash Parv of Guru Tej Bahadur Ji, the 150<sup>th</sup> birth anniversary of Sri Aurobindo, the 150<sup>th</sup> birth anniversary of V.O.Chidambaram Pillai and the 125<sup>th</sup> birth anniversary of Netaji Subhas Chandra Bose with grandeur.

I congratulate our Prime Minister Shri Narendra Modi Ji and his Government for starting the Republic Day celebrations from January 23<sup>rd</sup>, the birth anniversary of Netaji.

Sir, I would like to quote the same verse from the Mahabharata, which our hon. Finance Minister mentioned in her Budget speech, as it aptly defines our government's approach towards governance and commitment towards welfare of the people.

*Dapayitva karam dharmyam rastram nityam yathavidhi*

*Asheshan kalpayedraja yoga kshemaan atandritah I*

"The king must make arrangements for Yoga kshema (welfare) of the populace by way of abandoning any laxity and by governing the state in line with Dharma, along with collecting taxes which are in consonance with the Dharma." (Mahabharat, Shanti Parva Adhyay, 72. Shlok 11)

I would like to thank our respected Prime Minister Shri Narendra Modi ji for steering the country out of this once-in-a-century pandemic.

Sir, the hon. President has envisioned a New Atma Nirbhar Bharat and it is about the aspirations of every Indian.

Hon. President has underlined the Union government's emphasis on progress and laying a strong foundation for the next 25 years following the mantra of "'Sabla Saath, Sabka Vikas, Sabka Vishwas, aur Sabka Prayas'. Government is moving towards creation of an India which includes all, benefits all, which is strong and self-reliant.

Unprecedented Vaccination Drive - Sir, today if the life of common man is gradually coming back to normalcy, if a daily wage labourer is able to find his work, if a small street vendor is able to sell earning his livelihood, if the children are able to go schools and colleges and continue their education, it is because of the largest vaccination drive that India accomplished under the visionary leadership of our beloved Prime Minister Shri Narendra Modi ji.

The challenging period of Corona may have acted as a speed breaker for the Government's speed towards Vikas but has also inspired us to accelerate more to achieve our goals at the fastest possible pace.

With the efficient leadership, determination and constant efforts of the hon. Prime Minister, India is moving ahead strongly against Covid pandemic. India's fight against Corona is also an example for the world that when the Government and people unite in the interest of the nation and set a common goal, then the country can overcome any hurdle and win any challenge.

Within a span of two years of the outbreak of pandemic India has administered more than 168 crore doses of Covid-19 vaccine.

Ninety-five per cent of the eligible adult population have received the first dose and 75 per cent have received both the doses.

This is an unprecedented achievement in the history of not just India but the entire world.

I take this opportunity to congratulate our scientists, corona warriors, health workers, doctors, nurses for their dedication and service in this battle against the pandemic.

Our government is also reaching out to the rest of the population through the 'Har Ghar Dastak' campaign. Adolescents in the age group of 15 to 18 years have also been included in the vaccination program from this month. Precautionary dose for the front-line workers and senior citizens with co-morbidities has also been started.

We have eight vaccines so far, approved for emergency use in the country. These Made in India vaccines are playing an important role in making the entire world free from the pandemic and in saving crores of lives.

Speaker Sir, if we just look back a year ago, on how far we have come in this fight and more importantly how few people raised doubts on Government's decisions, on Indian vaccines, tried to spread fear in the minds of people, and despite these repeated futile efforts by such people, by and large, the nation was together under the leadership of Hon. Prime Minister and his Government and we stand here, where we are today.

As our Prime Minister has said and I quote, "Indeed, it is the blessings of the almighty that while the world was in a turmoil due to the pandemic, by the grace of God we were saved. It was in fact the reincarnation of God in the garb of doctors and nurses" (unquote). This he has said, in his last year's address, thanking the motion on the President's speech.

We see God's grace in the dedicated service of our doctors, nurses, paramedics, and every health and frontline worker and the nation is indebted to them all.

Speaker Sir, another important milestone achievement of the Union Government in the health care sector is the launch of Pradhan Mantri Ayushman Bharat Health Infrastructure Mission with an outlay of Rs. 64,000 crore. As Rashtrapati Ji said, this will not only help in meeting the current health requirements but will also equip the country for any future crises.

Because of this priority given by the Union Government, Health care facilities are now easily accessible to the people. More than 80,000 health and wellness centers and crores of Ayushman Bharat cards have helped the poor immensely in getting required essential treatment.

The Union Government has also reduced the cost of treatment by providing affordable medicines through more than 8,000 Jan Aushadhi Kendras. 'Ayushman Bharat Digital Mission' will also further enhance easy and accessible health services to the people.

Speaker Sir, another important aspect I would like to mention here is about agriculture. Despite the pandemic, Union government support to our farmers is evident from the fact that, our agriculture produce is more than 30

crore tonnes of food grains and 33 core tonnes of horticulture produce in 2020-21.

Also, the union government has made record procurement to match the record production and has procured 433 lakh metric tonnes of wheat during the Rabi season benefiting about 50 lakh farmers. A record quantity of about 900 lakh metric tonnes of paddy was procured during Kharif season, benefiting 1 crore 30 lakh farmers. I congratulate the Government for its continuous support to our *Annadaataas*.

As far as the new Education Policy is concerned, as the Bhagavad Gita says, *Nahi Jnanena sadrusham pavitram iha vidyate* which means, there is nothing purer in this world, than Knowledge. Taking this spirit ahead, this government is implementing the new National Education Policy. And more importantly, regional languages are also being promoted through this new policy. Importance is being given to Indian languages as well and I thank the government for starting teaching in six Indian languages, in 19 engineering colleges in 10 states, this year.

Now, coming to transforming urban infrastructure, Sir, I come from Bengaluru, the IT capital of India.

PM Modi government's focus on building urban infrastructure and improving the quality of life or as citizens has transformed our cities.

The Pradhan Mantri Awas Yojana (Urban), Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation (AMRUT) and Smart Cities Mission- have completed six years since their launch on June 25, 2015.

This has brought a paradigm shift in our urban landscape and has re-written the way citizens define their future.

The urban landscape is defined by cities and the cities, in turn, are defined by the people who inhabit them.

One of the most radical departures post May 2014 was the actual invocation of the spirit of cooperative federalism.

Each of the missions delegated the powers to appraise and approve projects to the states.

Earlier, every project was appraised and approved in Delhi, in the ministry, giving scant regard to the fact that equally competent officials work in the states and the state leadership is to be trusted.

This major step of building trust between the states and the Center yielded results.

In the 10 years of the UPA from 2004 to 2014, the total investment in the urban sector was around Rs. 1,57,000 crore while in the seven years of the NDA from 2014 to 2021, that figure is approximately Rs. 11,83,000 crore.

Similarly, in the UPA regime, around 12 lakh houses were built. Since the launch of the PMAY(U), the Modi government has already sanctioned more than 1.14 crore houses, completed and handed over more than 54 lakh houses - the rest will be completed well before March 2022.

One of the banes of government programmes has been tardy implementation and leakages. These are being plugged Through geo-tagging, the progress of construction of houses is being monitored and tied to the release of funds.

For the first time, it was this PM who asked ISRO, our world-class space agency, to handhold government departments in the use of space technology tools.

Now all missions use GIS-based tools extensively. To speed up construction and to bring in the best of new technologies, a Global Housing Technology Challenge was launched and based on it, six Lighthouse Projects have been identified in six geo-climatic zones of the country.

A sustained effort is being made to mainstream these technologies with strong linkages to the engineering institutions across the country.

Money from the Centre is being released through the Public Financial Management System.

This electronic mode ensures that central funds seamlessly flow to the state treasury, improving efficiency and preventing fraud.

This, along with Direct Benefit Transfer (DBT), has ensured that middlemen gaming the system or short-changing the beneficiary have been ousted.

A house built under PMAY(U) is in the name of the woman of the household or joint ownership, and mandatorily has a toilet.

This provides an incentive to female empowerment and safeguards the dignity of the girl child.

Her sense of shame and insecurity is a thing of the past with the access to a toilet within the home.

AMRUT addresses the creaky civic infrastructure that plagues our urban local bodies (ULBs) - electricity, water supply, sewerage, etc.

Nearly 6,000 projects worth Rs. 81,000 crore have been approved, with some states having projects over the State Approved Action Plan (SAAP) that was approved when the mission was launched.

It covers 500 cities with a population of over one lakh. Alongside these programmatic interventions, the NDA government has strengthened the regulatory framework in the real estate sector with the path-breaking Real Estate (Regulation and Development) Act, 2016, and more recently, the Model Tenancy Act.

The NDA government has also done remarkable work in the field of public transport, enhancing the ease of living for the poor and the middle class.

Eleven new metro routes have commenced, benefiting lakhs of people in 8 states every day.

India is now also among the four countries in the world having largest driverless train networks.

India has also developed Indigenous Automatic Train System in the country which symbolizes the growing capability of Make in India.

The integration of different ministries to work in a synergised manner under the "Pradhan Mantri Gatishakti National Master Plan" to accelerate infrastructure development will further streamline the process and ease of implementation.

Similarly, Sir, the modernization of Indian Railways at a fast pace, the New Vande Bharat trains, and vistadome coaches have boosted Indian Railways. Government is working towards Railways modernization and in the last seven years, 24,000 kilometers of railway route has been electrified. Laying new railway tracks and double-laning are also progressing rapidly.

Sir, in the same breath, I request the government to ensure faster and time bound implementation of Bengaluru Suburban Railway project, for which the residents of Bengaluru have been demanding to decongest the city traffic. The Bengaluru suburban project was mentioned in the Union Budget 2020, presented by our hon. Finance Minister Nirmala Sitharaman Ji and that Central government will contribute 20 per cent equity.

The Karnataka Government's 2021 budget has provided the much-needed push to Bengaluru's suburban rail project with an allocation of Rs. 850 crore.

Sir, I request the Union Government to finish this project at the earliest and realize the long-delayed mass transit project for Bengalureans.

Speaker Sir, another key area on which I would like to speak about are the Start-ups. Sir, I represent Bengaluru, which is known as the "Start-up capital of India". Since 2016, sixty thousand new start-ups have been established in 56 different sectors in our country, which created more than six lakh jobs. In 2021, during the Corona period, more than 40 unicorn start-ups emerged in India, each with a minimum market valuation of Rs. 7,400 crore. This support and conducive atmosphere being created in the country for start-ups, by the Union Government is the need of the hour. Speaker Sir, under the leadership of Prime Minister Shri Narendra Modi Ji, the nation is moving ahead towards achieving the five trillion-dollar economy goal. The Impetus given to development - be it with 'Make in India' or skill development or Gati shakthi - it shows the commitment of this Government to ensure Ease of Living for all its citizens and creating a New India, a India as dreamt and aspired by millions of Indians.

Under the Skill India Mission, more than 2 crore 25 lakh youth across the country have been skilled through ITs, Jan Shikshan Sansthan and Pradhan Mantri Kaushal Kendras.

When PM Modiji initially spoke about Digital payments many people and some in this house ridiculed it. It is a matter of pride that transactions worth more than Rupees 8 lakh crore have taken place in the country through UPI in December 2021. This is a clear example of how fast our people are adopting technology and rapid change. Speaker Sir, When the country is celebrating Azadi Ka Amrut Mahotsav to mark 75 years of Independence, we are witnessing unprecedented development in every sphere. As our PM says, if each one of us keep one step ahead, the country moves a billion steps ahead.

With these words I conclude my words and once again thank hon. Speaker for giving me an opportunity to share my thoughts in this August house.

Jai Hind, Jai Karnataka.

(ends)



\*SHRI KARADI SANGANNA AMARAPPA (KOPPAL): Hon. Speaker Sir,

1. I would like to bring to the kind notice of the Lok Sabha, with respect to the Address of the hon. President of India, to the Members of the Parliament, various developmental activities undertaken by the Government of India in the interest of the citizens of the country during the pandemic COVID-19 situation.
2. In this regard, I would like to bring to the kind notice of the hon. Speaker that in spite of Corona pandemic spreading across the country for the last 2 to 3 years, the Government of India has protected the citizens of the country from the pandemic. Educating the public about the pandemic, precautions to be taken by the public in general and those who were in contact with the pandemic, providing timely free treatment to the sufferers of the pandemic, increasing the capacity of the Intensive Care Units across the country, improving the supply of Oxygen and intensification of generating Oxygen to overcome the serious health issues on account of the Corona Pandemic and ensuring that the entire country follows strictest precaution to curtail the spread and to safeguard themselves is a commendable performance of the Government of India.
3. Not only that, in the midst of this pandemic the Country also celebrated the 75th year of Indian Independence by the support and will power of every Indian citizen.
4. The Government of India has provided, across the country, shelter to the poor citizens of the country under the Prime Minister Awaas Yojana by constructing pucca huts/ houses to lead their life with dignity and protected their lives during the pandemic.
5. The Government of India has also made available basic necessities and free provisions/food materials to the poor people during the pandemic and lockdown periods to enrich their dignity and to enhance their status in the society and to live comfortably during the critical times of COVID-19 situation.

6. The Government of India has also provided facilities to the farmers by procuring the agricultural products directly from the farmers in order to protect their produce and also to strengthen their economic position in spite of financial crisis faced by the country.
7. Apart from that, the Government of India has provided facilities through agriculture department giving equipment's for carrying out modern cultivation technique to improve their quality and quantity of output and also for the horticulture development across the country to improve the yield of vegetables and flowers getting the farmers fertilizers at subsidized rates and to lead their normal life in the pandemic situation.
8. Because of the vision of the Government, the Government has made mandatory for the lower strata of the Society and poor beneficiaries under the schemes of the Government to open Bank Accounts to avoid middlemen and to directly get the amount to their account. There are 44 crores of bank accounts opened by the farmers and the beneficiaries under the government schemes. They could able to get the money in their account transferred directly by the Government and draw the money and do financial transactions through technology of banking using ATM and digital banking during the corona spell. This is a great boon to the villagers, poor people, farmers and the lower strata of the society who could lead their normal life and do banking transactions and access their bank accounts and their money during COVID pandemic situation.
9. The hon. Prime Minister ji has given importance to Sports Activities in the country in order to encourage the one to participate in the national and international competitions and provided required facilities, training and also infrastructure to improve their performance. Likewise, the Government of India has provided boost and support to the Small and Medium Enterprises (SMEs) giving loans at lower rate of interest and extended concessions.
10. The old age people are benefitted with the pensions across the country and they are utilizing the pension facilities and leading normal life.

11. The Government of India also provided the medical facilities at reasonable rates for patients and medicines at affordable rates under Pradhan Mantri Bhartiya Janaushadhi Pariyojana to reach the citizens of the country.

12. In the background of entire globe reeling under severe health and financial issues, the work carried out by the Government of India, throughout the country in order to extend service to the citizens of the country to all the communities to do social justice during the pandemic situation is highly laudable and deserves congratulations. I am fully satisfied with the developmental and social activities carried out by the Government of India and I would extend support for the further development beyond my capacity. I thank the hon. Speaker for giving me an opportunity to say few words about the developmental work carried out by the Government of India during critical period of pandemic COVID -19 situation.

Thank you.

(ends)

\*SHRI RAJA AMARESHWARA NAIK (RAICHUR): I am thankful to Hon'ble Speaker for providing me the opportunity to participate in the discussion on Motion of Thanks on the Hon. President's Address to Parliament. I also thank my party leadership for giving me the opportunity to participate in this discussion. I would be touching upon the major achievements, schemes and improvements in the India's rankings on global parameters.

### **Ranking In International Index**

- India has performed remarkably well in terms of "ICT services exports (as % of total trade)" and secured the 1<sup>st</sup> rank globally.
- In terms of ("Intangible assets" which cover parameters such as "Trademarks" and "Industrial designs" India stands at the 67<sup>th</sup> position in 2020 as compared to 81<sup>st</sup> in 2019.
- India ranked 2<sup>nd</sup> in the 2021 Global Manufacturing Risk Index 2021 and has overtaken the United States as the global manufacturing destination.
- India has moved up eight places to the 72<sup>nd</sup> position in the 2020 Global Talent Competitiveness Index that ranks nations on the ability to grow, attract and retain talent.
- India has been ranked as the 48<sup>th</sup> most innovative world in 2020; entering the top 50 nations for the first time.
- India has retained its position as the most innovative country among Central and South Asian countries.

### **Major Schemes of NDA Government**

- M-KISAN (Pradhan Mantri Kisan Samman Nidhi) Scheme: This scheme promises to pay all poor farmers (small and marginal farmers having lands up to 2 hectares) Rs 6,000 every year in 3 instalments through Direct Bank Transfer. It would reportedly benefit around 14.5 crore farmers all over India.
- Pradhan Mantri Kisan Pension Yojana: To address the problems of farm sector distress, the Modi 2.0 Cabinet has approved a proposal to provide small and marginal farmers with a minimum Rs 3,000 per month fixed

pension, costing Rs 10,774.5 crore per annum to the exchequer. The eligible farmers in the 18-40 year age group can participate in this voluntary and contributory pension scheme.

- **New Jal Shakti Ministry:** It aims at providing piped water connection to every Indian household by the year 2024. Reports say that the ministry will now be able to formulate plans to address the issue of water management.
- **Swachh Bharat Mission:** On 2nd October 2014, Swachh Bharat Mission was launched throughout length and breadth of the country as a national movement. The campaign aims to achieve the vision of a 'Clean India' by 2nd October 2019. The Swachh Bharat Abhiyan is the most significant cleanliness campaign by the Government of India.
- **PM Mudra Yojana:** Pradhan Mantri MUDRA Yojana (PMMY) is a scheme launched by the Hon'ble Prime Minister on April 8, 2015 for providing loans up to 10 lakh to the non-corporate, non-farm small/ micro enterprises. To create an inclusive, sustainable and value based entrepreneurial culture, in collaboration with our partner institutions in achieving economic success and financial security.
- **Ujjwala Yojana:** State run Energy Efficiency Services Ltd (E ESL) has distributed over 30 crore light emitting diode (LED) bulbs across country under zero-subsidy Unnat Jyoti by Affordable LEDs for All (UJALA) scheme.
- **Atal Pension Yojana:** Atal Pension Yojana is a pension scheme mainly aimed at the unorganized sectors such as maids, gardeners, delivery boys, etc. This scheme replaced the previous Swavalamban Yojana which wasn't accepted well by the people.
- **Start-up India:** Startup India is a flagship initiative of the Government of India, intended to catalyse startup culture and build a strong and inclusive ecosystem for innovation and entrepreneurship in India.
- **Setu Bhartam Yojana:** This yojana aims to make all national highways free of railway crossings by 2019.

- Stand Up India: Stand-Up India Scheme Facilitates bank loans between 10 lakh and 1 Crore to at least one Scheduled Caste (SC) or Scheduled Tribe (ST) borrower and at least one woman borrower per bank branch for setting up a greenfield enterprise.
- Prime Minister Ujjwala Plan: Pradhan Mantri Ujjwala Yojana (PMUY) was launched by Prime Minister of India Sh. Narendra Modi on May 1, 2016 to distribute 50 million LPG connections to women of BPL families.
- Prime Mantri Garib Kalyan yojana: Several major countries have experienced scarcity of food-grains and faced starvation during the Corona crisis. But my sensitive government ensured that nobody remained hungry during the worst pandemic in 100 years. My government is providing free ration to each poor household every month under the Pradhan Mantri Garib Kalyan Anna Yojana. This is the world's largest food distribution program with an outlay of Rupees two lakh sixty thousand crore reaching out to 80 crore beneficiaries for 19 months. Being fully sensitive to the present circumstances, the government has extended this scheme till March 2022.
- Prime Mantri Graama Sadak Yojana: Construction of roads, resources and infrastructure in rural areas has opened up possibilities for the country which have been neglected for decades. The achievements of Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana are something to be proud of. In the year 2020-21, 36 thousand 5 hundred kilometres of roads have been built in rural areas, at the rate of more than 100 km per day, and thousands of habitations have been connected with all-weather roads.

India is in the third year of the COVID-19 pandemic and amid this, country is celebrating the Amrit Mahotsav on the occasion of 75th year of its independence. In this period of Ann-it Mahotsav, special events related to great personalities of the country are also inspiring us. My government is celebrating the sacred occasions of the 400th Prakash Parv of Guru Tegh Bahadur Ji, the 150th birth anniversary of Sri Aurobindo, the 150th birth anniversary of V.O. Chidambaram Pillai and the 125th birth anniversary of Netaji Subhas Chandra Bose with grandeur. From this year onwards, the government has started the Republic Day celebrations from January 23, the birth anniversary of Netaji.

An example of India's capability in the fight against COVID-19 is evident in the ongoing COVID vaccination program. We have surpassed the record of administering more than 150 crore vaccine doses in less than a year. Today we are among the leading countries in the world with the highest vaccine doses administered. Success of this campaign has given a shield to the country providing enhanced protection to our citizens, while also boosting their morale.

Today, more than 90 percent adult citizens of the country have received the first dose of the vaccine, whereas more than 70 percent have been administered both the doses. The government is also reaching out to the rest of the population through the 'Har Ghar Dastak' campaign. Adolescents in the age group of 15 to 18 years have also been included in the vaccination program from this month. Precautionary dose for the front-line workers and senior citizens with co-morbidities has also been started.

Health facilities are now easily accessible to the common people because of the responsive policies of my government. More than 80,000 health and wellness centres and crores of Ayushman Bharat cards have helped the poor immensely in getting treatment. Government has reduced the cost of treatment by providing affordable medicines through more than 8,000 Jan Aushadhi Kendras. 'Ayushman Bharat Digital Mission' is an important step in providing easy and accessible health services.

With these words, I rise to support and welcome to the President's address to the Parliament.

(ends)

1726 बजे

**प्रधान मंत्री (श्री नरेन्द्र मोदी):** माननीय अध्यक्ष जी, राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर धन्यवाद करने के लिए मैं उपस्थित हुआ हूँ। आदरणीय राष्ट्रपति जी ने अपने अभिभाषण में आत्मनिर्भर भारत को लेकर और आकांक्षी भारत को लेकर गत दिनों के जो प्रयास हैं, उसके संबंध में विस्तार से बात कही है। मैं सभी आदरणीय सदस्यों का बहुत आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने इस महत्वपूर्ण भाषण पर अपनी टिप्पणी की, अपने विचार रखे।

आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं अपनी बात बताने से पहले कल जो घटना घटी, उसके लिए दो शब्द जरूर कहना चाहूंगा। देश ने आदरणीय लता दीदी जी को खो दिया। इतने लम्बे काल तक, जिनकी आवाज ने देश को मोहित किया, देश को प्रेरित भी किया, देश को भावनाओं से भर दिया और एक अहर्निश सांस्कृतिक धरोहर को मजबूत करते हुए तथा देश की एकता को भी, करीब-करीब 36 भाषाओं में उन्होंने गाया। यह अपने आप में भारत की एकता और अखंडता के लिए भी एक प्रेरक उदाहरण है। मैं आज आदरणीय लता दीदी जी को आदरपूर्वक श्रद्धांजलि देता हूँ।

आदरणीय अध्यक्ष जी, इतिहास इस बात का गवाह है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विश्व में बहुत बड़ा बदलाव आया। एक नया वर्ल्ड ऑर्डर, जिसमें हम सब लोग जी रहे हैं, मैं साफ देख रहा हूँ कि कोरोना काल के बाद विश्व एक नए वर्ल्ड ऑर्डर की तरफ, नई व्यवस्थाओं की तरफ बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है।

(1730/GG/NKL)

एक ऐसा टर्निंग पॉइंट है कि हम लोगों को एक भारत के रूप में इस अवसर को गंवाना नहीं चाहिए। मेन टेबल पर भारत की आवाज़ भी बुलंद रहनी चाहिए। भारत को एक लीडरशिप रोल के लिए अपने आपको कम नहीं आंकना चाहिए। इस परिप्रेक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव, आजादी के 75 साल अपने आप में प्रेरक अवसर है। उस प्रेरक अवसर को ले कर, नए संकल्पों को ले कर, देश जब आजादी के सौ साल मनाएगा, तब तक पूरे सामर्थ्य से, पूरी शक्ति से, पूरे समर्पण से, पूरे संकल्प से, देश को उस जगह पर ले कर पहुंचेंगे। यह संकल्प का समय है।

आदरणीय अध्यक्ष जी, बीते वर्षों में देश ने कई क्षेत्रों में मूलभूत व्यवस्थाओं में बहुत मजबूती का अनुभव किया है और बहुत मजबूती के साथ हम आगे बढ़े हैं। प्रधान मंत्री आवास योजना - गरीबों को रहने के लिए घर हो, यह कार्यक्रम तो लंबे समय से चला है। लेकिन जो गति, जो व्यापकता, विशालता, विविधता, उसने उसमें स्थान पाया, उसके कारण आज गरीब का घर भी लाखों से भी ज्यादा कीमत का बन रहा है। एक प्रकार से जो भी पक्का घर पाता है, वह गरीब आज लखपति की श्रेणी में भी आ जाता है। कौन हिंदुस्तानी होगा, जिसको इस बात को सुन कर के गर्व न हो कि आज देश के गरीब से गरीब के घर में शौचालय बना है। आज खुले में शौच से देश के गांव भी मुक्त हुए हैं। कौन इसको सुन कर खुश नहीं होगा? ... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** अधीर रंजन जी, प्लीज बैठिए। यह तरीका ठीक नहीं है।

... (व्यवधान)

**श्री नरेन्द्र मोदी :** हो गया? ... (व्यवधान) मैं बैठने के लिए तैयार हूँ ... (व्यवधान)



**माननीय अध्यक्ष :** अधीर रंजन जी, प्लीज़ बैठिए।

... (व्यवधान)

**श्री नरेन्द्र मोदी :** आपको धन्यवाद दे कर के शुरू करूँ? ... (व्यवधान) आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

... (व्यवधान) आपका प्यार अजर-अमर रहेगा। ... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** अधीर जी, प्लीज़।

... (व्यवधान)

**श्री नरेन्द्र मोदी :** आजादी के इतने सालों के बाद गरीब के घर में भी रौशनी होती है, तो उसकी खुशियां, देश की खुशियों को ताकत देती है। चूल्हे के धुएँ से जलती हुई आंखों के साथ काम करने वाली गरीब माँ को राहत देती है। जिस देश में, घर में गैस कनेक्शन हो, यह स्टेटस सिंबल बन चुका था, उस देश में गरीब के घर में गैस का कनेक्शन हो, धुएँ वाले चूल्हे से मुक्ति हो, तो उसका आनंद कुछ और ही होता है। ... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** दादा, प्लीज़ बैठिए। आपको मैंने पर्याप्त मौका दिया था। यह तरीका ठीक नहीं है।

... (व्यवधान)

**श्री नरेन्द्र मोदी :** दादा को बीच-बीच में मौका देना चाहिए। क्योंकि दादा उम्र के इस पड़ाव में भी बचपने का मजा लेते रहते हैं। ... (व्यवधान)

(1735/RV/MMN)

आज गरीब का बैंक में अपना खाता हो, आज बैंक गए बिना, गरीब भी अपने टेलिफोन से बैंक के खाते का उपयोग करता हो, सरकार के द्वारा दी गयी राशि सीधे 'डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर' के तहत उसके खाते में पहुंचती हो, ये सब, अगर आप ज़मीन से जुड़े हुए होते, अगर आप जनता के बीच में रहते होते तो जरूर ये चीज़ें नजर आतीं, दिखाई देतीं। लेकिन, दुर्भाग्य यह है कि आपमें से बहुत-से लोग ऐसे हैं, जिनका सूई-कांटा वर्ष 2014 से अटका हुआ है और उससे वे बाहर ही नहीं निकल पाते हैं। उसका नतीजा भी आपको भुगतना पड़ा है। आपने अपने आपको एक ऐसी मानसिक अवस्था से बाँध कर रखा है कि देश की जनता आपको पहचान गई है। कुछ लोग पहले पहचान गए, कुछ लोग देर से पहचान रहे हैं और कुछ लोग आने वाले समय में पहचानने वाले हैं। अब देखिए आप, जब इतना सारा लम्बा उपदेश देते हैं, तब भूल जाते हैं कि पचास सालों तक कभी आपने भी देश में यहाँ बैठने का सौभाग्य प्राप्त किया था और क्या कारण है कि आप सोच नहीं पाते हैं?

अब आप देखिए, नागालैण्ड के लोगों ने आखिरी बार वर्ष 1998 में काँग्रेस के लिए वोट किया था, करीब 24 साल हो गए। ओडिशा ने वर्ष 1995 में आपके लिए वोट किया था, सिर्फ 27 साल हो गए, आपको वहां एन्ट्री नहीं मिली। गोवा में वर्ष 1994 में पूर्ण बहुमत के साथ आप जीते थे, 28 साल हो गए, गोवा ने आपको स्वीकार नहीं किया।... (व्यवधान)

**श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर):** सर, आपने सब खरीद कर लिया, क्या करें?

**श्री नरेन्द्र मोदी :** पिछली बार वर्ष 1988 में त्रिपुरा में वहां की जनता ने वोट दिया था, करीब 34 साल पहले। काँग्रेस का क्या हाल है - यू.पी., बिहार और गुजरात में? आखिर में, वर्ष 1985 में, करीब

37 साल पहले आपके लिए वोट किया था। पिछली बार पश्चिम बंगाल में वहां के लोगों ने वर्ष 1972 में, करीब 50 साल पहले आपको पसन्द किया था... (व्यवधान)

**श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर):** प्राइम मिनिस्टर साहब, क्या यह राष्ट्रपति जी के अभिभाषण की बातें हैं? आप ही बताइए।

**माननीय अध्यक्ष:** प्लीज़, बैठ जाइए। आप कागज़ लेकर बाद में बोल लेना।

... (व्यवधान)

**श्री नरेन्द्र मोदी :** मैं इसके लिए सहमत हूँ, अगर आप उस मर्यादा का पालन करते और इस जगह का उपयोग न करते। लेकिन, देश का बड़ा दुर्भाग्य है कि सदन जैसी पवित्र जगह, जो देश के लिए काम आनी चाहिए, उसको दल के लिए काम में लेने का जो प्रयास हो रहा है, इसके कारण जवाब देना हमारी मजबूरी बन जाती है... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, तमिलनाडु में, आखिर में, वर्ष 1962 में यानी करीब 60 साल पहले, आपको मौका मिला था। तेलंगाना बनाने का श्रेय लेते हैं, लेकिन तेलंगाना बनने के बाद वहां की जनता ने आपको स्वीकार नहीं किया... (व्यवधान)

**श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर):** तमिलनाडु में तो आप नहीं हैं।

**श्री नरेन्द्र मोदी :** झारखण्ड का जन्म हुआ, बीस साल हो गए, पूर्ण रूप से काँग्रेस को स्वीकारते नहीं हैं। वे पिछले दरवाजे से घुसने का प्रयास करते हैं।

(1740/MY/VR)

माननीय अध्यक्ष जी, सवाल चुनाव नतीजों का नहीं है, सवाल उन लोगों की नीयत का है, उनकी नेकदिली का है। इतने बड़े लोकतंत्र में, इतने साल तक शासन में रहने के बाद भी देश की जनता हमेशा-हमेशा के लिए उनको क्यों नकार रही है? जहाँ भी ठीक से लोगों ने राह पकड़ ली, दोबारा आपको प्रवेश करने नहीं दिया है। इतना सब होने के बावजूद, हम तो एक चुनाव हार जाए न, महीनों तक न जाने इको-सिस्टम क्या-क्या करती है? इतना सारी पराजय होने के बावजूद भी, न आपका अहंकार जाता है, न आपकी इको-सिस्टम आपके अहंकार को जाने देती है... (व्यवधान)

इस बार अधीर रंजन जी बहुत सारे शेर सुना रहे थे। चलिए, मौका मैं भी ले लूँ... (व्यवधान)  
जब अहंकार की बात मैं कर रहा हूँ तब तो मुझे कहना ही पड़ेगा-

वो जब दिन को रात कहें तो तुरंत मान जाओ,  
नहीं मानोगे तो वो दिन में नकाब ओढ़ लेंगे,  
जरूरत हुई तो हकीकत को थोड़ा-बहुत मरोड़ लेंगे,  
वो मगरूर हैं खुद की समझ पर बेइंतहा,  
उन्हें आइना मत दिखाओ, वो आइने को भी तोड़ देंगे।

आदरणीय अध्यक्ष जी, आजादी का 'अमृत महोत्सव'; आजादी के 75 वर्ष में आज देश आजादी का 'अमृत महोत्सव' मना रहा है और देश अमृत काल में प्रवेश कर रहा है। आजादी की इस लड़ाई में जिन-जिन लोगों ने योगदान किया, वो किसी दल के थे या नहीं थे, इन सब से परे उठकर,

देश के लिए जीने-मरने वाले लोग, देश के लिए जवानी खपाने वाले लोग, हर किसी का पुण्य स्मरण करने का अवसर है, उनके सपनों को याद करते हुए, कुछ संकल्प लेने का अवसर है।

आदरणीय अध्यक्ष जी, हम सब संस्कार से, स्वभाव से, व्यवस्था से लोकतंत्र के लिए प्रतिबद्ध लोग हैं और आज से नहीं, सदियों से हैं। यह भी सही है कि आलोचना जीवंत लोकतंत्र का एक आभूषण है, लेकिन अंधविरोध लोकतंत्र का अनादर है। सबका प्रयास, इस भावना से भारत ने जो कुछ हासिल किया है, अच्छा होता कि उसे खुले मन से स्वीकार किया गया होता, उसका स्वागत किया गया होता, उसका गौरव-गान करते।

(1745/CP/SAN)

बीते दो सालों में सौ साल का सबसे बड़ा वैश्विक महामारी का संकट पूरी दुनिया की मानव जाति झेल रही है। जिन्होंने भारत के अतीत के आधार पर ही भारत को समझने का प्रयास किया, उनको तो आशंका थी कि इतना बड़ा विशाल देश, इतनी बड़ी आबादी, इतनी विविधताएं, ये आदतें, यह स्वभाव, शायद यह भारत इतनी बड़ी लड़ाई नहीं लड़ पाएगा, भारत अपने आपको बचा नहीं पाएगा। यही उनकी सोच थी, लेकिन आज स्थिति क्या है? मेड इन इंडिया कोविड वैक्सीन दुनिया में सबसे ज्यादा प्रभावी है। आज भारत शत-प्रतिशत पहली डोज़, इस लक्ष्य के निकट करीब-करीब पहुंच रहा है और लगभग 80 प्रतिशत सेकेंड डोज़, उसका पड़ाव भी पूरा कर लिया है।

माननीय अध्यक्ष जी, कोरोना एक वैश्विक महामारी है, लेकिन उसे भी दलगत राजनीति के लिए उपयोग में लाया जा रहा है। क्या यह मानवता के लिए अच्छा है? भारत जैसे... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** आपको मैं मौका दूंगा।

... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** प्लीज बैठिए।

... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** अधीर रंजन जी, आपको पर्याप्त समय और पर्याप्त अवसर मिला है।

... (व्यवधान)

**श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर):** हम लोगों ने साथ दिया था... (व्यवधान) हिंदुस्तान के सारे सूबों ने साथ दिया था... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** प्लीज बैठिए।

... (व्यवधान)

**श्री नरेन्द्र मोदी:** माननीय अध्यक्ष जी, मैंने तो किसी का नाम नहीं लिया। कोई भी टोपी पहन लेने की क्या जरूरत है जी?... (व्यवधान) लेकिन जब आप खड़े ही हो गए हैं, तो अब मैं नाम ले करके बोलना चाहता हूं... (व्यवधान) अब आप खड़े ही हो गए हैं, तो मैं नाम ले करके बोलना चाहता हूं। इस कोरोना काल में कांग्रेस ने तो हद कर दी... (व्यवधान) पहली लहर के दौरान... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** मैं आपको मौका दूंगा।

... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** प्लीज बैठिए।

... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** माननीय सदस्य, प्लीज बैठिए। यह तरीका ठीक नहीं है। आपको मैंने पर्याप्त मौका दिया।

... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** प्लीज, बैठिए।

... (व्यवधान)

**श्री नरेन्द्र मोदी:** माननीय अध्यक्ष जी, अभी तो मैंने सिर्फ इतना कहा, हद कर दी... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** आपको मैंने पर्याप्त अवसर दिया था।

... (व्यवधान)

**श्री नरेन्द्र मोदी:** पहली लहर के दौरान देश जब लॉक डाउन का पालन कर रहा था, जब डब्ल्यूएचओ दुनिया भर के लोगों को सलाह देता था, सारे हेल्थ एक्सपर्ट्स कह रहे थे कि जो जहां है, वहीं पर रुके... (व्यवधान) सारी दुनिया में यह संदेश दिया जाता था, क्योंकि मनुष्य जहां जाएगा, अगर वह कोरोना से संक्रमित है, तो कोरोना साथ ले जाएगा... (व्यवधान) तब कांग्रेस के लोगों ने क्या किया?... (व्यवधान) मुंबई के रेलवे स्टेशन पर खड़े रह करके, मुंबई छोड़ कर जाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए मुंबई में श्रमिकों को मुफ्त में टिकट दिया गया... (व्यवधान) लोगों को प्रेरित किया गया कि जाओ, महाराष्ट्र में हमारे ऊपर जो बोझ है, वह जरा कम हो... (व्यवधान) जाओ, तुम उत्तर प्रदेश के हो, तुम बिहार के हो... (व्यवधान) जाओ, वहां कोरोना फैलाओ। ... (व्यवधान) आपने यह बहुत बड़ा पाप किया... (व्यवधान) वहां अफरा-तफरी का माहौल खड़ा कर दिया... (व्यवधान)

(1750/NK/SNT)

आपने हमारे श्रमिक भाइयों-बहनों को अनेक परेशानियों में धकेल दिया ... (व्यवधान), उस समय दिल्ली में ऐसी सरकार थी, जो अभी भी है। उस सरकार ने जीप पर माइक बांध करके दिल्ली की झुग्गी-झोपड़ी में गाड़ी घुमाकर कहा कि संकट बड़ा है, गांव जाओ, घर जाओ और दिल्ली से जाने के लिए बसें दीं, आधे रास्ते में छोड़ दिया, और श्रमिकों के लिए अनेक मुसीबतें पैदा कीं, ... (व्यवधान) उसके कारण यूपी, उत्तराखंड और पंजाब में जहां कोरोना की इतनी गति नहीं थी, इतनी तीव्रता नहीं थी, इस पाप के कारण कोरोना ने उनको भी लपेटे में ले लिया।

माननीय अध्यक्ष जी, यह कैसी राजनीति है, मानव जाति के ऊपर संकट के समय भी दलगत राजनीति कब तक चलेगी? मैं ही नहीं पूरा देश कांग्रेस के इस आचरण से अचम्भित है। दो साल से देश सौ साल के सबसे बड़े संकट का मुकाबला कर रहा है। कुछ लोगों ने जिस प्रकार से व्यवहार किया, देश सोच में पड़ गया है, क्या यह देश आपका नहीं है? क्या इस देश के लोग आपके नहीं हैं? क्या उनके सुख-दुख आपके नहीं हैं?

**श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर):** आप कैसी बातें कर रहे हैं? ... (व्यवधान)

**श्री नरेन्द्र मोदी:** अध्यक्ष जी, इतना बड़ा संकट आया, कई राजनीतिक दल के नेता जरा आत्मनिरीक्षण करें, ... (व्यवधान) इतने राजनीतिक दल के नेता जो जनता के माने हुए नेता अपने आप को मानते हैं, उन्होंने लोगों से रिक्वैस्ट की कि कोरोना एक ऐसा संकट है, वैश्विक महामारी है,

आप मास्क पहनो, हाथ धोते रहो, दो गज की दूरी रखो। कितने नेता हैं, अगर इसे बार-बार देश की जनता को कहते तो उससे बीजीपी की सरकार को क्या फायदा होने वाला था? मोदी को क्या फायदा होने वाला था? लेकिन इतने बड़े संकट में भी इतना सा पवित्र काम करने से आप चूक गए।

माननीय अध्यक्ष जी, कुछ लोग हैं, उनको यह इंतजार था कि कोरोना वायरस मोदी की छवि को चपेट में ले लेगा। बहुत इंतजार किया और कोरोना ने भी आपके धैर्य की बड़ी कसौटी की है। आए दिन आप लोग औरों को नीचा दिखाने के लिए महात्मा गांधी का नाम लेते हैं। महात्मा गांधी की स्वदेशी की बात को बार-बार दोहराने से आपको कौन रोक रहा है?

अगर मोदी 'वोकल फॉर लोकल' कहता है, मोदी ने कहा इसलिए शब्दों को छोड़ दो। लेकिन क्या आप नहीं चाहते हैं कि देश आत्मनिर्भर बने, जिस महात्मा गांधी के आदर्शों की बात करते हैं तब भारत में इस अभियान को ताकत देने या जुड़ने में क्या जाता था? उसका आप नेतृत्व लीजिए, महात्मा गांधी जी के स्वदेश के निर्णय को आगे बढ़ाइए, देश का भला होगा और हो सकता है। क्या आप महात्मा गांधी के सपनों को सच होते नहीं देखना चाहते हैं? आज पूरी दुनिया में योग ने कोरोना के समय में एक प्रकार से जगह बना ली।

(1755/SK/SRG)

दुनिया भर में कौन हिंदुस्तानी होगा, जिसको योग के लिए गर्व न हो। आपने उसका भी मज़ाक उड़ाया, उसका भी विरोध किया। अच्छा होता कि आप लोगों को कहते कि संकट में घर में हैं, योगा कीजिए, आपको फायदा होगा। क्या नुकसान था? फिट इंडिया मूवमेंट चले, देश का नौजवान सशक्त हो, सामर्थ्यवान हो। आपको मोदी से विरोध हो सकता है। 'फिट इंडिया' मूवमेंट, राजनैतिक दलों के छोटे-छोटे युवा मंच होते हैं। अगर हम सब मिलकर 'फिट इंडिया' द्वारा देश की युवा शक्ति को इस सामर्थ्य की तरफ आगे बढ़ने के लिए कहते, लेकिन उसका भी विरोध, उसका भी उपहास। आपको क्या हो गया है? यह मुझे समझ में नहीं आ रहा है। मैं आज इसलिए कह रहा हूँ कि आपको ध्यान में आए कि आप कहां खड़े हैं। मैंने इतिहास बताया, 60 साल से लेकर, 15 साल से पूरा कार्य, पूरा कालखंड, इतने राज्य, कोई आपको घुसने नहीं दे रहा है। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, मैं यह विषय बहुत प्यार से कह रहा हूँ, नाराज़ मत हो जाना। ... (व्यवधान) मुझे कभी विचार आता है, उनके बयानों से, उनके कार्यक्रमों से, उनकी करतूतों से, जिस प्रकार से बोलते हैं, जिस प्रकार के मुद्दों से जुड़ते हैं, ऐसा लगता है कि आपने मन बना लिया है कि 100 साल तक सत्ता में नहीं आना है। ... (व्यवधान) कोई ऐसा नहीं करता है, जी। थोड़ी सी भी आशा होती, थोड़ा सा भी लगता कि हाय, अब देश की जनता फिर से कुल्हार करेगी, तो ऐसा नहीं करते। खैर, अब आपने ही तय कर लिया है 100 साल के लिए तो फिर मैंने भी तैयारी कर ली है। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, यह सदन इस बात का साक्षी है कि कोरोना वैश्विक महामारी से जो स्थितियां बनीं, जो स्थितियां उत्पन्न हुईं, उससे निपटने के लिए भारत ने जो भी रणनीति बनाई, उसको लेकर डे वन से क्या-क्या नहीं कहा गया? किस-किसने क्या बोला? आज वह खुद देखेंगे तो उनको हैरानी होगी कि ऐसा कैसे बुलवा लिया? कैसे बुलवा लिया और पता नहीं, हम क्या-क्या बोल

दिए? दुनिया के और लोगों से कांफ्रेंस करके ऐसी बातें बुलवाई गईं ताकि पूरे विश्व में भारत बदनाम हो। खुद के टिके रहने के लिए आर्थिक आयोजन में भारत कैसा चल रहा है? बाई गॉड, क्या कुछ कहा गया? बड़े-बड़े पंडितों ने क्या-क्या कहा? आपकी पूरी ईको सिस्टम लग गई थी। हम जो भी समझते थे, भगवान ने जो समझ दी थी, लेकिन समझ से ज्यादा समर्पण बढ़ा था। जहां समझ से समर्पण ज्यादा बढ़ा होता है, वहां देश और दुनिया को अर्पण करने की ताकत भी होती है और हमने वह करके दिखाया है। हम जिस रास्ते पर चले, आज विश्व के अर्थ जगत के सभी ज्ञाता इस बात को मानते हैं कि भारत ने जिन आर्थिक नीतियों को लेकर इस कोरोना कालखंड में अपने आपको आगे बढ़ाया है, वह अपने आप में उदाहरणीय है। हम अनुभव भी करते हैं, हमने देखा है। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, भारत आज दुनिया की बड़ी इकोनामीज़ में सबसे तेजी से विकसित हो रही बड़ी अर्थव्यवस्था है। ... (व्यवधान) इस कोरोना कालखंड में हमारे किसानों ने रिकॉर्ड पैदावार की। ... (व्यवधान) सरकार ने रिकॉर्ड खरीदी की। दुनिया के अनेक देशों में जहां खाने का संकट पैदा हुआ। आपको पता होगा, 100 साल पहले जो आपदा आई थी, उसकी जो रिपोर्ट है, उसमें यह बात कही गई है कि बीमारी से मरने वालों की जैसी तादाद है, वैसी भूख से मरने वालों की भी बड़ी तादाद है।

(1800/MK/AK)

यह उस समय की, 100 साल पहले की रिपोर्ट में है। इस देश ने किसी को भूख से मरने नहीं दिया। हमने 80 करोड़ से अधिक देशवासियों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया और आज भी करा रहे हैं।

माननीय अध्यक्ष जी, हमारा टोटल एक्सपोर्ट हिस्टोरिकल और हाइएस्ट रेकॉर्ड पर है। यह कोरोना काल में है। कृषि एक्सपोर्ट ऐतिहासिक तौर पर टॉप पर पहुंचा है। सॉफ्टवेयर एक्सपोर्ट नई ऊंचाई की तरफ बढ़ रहा है। मोबाइल फोन एक्सपोर्ट में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। डिफेंस एक्सपोर्ट, इसमें कई लोगों को परेशानी हो रही है। यह 'आत्मनिर्भर भारत' का कमाल है कि आज देश डिफेंस एक्सपोर्ट में भी अपनी पहचान बना रहा है। ... (व्यवधान) एफडीआई और एफपीआई ... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** माननीय सदस्य, आप चुप रहिए। आप शांत रहिए।

... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** माननीय सदस्य, प्लीज आप शांत हो जाइए।

... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** माननीय सदस्य, एक मिनट आप भी चुप रहिए।

... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** माननीय सदस्य, आप चुप रहिए। आपको बोलने की इजाजत किसने दी है?

... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** माननीय सदस्यगण, मैंने सभी माननीय सदस्यों को पर्याप्त समय और पर्याप्त अवसर दिया है। लेकिन, जब आपने बोला, तो मैंने कहा कि जब इस सदन के नेता बोलेंगे तो कोई टीका-टिप्पणी नहीं करेंगे। यह उचित व्यवहार नहीं है। सदन के नेता बोल रहे हैं। आप सदन की गरिमा को बनाए रखिए। यह मेरा आपसे आग्रह है।

**श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर):** सर, हम गरिमा बनाकर बात कर रहे हैं।

**माननीय अध्यक्ष :** मैं आपको बोलने का मौका दूंगा।

... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** आप बैठ जाइए। मैंने आपको मौका नहीं दिया है।

माननीय प्रधान मंत्री जी।

... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** दादा, क्या मैंने आपको मौका नहीं दिया है?

... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** माननीय सदस्य, हां, हम समझेंगे और समझाएंगे। आप पूरा सुनिए हम सब समझाएंगे।

... (व्यवधान)

**श्री नरेन्द्र मोदी:** अध्यक्ष जी, सदन में थोड़ी-बहुत टोका-टोकी तो आवश्यक होती है। उससे गर्मी रहती है, लेकिन जब वह सीमा के बाहर जाता है, तो लगता है कि हमारे साथी ऐसे हैं? ... (व्यवधान) उनकी पार्टी के एक एमपी ने चर्चा की शुरुआत की थी। यहां से कुछ छोटा-मोटा नोक-झोंक चल रहा था। मैं अपने कमरे से स्क्रीन पर देख रहा था कि हमारे मंत्री प्रहलाद जी पीछे गए और सबको रोका। वहां से चैलेंज आया कि अगर हमें रोकोगे, तो तुम्हारे नेता का यह हाल करेंगे, क्या इसीलिए यह हो रहा है? ... (व्यवधान) हरेक को अपना सीआर सुधारने की कोशिश करनी चाहिए। मैं मानता हूँ कि जितना आपने किया है, उससे आपका सीआर ठीक हो गया है। जिन लोगों को रजिस्टर करना है, आपके इस पराक्रम को कर लिया है। आप ज्यादा क्यों कर रहे हैं? ... (व्यवधान) इस सत्र में आपको कोई नहीं निकालेगा। आप विश्वास कीजिए। इस सत्र में आपको कोई नहीं निकालेगा, मैं आपको गारंटी देता हूँ। ... (व्यवधान)

**श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर):** मैं यहां जनता द्वारा चुने गए नुमाइंदे के रूप में आया हूँ।

**माननीय अध्यक्ष :** ठीक है।

... (व्यवधान)

**श्री नरेन्द्र मोदी:** माननीय अध्यक्ष जी, आज भारत में एफडीआई और एफपीआई का रेकॉर्ड निवेश हो रहा है। रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में आज हिन्दुस्तान दुनिया के टॉप फाइव कंट्रीज में है।

(1805/SJN/SPR)

माननीय अध्यक्ष जी, ये सब इसलिए संभव हुआ है कि कोरोना काल में इतना बड़ा संकट सामने होने के बावजूद भी, अपने कर्तव्यों को निभाते हुए इस संकट के काल में देश को बचाना है, तो रिफॉर्म्स जरूरी थे। हमने वे जो रिफॉर्म्स किए, उसका परिणाम है कि हम आज इस स्थिति पर पहुंचे हैं।... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** माननीय सदस्य, प्लीज आप बैठ जाइए। यह आपका गलत तरीका है।

... (व्यवधान)

**श्री नरेन्द्र मोदी :** माननीय अध्यक्ष जी, एमएसएमईज सहित हर उद्योग को जरूरी सपोर्ट दिया।... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** माननीय सदस्य, आप बैठ जाइए। सदन ऐसे नहीं चलेगा।

... (व्यवधान)

**श्री नरेन्द्र मोदी :** हमने नियमों को, प्रक्रियाओं को सरल किया। 'आत्मनिर्भर भारत' का जो मिशन है, हमने उसको चरितार्थ करने की भरपूर कोशिश की है। ये सारी उपलब्धियां ऐसे हालातों में देश ने हासिल की हैं, जब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक जगत में बहुत बड़ी उथल-पुथल आज भी चल रही है। सप्लाई चेन पूरी तरह चरमरा गई है, लॉजिस्टिक सपोर्ट में अनेक संकट पैदा हुए हैं। दुनिया में सप्लाई चेन की वजह से केमिकल फर्टिलाइजर पर कितना बड़ा संकट आया है और भारत आयात करने पर डिपेन्डेंट है। देश पर कितना बड़ा आर्थिक बोझ आया है। पूरे विश्व में ऐसे हालात पैदा हुए हैं, लेकिन भारत ने किसानों को इस पीड़ा को झेलने के लिए मजबूर नहीं किया। वह सारा बोझ देश ने अपने कंधों पर उठाया और किसानों पर ट्रांसफर नहीं होने दिया है।... (व्यवधान)

**श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर) :** बजट में कटौती हुई है।... (व्यवधान)

**श्री नरेन्द्र मोदी :** भारत ने फर्टिलाइजर की सप्लाई को भी निरंतर जारी रखा है। कोरोना के संकट काल में भारत ने अपनी खेती को, अपने छोटे किसानों को संकट से बाहर निकालने के लिए बड़े फैसले लिए हैं। मैं कभी-कभी सोचता हूँ कि जो लोग जड़ों से कटे हुए लोग हैं, दो-दो, चार-चार पीढ़ियों से महलों में बैठने की आदत हो गई है, देश के छोटे किसानों की क्या समस्याएं हैं, वे समझ ही नहीं पाए हैं। उनके अगल-बगल में जिन किसानों तक उनकी पहुंच थी, वे उससे आगे देख नहीं पाए हैं। मैं ऐसे लोगों से पूछना चाहता हूँ कि छोटे किसानों के प्रति आपको इतनी नफ़रत क्यों है?... (व्यवधान) क्या आप छोटे किसानों के कल्याण के लिए रोड़े अटकाते रहते हैं?... (व्यवधान) आप छोटे किसानों को इस संकट में डालते हैं।... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, अगर गरीबी से मुक्ति चाहिए, तो हमें हमारे छोटे किसानों को मजबूत बनाना होगा।... (व्यवधान) अगर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना है, तो हमारे छोटे किसानों को मजबूत बनाना होगा। अगर हमारा छोटा किसान मजबूत होता है, छोटी-सी ज़मीन होगी, अगर दो हेक्टेयर की भूमि होगी, तो भी वह उसको आधुनिक करने का प्रयास करेगा, कुछ नया सीखने का प्रयास करेगा और उसकी ताकत आएगी, तो देश की अर्थरचना को भी ताकत मिलेगी। इसलिए आधुनिकता के लिए छोटे किसानों की तरफ ध्यान देने का हमारा प्रयास है, लेकिन जिन लोगों के मन में छोटे किसानों के प्रति नफ़रत है, जिन्होंने छोटे किसानों का दुःख-दर्द नहीं जाना है, उनको किसानों के नाम पर अपनी राजनीति करने का कोई हक नहीं बनता है।



माननीय अध्यक्ष जी, इस बात को हमें समझना होगा कि सैकड़ों वर्षों का गुलामी कालखंड है, उसकी जो मानसिकता है, कुछ लोग आज़ादी के 75 सालों के बाद भी बदल नहीं पाए हैं। ये गुलामी की मानसिकता किसी भी राष्ट्र की प्रगति के लिए बहुत बड़ा संकट होती है। लेकिन आज मैं देश का एक चित्र देखता हूं, एक ऐसा समुदाय, एक ऐसा वर्ग है, वह आज भी गुलामी की मानसिकता में जीता है। आज भी 19वीं सदी के काम और उस सोच में वह जकड़ा हुआ है। 20वीं सदी के जो कानून हैं, वे ही कानून उसको कानून लगते हैं। गुलामी की मानसिकता, 19वीं सदी का रहन-सहन, 20वीं सदी के कानून, 21वीं सदी की आकांक्षाएं पूरी नहीं कर सकते हैं। 21वीं सदी के अनुकूल बदलाव बहुत जरूरी हैं।

(1810/YSH/UB)

माननीय अध्यक्ष जी, हमने जिस बदलाव को अस्वीकार किया, उसका परिणाम क्या आया? फ्रेट कॉरिडोर, इतने मनोमंथन के बाद, कई वर्षों के बाद यह योजना बनी। इसकी वर्ष 2006 में प्लानिंग हुई। आप उसका वर्ष 2006 से लेकर वर्ष 2014 तक का हाल देखिए। वर्ष 2014 के बाद से उसमें तेजी आई। यूपी में 'सरयू नहर परियोजना' 70 के दशक में शुरू हुई और उसकी लागत 100 गुना बढ़ गई। हमारे आने के बाद हमने उस काम को पूरा किया। यह कैसी सोच है, क्या तरीके हैं? यूपी की 'अर्जुन डैम परियोजना' वर्ष 2009 में शुरू हुई थी। उसमें वर्ष 2017 तक एक तिहाई खर्चा हुआ था।

हमने इतने कम समय में उस परियोजना को पूर्ण कर दिया। कांग्रेस के पास इतने सालों तक सत्ता थी तो वे चारधाम को ऑल वेदर सड़कों में परिवर्तित कर सकते थे, जोड़ सकते थे, लेकिन उन्होंने नहीं किया। वाटरवेज, पूरी दुनिया वाटरवेज को समझती है, लेकिन हमारा ही देश था कि हमने वाटरवेज को नकार दिया। आज हमारी सरकार वाटरवेज पर काम कर रही है। पुरानी अप्रोच से गोरखपुर का कारखाना बंद होता था, लेकिन हमारी अप्रोच से गोरखपुर का फर्टिलाइजर का कारखाना शुरू होता है... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, ये लोग ऐसे हैं, जो जमीन से कटे हुए हैं, उसके कारण उनके लिए फाइल की मूवमेंट, फाइल में सिग्नेचर करके कौन अगला मुलाकाती आएगा, उसी के इंतजार में ये रहते हैं। आपके लिए फाइल सब कुछ है। हमारे लिए 130 करोड़ देशवासियों की लाइफ महत्वपूर्ण है। आप फाइल में खोए रहे, हम लाइफ बदलने के लिए जी जान से जुटे रहे... (व्यवधान) आज उसी का परिणाम है – प्रधान मंत्री गति शक्ति मास्टर प्लान। यह एक हॉलिस्टिक एप्रोच है, टुकड़ों में नहीं है कि आधा काम वहां हो रहा है, रोड बन रही है, फिर बिजली वाला आकर खुदाई करता है। वह चीज ठीक होती है, फिर पानी वाला आकर खुदाई करता है। इन सारी समस्याओं से बाहर आकर हम डिस्ट्रिक्ट लेवल तक गति शक्ति मास्टर प्लान की दिशा में काम कर रहे हैं। उसी प्रकार से हमारे देश की विशेषता को देखते हुए हम 'मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट' सिस्टम पर बड़ा जोर दे रहे हैं और कनेक्टिविटी के आधार पर हम इस पर जोर दे रहे हैं।

माननीय अध्यक्ष जी, आजादी के बाद सबसे तेज गति से ग्रामीण सड़कें बन रही हैं तो इन पांच सालों के कालखंड में बन रही हैं। नेशनल हाईवेज बन रहे हैं। रेलवे लाइनों का बिजलीकरण हो रहा है। आज देश नए एयरपोर्ट्स, हैलीपोर्ट्स और वाटरड्रॉम का नेटवर्क खड़ा कर रहा है। देश के 6 लाख से अधिक गांवों में ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क के लिए काम चल रहा है।

माननीय अध्यक्ष जी, ये सारे काम ऐसे हैं, जो रोजगार देते हैं। ज्यादा से ज्यादा रोजगार इन्हीं कामों से मिलता है। आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर आज देश की आवश्यकता है और अभूतपूर्व निवेश भी हो रहा है और उसी से रोजगार भी बढ़ना है, विकास भी बढ़ना है, विकास की गति भी बढ़नी है और इसीलिए आज देश उस दिशा में काम कर रहा है।

माननीय अध्यक्ष जी, अर्थव्यवस्था जितनी ज्यादा ग्रीन करेगी, उतने ही रोजगार के अवसर पैदा होंगे और इसी लक्ष्य को लेकर पिछले सात सालों से हमने इन चीजों पर फोकस किया है और उसका परिणाम है, हमारा 'आत्मनिर्भर भारत अभियान'। मैन्युफैक्चरिंग हो या सभी सेक्टर्स हों, हर सेक्टर में हमारा उत्पादन बढ़ रहा है। 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' की वजह से आज हम ग्लोबल वैल्यू चेन के हिस्से बन रहे हैं। यह अपने आप में भारत के लिए एक अच्छी निशानी है। हमारा बड़ा फोकस एमएसएमई और टेक्सटाइल्स जैसे लेबर इंसेंटिव सेक्टरों में है... (व्यवधान) एमएसएमई की परिभाषा में हमने सुधार करके उसको भी नए अवसर दिए हैं।

(1815/RPS/KMR)

अपने छोटे उद्योगों को सुरक्षित करने के लिए, एमएसएमईज के लिए सरकार ने इस कोरोना के विकट कालखण्ड में 3 लाख करोड़ रुपये की विशेष योजना भी शुरू की है और उसका लाभ हमारे एमएसएमई सेक्टर को मिला है। इसकी एक बहुत बढ़िया स्टडी एसबीआई ने की है। एसबीआई की स्टडी कहती है कि साढ़े तेरह लाख एमएसएमईज इस योजना के कारण बर्बाद होने से बच गए। एसबीआई की स्टडी कहती है कि डेढ़ करोड़ नौकरियां बची हैं और करीब 14 प्रतिशत एमएसएमईज के लोन्स के कारण एनपीए होने की जो संभावना थी, वे उससे बच गए।

माननीय अध्यक्ष जी, जो सदस्य जमीन पर जाते हैं, वे इसके प्रभाव को देख सकते हैं। विपक्ष के भी कई साथी मुझे मिलते हैं, कहते हैं कि इस योजना ने बहुत बड़ा लाभ दिया है और एमएसएमई सेक्टर को इस संकट की घड़ी में बहुत बड़ा सहारा दिया है।

माननीय अध्यक्ष जी, उसी प्रकार से मुद्रा योजना इतनी सफल रही है, हमारी कितनी माताएं-बहनें इस क्षेत्र में आई हैं और लाखों लोग बिना गारन्टी, बैंक से लोन लेकर, अपने स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़े हैं। वे खुद तो करते ही हैं, एक-दो अन्य लोगों को रोजगार भी देते हैं।

स्वनिधि योजना, स्ट्रीट वेंडर्स – कभी हमने सोचा नहीं था। आजादी के बाद पहली बार स्ट्रीट वेंडर्स को बैंक के अंदर से लोन मिल रहा है, हमारा स्ट्रीट वेंडर डिजिटल ट्रांसजैक्शन कर रहा है और करोड़ों श्रमिकों को लाभ मिल रहा है। हमने गरीब श्रमिकों के लिए 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए हैं। आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना के तहत हजारों लाभार्थियों के खाते में हमने सीधे पैसे ट्रांसफर किए।

माननीय अध्यक्ष जी, इंडस्ट्री को गति देने के लिए बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर की बहुत जरूरत होती है। पीएम गतिशक्ति मास्टर प्लान हमारी लॉजिस्टिक्स कॉस्ट को बहुत कम करेगा और उसके कारण देश में भी माल सस्ते में पहुंच पाएगा और एक्सपोर्ट करने वाले लोग भी दुनिया के साथ कम्पिटिशन कर पाएंगे। पीएम गतिशक्ति प्लान इसलिए आने वाले दिनों में बहुत लाभकारक होने वाला है।

माननीय अध्यक्ष जी, सरकार ने एक और बड़ा काम किया है। नए क्षेत्रों को एंटरप्रिन्योर्स के लिए हमने ओपन कर दिया है। आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत स्पेस, डिफेंस, ड्रॉन्स और माइनिंग में प्राइवेट सेक्टर को आज हमने देश के विकास में भागीदार बनने के लिए हमने निमन्त्रित किया है। देश में एंटरप्रिन्योर्स के लिए बेहतर माहौल बनाने के लिए सिम्पल टैक्स सिस्टम की शुरुआत की गई है। हजारों कम्प्लायेंसेज हैं, हमारे देश में आदत ऐसी है कि हर डिपार्टमेंट कहता है कि यह कागज लाओ, वह कागज लाओ। ऐसी सारी करीब 25 हजार कम्प्लायेंसेज हमने खत्म की हैं। आज मैं राज्यों से भी आग्रह करूंगा कि वे भी ढूढ़-ढूढ़कर ऐसे कम्प्लायेंसेज को खत्म करें, देश के नागरिकों को परेशानी हो रही है, उसको समझें हम लोग। आज देश में इस प्रकार के बैरियर्स हटाए जा रहे हैं। डोमेस्टिक इंडस्ट्री को लेवल प्ले फील्ड देने के लिए, हम एक के बाद एक कदम उठाते जा रहे हैं।

माननीय अध्यक्ष जी, आज देश उस पुरानी अवधारणा से बाहर निकल रहा है। हमारे देश में यह सोच बन गई है कि सरकार ही भाग्य-विधाता है, तुम्हें सरकार पर ही निर्भर रहना पड़ेगा, तुम्हारी आशा-अपेक्षाएं कोई पूरी नहीं कर सकता है, सरकार ही करेगी। सब कुछ सरकार देगी। हम लोगों ने इतना इगो पालकर रखा था और उसके कारण देश के सामर्थ्य को भी चोट पहुंची है। इसलिए सामान्य युवाओं के सपने, युवा कौशल, उसके रास्ते हमने नए सिरे से सोचना शुरू किया। सब कुछ सरकार करती है, ऐसा नहीं है। देशवासियों की ताकत अनेक गुना ज्यादा होती है। वे अगर सामर्थ्य के साथ, संकल्प के साथ जुड़ जाते हैं तो परिणाम मिलता है। आप देखिए, वर्ष 2014 के पहले हमारे देश में सिर्फ 500 स्टार्ट-अप्स थे। जब देश के नौजवानों को अवसर दिया जाता है, तब क्या परिणाम आता है –जहां वर्ष 2014 के पहले 500 स्टार्ट-अप्स थे, अब इन सात वर्षों में 7,000 स्टार्ट-अप्स इस देश में काम कर रहे हैं।

(1820/SPS/RCP)

यह मेरे देश के युवाओं की ताकत है। उसमें यूनिर्कोर्न बन रहे हैं और एक-एक यूनिर्कोर्न, यानी उसकी हजारों करोड़ की वैल्यू तय हो जाती है। बहुत ही कम समय में भारत के यूनिर्कोर्न संचुरी बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। यह बहुत बड़ा अचीवमेंट है। पहले हजारों करोड़ रुपये की कंपनी बनने में दशकों लग जाते थे। आज हमारे नौजवानों की ताकत है और सरकार की नीतियों के कारण साल-दो साल के अंदर हजारों करोड़ के कारोबार को उनके आस-पास वह देख पा रहे हैं। ...

(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, आज हम स्टार्ट-अप यूनिर्कोर्न्स के मामले में दुनिया में टॉप थ्री में पहुंच गए हैं। कौन हिन्दुस्तानी होगा, जिसको गर्व नहीं होगा? लेकिन ऐसे समय इस सरकार का अंतर्विरोध करने की जिनको आदत लग गई है, वे सुबह-सुबह शुरू हो जाते हैं। मैंने यहां देखा हमारे अधीर रंजन जी कह रहे थे कि क्या रखा है कि मोदी, मोदी, मोदी करते रहते हो। यही कह रहे थे ना।

सब लोग मोदी, मोदी बोल रहे हैं, आप क्यों बोल रहे हैं? ... (व्यवधान) आप लोग सुबह होते ही शुरू हो जाते हैं। आप लोग एक पल भी मोदी के बिना नहीं बिता सकते हैं। अरे मोदी तो आपकी प्राणशक्ति है।

**श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर) :** मोदी जी प्रधान मंत्री हैं, इसलिए मोदी जी का नाम तो लेना ही पड़ेगा, क्या करें? ... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** आपके एक माननीय सदस्य बोल रहे हैं ना

... (व्यवधान)

**श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर) :** यह हमारी तहजीब है।

**माननीय अध्यक्ष :** आप बैठिए।

**श्री नरेन्द्र मोदी :** कुछ लोगों को देश के नौजवानों को, देश के एंटरप्रेन्योर्स को, देश के वेल्थ क्रिएटर्स को डराने में आनंद आता है, उनको भयभीत करने में आनंद आता है, उनको गुमराह करने में आनंद आता है। देश का नौजवान उनकी बातें सुन नहीं रहा है, इसके कारण देश आगे बढ़ रहा है। आज जो यूनिवर्सिटी है, उसमें से कुछ मल्टीनेशनल कंपनियां बनने का सामर्थ्य रखते हैं।

लेकिन कांग्रेस में ऐसे लोग बैठे हैं, जो कहते हैं, जो हमारे उद्यमी हैं, उनके लिए कहते हैं और आपको भी जानकर आश्चर्य होगा कि वे कहते हैं कि ये उद्यमी लोग कोरोना वायरस का वैरिएंट हैं। बताइए, क्या हो गया है? क्या हमारे देश के उद्यमी कोरोना वायरस के वैरिएंट हैं? हम क्या बोल रहे हैं, किसके लिए बोल रहे हैं? कोई आपके अंदर बैठे तो जरा बोलो तो सही यह क्या हो रहा है? पार्टी का नुकसान हो रहा है, कांग्रेस पार्टी का नुकसान हो रहा है। ... (व्यवधान)

**श्री गौरव गोगोई (कलियाबोर) :** डबल ए वैरिएंट बोला था।

**श्री नरेन्द्र मोदी :** माननीय अध्यक्ष जी, जो लोग इतिहास से सबक नहीं लेते हैं, वे इतिहास में खो जाते हैं। ... (व्यवधान) यह मैं इसलिए कह रहा हूँ कि जो 60 से 80 का दशक है, उनके सभी प्रमुख लोग उसमें आ जाते हैं, जो देश का नेतृत्व करते थे। मैं उस कालखण्ड की बात कर रहा हूँ। उस 60 से 80 के दशक में क्या नेरेटिव होता था कि कांग्रेस के ही सत्ता साथी, कांग्रेस के साथ रहकर सुख भोगने वाले लोग, वही लोग, पंडित नेहरू जी की सरकार को और श्रीमती इन्दिरा गान्धी जी की सरकार को क्या कहते थे कि यह तो टाटा-बिड़ला की सरकार है, इस सरकार को टाटा-बिड़ला चला रहे हैं।

(1825/RAJ/RK)

60 से 80 के दशक तक यही बातें बोली जाती थीं, नेहरू जी के लिए बोली जाती थीं, इंदिरा जी के लिए बोली जाती थीं और आपने उनके साथ सत्ता में भागीदारी की है, लेकिन उनकी आदतें भी ले लीं। आप भी उसी भाषा में बोल रहे हैं। मैं देख रहा हूँ कि आप इतने नीचे गए हैं, इतने नीचे गए हैं, हां! मुझे लगता है कि आज पंचिंग बैग बदल गया है, लेकिन आपकी आदत नहीं बदली है। मुझे विश्वास है, यही लोग सदन में कहने की हिम्मत करते थे, बाहर तो बोलते ही थे, जहां मौका मिले, चुप नहीं रहते थे। वे कहते हैं कि मेक इन इंडिया हो ही नहीं सकता है, बताओ, इसमें आनंद आ रहा है। क्या कोई ऐसा हिन्दुस्तान के लिए सोच सकता है कि मेक इन इंडिया हो ही नहीं सकता है।

अरे भई! आपको तकलीफ होगी, तो हम आ कर करेंगे, ठीक है, ऐसा बोलो, लेकिन देश को क्यों गाली देते हो, देश के खिलाफ क्यों बोलते हो? मेक इन इंडिया हो नहीं सकता। मेक इन इंडिया का मजाक उड़ाया गया और आज देश की युवा शक्ति ने, देश के एन्टरप्रिन्योर्स ने करके दिखाया है और आप मजाक के विषय बन गए हैं...(व्यवधान)

**श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर):** आप दो करोड़ नौकरी की बात करिए...(व्यवधान)

**श्री नरेन्द्र मोदी :** मेक इन इंडिया की सफलता, आप लोगों को कितना दर्द दे रही है, मैं यह भली-भाँति समझ पा रहा हूँ...(व्यवधान)

**श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर):** आपने दो करोड़ नौकरी का वादा किया था...(व्यवधान)

**श्री नरेन्द्र मोदी :** माननीय अध्यक्ष जी, मेक इन इंडिया से, कुछ लोगों को इस बात से तकलीफ है, क्योंकि मेक इन इंडिया का मतलब है – कमीशन के रास्ते बंद, मेक इन इंडिया का मतलब है – भ्रष्टाचार के रास्ते बंद, मेक इन इंडिया का मतलब है – तिजोरी भरने के रास्ते बंद, इसलिए मेक इन इंडिया का ही विरोध करो...(व्यवधान)

**श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर):** नीरव मोदी का इंडिया होगा...(व्यवधान)

**श्री नरेन्द्र मोदी :** भारत के सामर्थ्य को नजरअंदाज करने का पाप, देश के लघु उद्यमियों के सामर्थ्य का अपमान, देश के युवाओं का अपमान, देश की इनोवेटिव क्षमता का अपमान, देश में इस प्रकार का नकारात्मकता, निराशा का वातावरण, खुद निराश हैं, खुद सफल नहीं हो पा रहे हैं, इसलिए देश को असफल करने के लिए जो खेल चल रहे हैं, उनके खिलाफ देश का नौजवान बहुत जाग चुका है, जागृत हो चुका है।

माननीय अध्यक्ष जी, पहले जो सरकार चलाते थे, जिन्होंने 50 सालों तक देश की सरकारें चलाईं, मेक इन इंडिया को लेकर उनका क्या रवैया था, हम सिर्फ डिफेंस सेक्टर को देखें, तो सारी बातें समझ में आती थीं कि वे क्या करते थे, कैसे करते थे, क्यों करते थे और किसके लिए करते थे? पहले सालों में क्या होता था, नए इक्विमेंट्स खरीदने के लिए सालों तक प्रोसेस चलती थी और जब फाइनल निर्णय होता था, तब वह चीज पुरानी हो जाती थी। अब आप बताइए कि देश का क्या भला हुआ? वे आउट ऑफ डेटेड हो जाती थीं और हम पैसे देते थे। हम ने इन सारी प्रॉसेसज को सिम्पलिफाई किया। सालों से डिफेंस सेक्टर के जो इश्यूज पेंडिंग थे, हम ने उनको निपटाने का प्रयास किया। पहले किसी भी आधुनिक प्लेटफॉर्म या इक्विपमेंट के लिए हमें दूसरे देशों की तरफ देखना पड़ता था। जरूरत के समय आपाधापी में आयुध खरीदा जाता था, यह लाओ, वह लाओ, भाई! कौन पूछता है, हो जाए। यहां तक की स्पेयर पार्ट्स के लिए भी हम अन्य देशों पर निर्भर रहे हैं। हम दूसरों पर निर्भर हो कर इस देश की सुरक्षा निश्चित नहीं कर सकते हैं। हमारे पास यूनिट व्यवस्था होनी चाहिए, हमारी अपनी व्यवस्था होनी चाहिए। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होना, यह राष्ट्र सेवा का भी एक बहुत बड़ा काम है और मैं देश के नौजवानों को भी आह्वान करता हूँ कि आप अपने करियर में इस क्षेत्र को चुनिए, हम ताकत के साथ खड़े होंगे।

(1830/VB/PS)

माननीय अध्यक्ष जी, ज्यादा-से-ज्यादा रक्षा उपकरण भारत में ही बनाएंगे, भारतीय कम्पनियों से ही खरीदेंगे, इसका प्रावधान भी इस बजट में किया गया है। बाहर से रक्षा उपकरण लाने के रास्ते बंद करने की दिशा में हमने कदम बढ़ाए हैं। हमारी सेनाओं की जरूरत पूरी होने के अलावा हम एक बड़े डिफेंस एक्सपोर्टर बनने का सपना लेकर चल रहे हैं। मुझे विश्वास है कि यह संकल्प भी पूरा होगा। मैं जानता हूँ कि रक्षा सौदों में बड़ी-बड़ी ताकतें पहले अच्छे-अच्छों को खरीद लेती थीं। ऐसी ताकतों को मोदी ने चुनौती दी है, इसलिए मोदी पर उनका नाराज होना ही नहीं, बल्कि उनका गुस्सा होना भी स्वाभाविक है। उनका गुस्सा प्रकट भी होता रहता है।

विपक्ष के हमारे कुछ साथियों ने यहाँ पर महँगाई का मुद्दा भी उठाया। अच्छा लगता, देश का भी भला होता, अगर आपकी यह चिन्ता तब भी होती, जब कांग्रेस के नेतृत्व में यूपीए की सरकार थी। यह दर्द उस समय भी होना चाहिए था। शायद आप भूल गए हैं। मैं ज़रा आपको याद दिलाना चाहता हूँ। कांग्रेस सरकार के आखिरी पाँच सालों में लगभग पूरे कार्यकाल में देश को डबल डिजिट महँगाई की मार झेलनी पड़ी थी।

हमारे आने से पहले यह स्थिति थी। कांग्रेस की ऐसी नीतियाँ थीं कि सरकार खुद मानने लगी थी कि महँगाई उसके नियंत्रण से बाहर है। वर्ष 2011 में तत्कालीन वित्त मंत्री जी ने लोगों से बेशर्मी के साथ कह दिया था कि महँगाई कम करने के लिए किसी अलादीन के जादू की उम्मीद न करें। यह आपके नेताओं की असंवेदनशीलता है।... (व्यवधान)

चिदम्बरम जी इन दिनों इकोनॉमी पर अखबारों में लेख लिखते हैं। वे जब सरकार में थे, तब क्या कहते थे, आपके उस समय के नेता क्या कहते थे? वर्ष 2012 में उन्होंने कहा था कि “लोगों को 15 रुपए की पानी की बोतल और 20 रुपए की आइसक्रीम खरीदने में तकलीफ नहीं होती है, लेकिन गेहूँ-चावल पर एक रुपया बढ़ जाए, तो बर्दाश्त नहीं होता।” ये आपके नेताओं के बयान हैं यानी महँगाई के प्रति कितना असंवेदनशील रवैया था। यह चिन्ता का कारण है।

महँगाई देश के सामान्य मानवी से सीधा जुड़ा हुआ मुद्दा है। हमारी सरकार ने, एनडीए सरकार ने पहले दिन से ही सतर्क और संवेदनशील रहकर इस मसले को बारीकी से हैंडल करने का प्रयास किया। इसलिए हमारी सरकार ने महँगाई नियंत्रण को अपनी वित्तीय पॉलिसी का प्राथमिक लक्ष्य बनाया है।

माननीय अध्यक्ष जी, सौ साल में आई इतनी बड़ी महामारी के इस कालखंड में भी हमने प्रयास किया कि महँगाई और जरूरी चीजों की कीमत आसमान न छुए।... (व्यवधान) सामान्य मानवी के लिए... (व्यवधान) दादा आपके काम की बात है, आप मजा लो ना आपके काम आएगा। मैं थोड़ा आगे बोलूँगा, तो आपके काम आएगा।... (व्यवधान)

(1835/PC/SMN)

माननीय अध्यक्ष जी, महंगाई और जरूरी चीजों की कीमत आसमान न छुए, सामान्य मानवी के लिए, खासकर गरीब के लिए, महंगाई बर्दाशत की सीमा से बाहर न हो। ... (व्यवधान) महंगाई को नियंत्रण में रखने के लिए हमने क्या किया, यह आंकड़े खुद बता रहे हैं। ... (व्यवधान) कांग्रेस के समय जहां महंगाई दर डबल डिजिट में थी, दस प्रतिशत से ज्यादा थी, वहीं वर्ष 2014 से वर्ष 2020 तक महंगाई पांच प्रतिशत से कम रही है। ... (व्यवधान) कोरोना के बावजूद ... (व्यवधान) मैं आपको बोलने देना चाहता हूं, क्योंकि आगे आपको मजा आने वाला है। ... (व्यवधान) आप ज़रा इंतज़ार करो, मैं आ रहा हूं। ... (व्यवधान)

कोरोना के बावजूद इस साल महंगाई 5.2 प्रतिशत रही है और उसमें भी फूड इन्फ्लेशन तीन प्रतिशत से कम रहा है। ... (व्यवधान) आप अपने समय में वैश्विक परिस्थितियों की दुहाई देकर पल्ला झाड़ लेते थे। ... (व्यवधान) वैसे महंगाई पर कांग्रेस के राज में पंडित नेहरू जी ने लाल किले से क्या कहा, वह ज़रा आपको मैं बताना चाहता हूं। ... (व्यवधान) पंडित नेहरू जी, देश के पहले प्रधान मंत्री, लाल किले से बोल रहे हैं। ... (व्यवधान) देखिए, आपकी इच्छा रहती है कि मैं पंडित जी का नाम नहीं बोलता हूं, आज मैं बार-बार बोलने वाला हूं। ... (व्यवधान) आज तो नेहरू जी ही नेहरू जी। ... (व्यवधान) आज मजा लीजिए, आपके नेता कहेंगे मजा आ गया। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, पंडित नेहरू जी ने लाल किले से कहा था। ... (व्यवधान) यह उस जमाने में कहा गया था, जब ग्लोबलाइज़ेशन इतना नहीं था, नाम मात्र का भी नहीं था। ... (व्यवधान) उस समय नेहरू जी लाल किले से देश का संबोधन करते हुए क्या कह रहे हैं? कभी-कभी कोरिया में लड़ाई भी हमें प्रभावित करती है। इसके चलते वस्तुओं की कीमतें बढ़ जाती हैं। इति, नेहरू जी। ... (व्यवधान) भारत के पहले प्रधान मंत्री। ... (व्यवधान) कभी-कभी कोरिया में लड़ाई भी हमें प्रभावित करती है। ... (व्यवधान) इसके चलते वस्तुओं की कीमतें बढ़ जाती हैं और हमारे नियंत्रण से भी बाहर हो जाती हैं। ... (व्यवधान) देश के सामने देश का पहला प्रधान मंत्री हाथ ऊपर कर देता है। ... (व्यवधान) आगे क्या कहते हैं। ... (व्यवधान) देखो जी, आपके काम की बात है। ... (व्यवधान) पंडित नेहरू जी आगे कहते हैं, अगर अमेरिका में भी कुछ हो जाता है, तो इसका असर भी वस्तुओं की कीमतों पर पड़ता है। ... (व्यवधान) सोचिए, तब महंगाई की समस्या कितनी गंभीर थी कि नेहरू जी को लाल किले से देश के सामने हाथ ऊपर करने पड़े थे। ... (व्यवधान) नेहरू जी ने यह तब कहा था। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, अगर कांग्रेस सरकार आज सत्ता में होती। ... (व्यवधान) खैर, देश का नसीब है। ... (व्यवधान) देश बच गया, लेकिन आज अगर आप होते, तो महंगाई को कोरोना के खाते में जमाकर के, झाड़ करके आप लोग निकल जाते। ... (व्यवधान)

(1840/IND/SNB)

लेकिन हम बड़ी संवेदनशीलता के साथ इस समस्या को महत्वपूर्ण समझते हुए उसका समाधान करने के लिए पूरी ताकत से काम कर रहे हैं। आज दुनिया में अमेरिका और ओईसीडी जैसे देशों में महंगाई करीब-करीब सात प्रतिशत है। हम किसी पर ठीकरा फोड़कर भाग जाने वालों में से नहीं हैं, हम ईमानदारी से प्रयास करने वाले लोग हैं, जिम्मेदारी के साथ देशवासियों के साथ खड़े रहने वाले लोग हैं।

माननीय अध्यक्ष जी, इस सदन में भी गरीबी कम करने के बड़े-बड़े आंकड़े दिए गए, लेकिन एक बात भूल गए। इस देश का गरीब इतना विश्वासघाती नहीं है कि कोई सरकार उसकी भलाई के लिए काम करे और वे उस सरकार को ही सत्ता से बाहर करने का काम करें। ऐसा करना देश के गरीब के स्वभाव में नहीं है। आपकी यह दुर्दशा इसलिए हुई क्योंकि आपने मान लिया था कि नारे देकर गरीबों को अपने चंगुल में फंसाए रखोगे, लेकिन गरीब जाग गया, गरीब आपको जान गया। इस देश का गरीब इतना जागृत है कि आपको 44 सीटों पर समेट दिया, आपको 44 सीट पर लाकर रोक दिया। कांग्रेस वर्ष 1971 से 'गरीबी हटाओ' के नारे पर चुनाव जीतती रही थी। 40 साल बाद गरीबी तो हटी नहीं, लेकिन कांग्रेस सरकार ने नई परिभाषा दे दी... (व्यवधान) माननीय अध्यक्ष जी, देश के नौजवानों को इन बातों का जानना बहुत जरूरी है और आप यह भी देखिए कि ये डिस्टर्ब तभी करते हैं, जब इन्हें अंदाजा हो जाता है कि चोट बड़ी गहरी होने वाली है... (व्यवधान) इन्हें मालूम है कि आज मुसीबत में फंसे हैं और कुछ लोग बोलकर भाग जाते हैं और झेलना ऐसे बेचारों को पड़ता है।

माननीय अध्यक्ष जी, 40 साल बाद गरीबी तो नहीं हटी, लेकिन गरीबों ने कांग्रेस को हटा दिया और कांग्रेस ने क्या किया? ... (व्यवधान) कांग्रेस ने गरीबी की परिभाषा बदल दी। वर्ष 2013 में एक ही झटके में उन्होंने कागज पर कमाल करके 17 करोड़ गरीब लोगों को अमीर बना दिया। यह कैसे हुआ, इसकी सच्चाई देश के युवाओं को पता होनी चाहिए। मैं आपको उदाहरण देता हूँ। आपको मालूम है कि हमारे देश में पहले रेलवे में फर्स्ट क्लास, सैकेंड क्लास और थर्ड क्लास होता था। फर्स्ट क्लास में दरवाजे की तरफ एक लाइन होती थी, सैकेंड क्लास में दो लाइन और थर्ड क्लास में तीन लाइन होती थी। इन्हें लगा कि थर्ड क्लास वाला मैसेज ठीक नहीं है, इसलिए इन्होंने एक लाइन निकाल दी। इनके तरीके ऐसे ही हैं और इन्हें लगता है कि गरीबी हट गई और इन्होंने सारे बेसिक नार्म्स बदलकर कह दिया कि ये 17 करोड़ लोग गरीब नहीं गिने जाएंगे। इस प्रकार से ये आंकड़े बदलने का काम करते रहे हैं।

अध्यक्ष जी, यहां कुछ तात्विक मुद्दों को उठाने की कोशिश की गई, मैंने तो समझने की बहुत कोशिश की, शायद कोई समझ पाया हो ऐसा मुझे कोई मिला नहीं है लेकिन जो समझ पाया होगा, तो मैं उससे समझने के लिए तैयार हूँ। ऐसी-ऐसी बातें सुनता हूँ।



(1845/KDS/RU)

माननीय अध्यक्ष जी, सदन में राष्ट्र को लेकर बातें हुईं। ये बातें हैरान करने वाली हैं। मैं अपनी बात रखने से पहले एक बात दोहराना चाहता हूँ और मैं क्वोट कर रहा हूँ – “यह जानकारी बेहद हैरत में डालने वाली है कि बंगाली, मराठे, गुजराती, तमिल, आंध्र, उड़िया, असमी, कन्नड़, मलयाली, सिंधी, पंजाबी, पठान, कश्मीरी, राजपूत और हिंदुस्तानी भाषा-भाषी जनता से बसा हुआ विशाल मध्य भाग कैसे सैकड़ों वर्षों से अपनी अलग पहचान बनाए है। इसके बावजूद इन सब के गुण-दोष कमोबेश एक-से हैं। इसकी जानकारी पुरानी परम्परा और अभिलेखों से मिलती है। साथ ही, इस दौरान वे स्पष्ट रूप से ऐसे भारतीय बने रहे, जिनकी राष्ट्रीय विरासत एक ही थी और उनकी नैतिक और मानसिक विशेषताएं भी समान थीं।” यह एक कोटेशन है।

अध्यक्ष महोदय, हम भारतीयों की इस विशेषता को बताते हुए इस कोटेशन में दो शब्द गौर करने वाले हैं- ‘राष्ट्रीय विरासत’ और यह क्वोट पंडित नेहरू जी का है। नेहरू जी ने यह बात कही थी और अपनी किताब ‘भारत की खोज’ में है। हमारी राष्ट्रीय विरासत एक है, हमारी नैतिक और मानसिक विशेषताएं एक हैं। क्या बिना राष्ट्र के यह संभव है? इस सदन का यह कहकर भी अपमान किया गया कि हमारे संविधान में राष्ट्र शब्द नहीं आता। ... (व्यवधान) संविधान की प्रस्तावना में लिखा राष्ट्र पढ़ने में न आए, यह हो नहीं सकता। कांग्रेस यह अपमान क्यों कर रही है, मैं इस पर विस्तार से अपनी बात रखूंगा। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, राष्ट्र कोई सत्ता या सरकार की व्यवस्था नहीं है। हमारे लिए राष्ट्र एक जीवित आत्मा है। इससे हजारों साल से देशवासी जुड़े हुए हैं और जूझते रहे हैं। हमारे यहां विष्णु पुराण में कहा गया है और यह किसी भाजपा वाले ने नहीं लिखा है। विष्णु पुराण में यह कहा गया है-

‘उत्तरं यत् समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम्।  
वर्षं तद् भारतं नाम भारती यत्र सन्ततिः॥’

यानी, समुद्र के उत्तर में और हिमालय के दक्षिण में जो देश है, उसे भारत कहते हैं तथा उनकी संतानों को भारतीय कहते हैं। विष्णु पुराण का यह श्लोक अगर कांग्रेस के लोगों को स्वीकार्य नहीं है, तो मैं एक और क्वोट इस्तेमाल करूंगा, क्योंकि कुछ चीजों से आपको एलर्जी हो सकती है। मैं क्वोट कह रहा हूँ-

‘एक क्षण आता है, मगर इतिहास में विरल ही आता है। जब हम पुराने से बाहर निकलकर नए युग में कदम रखते हैं, जब एक युग समाप्त हो जाता है, जब एक देश की लंबे समय से दबी हुई आत्मा मुक्त होती है।’

(1850/CS/SM)

ये भी नेहरू जी के ही बोल हैं। आखिर किस नेशन की बात नेहरू जी कर रहे थे जी। ये नेहरू जी कह रहे हैं।

माननीय अध्यक्ष जी, यहाँ तमिल सेंटिमेंट को आग लगाने की भारी कोशिश की गई। राजनीति के लिए कांग्रेस की जो परम्परा अंग्रेजों से विरासत में आई दिखती है।... (व्यवधान)

**श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर):**... (Not recorded) की थी ब्रिटिश के लिए..... (व्यवधान) किसने की थी।... (व्यवधान)

**श्री नरेन्द्र मोदी :** तोड़ो और राज करो।... (व्यवधान) तोड़ो और राज करो, बाँटो और राज करो।... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, तमिल भाषा के महाकवि और स्वतंत्रता सेनानी आदरणीय सुब्रह्मण्य भारती ने जो लिखा था, उसे मैं आज यहाँ दोहराना चाहता हूँ। तमिल भाषी लोग मुझे क्षमा करें, मेरे उच्चारण में कोई गलती हो तो, लेकिन मेरा आदर और मेरी भावना में कोई कमी नहीं है। सुब्रह्मण्य भारती जी ने कहा था:

*Mannum imaya malai engal malaiye  
Pannarum upadina nool engal nooley  
Parmisai edhoru noolidhu poley  
Ponnolir Bharatha nadengal naadey  
Potruvam idhai emakkillai edey*

इसका भावार्थ जो उपलब्ध है, वह इस तरह का है।

सुब्रह्मण्य भारती जी कहते हैं।... (व्यवधान) जो उन्होंने तमिल भाषा में कहा है, उसको मैं अनुवाद, जो भाव मुझे उपलब्ध हुआ है, मैं कह रहा हूँ:

“सम्मानित जो सकल विश्व में, महिमा जिनकी बहुत रही है,  
अमर ग्रन्थ वे सभी हमारे, उपनिषदों का देश यही है।  
गाएँगे यश हम सब इसका यह है स्वर्णिम देश हमारा,  
आगे कौन जगत में हमसे, यह है भारत देश हमारा।”

... (व्यवधान)

**SHRI T. R. BAALU (SRIPERUMBUDUR):** The law was rejected by you. ...

(व्यवधान)

**श्री नरेन्द्र मोदी :** यह सुब्रह्मण्य भारती जी की कविता का भाव है। यह वह संस्तुति है। मैं आज तमिल के सभी नागरिकों को सैल्यूट करना चाहूँगा।... (व्यवधान)

जब हमारे सीडीएस रावत दक्षिण में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में अकस्मात् उनका निधन हुआ और जब उनकी बॉडी तमिलनाडु में हवाई अड्डे पर ले जाने के लिए रास्ते से गुजर रही थी, मेरे तमिल भाई, मेरी तमिल बहनें लाखों की संख्या में घंटों तक रोड पर कतार में खड़ी रहीं थीं।

कोई सूचना नहीं, संदेश नहीं, इंतजार करते हुए खड़ी रही थीं और जब सीडीएस रावत की बॉडी वहाँ से निकल रही थी तब हर तमिलवासी गौरव के साथ हाथ ऊपर कर-करके आँख में आँसू के साथ कहता था वीर वणक्कम, वीर वणक्कम, वीर वणक्कम।

यह मेरा देश है। लेकिन कांग्रेस को हमेशा से इन बातों से नफरत रही है। विभाजनकारी मानसिकता उनके डीएनए में घुस गई है... (व्यवधान)

(1855/KN/KKD)

अंग्रेज चले गए, लेकिन बांटो और राज करो, इस नीति को कांग्रेस ने अपना चरित्र बना लिया है और इसीलिए ही आज कांग्रेस टुकड़े-टुकड़े गैंग की लीडर बन गई है... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** माननीय सदस्य, प्लीज बैठ जाइये। मैंने सभी माननीय सदस्यों को पर्याप्त समय और पर्याप्त अवसर दिया था।

... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** सदन के नेता बोल रहे हैं और यह अमर्यादित आचरण आपका ठीक नहीं है। यह सदन की गरिमा नहीं है।

... (व्यवधान)

**श्री नरेन्द्र मोदी :** माननीय अध्यक्ष जी, जो लोकतंत्र की प्रक्रिया से हमें रोक नहीं पा रहे हैं, वह यहां अनुशासनहीनता करके हमें रोकने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इसमें भी विफलता मिलेगी... (व्यवधान) माननीय अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी की सत्ता में आने की इच्छा खत्म हो चुकी है। लेकिन जब कुछ मिलने वाला नहीं है, तो कम से कम बिगाड़ तो दो। यह फिलोसफी आज निराशावादी है, लेकिन उस मोह में बर्बाद कर कर के छोड़ेंगे, इस मोह में देश में वह बीज बो रहे हैं, जो अलगाव की जड़ों को मजबूत करने वाले हैं... (व्यवधान)

सदन में ऐसी बातें हुईं कि जिसमें देश के कुछ लोगों को उकसाने का भरपूर प्रयास किया गया। अगर पिछले सात साल से कांग्रेस के हर कारनामे, हर गतिविधि को बारीकी से देखेंगे, अगर हर चीज को धागे में बांध कर देखेंगे तो इनका गेम प्लान क्या है, वह बिल्कुल समझ में आता है और मैं आज उसका खुलासा कर रहा हूँ... (व्यवधान)

आपका गेम प्लान कुछ भी हो... (व्यवधान) माननीय अध्यक्ष जी, ऐसे बहुत से लोग आए और चले गए। लाखों कोशिशों की गईं, अपने स्वार्थवश की गईं, लेकिन यह देश अजर-अमर है, इस देश को कुछ नहीं हो सकता। आने वालों को, इस प्रकार की कोशिश करने वालों को हमेशा कुछ न कुछ गंवाना पड़ा है। यह देश एक था, श्रेष्ठ था। यह देश एक है, यह देश श्रेष्ठ है और श्रेष्ठ रहेगा। इसी विश्वास के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। माननीय अध्यक्ष जी... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** माननीय सदस्य, आपने जब बोला, मैंने आपको टोका या किसी ने टोका? यह गलत है।

... (व्यवधान)

**श्री नरेन्द्र मोदी :** माननीय अध्यक्ष जी, यहां कर्तव्यों की बात करने पर भी ऐतराज जताया गया है। उससे भी कुछ लोगों को पीड़ा हुई है कि देश का प्रधान मंत्री कर्तव्य की बात क्यों करता है? कर्तव्य की चर्चा हो रही है। किसी बात को समझ के अभाव से या बद इरादे से, विकृति से गढ़ देना, विवाद खड़ा कर देना, ताकि खुद लाइमलाइट में रहें। मैं हैरान हूँ कि अचानक कांग्रेस को अब कर्तव्य की बात चुभने लगी है... (व्यवधान) अधीर रंजन जी, आप बैठियो बैठियो अरे, आपको जिंदगी में बोलते रहना है, आपका वही काम है... (व्यवधान) आप लोग कहते रहते हैं कि मोदी जी नेहरू जी का नाम नहीं लेते हैं।

(1900/GG/RP)

आज मैं आपकी मुराद बराबर पूरी कर रहा हूँ ... (व्यवधान) देखिए, कर्तव्यों के संबंध में नेहरू जी ने क्या कहा था। ... (व्यवधान) मैं आज ज़रा उनका कोट सुनाता हूँ। ... (व्यवधान) माननीय अध्यक्ष जी, पंडित नेहरू जी, देश के प्रथम प्रधान मंत्री ने क्या कहा था, मैं कोट कर रहा हूँ। ... (व्यवधान) “मैं आपसे फिर कहता हूँ कि आजाद हिंदुस्तान है। आजाद हिंदुस्तान की सालगिरह हम मनाते हैं।” ... (व्यवधान) आ गया समझ? ... (व्यवधान) सीखो, सीखने में काम आएगा, तैयारी करो। ... (व्यवधान) “लेकिन आजादी के साथ जिम्मेदारी होती है।” कर्तव्य को ही दूसरे शब्दों में जिम्मेदारी कहते हैं। इसलिए कोई समझ न हो तो मैं समझा दूँ कि कर्तव्य को ही दूसरे शब्दों में जिम्मेदारी कहते हैं। ... (व्यवधान) अब यह पंडित नेहरू का कोट है – “मैं आपसे फिर कहता हूँ कि आजाद हिंदुस्तान है। आजाद हिंदुस्तान की सालगिरह हम मनाते हैं। लेकिन आजादी के साथ जिम्मेदारी होती है। जिम्मेदारी, कर्तव्य खाली हुकूमत की नहीं, जिम्मेदारी हर एक आजाद शख्स की होती है। अगर आप उस जिम्मेदारी को महसूस नहीं करते, अगर आप समझते नहीं, तब पूरी तौर पर आप आजादी के माने नहीं समझे और आप आजादी को पूरी तौर से बचा नहीं सकते हैं।” यह कर्तव्य के लिए देश के प्रथम प्रधान मंत्री पंडित नेहरू जी ने कहा था। ... (व्यवधान) लेकिन आप उसको भूल गए। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, मैं सदन का ज्यादा समय नहीं लेना चाहता हूँ। ... (व्यवधान) वे भी थक गए हैं। ... (व्यवधान) माननीय अध्यक्ष जी, हमारे यहां कहा गया है कि –

“क्षणशः कणशश्चैव विद्यामर्थं च साधयेत् ।

क्षणं नष्टे कुतो विद्या कणं नष्टे कुतो धनम् ॥”

अर्थात् विद्या व ज्ञान के लिए एक-एक पल महत्वपूर्ण होता है। सम्पत्ति और संसाधनों के लिए एक-एक कण जरूरी होता है। एक-एक क्षण बर्बाद कर के ज्ञान नहीं हासिल नहीं किया जा सकता और एक-एक कण बर्बाद किया गया, छोटे-छोटे संसाधनों का समुचित प्रयोग नहीं किया गया तो संसाधन व्यर्थ हो जाते हैं। ... (व्यवधान)

मैं कांग्रेस और उसके सहयोगियों से कहूंगा कि आप यह मंथन जरूर कीजिए कि कहीं आप इतिहास के इस महत्वपूर्ण अहम क्षण को नष्ट तो नहीं कर रहे हैं। मुझे सुनाने के लिए, मेरी आलोचना करने के लिए, मेरे दल को कोसने के लिए बहुत कुछ है। आप कर सकते हैं और आगे भी करते रहिए। मौकों की कमी नहीं है। लेकिन आजादी के अमृत काल का यह समय, 75 वर्ष का यह समय भारत की विकास यात्रा में सकारात्मक योगदान का समय है।

(1905/RV/NKL)

मैं विपक्ष से और यहां पर बैठे हुए सभी साथियों से और इस सदन के माध्यम से देशवासियों से भी आजादी के इस 'अमृत महोत्सव' के पर्व पर आग्रह करता हूं, निवेदन करता हूं, अपेक्षा करता हूं कि आओ, इस आजादी के 'अमृत महोत्सव' को हम नए संकल्पों के साथ, 'आत्मनिर्भर भारत' बनाने के संकल्प के साथ एकजुट होकर लग जाएं, कोशिश करें। पिछले 75 सालों में जहां-जहां हम कम पड़े हैं, उसे पूरा करें और वर्ष 2047 के शताब्दी वर्ष को मनाने से पहले देश को कैसा बनाना है, उसके संकल्प को लेकर आगे बढ़ें। देश के विकास के लिए मिलकर काम करना पड़ेगा। राजनीति अपनी जगह पर है। हम दलगत भावनाओं से ऊपर उठ करके देश की भावनाओं को लेकर जीएं। चुनाव के मैदान में जो कुछ करना है, करते रहिए, लेकिन हम देश हित में आगे आएँ, इसी एक अपेक्षा को रखता हूँ।

जब आजादी के 100 वर्ष होंगे, ऐसे ही सदन में जो लोग बैठे होंगे, वे जरूर चर्चा करेंगे कि ऐसी मजबूत नींव पर, ऐसी प्रगति पथ पर पहुँची हुई 100 साल की उस यात्रा के बाद देश ऐसे लोगों के हाथों में जाए, ताकि उन्हें आगे ले जाने का मन करे। हम यही सोचें कि जो समय मिला है, उसका हम सदुपयोग करें। हमारे 'स्वर्णिम भारत' के निर्माण में हम कोई कोताही न बरतें, पूरे सामर्थ्य के साथ उस काम में लगे।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं फिर एक बार राष्ट्रपति जी के उद्बोधन पर धन्यवाद प्रस्ताव का अनुमोदन करता हूँ और मैं इस सदन में चर्चा में भाग लेने वाले सभी माननीय सांसदों का फिर से एक बार धन्यवाद करते हुए आपने जो अवसर दिया, रोक-टोक की कोशिशों के बावजूद भी मैंने सभी विषयों को स्पर्श करने का प्रयास किया है... (व्यवधान)

बहुत-बहुत धन्यवाद।

(इति)

**माननीय अध्यक्ष:** माननीय सदस्यगण, धन्यवाद प्रस्ताव पर 13 सदस्यों के प्रस्ताव आए हैं। श्री एन. के. प्रेमचन्द्रन जी, प्रो. सौगत राय, श्री विनायक भाउराव राऊत, श्री बैन्नी बेहनन जी, श्री हिबी इडन जी, एडवोकेट अदूर प्रकाश जी, श्री प्रतापराव जाधव जी, श्री के. सुरेश जी, श्री वी. के. श्रीकंदन, श्री प्रद्युत बोरदोलोई, कुमारी राम्या हरिदास, श्री अधीर रंजन चौधरी, श्री बी. मणिकम टैगोर ने संशोधन प्रस्तुत किए हैं। अब मैं सभी संशोधनों को एक साथ सभा के सामने मतदान के लिए रखूंगा।

संशोधन मतदान के लिए रखे गए तथा अस्वीकृत हुए।

**माननीय अध्यक्ष:** अब मैं राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को मतदान के लिए रखता हूँ।

प्रश्न यह है:

“कि राष्ट्रपति की सेवा में निम्नलिखित शब्दों में एक समावेदन प्रस्तुत किया जाए :-

‘कि इस सत्र में समवेत लोक सभा के सदस्य राष्ट्रपति के उस अभिभाषण के लिए, जो उन्होंने 31 जनवरी, 2022 को एक साथ समवेत संसद की दोनों सभाओं के समक्ष देने की कृपा की है, उनके अत्यंत आभारी हैं।”

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

-----

**माननीय अध्यक्ष :** अब केन्द्रीय बजट पर सामान्य चर्चा होगी और उसके बाद शून्य काल के जो लोग बचे हैं, वे अपनी बात रखेंगे।

## सामान्य बजट – सामान्य चर्चा

1909 बजे

**माननीय अध्यक्ष :** डा. शशि थरूर।

1909 hours

DR. SHASHI THAROOR (THIRUVANANTHAPURAM): Thank you very much, hon. Speaker, for giving me this opportunity to initiate the debate on the Union Budget for 2022-23, which was presented by the hon. Finance Minister last week. ... (*Interruptions*)

Sir, India has gradually moved beyond the horrors of the destructive second wave of COVID-19 pandemic and is coping reasonably well with the present crisis of Omicron. ... (*Interruptions*)

Sir, can you get the House in order so that we can have a meaningful debate? ... (*Interruptions*) Sir, the House is not in order. ... (*Interruptions*)

**माननीय अध्यक्ष:** माननीय सदस्यगण, प्लीज़, बैठिए।

... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष:** शशि थरूर जी, आप एक मिनट बैठिए। हाउस ऑर्डर में लाने दीजिए।

... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष:** माननीय सदस्यगण, प्लीज़, खड़े नहीं रहिए।

... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष:** माननीय सदस्यगण, प्लीज़, बैठिए।

... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष:** सुरेश जी, प्लीज़, बैठिए।

... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष:** डा. शशि थरूर।

(1910/MMN/MY)

DR. SHASHI THAROOR (THIRUVANANTHAPURAM): Thank you, Speaker, Sir. I hope you start the clock again from now for our time. We are very obsessed with the amount of time we get. Thank you for giving me this opportunity once again.

I was saying that while India has moved beyond the horrors of the destructive second wave of the COVID and is coping reasonably well with the current Omicron wave, there can be no doubt that the past year has placed the citizens of our country in unimaginable distress.

The pain that so many of our fellow citizens have suffered, especially during the tragic and widespread loss of life between March and May last year, has etched scars in our public consciousness that can never be erased. Today, we have crossed the unsettling landmark of officially recording over five lakh COVID related deaths - and perhaps, almost 6-7 times our figure unofficially - which is a grim reminder of the far-reaching implications of the pandemic.

1911 hours (Shri A. Raja *in the Chair*)

In that context, the presentation of the Budget annually cannot merely be seen as a purely routine economic exercise or of an endeavour in straightforward accounting involving fiduciary allocations and unassuming numbers. Rather, it is an instrument through which the Government of the day presents a political vision to manage the economy, heal the country, and to set it on a path to recovery.

The Budget serves as a platform through which the people of this nation are informed of the political priorities of their Government, a Government which was sworn in on the Constitutional premise and promise that it will safeguard the interests of all Indians. So, what then were the expectations the people of this country had of this Government's priorities and vision, and what could we have expected the Government to offer the people through the Budget? I would say there were three broad expectations that the nation had. ... (*Interruptions*)

SHRI DAYANIDHI MARAN (CHENNAI CENTRAL): Sir, please ask the Minister to come here. This is the main House. She has to be here. She has to come here.

SHRI KODIKUNNIL SURESH (MAVELIKKARA): She has to come here. She can come here. ... (*Interruptions*) No, she has to be here.

HON. CHAIRPERSON (SHRI A. RAJA): Hon. Members, she is sitting in the other House and listening to the proceedings.

SHRI DAYANIDHI MARAN (CHENNAI CENTRAL): No, this is the main House.

HON. CHAIRPERSON: Please sit down. She is listening.

DR. SHASHI THAROOR (THIRUVANANTHAPURAM): Sir, I will continue. I would say, there were three broad expectations. The first was an expectation that this Government would acknowledge the problems that the nation is facing.



Acknowledge the fact that our nation is today facing unprecedented levels of unemployment which has left countless citizens, especially our young and dynamic working age population with little prospects for a brighter tomorrow. Admit that one-fifth of India's population has plunged a staggering 53 per cent in the last five years, in their income. While the wealth of the richest 100 Indians has soared to Rs.57 lakh crore, 4.7 crore Indians have slipped into extreme poverty, that is, below the poverty line. Acknowledge the fact that the Indian middle-class has been left defenceless in the face of rising inflation, shrinking incomes, and the consequent acceleration of household debt. Recognise the widespread distress and anguish in the agrarian economy, exacerbated by the peremptory manner in which your Government passed the three contentious farm laws, that drove hundreds of our farmers to camp outside the borders of our city in the bitter winter cold, in the harsh summer Sun and in the soaking monsoon rain, in a cause for which over 670 of them gave their lives. And, concede that all these issues have been avoidable misadventures forged by your style of misgovernance – a style of governance that prioritises one-man rule over consultation, a style that demands conformity rather than seeking consensus, and a style that has scant regard for the fundamental conventions or institutions that have traditionally guided our democracy.

We all heard the Prime Minister today telling us of his Government's achievements. Let us ask, of what use are toilets without running water, gas cylinders whose refills you cannot afford, electricity connections whose bills you cannot pay because you do not have a job.

(1915/VR/CP)

हमने प्रधान मंत्री का शेर भी सुना। अली सरदार जाफरी के शब्दों में उनका जवाब है,  
“तुमने फिरदौस के बदन में जहन्नुम देकर  
कह दिया हमसे गुलिस्तां में बहार आ गई है,  
बागवान बनकर उठे और चमन बेच दिया है।”

That is what this Government has done. So, we have been left bitterly disappointed by this Government's unwillingness to offer even a token recognition of the problems they have caused, of the widespread anguish they have inflicted upon the *aam admi*, the unemployed youth, our kisans, who are still facing the existential crisis caused by this Government.

This House has not forgotten the Prime Minister talking about zero budget natural farming but his Government has, I am sorry to say, left a zero in the Budget for farmers. The second expectation, Sir, that the people of this nation had, was for the Government to assure concrete actions and corrective measures to address the multi-pronged calamities that their own Government had caused them; an expectation to address the increasing unemployment crisis and declining labour force participation by devolving targeted measures for job creation and strengthening existing employment guarantee schemes like MGNREGA, an expectation to provide life support for the MSME sector battered first by demonetization and then by lockdowns, to help them through fiscal support and a less exacting regulatory framework; an expectation from the Government to mitigate the crisis, the crisis of the middle class by reducing Income-Tax or at least raising the exemption slab to at least Rs.5 lakh, as this Government had repeatedly promised earlier, and arresting the untrammelled rise in the prices of the basic commodities; an expectation that the Government will have the commitment and vision to design a pathway out of the staggering inequality in our country, and where our kisans are concerned, an expectation to fix the cracks in our MSP and offer them support in terms of the procurement of basic commodities like fertilizers at a time when the price of raw material is skyrocketing. Sadly, this Government's Budget has given the nation exactly the opposite: a significant slashing of the MGNREGA scheme, more tokenism in credit support for the MSME sector, no changes in the personal taxation regime and no relief in terms of addressing rising inflation, no targeted efforts for job creation, barring the inadequate 60 lakh jobs over last five years, a far cry from the two crore jobs a year they had promised earlier in the illusory *achche din*; the reduction of Budgets for social welfare schemes and significant cuts in schemes for crop insurance, MSP and fertilizers, leaving many farmer groups to term this Budget as a 'revenge budget'.

In the words of Kamna Prasad:

“कल की खातिर, आज को बर्बाद करके रख दिया,  
हम तुम्हारी दूरदेशी के कायल हो गए।  
जो थे पस्ती में, उन्हें बस ख्वाब दिखाए गए,  
जो बुलंदी पर थे, उनको और ऊंचा कर दिया।”

That much has happened here, Sir.

Now, while none of these concerns were addressed, the people of this country at least expected from the Government to learn from the grim experiences of recent times, and prioritize allocations accordingly, then the Budget might offer a vision of economic recovery that would guide our nation out of the darkness of distress of the pandemic in the aftermath. But where have we seen this, Sir? This Government has not learnt from the repeated instances of incursions on our sovereign territory by prioritizing, by expanding the Defence Budget and providing fiduciary support for our Armed Forces to accelerate urgent modernization requirements. The Government has not learnt from harrowing ordeals during the height of the pandemic to strengthen our medical infrastructure so as to shore up our preparedness in the event of future contagion.

The Government has not learnt to increase allocations to education so as to prepare our young children better to cope with an uncertain future. The Government has not learnt to attempt to solve the problems of today's Indian citizens rather than stretching the mirage of *achche din* 25 years into the future, into some illusory *Amrit Kal* that no one in the Government will be around to be accountable for at all. After all,

“अगली नस्लों को तबाही से बचाने के लिए  
जो भी करना है, इसी नस्ल को करना होगा।”

(1920/SAN/NK)

But they are not interested in doing any of that; they would rather just defer and postpone. We have hollow slogans and insincere promises, the famous *jumlas* and the empty claims of achievement. To paraphrase Ghalib, “हमको मालूम है बजट की हकीकत, लेकिन दिल को बहलाने के लिए निर्मला जी ये ख्याल अच्छा है”।

Anyway, I am sorry to say, Mr. Chairperson, that the announcements of this Budget simply mask a betrayal by the Government of the hopes and aspirations of the people - तमन्ना आसमां की थी जमीन भी न मिली। However, it was good to hear the hon. Finance Minister quoting from the *Mahabharat's Shanti Parv*, talking about the duty of a king to govern the State in accordance with *dharma*. Of course, this Government would do well to remember the equally prescient wisdom also in the same *Shanti Parv* which warns that when the kingdom goes into decline, the life of that king is one of shame.

A more recent poet Dushyant Kumar famously said:

“जिस दौर में मखलूख को मयस्सर नहीं रोटी  
उस दौर के सुल्तान से कोई भूल हुई है”

What, then, is the state of this kingdom and the sultan? Any conversation on the state of this country must necessarily commence with the state of the people who make up the nation. After all, there is no robust economy or GDP growth as abstracts are theoretical concepts unless you are concerned about the welfare of the people who constitute this economy. That understanding of our economy is simply not there in our Finance Minister's Budget. Partly as a result of the pandemic and partly on account of consistent failures in policy-making since 2014, the *aam admi* finds himself in an unprecedented state of distress. The hon. Finance Minister in her address spoke about how her Government constantly strives to provide the necessary ecosystem for the middle-class. I heard the Prime Minister also using this word. This has become a new favourite word – ecosystem – of the Government.

After seeing the contents of the Budget, the Indian middle-class would like to know what is in this ecosystem. Was it the disruptive policy of demonetisation that denied our citizens access to their own money overnight and caused widespread economic havoc and the unconscionable loss of lives? Was that part of the ecosystem for the middle-class? Was this Government's decision to repeatedly increase excise duties on fuel and their lethargy in tackling the drastic increase in the prices of basic commodities from LPG cylinders to pulses to edible oil part of the so-called ecosystem for the middle-class? The price of LPG has gone up in one year in Delhi from Rs. 502 to Rs. 899. Is that the ecosystem they would like to talk about? Or, was it the proposal in this Budget to reduce corporate surcharge from 12 per cent to seven per cent while offering no change in either personal income tax rates or the slabs which are exempt from taxation, at a time of severe economic distress? Is that also part of their grand ecosystem for the middle-class, after promising that they would do so in Mr. Jaitley's first Budget in 2014? One thing that was made abundantly clear, even if the ecosystem is not clear, is that for the middle-class and the poor, who were both mentioned a grand total of two times in the speech - they were betraying the real priorities of this Government – this Budget has served as a definitive and unconscionable let-down.

Mr. Chairperson, let us take the unemployment rate. Just last week, the Centre for Monitoring of Indian Economy published fresh data which pegged the unemployment rate as of January at 6.57 per cent. This is certainly a welcome improvement from 7.9 per cent in the previous month. It still remains higher than the worst unemployment rates in our country in the last 45 years. In December, the nation had 5.3 crore individuals who were unemployed, including 3.5 crores who were actively seeking work and could not find any. It is a strong indictment of this Government's ineptitude that India's unemployment rate in recent months has grown faster than Bangladesh's and Vietnam's.

Sir, it is also no wonder, then, that we are witnessing an unprecedented and worrying decline in incomes and a simultaneous increase in household debt. In the last two years, 84 per cent of households have suffered a loss of income and *per capita* income has fallen from Rs. 1,08,000 in 2019-20 to Rs. 1,07,000 in 2021-22. This has naturally depressed household spending and, of course, saving.

(1925/SNT/SK)

During the UPA era, mass welfare schemes ensured that we were able to pull 27.3 crore - 270 million - Indians out of poverty. Under this Government's watch, 4.7 crore - 47 million - Indians have been pushed back under the poverty line.

For the first time since 1995, the annual income of the poorest 20 per cent of India's households fell by 53 per cent, as I mentioned earlier. And in the same five-year period, that is, the last five years, the richest 20 per cent saw their annual household income grow 39 per cent. So, the poorest 20 per cent are down by 53 per cent, the richest 20 per cent are up by 39 per cent. This is what my senior colleague, Shri Rahul Gandhi was talking about when he spoke of two Indias.

The rapid expansion in income inequality in our country is not just a grave source of concern but, as Shri Rahul Gandhi had pointed out, an issue that really stands to threaten the social fabric that has held our country together since Independence. We have already seen one such instance from the recent railway recruitment drive where 1.25 crore applicants applied for just 35,000 listed jobs.

This grave unemployment crisis, that under this Government's watch threatens to convert our demographic dividend into a demographic disaster, required urgency and a sense of purpose from this Government which is missing in all this talk of *Amrit Kaal*. In fact, the poet, Dushyant Kumar put it quite well:

भूख है तो सब्र कर, रोटी नहीं तो क्या हुआ,  
आजकल दिल्ली में है, जेरे बहस ये मुद्दा।

That is all that is going on in this *behes*. There is no action coming out of this Government. Since we had the Prime Minister quoting from a distinguished former Prime Minister, let me quote a senior Member of this House, who used to be a Chief Minister. He said:

कहां जाएगा मेरा नव जवान,  
कहां जाएगा, यह गरीब मां का बेटा?  
कहां जाएगा, किस देश में रहेगा?

*Kis desh mein rahega*, is a very good question to ask the author of these words who is none other than our hon. Prime Minister himself. We should ask him. According to his Government, the answer for our jobless youth, who are facing not just poverty but an affront to their dignity and their ability to provide for their families today is that they should wait for another 25 years for their *Amrit Kaal*. By their own logic, the Government appears to have adopted a twist to Sant Kabir Das's famous *doha*, which in today's India means:

आज करे सो कल करे, कल करे सो परसों,  
इतनी भी क्या जल्दी है जब अच्छे दिन आने बरसों।

It is a matter of national disgrace that this Government has during a period of record levels of unemployment and distress in the rural economy chose to slash the funds of MGNREGA by nearly 25 per cent or 1/4<sup>th</sup>. Last year in response to the unprecedented clamour for jobs, you were forced to bring in additional funding for the MGNREGA scheme through Supplementary Demands for Grants in December and that took the total allocation to Rs. 98,000 crore. Rather than learn from this experience, which we had warned the Government about – in my own Budget debate speech a year ago, I had warned the Finance Minister this would happen, it happened, and they have still not learnt the lesson – this year, they have again budgeted too little, just Rs. 73,000 crore for MGNREGA. It is an allocation that defies logic and blatantly ignores the on-ground reality in the country.

The Prime Minister kept telling us let us see the on-ground reality, the grassroots reality. That is what the Finance Minister needs to do herself because already out of Rs. 73,000 crore, Rs. 20,000 crore are pending in dues from last year that they have not paid. So, in effect, she has provided a paltry Rs. 50,000 crore for this entire scheme which is such a vital scheme to keep the rural population afloat. Most experts have consistently argued that MGNREGA needs a minimum of Rs. 1.34 lakh crore or up to a maximum of – depending on which experts you consult – Rs. 3.5 lakh crore in order to meet the increasing demand for jobs if you want to keep your promise of a minimum guarantee of 100 days of employment.

As of last year, an estimated 91 lakh households that demanded employment under the scheme were ignored. Forget developing an urban version of MGNREGA to address rising urban poverty, as many experts have advocated, the current allocations will mean that the Government will at best be able to provide 16 to 20 days of work, not 100.

(1930/SRG/MK)

It is even worse than their miserable performance last year which saw that on an average, households received only 52 days of work as opposed to 100. So, this is supposed to be Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Scheme, but neither the word 'employment' nor the word 'guarantee' is apparently of any value to this Government's ecosystem. They have not taken them seriously. They are providing no guarantees and no employment.

The Government may not have much regard for this scheme. The hon. Prime Minister once described it as a 'living monument of the failure of the UPA Government', but let me remind my colleagues this evening that it was that very monument of the UPA Government that served as a ventilator for the rural economy during the pandemic, a monument of the UPA which provided 13.3 crore Indians with jobs during the height of the pandemic after this Government abdicated its responsibility of shielding our citizens from the economic distress that engulfed rural India.

The Prime Minister was criticizing the Congress Party for helping people to go to their homes, but what arrangements have this Government made to feed, to shelter and look after these migrant workers in wherever they work?

There was absolutely no arrangement made and that is why they had to go home, and the Government remained shamefully culpable for what they have done. The truth is, with all of this distress that they did nothing about, indeed, MNREGA is a monument of the UPA for which the Government was forced to increase the budgetary allocations to Rs.1.11 lakh crore during the pandemic because it was the only lifeline for our rural people. And if that today is still seen by this Government as a monumental failure, then we are proud to wear this as a badge of honour. The monument was built by us; the failure is theirs.

This Budget has missed a far more vital issue. In a country where the median age stands at a youthful 28, how will we provide jobs for the millions of our underemployed and unemployed youth? This Budget talks about the creation of 60 lakh jobs over five years. I am sorry to say, respected Chairman, 12 lakh jobs a year, which is what it comes down to, is not a kind of solution in a country where 5.3 crore are currently unemployed and 47.5 lakh job seekers enter the job market each year in Labour Department's own figures. Our Government that tells the nation that there are 47.5 lakh people added to the unemployment list every year is grandly promising in the Budget 12 lakh jobs. This is what we are seeing. I must say that I am reminded again of the words of the immortal Dushyant Kumar:

‘कहाँ तो तय था उजाला हर घर के लिए,  
कहाँ चिराग मयस्सर नहीं शहर के लिए।’

Not even a simple lamp for anybody! That is what this Government has reduced us to.

One concrete measure to boost employment generation would have been to support our ailing MSMEs, which till the commencement of the pandemic actually managed to employ 42 per cent of the people in this country who had any work, and that is despite the savage blow undertaken because of the demonetization. This Budget has done very, very little to recognize and support this extraordinary need.

While we welcome the announcement of the extension of the ECGL Scheme till March, 2023, merely providing credit support is never enough. It falls short of the recommendation by the Parliamentary Standing Committee on Industry which urged the Government to offer a larger economic package with long-term measures to improve cash flow.



Sixty lakh MSMEs went out of business after demonetization. And SIDBI, the Prime Minister seemed to have referred to it though he pronounced it slightly differently, says that 67 per cent of the remaining MSMEs that they surveyed closed last year. So, you may disagree with our and SIDBI's assessment of the MSMEs that your policies have forced to close, but that is a bit rich given your own admission that the Government does not maintain any data on this, so I do not know how they can disagree with us. But the scale of the challenge has yet been reaffirmed by the SIDBI report, the most recent one, which highlighted not just the closures but that more than 50 per cent of MSMEs witnessed a decline of more than 25 per cent in their revenues. So, I do not know what was the PM talking about when he praised himself, patted himself on the back of our MSMEs!

Rather than offering concrete support, this Government has failed to provide basic interventions such as the restoration of the Interest Subvention Scheme or a reduction in GST rates, the 'Good and Simple Tax' which is neither good nor simple. That is the story that we have in the country. It is leaving manufacturers of auto parts with a 28 per cent slab. For the garment industry GST has been hiked from five per cent to 12 per cent. How are you going to get the economy to flourish without any concessions in these?

(1935/AK/SJN)

The MSMEs in these sectors are suffering terribly, and already the rising costs of commodities like fuel -- particularly, with this Government's taxes on petrol and diesel -- has made them even more unviable.

The treatment of MSMEs mirrors the manner in which the agrarian economy, which is the other mainstay of employment in our country, has been short-changed in this Budget. Forget the promise of doubling farmer incomes by 2022-2023. Do you remember that promise, Sir, from the Prime Minister? They have wisely not repeated that promise this year. There was no mention of farm incomes in the Budget at all. Not only has this sector's share in the overall allocations declined from last year, but their announcements have left farmer unions alleging an attitude of revenge from this Government for having been forced to retract the poorly conceived Farm Bills. ... (*Interruptions*)

Sir, I am entitled to a few more minutes. I lost a bit at the beginning because of disturbance by people. I just want to say that the Government has only marginally increased the total allocation for agriculture by a miserly 4.4 per cent while slashing funding for key schemes like the Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana, which is down by 3.1 per cent, significant reductions in key subsidies including for fertilisers, which is down by 25 per cent, and of course for petroleum, which is down by 11 per cent.

So, they can talk about increased procurement under MSP, but this is only restricted to wheat and paddy, and as farmer unions have pointed out that the number of beneficiaries of the MSP regime has fallen by 17 per cent and the quantity procured has fallen by seven per cent in the last year. We are seeing a real crisis in the farm sector with all the other cuts.

It is ironic when the Prime Minister keeps reminding us of how much strength of India lies in the villages and the need to bridge the gulf between urban and rural India whereas his Government's Budget is widening the chasm between these two Indias.

There is much more that I could say, Sir. I do want to mention a couple of things. Certainly, the Budget's neglect is also going to further accelerate the hardships faced by other vulnerable sections in our country like fisherfolk. In my Constituency of Thiruvananthapuram, they are struggling with severe shortage of kerosene. They have largely slipped below the poverty line in the last couple of years. The Government is indifferent and there are no special measures for them.

There are a couple of things more. As regards defence, the Prime Minister again talked about the defence exports, but what is he giving to the soldiers who are already here. The overall Budget for defence has increased 4.3 per cent, but it is actually a nominal decrease once inflation has been factored in. We are happy that they may have increased the capital allocation, but it falls short of the Defence Ministry's own projections, which says that they would need Rs. 8.45 lakh crore to meet their modernization plans by 2026-2027 and that would require a 16 per cent year-on-year increase. So, the fact is that the Prime Minister's optimism is not warranted. ... (*Interruptions*)

Sir, kindly give me three more minutes. I do want to stress that there is a real problem with the defence's Budget not being increased, but equally let us look at health. We have been facing a pandemic for the last two years. The healthcare Budget has been grossly under-funded again. Despite the frailties in our medical infrastructure that were exposed by the pandemic, the health sector was only given Rs. 200 crore more this year. Once you factor-in inflation, there is also an overall decrease and it is a long way off from the goal envisaged in the National Policy 2017 of spending 2.5 per cent of our GDP on health. Ill-health drives our citizens into poverty, but the Government is not raising money for the National Health Mission.

Sir, kindly give me two minutes more. Not all announcements in the Budget were unwelcome, but ... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON (SHRI A. RAJA): Please conclude now. There are two more speakers from your Party.

... (*Interruptions*)

DR. SHASHI THAROOR (THIRUVANANTHAPURAM): Sir, I know about it. I will abbreviate. I do want to stress that there are a couple of things in particular. There was a lot of celebration in the Budget about the announcement of increase in capital expenditure, but we are concerned about whether it will generate urgently needed jobs because of the Government's poor implementation record. CAPEX has actually fallen in each of the last three Quarters along with a decline in new project announcements in the last Quarter.

At the same time, we have heard about the Vande Bharat trains. We are very glad, and we, in Kerala, look forward to receiving them to enhance the speed of travel in our State. But there have been many specific requests for allocations missing including in my own experience as an MP I can say like a long-promised new terminal at Nemom, doubling of the Thiruvananthapuram to Kanyakumari line, introduction of new MEMU trains, etc. Nothing has been done, and I am sure that every MP has similar concerns. We have not seen any announcement of a new AIIMS for Kerala, which has been promised for many years. Of course, I have already talked about education, which has been completely neglected in this Budget.

(1940/SPR/YSH)

I do want to stress that as far as we are concerned, we have been startled by the lack of consistency in the Government's approach even on privatisation. They make announcements, and they don't implement them. Last year, they announced the National Monetisation Pipeline to seek six lakh crore worth of old infrastructure to finance new infrastructure-building. Again, this year, they are silent on it. They announced the imminent privatisation of two banks and an insurance company. What happened? Nothing, this year they didn't even mention it.

If you see the Budgets of this Government, not only have they been 'announcement government' rather than 'an action or implementation government'. They keep promising things, and moving the goalposts; and now, they moved it for another 25 years.

I would conclude, Sir, that a talent for developing flashy slogans is not enough. In fact, today, instead of *Amrit Kaal* over the next 25 years, today, our people are facing *Andhkaal*, and for this, it is extremely important that we must find a solution. Things are looking dark for our people but the dawn will come and I must say, 2024 is not far enough.

(ends)

SHRI ADHIR RANJAN CHOWDHURY (BAHARAMPUR): Sir, Budget is a matter concerning Lok Sabha. Until the Lok Sabha appropriates the sum demanded by the Finance Ministry, the Government cannot go ahead. ...

*(Interruptions)* Here, on this solemn occasion, our Finance Minister is conspicuously absent. It is really an unbecoming scenario. ... *(Interruptions)*

HON. CHAIRPERSON (SHRI A. RAJA): Adhir ji, let us hear the hon. Minister of State for Finance.

... *(Interruptions)*

HON. CHAIRPERSON: Hon. Member, I will permit you after hearing the hon. Minister.

... *(Interruptions)*

HON. CHAIRPERSON: Shri Premachandran, let us hear the Minister. Please be patient.

... *(Interruptions)*

HON. CHAIRPERSON: Hon. Members, heavens will not fall. Don't worry. Let us hear the Minister. Thereafter, you can react.

... *(Interruptions)*

**वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (डॉ. भागवत कराड):** सर, प्रधान मंत्री जी की स्पीच समाप्त होने के बाद बजट पर डिस्कशन चालू हो गया था। पहले स्पीकर डॉ. शशि थरूर जी थे। उन्होंने बजट के बारे में जो डिस्कस किया है, उसे मैं ध्यान से सुन रहा था। हम यहां पर बैठकर माननीय सदस्यों को लगातार सुन रहे हैं।... (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON: Hon. Members, be patient. If necessary, I would advise the Government.

... *(Interruptions)*

DR. BHAGWAT KARAD: All the points raised by Dr. Shashi Tharoor have been noted down, and all the points will be answered. ... *(Interruptions)* What exactly you want? ... *(Interruptions)*

HON. CHAIRPERSON: Is the Minister coming or not?

... *(Interruptions)*

HON. CHAIRPERSON: I will call, please take your seats. Let him continue. I will call you. you

... *(Interruptions)*

HON. CHAIRPERSON: Please hear me. This is not fair on your part. Please respect the Chair. Bear with the Chair. I will advise the Government. I think, the hon. Finance Minister is a little engaged in other matters.

... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: Hon. Members, kindly wait. I will advise the Government.

... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: Shrimati Supriya Sule, please hear me.

... (*Interruptions*)

(1945/UB/RPS)

HON. CHAIRPERSON: Please, let him continue. I will call him.

... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON (SHRI A. RAJA): Please hear me. Please respect the Chair. I will advise the Government. I think that the hon. Finance Minister is engaged in some other work. I will advise the Government.

... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: Supriya ji, please sit. Adhir ji, please sit. I will advise the Government.

... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: No, please sit. At least, let him speak. This is not fair on your part. All of you are standing together.

... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: Mr. Adhir Ranjan, I will advise the Government. please sit down.

... (*Interruptions*)

1945 hours

*(At this stage, Shri Adhir Ranjan Chowdhury, Shri N. K. Premachandran and some other hon. Members left the House.)*

... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: Please take your seat. Speak from your seat. Nishikant ji, please continue.

... (*Interruptions*)

1946 बजे

**डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा):** धन्यवाद सभापति महोदय ।

मैं माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में, वित्त मंत्री जी द्वारा एक गांव, गरीब, किसान, महिला, दलित, पिछड़े, भूखे-नंगे आदिवासियों के हक में लाए हुए बजट के समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ। ... (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON: Nothing will go on record except Nishikant ji's speech.

... (Interruptions) ... (Not recorded)

**डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा):** सभापति महोदय, अभी जब कांग्रेस के लोग बोल रहे थे, उनके जो मुख्य वक्ता बोल रहे थे, तो मुझे हमेशा लगता था कि कांग्रेस एक पुरानी पार्टी है, सोच-समझकर बोलती है, नियम-कानून की जानकारी है, लेकिन मैं आपको बताना चाहूंगा कि आजकल कांग्रेस पार्टी सेलेक्टिव एम्नेसिया की शिकार है। ... (व्यवधान) उसको जो अपने पक्ष में नजर आता है, उसके बारे में बात करती है जैसे, जो उसके मुख्य वक्ता थे, उन्होंने बॉयकाट जानबूझकर कर लिया। यह देखिए कि कांग्रेस पार्टी को कितना इतिहास और भूगोल पता है या चीजों के बारे में कितनी जानकारी है। ... (व्यवधान) आज माननीय प्रधानमंत्री जी ने, यहां लोक सभा के स्पीकर महोदय ने लता जी की मृत्यु के ऊपर संवेदना व्यक्त की, दुख व्यक्त किया और पूरा देश दुख में है, लेकिन कांग्रेस पार्टी के जो मुख्य वक्ता थे, मैं उनकी जानकारी के बारे में बता दूँ कि कल उन्होंने एक ट्वीट किया कि लता मंगेशकर गोवा में पैदा हुईं। ... (व्यवधान) इतनी शेमफुल बात है कि कांग्रेस को यह भी नहीं पता है कि भारत रत्न लता मंगेशकर जी इन्दौर में पैदा हुईं, गोवा में पैदा नहीं हुई थीं, वह उनका पुश्तैनी घर था। ... (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON: You have already walked out. Please go there.

... (Interruptions)

**डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा):** सभापति महोदय, आज कांग्रेस की जो हालत है वह हालत ऐसी है ... (व्यवधान)

सभापति महोदय, यह क्या हो रहा है? ... (व्यवधान) ये बॉयकाट करते हुए फिर वापस आ जाते हैं। मैंने पहले कहा है कि सेलेक्टिव एम्नेसिया है। कांग्रेसी यह तय ही नहीं कर पाते हैं कि उनको समर्थन करना है या विरोध करना है, हाउस में रहना है या हाउस के बाहर रहना है। ... (व्यवधान) यही कारण है कि इतनी बड़ी पोलिटिकल पार्टी आज एक रीजनल पार्टी के तौर पर हो गई है। ... (व्यवधान) मुंशी प्रेमचन्द की एक बहुत अच्छी लाइन है कि अमीरी की कब्र पर पनपी गरीबी बड़ी जहरीली होती है। ... (व्यवधान) कभी किसी जमाने में कांग्रेस अमीर हुआ करती थी, आज चूंकि वह गरीब हो गई, उसे दूर तक सत्ता नजर नहीं आ रही है, इसीलिए बेबात की बात करना, बतंगड़ खड़ा करना कांग्रेस की आदत है और इसी कारण ये हंगामा कर रहे हैं। ... (व्यवधान) अभी मैंने दुष्यंत कुमार से लेकर गालिब तक की सारी गजलें और कपलेट्स सुन ली हैं। उनके पास बोलने के लिए कोई शब्द नहीं है। ... (व्यवधान) क्या है कि जब कांग्रेस का शासन था, उनके लिए एक बहुत अच्छी शायरी है :

“न मांझी, न रहबर, न हक में हवाएं  
है कश्ती भी जर्जर, ये कैसा सफ़र है।”

सभापति महोदय, कांग्रेस को अपने सफ़र के बारे में पता ही नहीं था। पिछले आठ साल से, जब से हमारे प्रधानमंत्री जी आए हैं, उनकी एक लाइन है, वे हमेशा कहते हैं :

“अलग ही मजा है फकीरी में अपना,  
न पाने का ग़म है, न खोने का डर।”

यह जो बजट है, यह बजट इसी तरह से है।... (व्यवधान) मैं आपको बताऊं ... (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON: Please take you seat. Nishikant ji, please speak.

(1950/SPS/KMR)

**डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा)** : सर, पूरी दुनिया कोरोना से ग्रसित है। पूरी दुनिया कोरोना के हाहाकार में है। माननीय प्रधान मंत्री जी ने जो सुबह कहा ... (व्यवधान)

SHRIMATI SUPRIYA SADANAND SULE (BARAMATI): Mr. Chairman, Sir, this is very important. The Budget of this country is being discussed. All we are saying is that we expect the Cabinet Minister of Finance to be a part of this debate. ... (*Interruptions*)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS, MINISTER OF COAL AND MINISTER OF MINES (SHRI PRALHAD JOSHI): She is coming. ... (*Interruptions*)

SHRIMATI SUPRIYA SADANAND SULE (BARAMATI): Okay. Thank you. We appreciate that. ... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: She is coming. Please cooperate with the House. We cannot pass the Budget unless she comes.

SHRIMATI SUPRIYA SADANAND SULE (BARAMATI): Thank you. All we are bringing to the notice of the House is that there is no quorum. That is all. There is no quorum. This is an important issue. The Budget is a very important document. Let us all take it seriously. Thank you.

HON. CHAIRPERSON: The point is well taken.

SHRI PRALHAD JOSHI: Sir, let me clarify this. When the discussion was initiated from the Opposition side, hon. Finance Minister was sitting in the Rajya Sabha chamber.

HON. CHAIRPERSON: It was displayed on the screens. Everybody knows that.

SHRI PRALHAD JOSHI: Let me clarify this, Sir. The Minister of State for Finance is sitting here. Two Cabinet Ministers are sitting here. ... (*Interruptions*)



THE MINISTER OF RURAL DEVELOPMENT AND MINISTER OF PANCHAYATI RAJ (SHRI GIRIRAJ SINGH): Three Cabinet Ministers are here.

... (*Interruptions*)

SHRI PRALHAD JOSHI: Maran ji, please understand. Three Cabinet Ministers are present here including me.

SHRIMATI SUPRIYA SADANAND SULE (BARAMATI): All we are saying is that Budget is a very important document. ... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: Hon. Member Sule, please put this to rest.

SHRI PRALHAD JOSHI: The Finance Minister will not be able to be present all the time. When the discussion was initiated by the Opposition, the hon. Finance Minister was there. Now, Minister of State for Finance and other senior Cabinet Ministers are here. ... (*Interruptions*)

SHRIMATI SUPRIYA SADANAND SULE (BARAMATI): What about the quorum, Sir. ... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: Hon. Member Nishikant Dubey, you please continue.

**डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा)** : सभापति महोदय, यह इन लोगों का दिवालियापन है कि इनको लगा कि हमारे पांच आदमियों के बाहर निकलने से कोरम का मुद्दा उठाया जा सकता है। बाहर से यदि आना है और मैं सारे कांग्रेस पार्टी के लोग जो बाहर खड़े हैं तो मैं लोक सभा टेलीविजन वालों से आग्रह करूंगा कि वे पूरे देश को दिखाएं कि वे किस तरह से डिरेल करने के लिए, चूंकि इस देश में माननीय प्रधान मंत्री जी, जो गरीब हैं, पिछड़े हैं और दलित को सम्मान देना चाहते हैं। महिलाओं को सम्मान देना चाहते हैं, किसानों को अधिकार देना चाहते हैं, इस कारण से ये सब बायकॉट के तौर पर कोरम की बात उठा रहे हैं। सर, क्या यह कोई तरीका है कि वे लॉबी में खड़े होकर कोरम की बात कर रहे हैं? मैं यह मानता हूँ कि सरकारी पार्टी होने के नाते इस समय इस सदन में हमारे लोगों की संख्या होनी चाहिए, लेकिन जब कभी वर्ष 2004 से लेकर 2014 तक कांग्रेस का शासन था तो मैक्सिमम टाइम कोरम भारतीय जनता पार्टी ने पूरा किया, हमने पूरा किया। राजा साहब, आप मंत्री थे, उस समय हमने कोरम पूरा किया था। ... (*व्यवधान*)

HON. CHAIRPERSON: Hon. Member, come to the point. We are discussing the General Budget

**डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा)** : यहां चार जगहों पर लोग बैठे हुए हैं। राज्य सभा में कौन लोग हैं, कौन लॉबी में बैठे हुए हैं, कौन जानता है?

सर, पूरा देश कोरोना से जूझ रहा है। ग्लोबल वर्ल्ड की पूरी अवधारणा खत्म हो गई। हमारे वेद पुराण में जो लिखा गया कि -

“अयं निजः परो वेति गणना लघु चेतसाम्। उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्”

यह सब खत्म हो गया है। आप यह समझिए पिता की लाश जलाने के लिए वहां बेटा नहीं जा रहा है, बेटे की सेवा करने के लिए वहां माँ मौजूद नहीं है, कोई समाज कंधा देने के लिए तैयार नहीं है। यह देश इस सिचुएशन में है और इस देश का बजट आया है। क्या हम सबकी सामूहिक जिम्मेवारी नहीं है कि इस बजट के बारे में चर्चा करें, उसकी अच्छाई के बारे में बताएं, उसकी बुराई के बारे में बताएं और फिर देश को बताएं कि हमने किस तरह से कोरोना के होते हुए भी पिछले दो साल में 9 परसेंट से ज्यादा इकोनॉमी को बढ़ाया है, जीडीपी को बढ़ाया है? क्या यह अपोजिशन का फर्ज नहीं है? मैंने आपको कहा कि जो मुंशी प्रेमचंद की लाइन है - अमीरी की कब्र पर पनपी हुई गरीबी बड़ी जहरीली होती है। दस साल सत्ता भोगने के बाद, 70 साल में से 60 साल सत्ता भोगने के बाद कांग्रेस को जब यह दिखाई दे रहा है कि वह कभी सत्ता में वापस नहीं आएगी तो इस तरह के हथकंडे अपनाकर, इस तरह की घटियापंती करके वह डिबेट को रोकना चाहती है और गांव, गरीब तथा किसानों के हक को मारना चाहती है।

(1955/RAJ/RCP)

सर, हमारे बिहार में एक कहावत है कि सावन में जो बच्चा पैदा होता है, उसको सब कुछ हरा-हरा दिखाई देता है। मैंने कांग्रेस की पूरी बजट स्पीच को देखा है। सर, आप मंत्री रहे हैं।

सभापति महोदय, राजा साहब, जब आप मंत्री थे और हम लोग माननीय एमपीज थे तो हम ने मनरेगा का कानून पास किया। क्या हमें यह पता नहीं है कि मनरेगा एक डिमांड ड्रिवेन प्रोग्राम है। जितना पैसा चाहिए और जहां पैसा चाहिए, वह पैसा सरकार देगी। इसीलिए सरकार एक नोशनल बजट देती है। आप ने कभी 35-40 हजार करोड़ रुपए से आगे नहीं दिया। पिछले सात-आठ सालों में लगभग चार-पांच करोड़ की आबादी बढ़ी होगी। हम ने 130 करोड़ लोगों के लिए एक लाख करोड़ रुपए तक दिए हैं। इस बजट में 73 हजार करोड़ रुपए दिए गए हैं, तो जितना पैसा मांगा जाएगा, वह दिया जाएगा। क्या इसी तरह का डिबेट और डिसकशन होगा?

सर, मैं इंटरलिंगिंग ऑफ रिवर्स के बारे में बताना चाहता हूं। केन-बेतवा एक प्रोजेक्ट है। मैं इस बजट की ओर आना चाहता हूं। इस देश के बहुत बड़े नेता हैं, युवराज हैं। हम लोग छोटे आदमी हैं, उनका नाम नहीं लेना चाहते हैं। के.एल. राव जी, नेहरू जी के समय, इंदिरा जी के समय से इस देश की हालत ऐसी है कि कहीं सूखा है, तो कहीं बहुत बारिश होती है। पानी की स्थिति यह है कि कहीं नदियों में बाढ़ आ जाती है। मैं जिस इलाके से चुन कर आया हूं, मैं जिस इलाके में पैदा हुआ हूं, हम उस इलाके में प्रत्येक साल बाढ़ से जूझते हैं। जिस वक्त हमारे यहां बाढ़ की स्थिति होती है, उस वक्त दूसरी नदियां सूखी होती हैं। इसीलिए 60 के दशक से ये बातें चल रही हैं। आज माननीय प्रधान मंत्री जी कह रहे थे कि कोई योजना इतने दिनों से चली और चलती रही। इसके बाद वाजपेयी जी की सरकार बनी। सर, कुछ नहीं हुआ, वर्ष 1960-65 के बाद, मिस्टर राव के बाद लोगों ने उसको ठंडे बस्ते में डाल दिया। जब माननीय अटल वाजपेयी जी इस देश के प्रधान मंत्री बने, तो उन्होंने सुरेश प्रभु जी के नेतृत्व में इंटरलिंगिंग ऑफ रिवर्स के लिए एक कमेटी बनाई। उस समय डीएमके भी उस शासन की पार्ट थी।

दयानिधि मारन साहब यहां बैठे हुए हैं, इनके पिता जी उस सरकार में मंत्री थे। वापजेयी जी ने यह तय किया कि इस काम में काफी लेट हो गए हैं और हमें रिवर्स का सेलेक्शन करना चाहिए, क्योंकि हमें किसानों की उपज को दोगुना करना है। मैं जिस राज्य से चुन कर आया हूँ, उस राज्य में आज भी केवल 12 प्रतिशत से 13 प्रतिशत जमीन के लिए ही सिंचाई का साधन उपलब्ध है। हमारी जो सिंचित भूमि है, वह 12 प्रतिशत से 13 प्रतिशत है। आप समझ सकते हैं कि हमारे पानी से बंगाल में सिंचाई होती है। चाहे वह मसानजोर डैम हो, पंचेत डैम हो, मैथन डैम हो या दामोदर वैली कॉर्पोरेशन का इतना बड़ा संगठन हो, जहां बिजली पैदा हो रही है, लेकिन हमारे राज्य में, हमारा पानी होते हुए भी, हम केवल 12 प्रतिशत और 14 प्रतिशत पर निर्भर हैं। वर्ष 2004 में जब सरकार बनी, जो युवराज हैं, अल्ट्रा कम्युनिस्ट पार्टी के नेता हैं और उन्हीं के पीछे-पीछे ये सीधा चलते हैं। इनको किसी चीज से मतलब नहीं है, क्योंकि इन्होंने कभी गांव नहीं देखा है, किसानी नहीं देखी है, गरीब नहीं देखा है, खेती कैसे की जाती है, पानी की क्या आवश्यकता है? इन्होंने वन फाइन मॉर्निंग यह डिसिजन ले लिया कि अब कोई इंटरलिकिंग ऑफ रिवर नहीं होगी। इनसे इनको लगा कि इकोलॉजी बिगड़ जाएगी, एनवायरन्मेंट बिगड़ जाएगा और 10 सालों तक देश के किसान तड़पते रहे, मरते रहे। चाहे वे बुंदेलखंड के लोग हों, जिनके पास पीने के लिए पानी नहीं है, चाहे झारखंड के हमारे जैसे लोग हों, ओडिशा के लोग हों, आंध्र प्रदेश के लोग हों, तमिलनाडु के लोग हों या आंध्र प्रदेश का जो बंटवारा हुआ है, वे लोग भी डैम बनाने के लिए एक एग्रीमेंट का पार्ट हैं। 10 सालों तक कुछ नहीं किया गया। जब माननीय मोदी जी की सरकार आई तो इस बजट से केवल केन-बेतवा ही नहीं, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के किसानों को ही फायदा नहीं होगा, उनकी लाखों हेक्टेयर जमीन की ही सिंचाई नहीं होगी बल्कि इनके अलावा चाहे दमन गंगा-पिंजाल का सवाल हो, पार तापी-नर्मदा का सवाल हो, गोदावरी-कृष्णा का सवाल हो, कृष्णा-पेन्नार नदी का सवाल हो, या पेन्नार-कावेरी का सवाल हो, क्या यह देश के लिए बजट नहीं है, किसानों के लिए बजट नहीं है? यदि 10 सालों तक इस कांग्रेस पार्टी ने यह काम नहीं किया, इसने बर्बाद करने का काम किया, तो क्या यह पूरी देश की जनता को जानने का हक नहीं है। क्या यह माननीय प्रधान मंत्री जी और माननी वित्त मंत्री जी के लिए मेज थपथपाने का समय नहीं है? हमने इतने वर्षों के बाद किसानों की सुध ली है। इसी तरह से देश चलेगा।

दूसरा है, गंगा किनारे मेरा गांव, फिल्मों गाना आता रहा है, सुदीप साहब जिस क्षेत्र से बिलाँग करते हैं, वहां गंगा जा कर मिलती है।

(2000/VB/RK)

मैं प्रत्येक साल, बच्चे की उम्र से लेकर आज तक, ऐसा कोई साल नहीं है, जब मेरे गांव में बाढ़ नहीं आती है, ऐसा कोई साल नहीं है। हमारी इतनी उपजाऊ भूमि है, जहाँ तीन फसलों की खेती हो सकती है, वहाँ केवल एक फसल की ही खेती होती है। कई बार ऐसा होता है कि यदि हमारे खेतों में मकई लगा हुआ है, अरहर लगा हुआ है, तो गंगा में बाढ़ का पानी आता है और सारी फसलें उसमें चली जाती हैं। इसी कारण से जल्दी-जल्दी फसल पैदा करने के लिए डीएपी का यूज करते हैं, फर्टिलाइजर का यूज करते हैं, केमिकल का यूज करते हैं। उसमें ऐसी क्वालिटी की फसल लगाना चाहते हैं, जिससे कम समय में फसल पैदा हो जाए। इस बजट में क्या हुआ? इस बजट में पहली बार हम गंगा माता की बात करते हैं, गौ माता की बात करते हैं। हम कहते हैं कि गंगा के किनारे जो पूरा-का-पूरा लैंड है, वह फर्टाइल लैंड है। लेकिन इस बजट में पहली बार यह दिखाई दे रहा है कि पाँच किलोमीटर चौड़े दायरे में, चाहे बाएं या दाएं, पूरी-की-पूरी आर्गेनिक खेती के लिए यह सरकार कटिबद्ध है। माननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा कि आर्गेनिक खेती का जो प्रचलन है, यहाँ सिक्किम के सांसद बैठे हैं, यदि उनसे पूछा जाए, तो पता चलेगा कि सिक्किम एक ऐसा राज्य है, जिसने नॉर्थ-ईस्ट में और पूरे देश में एक दिशा दिखाने का काम किया है। वहाँ सेंट-परसेंट आर्गेनिक खेती है और उसके कारण किसानों को दोगुना ही नहीं, तिगुना और चौगुना फसल की कीमत मिलती है और उनकी आय दोगुनी-तिगुनी हो रही है। यह दो तरफा काम है। एक तरफ किसानों को आर्गेनिक खेती की तरफ बढ़ावा देना है और दूसरा यह है कि जो केमिकल-फर्टिलाइजर के कारण, बाढ़ के पानी के कारण, बारिश के कारण पाँच किलोमीटर के दायरे में खेत होते थे, उसमें गंगा का पानी भर जाता था। मैं जिस इलाके से आता हूँ, वहाँ बटेश्वर स्थान में पूरा एरिया गंगा की डॉल्फिन से भरा है। वहाँ गंगा की डॉल्फिन मर जाती थी। अगर वहाँ आर्गेनिक खेती होगी, तो केमिकल-फर्टिलाइजर का यूज कम होगा और सारे के सारे किसान चाहे वे उत्तर प्रदेश के किसान हों, चाहे बिहार के किसान हों, चाहे झारखण्ड के किसान हों, चाहे बंगाल के किसान हों, आप यह बताएं कि इसमें कौन-सी राजनीति है? आज झारखण्ड में कांग्रेस समर्थित सरकार है, बंगाल में टीएमसी की सरकार है। यदि हमने किसानों की बात की, बजट की बात की, तो क्या आप नहीं सुनना चाहेंगे? इसलिए मैंने कहा कि 2014 में नहीं, सावन का जो बच्चा पैदा होता है, उसे सब कुछ हरा-हरा दिखाई देता है, उसको बजट में कोई भी चीज दिखाई ही नहीं देती है।

यदि मैं पीएम गतिशक्ति की बात बताता हूँ इस पर बात होती है तो आप कहते हैं कि जुमला देते हैं, हवा देते हैं, कोई काम नहीं करते हैं, आपको कैसे दिखाई देगा। रेल के प्रोजेक्ट्स आपको कैसे दिखाई देंगे? मैं जिस इलाके से सांसद हूँ, मेरे लोक सभा क्षेत्र का नाम गोड्डा है। गोड्डा में आजादी के 75 साल बाद भी, मैं जहाँ से सांसद हूँ, वहाँ कांग्रेस पार्टी के बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और केन्द्र में रहे पूर्व मंत्री श्री भागवत झा आजाद का घर है। यहाँ श्री रामेश्वर ठाकुर जी वित्त मंत्री रहे, उनका घर है। श्री भागवत झा आजाद जी कांग्रेस के बड़े नेता थे, जो मुख्यमंत्री रहे और केन्द्र में मंत्री रहे। श्री रामेश्वर ठाकुर जी भी केन्द्र में मंत्री रहे, बिजली मंत्री रहे श्री चन्द्रशेखर जी का भी घर है। यह मेरी पूरी कांस्टिट्यूएन्सी है। उस गोड्डा में आजादी के 75 वर्ष बाद तक रेल लाइन नहीं थी।

यदि इस साल यानी वर्ष 2021 में, आजादी के ठीक 75 साल बाद, माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में वहाँ रेल लाइन पहुंचा दी गई, तो क्या पीएम गतिशक्ति काम नहीं कर रही है? क्या गरीबों को रेल देखने का अधिकार नहीं है? मैं आप लोगों को फोटोग्राफ दिखाऊँगा, तो आप लोगों को आश्चर्य होगा कि जब रेल का उद्घाटन हो रहा था, तो रेल को देखने के लिए गोड्डा में लगभग पाँच लाख लोगों की भीड़ थी। आज भी ऐसे रिमोट एरियाज हैं, जहाँ रेल नहीं है। मैं जिस इलाके से आता हूँ, वह एक एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट है। एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट होने के नाते, आप समझिए कि वहाँ कोई इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं था। वहाँ एक भी स्कूल, कॉलेज नहीं था। आप इंजीनियरिंग कॉलेज की तो बात ही छोड़ दीजिए। लेकिन आज मेरे इलाके में तीन केन्द्रीय विद्यालय हैं, दो पॉलिटेक्निक कॉलेजेज हैं, दो इंजीनियरिंग कॉलेजेज हैं, दो नवोदय विद्यालय हैं, एग्रीकल्चर के दो-दो कॉलेजेज हैं, डेयरी का एक-एक कॉलेज है, एम्स है और चार फोन लेन के लगभग छः नेशनल हाइवेज हैं। क्या आजादी के 70 साल के बाद हमारे लोगों को यह देखने की फुर्सत नहीं थी, क्या वह देखना नहीं चाहते थे? यदि उनका कोई एमपी यहाँ बोल पाने की स्थिति में नहीं है, यदि वह लड़ाई लड़ पाने की स्थिति में नहीं है, तो क्या आप छोटे और पिछड़ी जगहों को रेल नहीं देंगे, रोड नहीं देंगे, स्कूल नहीं देंगे, कॉलेज नहीं देंगे, हॉस्पिटल नहीं देंगे?

(2005/PC/PS)

आज भी हमारे लोग, ज्यादातर जितने भी बिहार और झारखंड के एमपीज हैं, वे एम्स, दिल्ली आने के लिए अपना पूरा का पूरा इन्फ्रास्ट्रक्चर क्रिएट किए हुए हैं। वे यहां आएंगे, उनके पीए उनको ले जाएंगे, दिखाएंगे, उनको रुकवाएंगे, उनको खिलाएंगे-पिलाएंगे, उनको टिकट देंगे। आज मेरे गोड्डा जैसे पिछड़े इलाके में एम्स खुल गया है, एयरपोर्ट खुल गया है। ... (व्यवधान) यदि चप्पल पहनने वाले को जाना है, तो कुशीनगर में, देवघर में, छोटी-छोटी जगहों पर क्या आपने 70 सालों में ये सब बनाने की कोशिश की? ... (व्यवधान) आपने क्यों नहीं कोशिश की? ... (व्यवधान) पीएम गति शक्ति से मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी आएगी।

श्री राजीव प्रताप रूडी साहब यहां नहीं हैं। परसों ही वे शिलान्यास करके आए हैं। गंगा को आपने नेशनल लाइन डिकलेयर कर दिया, लेकिन क्या कभी सोचा कि यह जो ट्रांसपोर्टेशन है, जो रेल के मुकाबले, जो रोड के मुकाबले सस्ता पड़ेगा और इस पानी का यूज यदि हम वॉटरवेज के तौर पर करेंगे, तो केवल बड़े-बड़े राज्यों जैसे तमिल नाडु, महाराष्ट्र और गुजरात के लोगों का हक नहीं है कि वे पोर्ट देखें, हमारे जैसे लोगों का भी हक है कि वे पोर्ट देखें। ... (व्यवधान) क्या आपने कभी इसे देखा?

आज छपरा में मल्टी-मॉडल पोर्ट बन रहा है। मेरे इलाके में, जहां से मैं सांसद हूँ, वहां साहबगंज में ऑलरेडी बन गया है। प्रधान मंत्री जी ने उसका उद्घाटन कर दिया है। मैं आपको बताऊं कि वहीं के इलाके में 60 सालों में लोग भूखे-प्यासे मर गए, आंदोलन होता रहा कि झारखंड में गंगा नदी पर एक पुल होना चाहिए।

आज तक आपने उसको राष्ट्रीय प्रोजेक्ट नहीं घोषित किया और वह नैशनल हाईवे नहीं बन सका। अब उसका काम चालू हो गया है और दो सालों में गंगा नदी पर पुल बन जाएगा। इतनी छोटी-छोटी जगहों पर ये काम आपको नहीं दिखाई दे रहे हैं? आप पीएम गतिशक्ति का मजाक उड़ाते रहेंगे?

आप इसलिए मजाक उड़ाते रहते हैं क्योंकि आप अच्छी अंग्रेजी बोलते हैं, अच्छी जगह से आते हैं, आप विदेशों में जैसे अमेरिका या लंदन में रहे हैं, आप दिल्ली में राजनीति करते हैं और दिल्ली में राजनीति करके आप अपने रिलेशनस बनाए हुए हैं। आप अपने क्षेत्र में बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स ले जाते हैं और जो गरीब सांसद है, वह पांच-दस सालों में ऐसे ही बियाबान में खो जाता है और उसके लोग इंतजार करते रहते हैं कि आ जाएगा, आ जाएगा, आ जाएगा। यदि माननीय प्रधानमंत्री जी आज इसे पूरा कर रहे हैं तो गांव के गरीब किसान उनको वोट क्यों नहीं देंगे और वे लगातार जब तक चाहेंगे, तब तक इस देश के प्रधानमंत्री क्यों नहीं रहेंगे, यह आपके सोचने का विषय है। ... (व्यवधान)

2007 बजे

(श्री कोडिकुन्निल सुरेश पीठासीन हुए)

सर, जहां तक सवाल एग्रीकल्चर का है, नारे खूब चलते हैं। कांग्रेस का नारा – 'जय जवान, जय किसान'। यह नारा शास्त्री जी ने दिया था, लेकिन मैं आपको बताऊं कि शास्त्री जी की डेथ वर्ष 1966 में हुई थी। आज तक किसानों को टैक्नोलॉजी के साथ जोड़ने के लिए भारत सरकार ने क्या-क्या काम किए? वह समय था, मैं यह मान सकता हूं कि वर्ष 2004 से वर्ष 2014 तक पवार साहब थे, उन्होंने किसानों के लिए निश्चित तौर पर काम किया, लेकिन एक मंत्री के नाते एक सीमा होती है, क्योंकि जब तक प्रधानमंत्री आपके साथ न हों, तब तक आप बहुत कुछ कर पाने की स्थिति में नहीं होते हैं।

आज इस बजट में ड्रोन की बात है। 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' का भी नारा आया। आज यदि डिफेंस में ड्रोन की आवश्यकता है, सिविल एविएशन में ड्रोन की आवश्यकता है तो किसानों को भी ड्रोन टैक्नोलॉजी के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जिससे वे अपनी फसल की रक्षा कर पाएं, फर्टिलाइजर भी दे पाएं, जिससे वे टैक्नोलॉजी का भरपूर उपयोग कर पाएं, कीटनाशकों का उपयोग कर पाएं। ... (व्यवधान)

**श्री भर्तृहरि महताब (कटक) :** थोड़ी देर पहले हमने प्रधानमंत्री जी को सुना था। इस देश में 80 प्रतिशत किसान मार्जिनल फार्मर्स हैं। ... (व्यवधान) उनके लिए ड्रोन टैक्नोलॉजी शायद वर्ष 2047 में आएगी, जब हमारा सेंटिनेरी सेलिब्रेशन होगा। आप यही बात कह रहे हैं? ... (व्यवधान)

**डॉ. संजय जायसवाल (पश्चिम चम्पारण) :** वह अभी से ही आएगी। ... (व्यवधान)

**ग्रामीण विकास मंत्री तथा पंचायती राज मंत्री (श्री गिरिराज सिंह) :** आएगी नहीं, आ चुकी है। ... (व्यवधान)

(2010/IND/SMN)

**डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा):** सभापति महोदय, इस बजट में वित्त मंत्री जी ने कहा है कि use of kisan drones will be promoted for crop assessment along with digitization of land records, spraying of insecticides and nutrients. यह इस बजट में है और यह आज शुरू हो जाएगा। जब बजट इम्प्लीमेंटेशन का पेपर अगले साल आएगा, तो हमने कहां-कहां क्या प्रोजेक्ट किए, वह भी बताया जाएगा, क्योंकि यह केवल घोषणा नहीं है। मोदी जी के बजट में कोई घोषणा नहीं होती है, बल्कि काम कैसे किया जाएगा, इसका पूरा प्लान बनता है और इसलिए इसमें इसका जिक्र है। क्वालिटी एजुकेशन की भी बात है। मैं पिछड़े इलाके से बाबा साहब अम्बेडकर जी के संविधान के कारण पढ़कर यहां आया हूँ। कोरोना काल के कारण जिस तरह से दो साल से माहौल है, उसकी वजह से लगभग सभी स्कूल, कालेजेज बंद हैं। स्कूल, कालेजेज बंद होने के कारण इन दो सालों में किसी पर असर हुआ या नहीं हुआ, लेकिन गरीब बच्चों पर सबसे ज्यादा असर हुआ है। उसका कारण यह है कि मैं जिस एस्प्रेशनल डिस्ट्रिक्ट से आता हूँ, वहां आज भी यह हालत है कि 4जी या 5जी की बात छोड़िए, इंटरनेट या मोबाइल पर बात नहीं कर सकते हैं। जब बात ही नहीं कर सकते हैं तो गांवों में बच्चों को कैसे पढ़ा सकते हैं क्योंकि फिजिकल क्लासेज नहीं चल रही हैं। पहली बार किसी प्रधान मंत्री ने या वित्त मंत्री ने अपने बजट में Universalisation of quality education और उसमें कैसे टीवी के माध्यम से डिजिटल यूनिवर्सिटी के माध्यम से और किस तरह से रीजनल लैंग्वेज में पढ़ाई कराई जा सके, इसे भी ध्यान में रखा है। रीजनल लैंग्वेज की बात भी है कि केवल जिन्हें हिंदी आती है या अंग्रेजी आती है, वही नौकरी कर सकते हैं। जो वेरियस लैंग्वेजेज हैं, जो स्पोकन लैंग्वेजेज हैं, वे लैंग्वेजेज नहीं जो कि आठवीं अनुसूची में हैं, जैसे भोजपुरी और राजस्थानी भाषा का बहुत बड़ा सवाल चल रहा है। आप समझिए कि आप कैसे पढ़ाई करके आगे बढ़ सकते हैं, यह इस बजट में दिया गया है, तो क्या यह बजट गरीबों के लिए नहीं है, गरीब बच्चों के लिए नहीं है? मुझे इस बात का फख्र है कि झारखंड सरकार ने कोरोना काल के दो सालों में जिस ज्ञानोदय ऐप का यूज किया, जिसके कारण पूरे झारखंड के बच्चे पढ़ रहे हैं, वह ऐप मैंने डेवलप कराया है। वह ऐप मेरे लोकसभा क्षेत्र गोड्डा में डेवलप हुआ। जो लोग बिजनेस मैन का विरोध करते हैं, मैं बताना चाहता हूँ कि अडानी का एक पावर प्लांट मेरे संसदीय क्षेत्र में आ रहा है और मैंने उनके लोगों को कहा कि आप इस ऐप के लिए मदद कीजिए, उनका सारा का सारा पैसा मैंने सीएसआर में लिया और आज वह पूरे झारखंड के बच्चों को, गरीब बच्चों को पढ़ा रहा है। क्या आप सीएसआर की बात नहीं करेंगे, क्या आप बिजनेस मैन के कंट्रीब्यूशन की बात नहीं करेंगे, क्या आप छोटे-से पिछड़े इलाके की बात नहीं करेंगे कि गोड्डा भी पूरे झारखंड को, पूरे देश को दिशा दिखा सकता है। आज यह सिचुएशन है और इसी कारण माननीय प्रधान मंत्री जी को पता था कि छोटी-छोटी जगह के बच्चों को यदि आगे बढ़ाना है, तो यह जरूरी है इसलिए इस बजट में उन्होंने ऐसा काम किया है।

महोदय, एक बात 'हर घर में नल' की है। इसमें बहुत चर्चा होती है कि साठ हजार करोड़ रुपये दिए गए हैं। कोई कहता है कि केवल टोटी लगेगी और आगे कोई विकास नहीं होगा... (व्यवधान) महोदय, हमारे समय में से 10 मिनट का समय विपक्ष ने ले लिया और सभापति जी आप भी उस समय हल्ला कर रहे थे। आप जब चेयर पर आए, तब से हमारा समय काउंट कीजिए। यह जो टंकी के नल से पानी का सवाल है, यह आज तक अमीरों का ही रहा है जैसे गैस चूल्हे की बात थी कि यह उन्हीं के पास है जो अमीर हैं। यह जो 'हर घर नल' की योजना है, यह सोचने का सवाल है। इसमें चूंकि राज्य सरकार इन्वाल्व है, जैसे कि राजीव गांधी विद्युतीकरण योजना में कांग्रेस पार्टी ने सोचा कि प्रत्येक गांव को इलेक्ट्रीफाई कर दें और इलेक्ट्रीफिकेशन में ऐसा किया कि एक फेस की लाइन जाएगी और जो बीपीएल परिवार होगा, केवल उसी को कनेक्शन मिलेगा। बीपीएल के बारे में भी एक कहानी मैं बताना चाहता हूं और प्रधान मंत्री जी जिन बातों को कह रहे थे।

(2015/KDS/SNB)

चूंकि कांग्रेस के एक बड़े नेता ने बड़ी बातें कहीं कि 23 करोड़ लोगों को हमने गरीबी रेखा से ऊपर कर लिया। यह अच्छा संयोग है कि मेरे सामने उदासी साहब और श्री भर्तृहरि महताब साहब बैठे हुए हैं। कांग्रेस ने इस नक्शे और नॉर्म्स को बदलने के लिए चार कमेटियां बनाईं। पहली तेंदुलकर कमेटी बनी, जिसकी रिपोर्ट में आया कि इस तरह के लोग ही गरीब माने जाएंगे। दूसरी एनसी सक्सेना की कमेटी बनी, जिसने कहा कि गरीब इस तरह से निर्धारित होंगे। मैं आपको केवल बता रहा हूं कि लोगों को यदि मूर्ख और बुड़बक बनाना हो, तो उसे कांग्रेस पार्टी से सीखना चाहिए। इसके बाद तीसरी आसिफ कमेटी बनाई, जो शहरी गरीबों के बारे में देखेगी। चौथी मोंटेक सिंह अहलूवालिया कमेटी बनी।

महोदय, हमारे यहां कहा जाता है कि 'ज्यादा जोगी, मठ उजाड़'। कांग्रेस पार्टी की स्थिति यह थी कि उसमें डॉक्टर मनमोहन सिंह बड़े इकोनॉमिस्ट, मोंटेक सिंह अहलूवालिया उनसे थोड़े-से छोटे इकोनॉमिस्ट, रघुराम राजन साहब उनसे थोड़े-से छोटे इकोनॉमिस्ट थे। ... (व्यवधान) मैं प्रधान मंत्री जी की ही बात कर रहा हूं। क्या श्री मनमोहन सिंह जी प्रधान मंत्री नहीं थे? ... (व्यवधान) जब मोंटेक सिंह अहलूवालिया कमेटी बनी, तब आप मंत्री थे। सौगत बाबू, मैं यह कह रहा हूं कि प्लानिंग कमीशन में श्री मोंटेक सिंह अहलूवालिया के नेतृत्व में इन तीनों कमेटी के एसेसमेंट के लिए एक कमेटी बनी और उसने यह तय किया। यदि ऑन रिकॉर्ड आप 32वीं रिपोर्ट पढ़ना चाहते हैं तो हमारी कमेटी की 32वीं रिपोर्ट आप पढ़ लीजिए।

SHRI DAYANIDHI MARAN (CHENNAI CENTRAL): Sir, the hon. Member is taking names of people who are not present in the House to defend themselves.

... (Interruptions)

**डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा):** महोदय, उसमें ऑन रिकॉर्ड श्रीमती सुधा पिल्लै, जो मंबर सेक्रेट्री थीं, ने कहा था कि हम पहले जूता बनाते हैं और उसके बाद नाप देखने की कोशिश करते हैं कि किसमें यह जूता अटेगा, इसीलिए मैंने यह कहा। आप उस वक्त मंत्री थे और उस कमेटी के पार्ट नहीं थे। कांग्रेस ने गरीबी और गरीबों का जो मजाक उड़ाने का काम किया, वही उनको दिखाई देता है।



राजीव गांधी विद्युतीकरण के नाम पर उन्होंने एक फेज की जो बिजली दी, उसमें 9 किलोवाट, 16 किलोवाट और 25 किलोवाट का ट्रांसफार्मर लगाया। स्थिति ऐसी हो गई कि सारे के सारे या तो चोरी हो गए या जल गए या अमीरों ने उनको जला लिया। यही कारण है कि- 'अपने दिल से जानिए पराए दिल के हाल में।' कांग्रेस यह समझती है कि किसी के घर में पानी नहीं जाएगा। आज हमने 25 सालों का एक सपना देखा है। आजादी का अमृत महोत्सव है। 75 साल पूरे हुए हैं और 100 साल बाद हमारा देश कैसा होगा, गांव, गरीब और पिछड़ों की स्थिति कैसी होगी, ऐसा सपना हमने माननीय प्रधान मंत्री जी के नेतृत्व में देखा है। चाहे टैक्स का सवाल हो, चाहे स्टार्ट-अप का सवाल हो, चाहे मनरेगा का सवाल हो, चाहे पीएम गति शक्ति का सवाल हो, हमने सभी को राहत देने का प्रयास किया है।

महोदय, कांग्रेस पार्टी ने श्री दुष्यंत कुमार को क्वोट किया था। मैं दुष्यंत कुमार की एक लाइन क्वोट करते हुए अपनी बात समाप्त करूंगा-

'तुम्हारे पांव के नीचे जमीन नहीं, कमाल ये है कि फिर भी तुम्हें यकीन नहीं।'

इन्हीं शब्दों के साथ मैं माननीय प्रधान मंत्री जी के इस बजट का समर्थन करता हूं। जय हिन्द, जय भारता।

(इति)

2019 hours

SHRI DAYANIDHI MARAN (CHENNAI CENTRAL): Hon. Chairperson, Sir, thank you for giving me the opportunity to take part in this discussion on the Budget.

It is one of those moments, when a serious discussion on the Budget, such an important document, is taking place in the House, we find that the hon. Finance Minister is not present. An hon. Member from the principal Opposition Party spoke, the hon. Finance Minister was not present. Leave aside that, he is a Congressman and they have no respect for Congressmen ... (*Interruptions*) You know probably the BJP has scant regard for Congress and the entire proceedings, from the reply of the hon. Prime Minister to everyone's reply, there is an attack on the Congress. Their own partyman, Shri Nishikant Dubey ji was giving a lecture and the hon. Finance Minister, Smt. Nirmala Sitharaman ji is not here to take note of what even her own partyman is saying. It is a ... (*Not recorded*)

(2020/RU/CS)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (DR. BHAGWAT KARAD): I am part of the Finance Ministry. ... (*Interruptions*)

SHRI DAYANIDHI MARAN (CHENNAI CENTRAL): She is your principal. She is the Union Minister..... (*Interruptions*) It is an insult to us. It is her own presentation. She has presented the Budget but she is not present here. Dr. Dubey, she is not here to listen to you. She has no respect for her own partyman because probably she is not elected from Lok Sabha. She is a Member of Rajya Sabha. Sir, she has no respect for Lok Sabha. ... (*Interruptions*)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CULTURE (SHRI ARJUN RAM MEGHWAL): For your knowledge, I want to mention about Short Title and definition of a Minister. It is there in rule 2 of Chapter I. ... (*Interruptions*)

““Minister” means a member of the Council of Ministers [and includes a member of the Cabinet], a Minister of State, a Deputy Minister or a Parliamentary Secretary;”

... (*Interruptions*) He is MoS in the Ministry of Finance.... (*Interruptions*) The Finance Minister was in the Rajya Sabha. She is in a press conference. She is coming. It was a practice in the House also.... (*Interruptions*)

SHRI DAYANIDHI MARAN (CHENNAI CENTRAL): Sir, with all due respect, respect for the House is most important. We are Lok Sabha Members. Each Member represents nearly 12 lakh people of our constituency. Sir, she cannot be here but she is in *India Today Conclave* talking and debating about the Budget. She should be here. ... (Not recorded) ... (Interruptions)

HON. CHAIRPERSON (SHRI KODIKUNNIL SURESH): Shri Maran, you kindly speak on the Budget.

... (Interruptions)

SHRI DAYANIDHI MARAN (CHENNAI CENTRAL): Is this the way she treats the Members? She should have respect for the House. Is *India Today* important or is Parliament important? ... (Interruptions) If she can bunk, and if she does not take us seriously, what are we here for? ... (Interruptions) Is it because she is not being elected by the people and she is a nominated Member, she has no respect for Lok Sabha?

डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा): महोदय, पाँच कैबिनेट मिनिस्टर्स यहाँ बैठे हुए हैं... (व्यवधान)

ग्रामीण विकास मंत्री तथा पंचायती राज मंत्री (श्री गिरिराज सिंह): आपकी बात सुनने के लिए ये आपके लोग कहाँ हैं? ... (व्यवधान)

SHRI DAYANIDHI MARAN (CHENNAI CENTRAL): I am talking for you also, Shri Nishikant Dubey. She was not here to listen to you also. Your Minister was not here to listen to you. She has no respect for the BJP also.

HON. CHAIRPERSON: Shri Maran, you will lose your time. Please carry on with your speech.

... (Interruptions)

श्री गौरव गोगोई (कलियाबोर): चैनल ज्यादा महत्वपूर्ण है... (व्यवधान) प्रचार ज्यादा महत्वपूर्ण है... (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON: Nothing is going on record except the speech of Shri Maran.

... (Interruptions) ... (Not recorded)

SHRI DAYANIDHI MARAN (CHENNAI CENTRAL): Sir, we are appreciating the Finance Minister's dedication to ensure that the Budget is known to the entire country through the television but not to sit in the Parliament. We appreciate it, Sir.

HON. CHAIRPERSON: You speak on the Budget.

SHRI DAYANIDHI MARAN (CHENNAI CENTRAL): Sir, let me say that the Finance Minister's speech of the Budget, over the years, has been reducing by 15 minutes every year and this year, she has made sure that her speech about the Budget was only for one hour and thirty minutes and she was in a hurry to look at the clock to ensure that the Budget ended very soon. I do not know the reason. Probably she had to go for a TV interview. ... (*Interruptions*)

At the outset, let me term this Budget as an anti-federal and anti-people Budget and this Government has completely ignored the welfare of the people. The total expenditure for this Budget is pegged at Rs. 39.45 lakh crore. There is a huge deficit of Rs. 16.61 lakh crore which they are going to borrow. Straightaway, the Finance Minister has said that she is going to borrow more than 50 per cent of the Budget estimate, and literally, she is going to sell, and she is going to beg. This is what one can say. Of this, interest payment is about Rs. 9.40 lakh crore; the capital expenditure is about Rs. 7.5 lakh crore; the establishment expenditure is about Rs. 6.92 lakh crore; Defence is for about Rs. 3.85 lakh crore; subsidies are for Rs. 3.18 lakh crore; grants for States is just ten per cent of the Budget and it is Rs. 3.17 lakh crore.

(2025/SM/KN)

For pension, it is Rs.2.07 lakh crore. So, all that remains for other development expenses is a paltry sum of Rs.3.36 lakh crore for the development of this country.

Sir, the Finance Minister was so generous in thanking the middle classes who pay the taxes. What did she say? "Thank you. You have been good taxpayers. I am not going to make any change in tax limit for you. You end up paying the same tax. There will be no benefit for you. COVID or no COVID, you are there to pay taxes."

The middle classes were expecting a lot. For the last two years, it has been very bad for the middle classes. They have been suffering due to COVID. Although, empty promises were coming from the Treasury benches, nothing really came out of it.

Sir, another interesting subject is agriculture. The Economic Survey and the Budget have failed to address the elephant in the room; they have failed to address agriculture.

After burning the fingers with the three farm laws, you have not paid any attention to our farmers, even though we thought that five States' election might impress you to give some more subsidies to the farmers. Sir, I would like to say that the Finance Minister had promised us that in the year 2022, she will double the farmers' income. We are in 2022. We are waiting for this. You have not taken any accountability for the agricultural sector's demands like MSP. You do not want to address the issue of MSP or other solution concerning the lack of remunerative prices, unfair markets and rising input costs.

Sir, the Finance Minister has announced new tech, hitech drones that will review the crop assessment, digitization of land records, and spraying of insecticides and nutrients. But, there is no uniform national level policy for supplying of maps and other information required for developing such technologies.

In this Budget, the allocation for rural development as percentage of GDP has declined from 0.62 per cent to 0.54 per cent this year. The allocation for food subsidy has been slashed. Since procurement of wheat and rice is not likely to come down, the Government seems to have decided to access the stock in central pool.

Sir, there are no welfare schemes or compensation for farmers who stood outside our capital for one year, fighting to withdraw the rules. You have not done anything for them. What was the response to a question by MPs on this issue? The Government has replied that it has no data how many farmers had died.

Sir, I would like to quote my hon. good friend, Dr. Shashi Tharoor. Last year, he quoted, " 'NDA' means 'no data available' ". Whatever we ask, there is no data available. When we asked about the migrant workers who lost their jobs, who lost their lives in 2020, they said that there is no data available. When we asked how many frontline health workers have lost their lives due to pandemic, the Health Minister announced that there is no data available.

In 2011, caste-wise Census was taken. Why do you not give us data? They say that there is no data available. But if you want reservation for the economically weaker sections, you can pass it without any data and substantiate your stand in Supreme Court.

So, on a wide range of data regarding security, GDP or anything, the answer we get from the Government is that there is no data available. If you have any data, please share with us. You are worried. If you give us data, we will ask you uneasy questions for which you do not have any answers.

Sir, take the MGNREGA situation. The largest rural employment scheme has been pegged down to Rs.73,000 crore, Rs.25,000 crore lesser than the Revised Estimated for the current year of Rs.98,000 crore despite the fact that the Economic Survey actually provided evidence that the demand for work under this Scheme even during the current year continues to be higher than the pre-COVID-19 level.

(2030/KKD/GG)

Sir, our Chief Minister, Shri M.K. Stalin pointed out that reduction by Rs. 25,000 crores shows the Centre's poor thought process on this that they do not want any single rupee to remain in the hands of the poor people. Is it due to lack of funds allocation, or is it that new announcements for States are banned?

Sir, despite our Prime Minister making huge statements in the international conferences about the Climate Change, about the commitment India is making, from where he is going to get the money, he has never announced. When we ask, there is no data available. We appreciate him in regard to the Climate Change.

Sir, I come from Chennai, Tamil Nadu. We have been voicing our opinion that Chennai has been facing the worst climate change. We have been getting unseasonal rains. About 74 per cent more rains and floods have occurred there. Our Chief Minister had written letters asking for funds, but there are no funds available. There is no data available and there are no funds available.

Sir, if the same situation had happened in Gujarat, even before anything happened there, Rs. 500 crore would have been sent there for Gujarat. My founder Arignar Anna said: '*Vadakku Vazhkirathu Therku Theikirathu*' -- the North is prospering and the South is not getting any respite. Why are you doing this?

Sir, they made announcements during the COVID. Where do the diamond merchants come from? They all come for Gujarat. For Gujarat, they have announced just five per cent duty on diamonds.

What is happening in Tamil Nadu because of this pandemic situation? Everyone knows that Tiruppur is a Capital for garment manufacturing industries. Exports from Tiruppur have been world known. It has more than 15,000 SMEs, producing factories in the Capital City of multi-billion dollar garment industries with international significance. Every successive Government has been ensuring that the garment industry goes on. But during the COVID lockdown, there was an unprecedented rise in price of raw materials and inadequate infrastructure due to lack of concerted policies. The Union Government just ignored it.

In the previous AIADMK Government and the Modi Government, we saw 50 per cent of these garment industries closing down.

Sir, immediately after coming to power, our CM, Thiru M.K. Stalin had assessed the situation and realised that if this situation is allowed to continue, it will kill the exports and they will be losing their net worth. So, he wrote to the Union Government for a slew of measures that could have supported the garmenting industries. What did we ask? We asked for removal of tax duties, take stringent action to reduce surging yarn price. Cotton is coming from the one major State, and it is from Gujarat. That is reason we asked the Union Government to take some efforts on that. He also asked the Union Government to study the global scenario on garment industry ... (*Interruptions*)

DR. SANJAY JAISWAL (PASCHIM CHAMPARAN): Sir, how much time has been allotted to his party? ... (*Interruptions*)

AN. HON. MEMBER: He is the only speaker from our party ... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON (SHRI KODIKUNIL SURESH): He is taking his party's time.

... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: Hon. Members, please take your seats. Otherwise, your party will lose the time.

... (*Interruptions*)

SHRI DAYANIDHI MARAN (CHENNAI CENTRAL): Sir, this time of disturbance should be taken into account, and I may be given extra time.

HON. CHAIRPERSON: Yes, please continue.

SHRI DAYANIDHI MARAN (CHENNAI CENTRAL): Mr. Jaiswal-ji, I never knew that you like my speech so much. I will talk for long! ... (*Interruptions*)

SHRI BHARTRUHARI MAHTAB (CUTTACK): Sir, three days have been allotted for discussion on General Budget. Can any Member stand up here in the House and ask, how much time has been allotted to that party? ... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: There is no point of order.

DR. SANJAY JAISWAL (PASCHIM CHAMPARAN): Sir, I am on a point of order.

HON. CHAIRPERSON: There is no point of order. Please sit down.

... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: Hon. Members, please cooperate with the Chair.

... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: Jaiswal-ji, you are a senior Member. Please sit down.

Maran-ji, please continue.

SHRI DAYANIDHI MARAN (CHENNAI CENTRAL): Sir, the House should be set in order. ... (*Interruptions*)

Our Chief Minister, Thirui M.K. Stalin asked for removal of tax duties. Stringent action should be taken to reduce the surging yarn price.

(2035/RP/RV)

He asked the Union Government to study the global scenario of the garment industry and support our Tirupur manufacturers to compete in the international market and to appoint a separate welfare board and integrated scheme to support lakhs of garment workers. What did the Modi Government do? Sorry, what did the BJP Government do? They did nothing. They did nothing for Tamil Nadu. ... (*Interruptions*) Jaiswal ji, you are not supposed to discuss with each other.... (*Interruptions*) The reason why I am talking about Tirupur is not to pinpoint at Gujarat's growth for which you are trying to take all the taxpayers money. The reason why I am saying this, Sir, is because there is a dangerous situation to arise. If you take our neighbour Bangladesh, they are surging ahead of us, of India, despite India having a natural advantage in this industry simply because your Government failed to address the issue of Tirupur.



Once described as a bottomless market by the US Secretary of State, Henry Kissinger, Bangladesh is emerging as a bull economy outpacing India in many indices of economic or human development and it has a good Government support for the garment industry. Their per capita GDP has also surpassed ours in the garment sector. There is something which you have to know. The Finance Minister has to realise this. In 2007, the per capita income of Bangladesh was half of that of India but it will overtake us in per capita GDP once again in 2025 according to IMF, and World Economic Forum's outlook. This is a serious situation and that is why I am trying to get your attention but you do not want me to speak out because it hurts you when I tell you the truth with disturbing data.

Sir, again, as I said, you are not respecting the South, there is no fund allocation for any project proposed by the Tamil Nadu Government, especially, for new railway schemes in Tamil Nadu. How can we accept 'One Nation, One Registration' proposal? It infringes the rights of the State Governments and betrays the guiding principles of the federal structure of the Constitution. Though the proposed allocation of Rs. 1 lakh crore on the basis of cooperative federalism appears to benefit the State, the fund will be spent on the Prime Minister's Gati Shakti Plan. In the plan, in the name of allocating funds to the States, the Union Government will spend all the money. They will say: "No, we are allocating the fund to the State. You will be spending it." What are we supposed to do? This is a mere eye-wash.

The Union Government has not taken any effort regarding the fiscal deficit.... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON (SHRI KODIKUNNIL SURESH): Hon. Member, please address the Chair. Please, do not listen to anybody. Please address the Chair.

... (*Interruptions*)

SHRI DAYANIDHI MARAN (CHENNAI CENTRAL): Sir, the Union Government has not taken any effort regarding fiscal deficit of the States. It has only allowed a fiscal deficit of 4 per cent of GSDP for 2022-23, of which 0.5 per cent will be tied to power sector reforms. This will be absolutely critical for States like Tamil Nadu which is offering free electricity to benefit the farmers. The States should be allowed a fiscal deficit of 5 per cent of GSDP without any condition. This is the need of the hour. The Union Government is infringing the rights.

All the money which is collected from the States are given to the elder brother. The Central Government has no financial sources of revenue. All the revenue comes from State sources. We trust you. We gave it to you but what you did, you did not spend it on us. You pretend to listen to us. You have meetings, but only selected States get the funds. The developing States like Maharashtra, Tamil Nadu, Karnataka, Kerala, Andhra Pradesh, Telangana and Odisha are feeling the brunt and most of the States are non-BJP states. If you are a non-BJP State, there will be no development. If it is West Bengal, nothing will happen. If it is Tamil Nadu, nothing will happen. Sir, the Finance Minister, who is not present here in the House, has said while giving an interview to India Today channel that India's economic growth, in the current year, is estimated at 9.2 per cent, the highest among all the large economies.

(2040/NKL/MY)

Sir, but the same Economic Survey, which she presented, is more cautious with an estimate of only 8 per cent.

Sir, this is a story which we just all like to talk about. In India, we are seeing that a very few seem to be enjoying the growth that the Government is talking about.

Indian billionaires increased their wealth by 35 per cent during the lockdown, whereas the middle-class India is estimated to have shrunk by 3.2 crore people, and 12 crore people were pushed back into poverty, according to reports. So, who has really benefitted? This is the question. Someone has really benefitted.

Sir, the BJP saw a growth of its fortunes. The BJP declared its assets worth Rs. 4,847.78 crore in the Financial Year 2019-20, the highest among all the political parties, which is up by nearly Rs. 1950 crore compared to Rs. 2904.18 crore which you declared in 2018-19. ... (*Interruptions*) Sir, we would like to know what their recipe is. If BJP has got a good recipe, we request the BJP to share that with all the other Parties. ... (*Interruptions*)

DR. NISHIKANT DUBEY (GODDA): Sir, I have a Point of Order. ... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON (SHRI KODIKUNNIL SURESH): Just a minute. What is the rule?

... (*Interruptions*)

DR. NISHIKANT DUBEY (GODDA): Sir, it is Rule 369. It says:

“A paper of document to be laid on the Table shall be duly authenticated by the Member presenting it.”

इन्होंने कहा कि कोविड काल में बिलिनियर्स 30.5 परसेंट इनक्रीज हुए हैं। आप इनको ऑथेन्टिकेट करने के लिए कहिए।

दूसरा सवाल यह है कि वह डिसक्रिमिनेशन के बारे में जो कह रहे हैं, यह सी.डी.रेशियो ऐसा है कि 100 परसेंट से ज्यादा तमिल नाडु को मिलता है। हमको 34 परसेंट मिलता है। हम बिहार और झारखंड से आते हैं। बैंक का सारा पैसा तमिल नाडु, महाराष्ट्र और गुजरात को जा रहा है। पैसा हमारा है और वे लेते हैं। आप इनको दोनों पेपर ऑथेन्टिकेट करने के लिए कहिए, नहीं तो अपनी बात वापस करने के लिए कहिए। ... (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON: Your point is not relevant. Shri Maran, please continue.

... (*Interruptions*)

SHRI DAYANIDHI MARAN (CHENNAI CENTRAL): Sir, the rise in fortunes of the top 100 billionaires since the lockdown in March is enough to give everyone of the 138 million poor Indian people Rs. 94,045 each, according to Oxfam's 'Inequality Virus Report.

Sir, the wealth of the top 11 billionaires in India, who made money in the pandemic can easily sustain the MGNREGA Scheme and the needs of the Health Ministry for the next ten years. Sir, at this point, I would like to ask this.

... (*Interruptions*)

Sir, at the outset, I would like to congratulate the hon. Finance Minister for the great Indian sale. The Air India has been offloaded. You undersold the Central Electronics Limited which was developing critical frontier technologies for defence and space, and was of strategic interest to India. The strategic partner for Neelanchal Ispat Nigam Limited has been selected. You are planning for the Initial Public Offer of LIC in the March quarter. Next, in line, there are BPCL, Shipping Corporation of India, Concor, BEML projects. ... (*Interruptions*)

Sir, I am the only speaker. ... (*Interruptions*) Sir, you are stopping my flow. ... (*Interruptions*)

Sir, next in line, there are BPCL, Shipping Corporation of India, Concor, BEML, Project & Development India Limited, Engineering Project (India) Limited, and Container Corporation of India Limited. All of them are listed for sale.

(2045/MMN/CP)

What an achievement! This is done following the PM's statement in February last year. The Government has no business to be in business. The FM is taking it in letter and spirit and ensuring she is selling everything off of the PSUs. I have a serious question to the Government. The Parliament has to be respected. While the Finance Minister comes and addresses the Parliament and informs us about the sale, she should also inform us about the investment the Government of India is making on the tax money. On the one hand, you are selling and on the other hand you have taken 34.8 per cent stake in Vodafone. Whose money is that? It is our tax-payers' money. You have also taken a stake in Airtel. Whoever does not pay money to you, you take their stakes. Why are you only doing for the rich people? There are so many Indians who lost their business because of the pandemic. There are so many people who have not been able to pay their loans for the houses and they have been pushed out of their houses. Why cannot you be equal partners in their sorrows also?

I think the Finance Minister should give a White Paper on how and why a decision was taken. Are you being like a Temasek of Singapore trying to invest there? You should be clear on this. The Parliament is not informed, like she is missing in action in the most important crucial Budget debate and the Finance Bill. She should have informed us that she is investing this money in Vodafone. This is the tax-payers' money. ... (*Interruptions*)

Again, I would like to say about the railways. Sir, look at it. They get very upset when I say all the projects are going to Gujarat. The Indian Railways is investing about Rs.1.37 lakh crore in the Vande Bharat trains, which is in three segments for three years. If we really look at it, it is around Rs.40,000 crore a year. But the Finance Minister has made it look as if it is a very good project. You have made a huge investment on the bullet trains which are connecting Ahmedabad and Mumbai. It is not Mumbai. My dear friends, do not get fooled. It is for Ahmedabad. They want to do it. You are spending money. We welcome it. Some investment is good. But I am asking one thing.

The Rafale deal has cost us Rs.58,891 crore. I am not talking bad about it. I am not going into the controversies. Do not get alarmed. I am not going to talk about that. India has pumped nearly Rs.60,000 crore into the French economy by the Rafale deal. I would like to ask you one thing.

The IT golden triangle in South India is Bengaluru-Hyderabad-Chennai. This is the golden IT triangle which creates a lot of money. Why cannot you ask the French to invest on TGV which is equivalent to the bullet train, and put a high-speed train route in South India, which will be of so much of use? Is it that you are investing? Why cannot you ask them? ... (*Interruptions*)

Sir, I am concluding. I am done in five minutes. I have nothing more.

Again, here also it is the same thing. You see the amount of money which is being given to the GIFT city. You are investing so much of our tax-payers' money on the GIFT city. Even now the Finance Minister has announced huge relief to the GIFT city but the GIFT city project is not taking up.

If you have put that city in Mumbai or Delhi or Chennai or Hyderabad, it would have been a huge success. So, useful resources are being lost.

There is one question which I would like to ask the Finance Minister. ... (*Interruptions*) No, Sir. I have got three more questions and then I will finish it. I have got 30 minutes' time. ... (*Interruptions*) Right now, the Home Minister has also come to listen to my speech. So, I would like to make the best use of it. Since the Finance Minister has not come, the Home Minister has come.

The Finance Minister is so dedicated to make sure that every product is made in India. Sir, we appreciate that. So, what she does is, she puts 20 per cent duty on umbrellas. My Kerala friends, you are the users of umbrellas. She has put 20 per cent duty on umbrellas but no duty on the parts which are made to make umbrellas. So, what she is trying to say is that the manufacturing of umbrellas, after so many years, should be made in India. Is that the real thing? Is that going to happen?

The reality is that the umbrellas will be assembled in India. They are not going to be made in India. If you really look at this, the trade between India and China has increased to the tune of 125.7 billion. The deficit is 69.4 billion. There was a growth in the year 2021. Our import has increased by 46 per cent. Do you know the reason why I am saying this? ... (*Interruptions*) Sir, I am going to wind up.

(2050/VR/NK)

Sir, I will just wind up my speech. At the end of the day, we are totally depending on Make in India.

Sir, we are talking about NEET. In 2017, when the Finance Minister was present in Tamil Nadu, she made a statement that she is supporting the exemption of NEET in Tamil Nadu because the rural students are not benefiting from it. It was Nirmala Sitharaman's Press interview that I am reminding her of. This is the same thing that we are doing. It is time that we should go forward.

....(Interruptions)

HON. CHAIRPERSON (SHRI KODIKUNNIL SURESH): Please conclude.

SHRI DAYANIDHI MARAN (CHENNAI CENTRAL): Sir, I am given 30 minutes time. ....(Interruptions)

HON. CHAIRPERSON: But the time allocated to you is over.

....(Interruptions)

SHRI DAYANIDHI MARAN (CHENNAI CENTRAL): Sir, 10 minutes ended up in disruptions. ....(Interruptions)

HON. CHAIRPERSON: Please conclude your speech.

....(Interruptions)

SHRI DAYANIDHI MARAN (CHENNAI CENTRAL): It is a very serious issue.

I would like to put a question to the Finance Minister. She says that 5 per cent of the USO funds are going to be used for 5G technology development. As I know about it, the 5G is going to be a homegrown technology. But instead of the companies paying money for it, the USO fund being allocated for it. The USO fund is only to make sure that rural India gets telephone connections and free internet. That money is now being used for these companies. That is objectionable. Even there was no mention of BSNL and MTNL. Today, what is the status of 4G? Are you going to give 4G to BSNL and MTNL? There is not a word on it.

At the end of the day, I would like to say that States make India. Prosperous States make a prosperous India. I would urge the Central Government not to be biased against States, and please be generous with all States, especially the States which are not ruled by the BJP.

Thank you very much, Sir.

(ends)

2052 hours

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (KOLKATA UTTAR): Sir, I expected and it would have been better had the Finance Minister been present at the time of the Budget debate.

Sir, this year's Budget is of Rs.39.45 lakh crore and the total receipt is of Rs.22.84 lakh crore. So, it is a deficit Budget overall. I want to draw the attention of the House to what has happened to the previous year's Budget as well. It was a Budget of Rs.34.83 lakh crore and when it was revised, it increased by Rs.37.70 lakh crore. Do you know, Sir, why was it lifted when it was revised? Here, an amount of Rs.51,791 crore was made towards settlement of outstanding guaranteed liabilities of Air India, including from capital expenditure of Revised Estimates. The amount of Rs.51,000 crore was taken by the Government to make TATA's passage clear, and Air India was sold to TATAs for only Rs.18,000 crore. It was mentioned proudly in the Budget Speech. It is not my quote but it is a quote mentioned in the Budget. So, I think this portion of the Budget should be described as 'the joke of the Budget 2022-23'

Sir, this Budget is presented by saying "Prime Minister's Vision for India @100." I consider it as a pious wish. It is a Budget of grave disappointment. It contributes nothing to the common people – I will come gradually to it. It is long on promises but short on effect. No sign of overall reform is reflected in this Budget. I will describe this Budget as a 'Sell India Budget'.

(2055/SAN/SK)

Air India is sold. The name of Neelanchal Ispat Nigam Limited, NINL has been mentioned in the Budget speech. It would also be sold. LIC's public issue is going to come. So, it is also proposed to be sold. What is happening so far as the public sector undertakings are concerned? In our country, there are *navratna* type of public sector undertakings, *maharatna* type of public sector undertakings, *ratna* type of public sector undertakings, *mini-ratna* type of public sector undertakings, but this Government is in a mood to sell out all the public sector undertakings. Mr. Dayanidhi mentioned the names. So, I will not mention the names in details. Why are they doing it? We totally oppose the idea of this Government to disinvest the public sector undertakings.

We totally oppose the sale of at least the profit-making public sector undertakings. What is the reason for which the Government is going to sell out a portion of even the LIC? LIC is a jewel crown-asset of the country. LIC is the largest asset manager of this country. Its assets are of about Rs. 31 lakh crore as per the balance-sheet, which is about the balance-sheet of SBI – Rs. 39.51 lakh crore. The balance-sheet of LIC is equivalent to the amount of Central Budget. The Central Budget is of Rs. 35 lakh crore. So, why should we touch such type of a sector?

Today, banks are in an uncertain position. People are keen to know what will be the fate and future of the banks of this country, which were once nationalised by the great leader, Shrimati Indira Gandhi? Now, does this Government have a thought or idea to go for denationalisation of banks? Does it want to hand over the banks and the LIC altogether to the private people? I apprehend that the basic economic policy of the Government is going to take completely another shape. All attempts are being made to see that all past records and all past history are lifted. These issues can be taken up. I apprehend that banks, LIC and also the nationalised coal mines can be given to the private parties.

Now, I come to cryptocurrency. How will you introduce such a currency in a country like ours? Cryptocurrency is a risk. They are going to introduce a Bill in this Session itself. It is a gambling type of currency. People are not aware of what cryptocurrency is. They will get it passed without sending the Cryptocurrency Bill to the Standing Committee. This Government has the habit to introduce the Bill and get it passed without a discussion. In this case, I warn from the very beginning. What is Digital Rupee? We all have to pay serious thoughts and ideas to this. The hon. Finance Minister has to explain about it. Then, Sir, unemployment is at a skyrocketed high.

Shri Adhir Ranjan Chowdhury was telling the other day that it has come down from two crores to 60 lakhs. That is your commitment in this Budget. There is no increase for 100-day jobs under MGNREGS.



(2100/SNT/MK)

The most accepted policy of the Government at least inspired unemployed people of the country. But there is no signal of any increase in 100-day jobs. For youths, it is taking a very negative side that it can be withdrawn also. What I would propose is this. MSMEs are to be given more priority.

HON. CHAIRPERSON (SHRI KODIKUNNIL SURESH): Hon. Members, if the House agrees, the time of the House may be extended by half-an-hour.

SEVERAL HON. MEMBERS: Yes. ... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: 'Zero Hour's' time is also included.

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (KOLKATA UTTAR): MSMEs are to be given more financial support. MSMEs can generate employment. This Government should not run behind the big industries which are near and dear to them. At this juncture, the condition of the country cannot be very effective and big industries cannot deliver employment facilities which MSMEs can. So, the Government should give priority to this sector.

There are seven engines in Prime Minister Gati Shakti Scheme. What are these seven engines? These are – roads, railways, airports, ports, mass transport, waterways, and logistics infra. They are supposed to pull forward the Indian economy. I want to know from the Government how many airports we have sold. I am asking a straightforward question. Airports have been sold. I want to know from the Government how many have been sold. And you are going to develop your economy through airports! You have to remain answerable to this House.

There is a type of godowns which are going to be established in this country. It is known as silo godowns. What are these godowns? These will be steel structure bodies with 50,000 MT to 5,00,000 MT capacity for protection of food grains in a better way. I appreciate it as I am the Chairman of the Standing Committee on Food, Consumer Affairs and Public Distribution. All these silos whether they are in Bengaluru or Gujarat or Maharashtra have been handed over to Mr. Adani but no one else. I propose to the Government to set up these silo projects but consult with the State Governments. Take ideas from them. It is being looked after by FCI but this system is running very speedily.

Now, I come to black money. Parallel black money economy is still running in the country. What benefit did we achieve from demonetization? Piyush Goyal

Ji made a statement in February 2019 that Rs. 1.39 lakh crore had been recovered through various anti-black money measures including demonetization. It is not a failure. With a great enthusiasm, the Government announced demonetization but only Rs. 1.39 lakh crore were recovered. What about the black money kept in Switzerland? What agreement have Switzerland and Government of India made with each other? Till now, \$12 trillion are in Switzerland illegally. I want to know from the Government whether you are negotiating with the Switzerland Government. Since our young age, we are habituated to hear that there is money in Swiss Bank.

(2105/SJN/SRG)

स्विस बैंक के साथ जो एग्रीमेंट हुआ था, उसका क्या हुआ? आप लोग उस ब्लैक मनी को कब वापस लाएंगे? हर एक बैंक अकाउंट में 15 लाख रुपये डाले जाएंगे, यह कमिटमेंट, यह डिक्लेरेशन तो भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव से पहले किया था। कम से कम स्विजरलैंड से तो ब्लैक मनी रिकवर कीजिए।

The prices of fuel are going up. There is nobody to ask; there is nobody to respond. Why? They are autonomous bodies. You cannot ask questions. Why is it not increasing now? It is because Uttar Pradesh elections are there. We apprehend that when Uttar Pradesh elections will be over, prices of fuel may go up to any level. We want commitment from the Government that wherever it is stopped, let it be stopped, or make a roll back of the prices. We, from the Benches of the Opposition, make a demand that price rise which has happened up till now should be rolled back. The big ideas, big proposals, big assurances cannot make the common people happy.

The issue of cooperative federalism has been raised. I also want to speak on this issue. The policy of the Government in this Budget has been declared that financial assistance to States for capital investment will be increased from Rs. 10,000 crore to Rs. 1 lakh crore up to 2022-23 Budget. What will happen? What is the roadmap for allotment of Rs. 1 lakh crore? I want to know whether it will go to Gujarat or Maharashtra or to Karnataka. After Independence, the States of Eastern India, regionally, were exploited in Indian economy. We were exploited. People look at the States which are flourishing which are well-equipped, but we must claim that Rs. 1 lakh crore. We want to know for which State it is going to be allocated. ... (*Interruptions*). I am going to conclude. I normally do not take much time.

What for is Central vista being created? How much money has been spent? Big buildings like Vigyan Bhawan, National Museum, National Cultural Centre have been demolished. There is no Vigyan Bhawan today. All have been demolished. Another six new buildings are going to be constructed. What for? What is the total amount allocated to decorate Rajpath?

I must make a demand which all political Parties once supported.

2108 hours (Hon. Speaker *in the Chair*)

अमित शाह जी, आप भी यहां पर हैं, इसलिए आप मेरी डिमांड सुनकर जाइए। अभी यहां पर वित्त मंत्री जी नहीं हैं, इसलिए मैं आपसे ही कहूंगा। What is the thinking of the Government regarding State funding of elections? Once a Committee headed by Shri Indrajit Gupta broadly placed that all recognized political parties will be extended support for their candidate to contest the elections. It was also an all-Party resolution supported by both the ruling as well as Opposition parties. I propose to you to consult in the Cabinet or in the Party and think over the State funding of elections. It is a necessity at this time.

Lastly, I would like to conclude by asking about the Pegasus agreement. Nowhere is it being discussed at all. We want to know whether it is a fact or whether it has happened or whether we have come to any agreement with Israel. It is not less than a USD 200 crore agreement. My Chief Minister, Mamata Banerjee, very vehemently commented upon this Budget that it is a Pegasus-spin Budget, but I describe it as a cosmetic type of Budget.

(2110/AK/YSH)

So, we want to hear from the hon. Finance Minister whether it is a Pegasus-type or cosmetic-type or sell-India-type Budget. Today, I heard the speech of Modi ji from beginning till end. It was a total battle between Prime Minister and Shri Adhir Ranjan Chowdhury. Many other Members spoke many things. They requested me to make this issue alive over here once. Why did the Prime Minister not respond to any other Opposition Party Leader? Is it an understanding between the two Parties, which is alleged sometimes?

Sir, thank you very much for allowing me to speak by exceeding my time. The Member from my Party to speak next, namely, Shri Kalyan Banerjee will speak tomorrow. Please do not cut any of his time. With this request, I do not support the Budget. Thank you, Sir.

(ends)

### सभा पटल पर रखे गए पत्र – जारी

2111 बजे

**माननीय अध्यक्ष:** आइटम नम्बर 10.

श्री अर्जुन राम मेघवाल जी।

**संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल):** अध्यक्ष जी, श्री राजीव चन्द्रशेखर जी की ओर से, मैं निम्नलिखित पत्र सभा पटल पर रखता हूँ:-

- (1) (एक) नेशनल इंस्ट्रक्शनल मीडिया इंस्टिट्यूट, चेन्नई के वर्ष 2018-2019 और 2019-2020 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा लेखापरीक्षित लेखे।
- (दो) नेशनल इंस्ट्रक्शनल मीडिया इंस्टिट्यूट, चेन्नई के वर्ष 2018-2019 और 2019-2020 के कार्यक्रम की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (2) उपर्युक्त (1) में उल्लिखित पत्रों को सभा पटल पर रखने में हुए विलंब के कारण दर्शाने वाले दो विवरण (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (3) (एक) राष्ट्रीय कौशल विकास एजेंसी, नई दिल्ली के वर्ष 2014-2015 से 2016-2017 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा लेखापरीक्षित लेखे।
- (दो) राष्ट्रीय कौशल विकास एजेंसी, नई दिल्ली के वर्ष 2014-2015 से 2016-2017 के कार्यक्रम की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (4) उपर्युक्त (3) में उल्लिखित पत्रों को सभा पटल पर रखने में हुए विलंब के कारण दर्शाने वाले तीन विवरण (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (5) कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय की वर्ष 2022-2023 की अनुदानों की विस्तृत मांगों की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।

---

#### STATEMENT RE: STATUS OF IMPLEMENTATION OF RECOMMENDATIONS/OBSERVATIONS IN 234<sup>TH</sup> REPORT OF STANDING COMMITTEE ON HOME AFFAIRS -- LAID

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CULTURE (SHRI ARJUN RAM MEGHWAL): Sir, on behalf of my colleague, Shri B. L. Verma, I rise to lay a statement regarding the status of implementation of the recommendations / observations contained in the 234<sup>th</sup> Report of the Standing Committee on Home Affairs on Action Taken by the Government on the recommendations / observations contained in 232<sup>nd</sup> Report of the Committee on Demands for Grants (2021-2022) pertaining to the Ministry of Development of North Eastern Region.

## श्री असादुद्दीन ओवैसी के काफिले पर हुए हमले के बारे में वक्तव्य

2113 बजे

**माननीय अध्यक्ष:** आइटम नम्बर 18.

माननीय गृह मंत्री जी।

**गृह मंत्री तथा सहकारिता मंत्री (श्री अमित शाह):** माननीय अध्यक्ष जी, दिनांक 3 फरवरी, 2022 को सायंकाल लगभग 5:20 बजे, श्री असादुद्दीन ओवैसी, सांसद (लोक सभा), किठौर, मेरठ, उत्तर प्रदेश से एक जन संपर्क कार्यक्रम करने के बाद दिल्ली लौट रहे थे। जब उनका काफिला छिजारसी टोल (प्लाजा), एनएच - 9, थाना पिलखुवा, जनपद हापुड़, उत्तर प्रदेश से गुजर रहा था तो दो अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उनके काफिले पर गोलियां चलाई गईं। इस घटनाक्रम में श्री ओवैसी सुरक्षित बच गए, लेकिन उनके वाहन के निचले भाग में तीन गोलियों के निशान दिखाई दिए। उक्त घटना को तीन गवाहों ने भी देखा है। इस संदर्भ में एक प्रथम सूचना रिपोर्ट अपराध संख्या 45/22 अंतर्गत धारा 307 भारतीय दण्ड संहिता और धारा 7 आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 1932, थाना पिलखुवा, जनपद हापुड़ में पंजीकृत किया गया और इसकी विवेचना की जा रही है।

श्री ओवैसी का जनपद हापुड़ में पूर्व से कोई कार्यक्रम नियत नहीं था और न ही उनके आवागमन के बारे में कोई पूर्व सूचना जिला नियंत्रण कक्ष को प्राप्त हुई थी। श्री ओवैसी घटना के पश्चात् सुरक्षित दिल्ली वापस पहुंच गए। जनपद के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किया गया। विवेचना के क्रम में, स्थानीय पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया और उनसे दो अनधिकृत पिस्टल और एक ऑल्टो कार बरामद की गई।

घटना स्थल और वाहन की फोरेन्सिक टीम द्वारा सूक्ष्मता से जांच की जा रही है और साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं। दोनों अभियुक्तों से उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा पूछताछ की जा रही है। जनपद में कानून और व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण में और सामान्य है। वहाँ कड़ी सतर्कता बरती जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा तुरंत ही राज्य सरकार से रिपोर्ट प्राप्त की गई है। पहले भी कई मौकों पर केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के खतरे के आंकलन के आधार पर श्री ओवैसी को सुरक्षा प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार ने निर्देश जारी किए हैं, लेकिन श्री ओवैसी द्वारा सुरक्षा लेने की अनिच्छा के कारण दिल्ली पुलिस और तेलंगाना पुलिस का उन्हें सुरक्षा देने का प्रयास सफल नहीं हो सका।

(2115/RPS/SPR)

श्री ओवैसी के खतरे का पुनः मूल्यांकन कराया गया है और खतरे के आकलन के आधार पर उनको दिल्ली में बुलेट प्रूफ कार के साथ, अखिल भारतीय स्तर पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। मेरा वक्तव्य समाप्त होता है, परन्तु श्री ओवैसी जी ने सीआरपीएफ की सुरक्षा ब्रांच को मौखिक रूप से बताया है कि उनको सुरक्षा नहीं चाहिए। मैं सदन के माध्यम से और आपके माध्यम से श्री ओवैसी जी से विनती करना चाहूंगा कि उनको सुरक्षा ले लेनी चाहिए और सुरक्षा लेकर ही अपने राजनीतिक कार्यक्रम करने चाहिए।

(इति)

**श्री सय्यद ईमत्याज़ जलील (औरंगाबाद):** अध्यक्ष जी, मैं देश के गृह मंत्री अमित शाह जी को धन्यवाद अदा करता हूँ कि ओवैसी साहब के ऊपर जो जानलेवा हमला हुआ था, उसका आपने दखल लिया है, लेकिन मैं आपसे एक-दो सवाल करना चाहता हूँ... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** लोक सभा में स्टेटमेंट पर सवाल नहीं होता है।

**श्री सय्यद ईमत्याज़ जलील (औरंगाबाद):** अध्यक्ष जी, मेरा सिर्फ यह कहना है कि इस मामले के अन्दर सेक्शन 120बी नहीं लगाई है... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** अब आप मत बोलिए। आपकी बात रिकॉर्ड में नहीं आ रही है।

... (व्यवधान) ... (कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।)

**माननीय अध्यक्ष :** लोक सभा में स्टेटमेंट के बाद प्रश्न काल नहीं होता है।

### \*लोक महत्व के अविलम्बनीय मुद्दे - जारी

2116 बजे

**माननीय अध्यक्ष :** शून्य काल, श्रीमती चिंता अनुराधा – उपस्थित नहीं।

श्री मनीष तिवारी - उपस्थित नहीं।

श्री एंटो एन्टोनी।

**SHRI ANTO ANTONY (PATHANAMTHITTA):** Sir, I would like to request the Government to take urgent action to implement the new NH in Kerala from Thiruvananthapuram, Kottarakara, Kony, Rany, Kanjirapalli to Angamaly, which is the most suitable alignment connecting 21 highway corridors. Major towns stretch along Kerala. The proposed greenfield national highway will run parallel to the existing M.C. Road in Kerala. The new corridor will be the solution to the problem of heavy traffic congestion. It is linked to major pilgrim centres like Sabarimala, Erumeli, Nilakkal, *Bharananganam*, Malayattoor, etc. Therefore, I would request the Government to allot sufficient funds for the completion of this greenfield highway in Kerala.

**SHRI UTTAM KUMAR REDDY (NALGONDA):** Hon. Speaker, Sir, I would request the Government of India to accept the pending, justified and constitutionally valid demand of the tribal community of Telangana for reservation as per their population percentage. When the combined Andhra Pradesh was divided into Andhra Pradesh and Telangana, the Telangana region had a greater tribal population percentage and were eligible for a higher reservation. That proposal has been pending with the Government of India for the last seven and a half years. Hence, I would request the Government of India to sanction higher reservation for the tribal community in Telangana.

**श्रीमती शारदा अनिल पटेल (महेसाणा):** धन्यवाद, अध्यक्ष महोदय।

मेरे संसदीय क्षेत्र में बेचराजी नगर विशेष निवेश क्षेत्र है, जिसमें मारुति सुजुकी, हॉण्डा एवं कई अन्य बड़ी कंपनियों के उत्पादन प्लांट्स हैं। इससे बेचराजी का काफी विकास हो रहा है। वर्तमान में अहमदाबाद-बेचराजी-रनुज-पाटन ब्रॉडगेज रेलवे लाइन का काम भी चालू है, जिसमें शंखलपुर रोड पर, बेचराजी किसान मंडी के पास वाले एलसी नम्बर-69 के स्थान पर अंडरपास का निर्माण कार्य चल रहा है। यह अंडरपास यात्राधाम बेचराजी को यात्राधाम शंखलपुर गांव से जोड़ने वाले बेहद महत्वपूर्ण मार्ग पर स्थित है। बेचराजी तालुका का सबसे बड़ा सरकारी सिविल अस्पताल शंखलपुर रोड पर स्थित है। यहां रोजाना आस-पास के 50 से ज्यादा गांवों के मरीज इलाज के लिए आते हैं।

---

\* Pl. see p. 428 for the list of Members who have associated.

एपीएमसी मार्केट यार्ड अंडरपास के पास स्थित है। किसान अपनी उपज बेचने के लिए ट्रैक्टर और ट्रक द्वारा मार्केट यार्ड में आते हैं, जिससे ट्रैफिक की समस्या भी पैदा होती है। शंखलपुर गांव में बहुचरा माता जी का विश्व प्रसिद्ध मन्दिर भी है, जहां हर चैत्र और आसो सूद पूनम की रात बहुचरा माता की सवारी बहुचरा जी मन्दिर से शंखलपुर मन्दिर तक जाती है, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। फार्मसी कॉलेज और बेचराजी तहसील का एकमात्र उच्च माध्यमिक साइंस विद्यालय इसी सड़क पर शंखलपुर में स्थित है। इन शिक्षण संस्थाओं में लगभग 15 से 20 गांवों के बच्चे अध्ययन के उद्देश्य से बेचराजी की ओर से आते हैं। बारिश के मौसम में अंडरपास में पानी भरने की स्थिति में आपातकालीन सेवा, स्कूली बच्चों और किसानों को बहुत दिक्कतें आती हैं।

(2120/SPS/UB)

महोदय, क्षेत्र में मारुती और होंडा जैसी बहुत कंपनियां हैं और उन कंपनियों पर निर्भर दूसरी सैकड़ों छोटी-मोटी कंपनियां परिचालन में हैं। विभिन्न कंपनियों के वाहनों की आवाजाही होने के कारण भी यातायात की बहुत समस्या है। इन सभी परेशानियों से बचने के लिए शंखलपुर रोड पर स्थित एलसी नंबर 69 से बेचराजी एलसी 68 के समानांतर 10 से 15 मीटर चौड़ाई में आरसीसी सड़क बनानी बहुत ही आवश्यक है, ताकि इस यातायात के दौरान आपातकालीन सेवाएं प्रभावित न हों।

मेरा अनुरोध है कि शंखलपुर रोड पर स्थित एलसी नंबर 69 से बेचराजी एलसी 68 के समानांतर 10 से 15 मीटर चौड़ाई में आरसीसी सड़क बनाने के लिए विशेष मंजूरी दी जाए और सड़क का निर्माण हो।

**डॉ. ढालसिंह बिसेन (बालाघाट) :** अध्यक्ष महोदय, मेरे लोक सभा क्षेत्र बालाघाट के अंतर्गत सिवनी है, वहां पेंच कान्हा नेशनल पार्क है, जो पर्यटन की दृष्टि से बड़ा समृद्ध है। इस कोरोना काल में आपने देखा कि कोरोना के कारण पर्यटन एकदम से रुक गया था।

महादेय, मैं बताना चाहता हूं कि मेरे लोक सभा क्षेत्र में कोई भी ऐसी विधान सभा नहीं है, जिसमें पर्यटन के स्थल नहीं हैं। उदाहरण के तौर पर सिवनी के अंदर कव्हरगढ़ है, आष्टा में प्रसिद्ध काली जी का मंदिर है, लांजी विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत डोंगरगांव में पहाड़ी के अंदर झरना बहता है और वहां पर शिवजी की मूर्ति है। इसी तरह से रमरमा में पहाड़ पर भगवान रामचन्द्र जी का स्थान है। पूरे पहाड़ी क्षेत्र में एक से एक पर्यटन स्थल हैं। इन पर्यटन स्थलों को विकसित किया जाए। लाखों की संख्या में प्रतिवर्ष काफी लोग आते हैं और इस कोरोना काल में सबसे ज्यादा लोगों ने इस स्थान का प्रयोग किया।

मैं चाहता हूं कि वन विभाग वहां पर ईको टूरिज्म डेवलप करे और संस्कृति विभाग इसको डेवलप करके, मोदी जी की जो 'वोकल फॉर लोकल' कल्पना है, उसके अंतर्गत पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इन स्थानों को विकसित करें और जनता के लिए नए रास्ते खोलें।

**SHRI GAURAV GOGOI (KALIABOR):** Sir, I rise to speak in support for our new national climate change legislation in India. Such a legislation should propose a national framework for adaptation and emission applicable to the Union

Government, State Government, municipalities, cities, and also the private sector. To drive this framework, there should be a national commission that is accountable to Parliament which also has the responsibility to coordinate the action plans at the national level and at the State level. The statutory bodies like Central Pollution Control Board and Commission for Air Quality Management need greater funds but, alas! in this budget, they have seen their funds reduced. Private sector companies must also play a part, report the emissions, factor in the carbon in their plans, and make environmental goals, social goals and governance goals as part of their annual plans.

Sir, as we phase down from coal, skilling and livelihood generation for green jobs must be in consultation with the Indian workers. There is a need to value and preserve the biodiversity, especially in Northeast India. Instead of ruining Northeast India with palm oil plantations, we should focus on bamboo and coconut as alternative and sustainable crops. Only through a National Climate Change Act can India achieve the commitments both outlined in Paris NBCs and in recent Glasgow Summit.

**\*श्रीमती नवनीत रवि राणा (अमरावती) :** अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं मराठी में अपना विषय रखना चाहूंगी।

Hon'ble Speaker Sir, thank you.

I would like to speak in Marathi. On the occasion of Birth Anniversary of Maa Jijau, thousands of Shivbhakts were gathered together and they erected a statue of Chhatrapati Shivaji Maharaj in Daryapur, Amravati on 12<sup>th</sup> January, 2022. They had been asking for permission to erect the statue at Rajapeth flyover for the last three years but the local administration did not approve that. People were worshipping the statue on daily basis and it was turned into a place of pilgrimage.

On 16<sup>th</sup> January 2022 at midnight at Rajapeth flyover, the local police and administration removed that statue by deploying CRPF, forcibly and brutally.

The people of Maharashtra worship Chhatrapati Shivaji Maharaj as a God and it is really shameful the way the statue was removed. Through you, I would like to request the Central Government to kindly look into it.

Thank you.

(ends)

---

\* Original in Marathi



(2125/RAJ/KMR)

**श्री अजय निषाद (मुजफ्फरपुर):** आज के मौजूदा दौर में सरकारी कार्यालयों, सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के कार्यालयों एवं संस्थानों में अनुबंध यानी कॉन्ट्रैक्ट लेबर की बहाली पंजीकृत ठेकेदारों द्वारा की जाती है। इसमें उनसे न केवल नाजायज पैसा वसूला जाता है, बल्कि नौकरी के दौरान उनका शोषण भी होता है और प्रति माह निर्धारित मजदूरी में से भी पैसा वसूला जाता है। इसके साथ-साथ संदर्भ कार्यालय में भी सक्षम पदाधिकारी से मिल कर कम मजदूरों के साथ काम कराया जाता है और अधिक मजदूरों के नाम पर पैसा उठाया जाता है। इस प्रकार अनुबंध मजदूरों के लिए बनाए गए कानूनों का बड़े पैमाने पर उल्लंघन उन ठेकेदारों के द्वारा किया जाता है।

मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहता हूँ कि इन अनुबंध मजदूरों पर हो रहे शोषण एवं दोहन के साथ-साथ, ठेकेदारों द्वारा बरती गई अनियमितताओं को रोकने के लिए इससे संबंधित कानून को और मजबूत बनाया जाए, ताकि इसकी संयुक्त निगरानी भी हो सके और उल्लंघन को नियंत्रित किया जा सके।

**SHRI ADHIR RANJAN CHOWDHURY (BAHARAMPUR):** Sir, I would like to draw your kind attention to a matter of serious public concern. I am given to understand that the Ministry of Information and Broadcasting, Government of India, has revoked the licence of a very popular media channel called MediaOne. Further, it is a matter of serious concern that the licence has been revoked without citing any valid reason. The reason cited by the Government is very vague – ‘security reason’ – without any elaboration and details. We all know that the press is the fourth important pillar of democracy. In order to have a vibrant and lively democracy, it is important to have freedom of speech and expression. In fact, the Government should encourage free press so that democracy is further strengthened. In light of the above, I shall appeal to you that the restriction on MediaOne may immediately be lifted and the order of the Government be revoked immediately.

**SHRI KODIKUNNIL SURESH (MAVELIKKARA):** Sir, I have given a notice of Adjournment Motion on this. ... (*Interruptions*)

**माननीय अध्यक्ष :** सुरेश जी आपको एसोसिएट कर लिया गया।

वी. के. श्रीकंदन जी।

...(व्यवधान)

**LIST OF MEMBERS WHO ASSOCIATED THEMSELVES WITH THE  
ISSUES RAISED UNDER MATTERS OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE**

सदस्य, जिनके द्वारा अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय उठाये गये।	सदस्य, जिन्होंने उठाए गए विषयों के साथ स्वयं को सम्बद्ध किया।
Shri Gaurav Gogoi	Shri Ritesh Pandey Kunwar Pushpendra Singh Chandel
Shri Bhartruhari Mahtab Shrimati Sharda Anil Patel Dr. Dhal Singh Bisen Shrimati Navneet Ravi Rana Shri Ajay Nishad	Kunwar Pushpendra Singh Chandel

**माननीय अध्यक्ष :** सभा की कार्यवाही मंगलवार, 8 फरवरी, 2022 को सांय चार बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

2128 बजे

तत्पश्चात् लोक सभा मंगलवार, 8 फरवरी, 2022 / 19 माघ 1943 (शक)  
के सोलह बजे तक के लिए स्थगित हुई।